THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेजा

कोलंबो, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका ने 21 भारतीय मछुआरों को वापस भेज दिया है। कोलंबो में मौजूद भारतीय मिशन के अनुसार, श्रीलंकाई नौसेना ने इसके जलक्षेत्र में कथित तौर पर अवैध शिकार करने के आरोप में इन मछुआरों को गिरफ्तार कर लिया था।

दोनों देशों के मछुआरों को अनजाने में एक-दूसरे के जलक्षेत्र में घुसने के लिए अक्सर गिरफ्तार किया जाता रहा है। श्रीलंका में भारतीय उच्चायोग ने सोमवार को एक्स पर एक पोस्ट में जानकारी दी कि 21 भारतीय मछुआरों के एक समूह को श्रीलंका से सफलतापूर्वक वापस भेज दिया गया है। वे फिलहाल अपने घर वापस जा रहे हैं। द्विपक्षीय संबंधों में मछुआरों का मुद्दा एक विवादास्पद विषय रहा है।

वर्ष-29 अंक : 259 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) **मार्गशीर्ष शु.11 2081 बुधवार, 11 दिसंबर-2024**

प्रधान संपादक - **डॉ. गिरीश कुमार संघी** हैदराबाद नगर ❊ **पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये**

विपक्ष का अविश्वास प्रस्ताव

> नोटिस पर 60 सांसदों के हस्ताक्षर

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राज्यसभा में सभापति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाया गया है। उच्च सदन में विपक्ष ने इस संबंध में नोटिस दिया है। विपक्षी दलों ने मंगलवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव पेश करने के लिए अनुच्छेद 67बी के तहत नोटिस दिया। नोटिस राज्यसभा महासचिव पीसी मोदी को सौंपा गया है। इससे पहले उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ और विपक्षी दलों के नेताओं के बीच टकराव सोमवार को चरम पर पहुंच गया था। इस टकराव के बाद विपक्ष ने धनखड़ को उनके कार्यकाल से हटाने के लिए एक अविश्वास प्रस्ताव लाने फैसला किया। सूत्रों के मुताबिक, कांग्रेस, राजद, टीएमसी, सीपीआई, सीपीआई-एम, जेएमएम, आप, डीएमके समेत करीब 60 विपक्षी सांसदों ने नोटिस पर हस्ताक्षर किए हैं। कांग्रेस की अगुआई में यह नोटिस विपक्षी दलों और राज्यसभा के सभापति के बीच जारी गतिरोध के मद्देनजर आया है। उपराष्ट्रपति को हटाने के लिए प्रस्ताव पेश करने के लिए न्यूनतम आवश्यक संख्या 50 है। दरअसल, विपक्ष कई मुद्दों को लेकर धनखड़ से नाराज है। इसमें सबसे ताजा मामला यह है कि उन्होंने उच्च सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों को कांग्रेस-सोरोस संबंध का मुद्दा उठाने की अनुमति दी।

नेताओं के रवैये को बिरला ने बताया अशोभनीय

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने मंगलवार को संसद परिसर में कांग्रेस और उसके सहयोगी दलों के विरोध प्रदर्शन के तौर-तरीकों को अशोभनीय बताया। उन्होंने प्रतिपक्ष के बड़े नेताओं के आचरण को संसदीय परंपराओं को प्रतिकूल करार दिया। उन्होंने कहा कि सभी को संसद की गरिमा, मर्यादा और प्रतिष्ठा को बनाए रखना चाहिए। उन्होंने लोकसभा की कार्यवाही शुरू होने पर इसका जिक्र किया। इस दौरान विपक्षी दलों के सदस्यों ने अपने मुद्दे उठाने का प्रयास करते हुए हंगामा किया, जिसके चलते सदन की कार्यवाही पांच मिनट बाद ही दोपहर 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

सरकार कब तक मुफ्त राशन बांटेगी : एससी

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने 9 दिसंबर को केंद्र सरकार के मुफ्त राशन बांटने पर सख्त टिप्पणी की। कोर्ट ने कहा- कब तक ऐसे मुफ्त राशन बांटा जाएगा। सरकार रोजगार के अवसर क्यों नहीं पैदा कर रही?

केंद्र ने अदालत को बताया कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 के तहत 81 करोड़ लोगों को मुफ्त या रियायती राशन दिया जा रहा है। बेंच ने केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता और अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ऐश्वर्या भाटी से कहा, इसका मतलब है कि केवल करदाता ही इससे बाहर हैं। जस्टिस सूर्यकांत और जस्टिस मनमोहन की बेंच ई-श्रम पोर्टल के तहत पात्र पाए गए प्रवासी श्रमिकों और अकुशल मजदूरों को मुफ्त राशन कार्ड दिए जाने से संबंधित मामले पर सुनवाई कर रही थी।

राजगोपालाचारी की जयंती पर पीएम ने दी श्रद्धांजलि

स्वाहिद दिवस के मौके पर बलिदानों को किया याद

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्वतंत्र सेनानी सी राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर श्रद्धांजलि दी। उन्होंने कहा कि भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और भारत को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए रामगोपालाचारी को हमेशा याद किया जाएगा। बता दें कि राजगोपालाचारी एक स्वतंत्रता सेनानी के साथ-साथ राजनेता, वकील और देश के एकमात्र भारतीय गवर्नर-जनरल भी थे। हालांकि, गवर्नर जनरल का पद आजादी के बाद समाप्त कर दिया गया था।

राजगोपालाचारी की जयंती पर उन्हें याद करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, सी. राजगोपालाचारी को उनकी जयंती पर स्मरण। उन्हें भारत के स्वतंत्रता संग्राम में उनके योगदान और भारत को आगे बढ़ाने के प्रयासों के लिए याद किया जाता है। उन्होंने शासन, साहित्य और सामाजिक सशक्तिकरण पर गहरा प्रभाव छोड़ा। उनके सिद्धांत हमें यह सुनिश्चित करने के लिए प्रेरित करते हैं कि प्रत्येक भारतीय सम्मान से जीवन जिए। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मंगलवार को स्वाहिद दिवस के मौके पर कहा कि यह दिन उन लोगों के साहस और बलिदान को याद करने का दिन है जिन्होंने खुद को असम आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया। असम आंदोलन राज्य में अवैध अप्रवासियों के निर्वासन क मांग करने वाला एक स्वदेशी आंदोलन था। इस आंदोलन में जान गंवाने वाले लोगों को श्रद्धांजलि देने के लिए 10 दिसंबर को स्वाहिद दिवस के तौर पर मनाया जाता है।

सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए पीएम मोदी ने कहा, स्वाहिद दिवस उन लोगों को याद करने का दिन जिन्होंने खुद को असम आंदोलन के लिए समर्पित कर दिया था।

'साइबर अपराध मानवाधिकारों के लिए खतरा' राष्ट्रपति मुर्मु ने एआई के प्रभाव पर की बात

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू मानवाधिकार दिवस के मौके पर मानवाधिकार आयोग द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम में शामिल हुईं। इस कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि साइबर अपराध एवं जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। मानवाधिकार दिवस हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाता है। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा, जब हम भविष्य की तरफ बढ़ रहे हैं तो हमारे सामने नयी उभरती चुनौतियां पेश हो रही हैं। साइबर अपराध, जलवायु परिवर्तन मानवाधिकारों के लिए नए खतरे हैं। उन्होंने कहा कि डिजिटल युग परिवर्तनकारी तो है लेकिन इसके साथ साइबर अपराध, डीप फेक, गोपनीयता की चिंता और गलत सूचना का प्रसार जैसे जटिल मुद्दे भी सामने आए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने एआई और मानव जीवन पर उसके प्रभाव के पहलू पर भी बात की। उन्होंने कहा, एआई अब हमारी रोजमर्रा की जिंदगी में कदम रख चुकी है और वह कई समस्याओं का समाधान कर रही है लेकिन हमारे सामने कई नई समस्याएं भी खड़ी हो रही है।

आरजी कर मामले में सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स से मांगी रिपोर्ट

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने पश्चिम बंगाल के कोलकाता में सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में एक डॉक्टर के दुष्कर्म और हत्या पर खुद की याचिका पर सुनवाई शुरू की। सुप्रीम कोर्ट ने घटना में मुकदमे की स्थिति जानना चाहा। वकील वृंदा ग्रोवर ने सुप्रीम कोर्ट को सूचित किया कि मुकदमा चल रहा है और सीबीआई को उम्मीद है कि अगले सप्ताह तक मुकदमा समाप्त हो जाएगा। बाद में, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टास्क फोर्स (एनटीएफ) को 12 सप्ताह के भीतर अपनी अंतिम रिपोर्ट पेश करने का निर्देश दिया।

पलटवार की तैयारी : अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के निर्देश

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ कार्रवाई हो सकती है। उपराज्यपाल सचिवालय ने मुख्य सचिव और पुलिस आयुक्त को इस संबंध में पत्र लिखा है। पत्र में राष्ट्रीय राजधानी में रहने वाले अवैध बांग्लादेशी प्रवासियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने के लिए कहा है। इसके तहत दो महीने तक विशेष अभियान शुरू करने के आदेश दिए हैं, जिसमें अवैध प्रवासियों की पहचान कर समयबद्ध तरीके से नियमानुसार कठोर कार्रवाई करने की बात कही गई है। इससे पहले दरगाह हजरत निजामुद्दीन, बस्ती हजरत निजामुद्दीन के प्रमुख उलेमाओं सहित शहर के मुस्लिम समुदाय के लोगों ने दिल्ली के उपराज्यपाल वीके सक्सेना से मुलाकात की थी। इस मुलाकात के दौरान बांग्लादेश में हिंदू और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों पर हो रहे हमलों पर गहरी चिंता व्यक्त की गई।

साथ ही एलजी से मांग रखी थी कि दिल्ली में अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। साथ ही मांग की गई थी कि अवैध बांग्लादेशी घुसपैठियों को किराए पर मकान नहीं दिए जाने चाहिए। जिन लोगों ने पहले से ही अपने परिसर या मकान किराए पर दे रखे हैं, उन्हें खाली कर देना चाहिए। उन्हें किसी भी प्रतिष्ठान में रोजगार तक नहीं देने की बात कही गई थी।

'अभूतपूर्व आपदा थी कोरोना महामारी, टीकाकरण ने बचाई जानें' : सुप्रीम कोर्ट में बोला केंद्र

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट में केंद्र सरकार ने मंगलवार को कहा कि कोरोना महामारी एक ऐसी आपदा थी, जैसे पहले कभी नहीं देखी गई और टीकाकरण ने लाखों लोगों की जान बचाई। सरकार ने यह जवाब तब दिया, जब जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस पी.बी. वराले की पीठ दो लड़कियों की कथित रूप से टीकाकरण से मौत को लेकर दायर याचिका पर सुनवाई कर रही थी। केंद्र की ओर से अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) ऐश्वर्या भाटी पेश हुए। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी एक अभूतपूर्व आपदा थी। इस पर लड़कियों के परिजनों का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ वकील कोलिन गोंसाल्विस ने जवाब दिया, हम इसका विरोध नहीं कर रहे हैं। हम विवाद नहीं कर रहे हैं। याचिका दोनों लड़कियों (18 वर्षीय और 20 वर्षीय) के परिजनों की ओर से दायर की गई है। उनका कहना है कि कोविशील्ड टीके की पहली डोज लेने के बाद लड़कियों को गंभीर प्रतिकूल प्रभावों (एईएफआई) का सामना करना पड़ा। भाटी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट ने कोविड टीकाकरण के पहलुओं को समग्र रूप से देखा था और एईएफआई फैसला दिया था।

देश में कुल 872,352 प्रॉपर्टी वक्फ की, 994 पर है अवैध कब्जा

> किरेन रिजिजू ने संसद को दी पूरी डिटेल

हाइलाइट्स

> भारत में कुल 872,352 वक्फ संपत्तियां हैं, जिनमें से 994 अवैध रूप से वक्फ के कब्जे में हैं

> तमिलनाडु में 734 वक्फ संपत्तियां अवैध रूप से हस्तांतरित की गई हैं, जो कि देश में सबसे अधिक हैं

> भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (सीपीआई-एम) के सांसद जॉन ब्रिट्टास ने इस मामले को लेकर सरकार से सवाल किया था

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देश में कुल 872,352 प्रॉपर्टी ऐसी हैं जो वक्फ के पास हैं। इसके अलावा 994 संपत्तियों पर वक्फ का अवैध कब्जा है। केंद्र सरकार ने सोमवार को यह जानकारी संसद को बताई है। शीतकालीन सत्र के दौरान,भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के सांसद जॉन ब्रिट्टास ने सरकार से इससे संबंधित सवाल किया था। अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरेन रिजिजू ने लिखित जवाब में कहा कि वमसी पोर्टल पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार, 994 वक्फ संपत्तियों का ट्रांसफर दिखाया गया है। ट्रांसफर का मतलब इसपर वक्फ ने अवैध कब्जा किया हुआ है।

किरेन रिजिजू ने दी पूरी जानकारी

किरेन रिजिजू के लिखित जवाब में यह बात सामने आई है कि उन 994 संपत्तियों में से अकेले 734 तमिलनाडु में अवैध रूप से कब्जा की गई हैं। सीपीएम सांसद ब्रिट्टास ने अपने प्रश्न में पूछा था कि देश भर में कितनी वक्फ संपत्तियां हैं, साथ ही राज्यवार बंटवारे के बारे में भी जानकारी मांगी थी। इसके अलावा, उन्होंने अवैध रूप से हस्तांतरित वक्फ संपत्तियों के बारे में चिंता व्यक्त की थी और ऐसी संपत्तियों का विवरण मांगा था।

मंत्री ने जवाब में कहा कि वक्फ अधिनियम की धारा 51(1-ए) में कहा गया है कि वक्फ संपत्ति की कोई भी बिक्री,दान,विनिमय,गिरवी या हस्तांतरण शुरू से ही अमान्य होगा। इसके अलावा,वक्फ अधिनियम की धारा 52 में कहा गया है कि यदि वक्फ बोर्ड निर्धारित तरीके से जांच करने के बाद यह निर्धारित करता है कि कोई वक्फ संपत्ति हस्तांतरित की गई है,तो वह कलेक्टर को एक प्रस्ताव भेज सकता है,जिसके अधिकार क्षेत्र में संपत्ति स्थित है,संपत्ति का कब्जा लेने और उसे बोर्ड को सौंपने के लिए।

सबसे ज्यादा तमिलनाडु में

मंत्रालय ने आगे बताया कि पूरे देश में कुल 994 ऐसी संपत्तियों में से तमिलनाडु ने सबसे अधिक 734 वक्फ संपत्तियों को हस्तांतरित की गई हैं, इसके बाद आंध्र प्रदेश 152, पंजाब 63, उत्तराखंड 11 और जम्मू-कश्मीर 10 संपत्तियों पर वक्फ का कब्जा है। इस बीच, केंद्रीय आवास और शहरी मामलों के मंत्रालय ने राज्यसभा को सूचित किया कि केंद्र सरकार द्वारा 2019 से वक्फ बोर्ड को कोई भूमि नहीं दी गई है। राज्यसभा सदस्य मिथलेश कुमार के एक प्रश्न के लिखित उत्तर में, राज्य मंत्री (एमओएस) तोखन साहू ने कहा कि भूमि राज्य का विषय है और इसलिए राज्य सरकारों द्वारा दी गई भूमि का कोई डेटा मंत्रालय के पास उपलब्ध नहीं है। केंद्र सरकार ने इस साल अगस्त में वक्फ (संशोधन) विधेयक पेश किया और इसे विचार के लिए संयुक्त संसदीय समिति को भेजा था। वरिष्ठ भाजपा नेता जगदंबिका पाल की अध्यक्षता वाली जेपीसी को अगले साल बजट सत्र के अंतिम सप्ताह तक अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए विस्तार दिया गया है।

रिजिजू ने अडाणी के साथ वाड्रा-गहलोत की फोटो शेयर की

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। संसद के बाहर मोदी-अडाणी मुखौटा मामले पर बीजेपी ने पलटवार किया है। केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने सोशल मीडिया X पर अडाणी की कुछ पुरानी तस्वीरें शेयर कीं। जिसमें वे रॉबर्ट वाड्रा, अशोक गहलोत और तेलंगाना सीएम रेवंत रेड्डी के साथ नजर आ रहे हैं। इन तस्वीरों के साथ रिजिजू ने राहुल की 9 दिसंबर को संसद के बाहर की तस्वीर भी शेयर की।

जिसमें वे उन कांग्रेस सांसदों के साथ नजर आ रहे हैं। जिसमें वे मोदी और अडाणी का मुखौटा पहने हैं। रिजिजू ने ये तस्वीरें शेयर करते हुए कैप्शन लिखा कि, सामान्य ज्ञान बताएगा कि लोग बालक बुद्धि को गंभीरता से क्यों नहीं लेते। संसद में सोमवार को राहुल गांधी रिपोर्टर के रोल में दिखे। विपक्ष के दो सांसदों ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गौतम अडाणी का मुखौटा लगाया और राहुल से बातचीत की। राहुल ने मोदी-अडाणी के संबंध, अमित शाह की भूमिका और संसद न चलने पर करीब 8 सवाल किए।

खबरें जरा हटके

डेढ़ साल में भी नहीं सुलझ पाई 15 बकरियों की गुत्थी

डीएम और एसपी के पास पहुंचे पीड़ित, पुलिस भी हैरान परेशान

अक्सर हमने और आपने चोरी की कई वारदातें सुनी होंगी लेकिन आज हम आपको एक ऐसी चोरी के बारे में बताने जा रहे हैं जिसे सुनकर यकीनन आपको हैरत होगी. चोरों ने इस बार किसी घर या दुकान को नहीं बल्कि फार्म हाउस पर हाथ साफ किया है, अगर आप सोच रहे हैं कि यहां से रुपए या कोई सामान चोरी हुआ है तो ऐसा बिल्कुल नहीं है. यहां चोरी तो हुई है लेकिन रुपयों की नहीं बल्कि 15 बकरियों की. पाकिस्तान की सीमा से कंधा मिलाने वाले बाड़मेर में चोरों के हौंसले बुलंद हैं. चोरों ने इस बार किसी घर, दुकान, मॉल या मंदिर में चोरी नहीं की है बल्कि इस बार चोरों ने पशु बाड़े को अपना निशाना बनाया है. अब बाड़मेर जिले की धनाऊ पुलिस डेढ़ साल से इन बकरियों की तलाश में जुटी हुई है. जानकारी के मुताबिक बामणोर भंवरशाह निवासी किसान फोटाराम मेघवाल ने धनाऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज करवाई थी कि 13 जुलाई 2023 को उनके व उनके परिवार के पशु बाड़े से 15 बकरियां चोरी हो गई हैं जिस पर धनाऊ पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच तो शुरू कर दी लेकिन डेढ़ साल बीत जाने के बावजूद इन बकरियों का सुराग नहीं लग पाया है.

फोटाराम सहित गांव के लोगों ने बाड़मेर जिला कलेक्टर व पुलिस अधीक्षक को मामले से अवगत करवाकर उनकी गुम हुई 15 बकरियों की ढूढ़ने की गुहार लगाई है. पीड़ित फोटाराम के मुताबिक बामणोर के ही मूलाराम की 5 बकरियां, मोहनलाल की 2 बकरियां, रेशमाराम की 5 बकरियां, सवाईराम की 1 बकरी और फोटाराम की 2 बकरियां डेढ़ साल से पुलिस ढूंढ नहीं पाई है. वहीं पीड़ित किसान ने गुहार लगाई है कि उनकी आजीविका पशुपालन पर चलती है ऐसे में डेढ़ साल बाद भी पुलिस इन बकरियों को ढूंढ नहीं पाई है जोकि पुलिस की कार्यप्रणाली पर सवालिया निशान खड़े करता है.

कोई जपता है तो कोई लिखता है, इस लड़की ने सजा दिए डेढ़ लाख राधा-कृष्ण नाम, मूरत देख होंगे हैरान

भगवान श्रीकृष्ण को समर्पित के मशहूर भजन है "राधे-राधे जपो, चले आएंगे बिहारी' . झांसी की रहने वाली प्रीति अग्रवाल ने इस भजन को एक नए रूप में सार्थक कर दिया है. उन्होंने राधे-राधे जप कर नहीं बल्कि राधे-राधे लिखकर राधा-कृष्ण का मनमोहक चित्र बना दिया है. प्रीति ने सिर्फ राधा शब्द को लिखकर ही राधा-कृष्ण का एक सुंदर चित्र बना दिया है. इस चित्र को जो भी देख रहा है, वह उसकी तारीफ करते नहीं थक रहा है. प्रीति ने लोकल 18 को बताया कि वह बचपन से ही मथुरा वृंदावन जाती रही हैं. भगवान कृष्ण के प्रति उनके मन में विशेष आस्था है. उन्होंने लगभग एक महीने में यह चित्र बना कर तैयार किया है. इस चित्र को बनाने में उन्होंने 1 लाख 50 हजार से अधिक बार 'राधा-राधा' लिखा. प्रीति एक गृहणी हैं और घर के काम से जब भी फुर्सत मिलती थी तो वह चित्र बनाने में जुट जाती थीं.

हर रोज चार घंटे किया काम

प्रीति कहती हैं कि भगवान कृष्ण और राधा में उनकी अटूट आस्था और विश्वास है. भगवान के प्रति अपने प्रेम और समर्पण को प्रदर्शित करने के लिए उन्होंने यह तस्वीर तैयार किया है. वह हर रोज 3 से 4 घंटे इस चित्र पर काम करती थीं. कई बार देर रात जग कर भी उन्होंने इस चित्र पर काम किया. प्रीति ने हाल ही में अपने द्वारा बनाए गए एक चित्र को पंडित धीरेंद्र शास्त्री को भी भेंट किया. जब बागेश्वर धाम की हिन्दू एकता पदयात्रा झांसी से गुजरी तो वहां उन्होंने धीरेंद्र शास्त्री को चित्र भेंट किया. पूर्व में भी प्रीति अग्रवाल चावल के दानों पर पूरा सुंदरकांड लिख चुकी हैं. उनके इस हुनर की तारीफ खुद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कर चुके हैं. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी उन्होंने अपने इस कार्य के बारे में बताया था.

ससुराल में दूल्हे की धुनाई, शादी के दूसरे दिन सारी महिलाओं ने मिलकर पीटा! देखते रहे घरवाले

मध्य प्रदेश में आज भी शादी विवाह में कई ऐसी परंपराएं निभाई जाती हैं, जो 500 साल पुरानी हैं. बुरहानपुर जिले में गुजर सालीसकल पंच समाज में भी ऐसी ही परंपरा का निर्वहन किया जाता हैं. यह परंपरा आज भी जीवित है. इसके तहत शादी के दूसरे दिन ससुराल में दूल्हे की धुनाई की जाती है. इस रस्म का निर्वहन करने में सबसे आगे महिलाएं होती हैं. महिलाएं साड़ी की गांठ बना कर दूल्हे की धुनाई करती हैं. यह रस्म समाज के लोगों के सामने होती है. दूल्हे गोकुल मार्चे से बात की तो उन्होंने कहा कि यह हमारे समाज की करीब 500 साल पुरानी परंपरा है.

शादी के दूसरे दिन ससुराल में दूल्हे की धुनाई करते हैं. आज मेरी भी ससुराल में धुनाई हुई जो परंपरा थी उसका निर्वहन किया गया. सभी समाज के लोग भी एकत्रित हुए और उनके सामने यह रस्म अदा की गई. समाज के वरिष्ठों का कहना है कि यह इसलिए किया जाता है कि जो साड़ी हल्दी में दुल्हन पहनती है उसकी एक लंबी गांठ बनाते हैं और वह इसलिए दूल्हे को मारते हैं ताकि उसी दिन सभी विवाद दूर हो जाएं और सभी एक दूसरे के साथ प्रेम भाव बना कर रखें. समाज की सोनाली भोपाल ने जानकारी देते हुए बताया कि दुल्हन जब हल्दी लगाती है उस समय जो साड़ी पहनती है उसकी गांठ बनाई जाती है. इसी से दूल्हे की ससुराल के लोग धुनाई करते हैं. इस दौरान महिलाएं दूल्हे को पीठ पर मारती हैं. सभी महिलाएं पांच-पांच बार दूल्हे को मारती हैं.

पुणे से अगवा भाजपा एमएलसी के चाचा की हत्या

सीसीटीवी खंगाल रही पुलिस

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में भाजपा एमएलसी योगेश तिलेकर के 55 वर्षीय चाचा सतीश वाघ का सोमवार सुबह अपहरण कर हत्या कर दी गई। पुलिस के अनुसार वाघ को पुणे शहर के हडपसर क्षेत्र में शेवालवाड़ी चौक के पास चार से पांच अज्ञात लोगों ने जबरन एक एसयूबी में बैठा लिया। घटना के समय वाघ सुबह की सैर पर निकले थे। अपहरण की सूचना सोमवार को सुबह करीब छह बजकर 20 मिनट पर पुणे जिले के मंजरी के फुरसुंगी फाटा स्थित होटल ब्लूबेरी के पास मिली। शाम को वाघ का शव अपहरण स्थल से करीब 40 किलोमीटर दूर यवत पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र से बरामद किया गया।

सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही पुलिस

अतिरिक्त पुलिस आयुक्त मनोज पाटिल ने बताया कि वाघ का शव पुणे-सोलापुर राजमार्ग पर यवत इलाके में मिला। उनके शरीर पर चाकू से वार के निशान थे। पुलिस ने इलाके की सीसीटीवी फुटेज जुटाकर आरोपियों की पहचान शुरू कर दी है। क्राइम ब्रांच के अधिकारियों सहित 5 स्पेशल टीमें इस मामले की जांच कर रही हैं। परिवार की ओर से किसी पर शक नहीं जताया गया है और न ही फिरौती के लिए कोई कॉल आया। मृतक के बेटे ओमकार वाघ (27) ने शिकायत दर्ज कराई, जिसमें उन्होंने बताया कि उनके पिता सुबह की सैर के लिए निकले थे, तभी 4 से 5 अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन एक कार में बिठा लिया और सोलापुर रोड की ओर ले गए। पुलिस उपायुक्त आर राजा ने बताया कि सतीश वाघ की हत्या यवत पुलिस स्टेशन की सीमा में की गई। अज्ञात संदिग्धों का पता लगाने के लिए काम कर रही हैं।

कर्नाटक के पूर्व सीएम कृष्णा का निधन

बेंगलुरु को आईटी हब बनाया; मनमोहन ने कहा था-2004 में वह मेरी जगह पीएम बन सकते थे

बेंगलुरु, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पूर्व विदेश मंत्री और कर्नाटक के मुख्यमंत्री रहे एसएम कृष्णा का सोमवार देर रात करीब 2:45 बजे निधन हो गया। वे 92 साल के थे। कृष्णा ने बेंगलुरु में अपने आवास पर अंतिम सांस ली। वे उम्र से जुड़ी बीमारियों से जूझ रहे थे। कर्नाटक सरकार ने पूर्व सीएम के निधन पर 3 दिन का राजकीय शोक घोषित किया है। डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार ने मंगलवार को बताया कि कल सुबह 8 बजे एसएम कृष्णा का पार्थिव शरीर उनके पैतृक गांव मददुर ले जाया जाएगा। वहां लोग दोपहर 3 बजे तक अंतिम दर्शन कर सकेंगे। शाम 4 बजे राजकीय सम्मान के साथ उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। कर्नाटक के सीएम रहते हुए उन्होंने बेंगलुरु को आईटी इंडस्ट्री के रूप में विकसित करने की एक मजबूत नींव रखी और इंटरनेशनल लेवल पर 'ब्रांड बेंगलुरु' बनाने में कामयाब रहे। एक निर्दलीय विधायक से अपना राजनीतिक करियर शुरू करने वाले कृष्णा 2004 में देश के प्रधानमंत्री बन सकते थे। यह बात खुद पूर्व पीएम मनमोहन सिंह ने अपने एक साथी अर्थशास्त्री को बताई थी। कृष्णा का जन्म 1 मई, 1932 को कर्नाटक के मांड्या जिले के सोमनहल्ली में हुआ था। उन्होंने मैसूर के महाराज कॉलेज ग्रेजुएशन किया और फिर गवर्नमेंट लॉ कॉलेज से एलएलबी की पढ़ाई पूरी की। इसके बाद उन्हें अमेरिका में पढ़ने के लिए फुलब्राइट स्कॉलरशिप मिली। कृष्णा ने अमेरिका से लॉ में पोस्ट ग्रेजुएट की डिग्री हासिल की।

भारत वापस आकर कृष्णा कर्नाटक और दिल्ली हाईकोर्ट में वकालत करने लगे। कुछ समय बाद वे राजनीति में आ गए।

पीएम मोदी ने जताया शोक, जयशंकर-राहुल समेत अन्य नेताओं ने दी श्रद्धांजलि

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कर्नाटक के पूर्व मुख्यमंत्री एसएम कृष्णा के निधन से राजनीतिक जगत में शोक की लहर है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर और कांग्रेस के दर्जनों नेताओं ने मंगलवार सुबह ही कृष्णा को श्रद्धांजलि दी। इनमें राहुल गांधी, मल्लिकार्जुन खरगे समेत कई नाम शामिल हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एसएम कृष्णा के निधन पर शोक जताते हुए कहा कि वह एक असाधारण नेता थे, जिनका सभी क्षेत्रों के लोग सम्मान करते थे। एसएम कृष्णा का मंगलवार सुबह बंगलूरू में उनके आवास पर निधन हो गया। 92 वर्षीय वरिष्ठ नेता लंबे समय से बीमार थे। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कृष्णा के निधन पर दुख व्यक्त किया।

मुंबई बस दुर्घटना में चालक पर गैर इरादतन हत्या का मामला

> फडणवीस ने किया मुआवजे का एलान

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में दर्दनाक सड़क हादसे के बाद पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस ने मुंबई हादसे में शामिल बेस्ट बस के चालक के खिलाफ गैर इरादतन हत्या का मामला दर्ज किया है। दुर्घटना में सात लोगों की मौत हो गई है और 43 अन्य घायल बताए जा रहे हैं। दुर्घटना सोमवार रात करीब साढ़े नौ बजे कुर्ला (पश्चिम) में एसजी बर्वे मार्ग पर हुई, जहां बृहन्मुंबई इलेक्ट्रिक सप्लाई एंड ट्रांसपोर्ट (बेस्ट) उपक्रम की बस ने कई वाहनों और पैदल यात्रियों को टक्कर मार दी।

एक अधिकारी ने बताया कि घायलों का भाभा अस्पताल, सायन अस्पताल और सेवन हिल्स अस्पताल सहित अलग-अलग चिकित्सा सुविधाओं में इलाज चल रहा है। उनमें से कुछ की हालत गंभीर है। घायलों में चार पुलिसकर्मी भी शामिल हैं, जो घटना के समय बंदोबस्त ड्यूटी पर थे। उनकी हालत स्थिर है। उन्होंने बताया कि स्थानीय लोगों ने दुर्घटना के तुरंत बाद बस चालक संजय मोरे को पकड़ लिया और पुलिस ने उसे हिरासत में ले लिया।

अधिकारी ने बताया कि चालक को मेडिकल जांच के लिए अस्पताल ले जाया गया। उसके खून के नमूने ले लिए गए हैं। अब यह पता लगाया जाएगा कि वह शराब के नशे में था या नहीं? बस चालक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105 (गैर इरादतन हत्या), 110 (गैर इरादतन हत्या का प्रयास) और मोटर वाहन अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस को संदेह है कि बस के ब्रेक फेल हो गए थे। इस वजह से चालक का वाहन पर से नियंत्रण खो गया। हालांकि, विशेषज्ञों की ओर से इसकी पुष्टि की जाएगी। दुर्घटना के पांच घंटे से अधिक समय बाद बेस्ट ने कहा कि प्रारंभिक जानकारी के अनुसार चालक ने बस पर नियंत्रण खो दिया था। इससे पहले अधिकारियों ने सोमवार को बताया था कि बस कुर्ला (पश्चिम) में पैदल यात्रियों और वाहनों को कुचलने के बाद एक आवासीय सोसायटी बुद्ध कॉलोनी में घुस गई।

कुल्लू में बड़ा हादसा : 200 फीट गहरी खाई में गिरी बस, ड्राइवर की मौत, कई यात्री घायल

कुल्लू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश के कुल्लू जिले में मंगलवार को एक भीषण सड़क हादसा हुआ, जिसमें करीब 30 यात्रियों से भरी एक बस 200 फीट गहरी खाई में गिर गई। इस हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। बताया जा रहा है कि ड्राइवर का बस पर से नियंत्रण खो गया, जिसके कारण यह दुर्घटना घटी। स्थानीय लोगों और पुलिस की मदद से बचाव अभियान चलाया गया और घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया।

भाजपा बोली-केजरीवाल ने सीएम हाउस खाली नहीं किया

वीडियो जारी किया, कहा-कोविड के दौरान मकान की मरम्मत पर 45 करोड़ खर्च किए

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली भाजपा ने मंगलवार को मुख्यमंत्री आवास का वीडियो जारी कर आरोप लगाया कि अरविंद केजरीवाल ने 6, फ्लैगस्टाफ रोड का बंगला अब तक खाली नहीं किया है। भाजपा ने आरोप लगाया कि खुद को आम आदमी कहने वाले केजरीवाल ने अपने रहने के लिए 'शीशमहल' बनवाया था। केजरीवाल कहते थे कि सरकारी घर नहीं लूंगा, लेकिन रहने के लिए 7 स्टार रिजॉर्ट बना डाला। इस महल में 1.9 करोड़ रुपए से मार्बल ग्रेनाइट, लाइटिंग, 1.5 करोड़ रुपए से मरम्मत और 35 लाख रुपए से जिम और स्पा बनावाया है। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि केजरीवाल को दिल्ली के लोगों को बताना चाहिए कि उन्होंने किस अधिकार से अपने बंगले की सजावट में पर करीब 45 करोड़ रुपए खर्च कर दिए, जबकि कोविड में जनता के विकास कार्य ठप थे। भाजपा के आरोप पर आम आदमी पार्टी (आप) ने कहा कि वह मकान 1942 में बना था और बहुत खस्ता हालत में था। मकान की छतें टपकती थीं। कुछ तो गिर भी गई थीं। पब्लिक वर्क डिपार्टमेंट के ऑडिट के बाद ही मकान की मरम्मत कराई गई थी।

एचसी के जज शेखर यादव के विवादित बोल पर सीजेएआर ने सीजेआई खन्ना को लिखा पत्र, आंतरिक जांच की मांग की

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। न्यायिक जवाबदेही और सुधार अभियान (सीजेएआर) ने भारत के मुख्य न्यायाधीश संजीव खन्ना को पत्र लिखा। इसमें उन्होंने हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति शेखर कुमार यादव के खिलाफ आंतरिक जांच की मांग की। पत्र में न्यायिक अनियमितता और न्यायाधीशों के लिए आचार संहिता के उल्लंघन के आरोपों पर प्रकाश डाला, जो न्यायमूर्ति यादव द्वारा आठ दिसंबर, 2024 को इलाहाबाद में हाईकोर्ट परिसर में आयोजित विश्व हिंदू परिषद (वीएचपी) के कार्यक्रम के दौरान की गई विवादास्पद टिप्पणियों से उपजा है।

विश्व हिंदू परिषद (विहिप) की लीगल सेल की ओर से रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में जस्टिस शेखर यादव ने कई टिप्पणियां की थीं, जिनपर अब विवाद गहरा गया है। वकील और गैर सरकारी संगठन न्यायिक जवाबदेही और सुधार अभियान (सीजेएआर) के संयोजक प्रशांत भूषण ने न्यायमूर्ति यादव के खिलाफ जांच की मांग की है। एनजीओ ने उन पर न्यायिक नैतिकता का उल्लंघन करने और निष्पक्षता तथा धर्मनिरपेक्षता के संवैधानिक सिद्धांतों का उल्लंघन करने का आरोप लगाया है।

क्या बोले थे शेखर कुमार यादव?

न्यायाधीश ने कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। विहिप द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, उन्होंने कहा था कि समान नागरिक संहिता का मुख्य उद्देश्य विभिन्न धर्मों और समुदायों पर आधारित असमान कानूनी प्रणालियों को समाप्त करके सामाजिक सद्भाव, लैंगिक समानता और धर्मनिरपेक्षता को बढ़ावा देना है। समान नागरिक संहिता एक ऐसा कानून है जो विवाह, उत्तराधिकार, तलाक, गोद लेने आदि जैसे व्यक्तिगत मामलों में सभी धार्मिक समुदायों पर लागू होता है।

सीजेएआर ने क्या कहा?

पत्र में, भूषण ने कहा कि न्यायमूर्ति यादव ने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) का समर्थन करते हुए एक भाषण दिया, जबकि विवादास्पद टिप्पणी की। न्यायिक जवाबदेही और सुधार अभियान (सीजेएआर) ने कहा कि न्यायमूर्ति यादव का विहिप के कार्यक्रम में भाग लेना और उनकी टिप्पणियां न्यायिक अनुचितता का मामला है और संविधान को निष्पक्ष रूप से बनाए रखने की शपथ का उल्लंघन है। ये टिप्पणियां न्यायपालिका की तटस्थ मध्यस्थ के रूप में भूमिका को कमजोर करती हैं और इसकी स्वतंत्रता में जनता के विश्वास को खत्म करती हैं।

मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपशब्द बोले

भूषण ने पत्र में आरोप लगाया कि न्यायमूर्ति यादव ने मुस्लिम समुदाय के खिलाफ अपमानजनक शब्दों का भी इस्तेमाल किया। इससे इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश के पद और न्यायपालिका को बदनामी झेलनी पड़ी। साथ ही कानून के शासन को कमजोर किया, जिसे बनाए रखने का काम उनका है। इतना ही नहीं, उन्होंने टिप्पणी की कि एक समुदाय के बच्चों को दया और अहिंसा के मूल्य सिखाए जाते हैं, और इसके लोगों को सहिष्णु होने के लिए पाला जाता है। उन्होंने आगे पत्र में कहा, 'हाईकोर्ट के जज ने यह भी कहा कि जहां गाय, गीता और गंगा संस्कृति को परिभाषित करती हैं, जहां हर घर में हरबाला देवी की मूर्ति होती है और हर बच्चा राम होता है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 11 दिसंबर, 2024 3

सुविचार

भूखा पेट, खाली जेब और झूठा प्रेम इंसान को जीवन में बहुत कुछ सीखा जाता है।

चुनौतियों के बावजूद प्रजावाणी कार्यक्रम जारी रहेगा : भट्टी विक्रमार्क

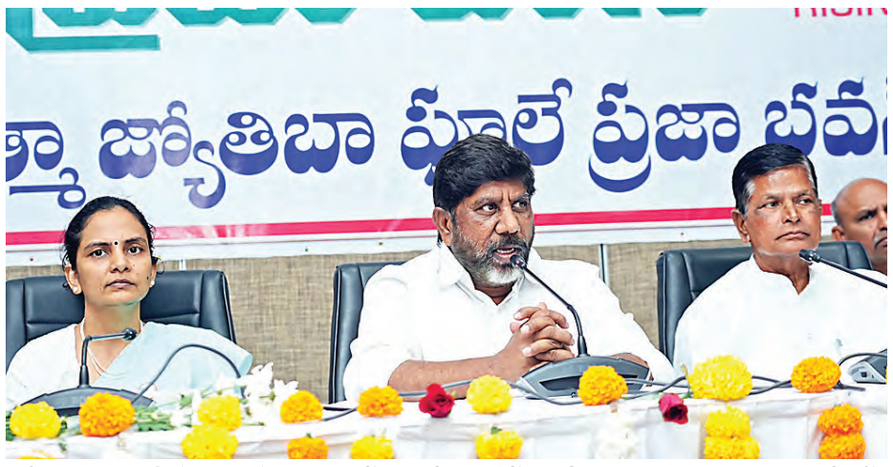

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। उपमुख्यमंत्री भट्टी विक्रमार्क ने दोहराया है कि चुनौतियों के बावजूद 'प्रजावाणी' कार्यक्रम बिना किसी रुकावट के जारी रहेगा। मंगलवार को प्रजा भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजावाणी के माध्यम से प्रस्तुत आवेदनों का समाधान किया जा रहा है और लोग अपनी समस्याओं के समाधान पर खुशी व्यक्त कर रहे हैं। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि प्रजावाणी लोगों के लिए अपनी चिंताओं और जरूरतों को सीधे व्यक्त करने के लिए एक मंच के रूप में कार्य करता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जवाबदेही और जन कल्याण के प्रति समर्पण के साथ काम कर रही है।

भट्टी ने कहा, सभी विभाग केवल लोगों के लाभ के लिए काम कर रहे हैं। बीआरएस सरकार के तहत पिछले दशक में पोडू किसानों के सामने आने वाले मुद्दों की अनदेखी की गई। इसके अलावा, यह तेलंगाना के लोगों की आशाओं और आकांक्षाओं को संबोधित करने में विफल रही। उन्होंने आगे कहा कि लोकतंत्र तभी मजबूत होता है जब लोगों को लगता है कि सभी सरकारी प्रणालियां उनके पक्ष में काम कर रही हैं। भट्टी ने कहा, वर्तमान सरकार भारतीय संविधान की प्रस्तावना में निहित हर सिद्धांत को लोगों तक पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है।

वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के निर्माण में तेजी जाएं : हरीश

हरीश ने टीटीडी अध्यक्ष से की मुलाकात

सिद्दीपेट, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री टी हरीश राव ने तिरुपति तिरुमाला देवस्थानम (टीटीडी) के अध्यक्ष बीआर नायुडू से सिद्दीपेट में प्रस्तावित श्री वेंकटेश्वर स्वामी मंदिर के काम में तेजी लाने का अनुरोध किया। तिरुमाला की यात्रा के दौरान हरीश राव ने नायुडू से मुलाकात की और इस संबंध में एक ज्ञापन प्रस्तुत किया। ज्ञापन में राव ने कहा कि टीटीडी ने पहले सिद्दीपेट में कोमातिचेरुवु के पास तिरुमाला मंदिर की प्रतिकृति बनाने पर सहमति व्यक्त की थी। मंदिर के निर्माण के लिए भूमि को अंतिम रूप देने के लिए एक विशेषज्ञ इंजीनियरिंग टीम और टीटीडी के स्थपति ने जुलाई 2023 में सिद्दीपेट का दौरा किया था। पिछली सरकार ने टीटीडी के लिए 5 एकड़ और 10 गुंटा भूमि भी आवंटित की थी। उन्होंने कहा कि मंदिर का डिजाइन भी टीटीडी इंजीनियरों की टीम ने तैयार किया था।

आशा कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस कार्रवाई की निंदा

केटीआर ने अस्पताल पहुंचकर पूछा कुशलक्षेम

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामा राव ने सोमवार को कोटी में स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण निदेशक के कार्यालय पर नौकरी की सुरक्षा और बेहतर वेतन के लिए अपने विरोध प्रदर्शन के दौरान आशा कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुलिस की बर्बरता की कड़ी निंदा की। उन्होंने महिला आशा कार्यकर्ताओं के खिलाफ पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा बल प्रयोग को गलत बताया।

रामा राव ने मंगलवार को घायल आशा कार्यकर्ताओं से मुलाकात की, जिनमें रहीमबी और संतोषिनी शामिल हैं, जिन्हें पुलिस के हमले में गंभीर चोटें आई हैं और जिनका उस्मानिया जनरल अस्पताल में इलाज चल रहा है। उन्होंने उनकी लड़ाई के प्रति एकजुटता दिखाई और उन्हें हर संभव सहायता देने के साथ-साथ आगामी सत्र के दौरान विधानसभा में उनकी ओर से लड़ने की पेशकश की।

मीडियाकर्मियों से बात करते हुए रामा राव ने याद दिलाया कि आशा कार्यकर्ताओं ने कोविड-19 महामारी के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी और राज्य के दूरदराज के इलाकों में स्वास्थ्य सेवाएं भी पहुंचाई थीं। उन्होंने कहा कि वे केवल कांग्रेस सरकार से चुनाव के दौरान किए गए वादों को पूरा करने की मांग कर रहे थे।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष ने पुरुष पुलिसकर्मियों, खासकर सहायक पुलिस आयुक्त के इस्तेमाल की कड़ी निंदा की, जिन्होंने अपनी जायज मांगों के लिए शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन कर रही महिलाओं पर हमला किया, उन्हें घसीटा और उनके साथ दुर्व्यवहार किया।

उन्होंने कहा कि आशा कार्यकर्ताओं पर सिर्फ़ अपने अधिकारों की मांग करने के लिए हमला किया गया। पुरुष पुलिसकर्मियों द्वारा महिलाओं की पिटाई अस्वीकार्य है और गृह विभाग की स्पष्ट विफलता है, जो सीधे मुख्यमंत्री के अधीन है। यह सरकार के लिए एक अपमान है।

उन्होंने जवाबदेही की कमी पर सवाल उठाया और कदाचार के लिए पुलिस अधिकारियों को तत्काल बर्खास्त करने की मांग की। उन्होंने कहा कि क्या इस राज्य में कानून और व्यवस्था का नामोनिशान भी बचा है? एसीपी की हरकतें इस प्रशासन के अहंकार और विफलता को दर्शाती हैं। घायल श्रमिकों को पूर्ण सहायता का आश्वासन देते हुए रामा राव ने घोषणा की कि बीआरएस इस मुद्दे को राज्य महिला आयोग के समक्ष उठाएगा और यदि आवश्यक हुआ तो इसे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग और राष्ट्रीय महिला आयोग के समक्ष उठाएगा।

प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 424 आवेदन प्राप्त हुए

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को महात्मा ज्योतिबा फूले प्रजा भवन में आयोजित प्रजावाणी कार्यक्रम में कुल 424 आवेदन प्राप्त हुए। अधिकारियों ने बताया कि पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास विभाग के लिए 108, अल्पसंख्यक कल्याण विभाग के लिए 100, राजस्व संबंधी 65, बिजली विभाग के लिए 57, नगरपालिका एवं शहरी विकास विभाग के लिए 13, प्रवासी प्रजावाणी के लिए 05 और अन्य विभागों के लिए 76 आवेदन प्राप्त हुए। इस कार्यक्रम में राज्य योजना आयोग के उपाध्यक्ष डॉ. चिन्ना रेड्डी, लोक प्रशासन विशेष अधिकारी श्रीमती दिव्या ने भाग लिया और आवेदन प्राप्त किये। उन्होंने प्रजा भवन में आये लोगों से उनकी समस्याएं पूछीं।

तेलंगाना विधानसभा परिसर में फोटोग्राफी, वीडियोग्राफी पर प्रतिबंध

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना विधानसभा ने अपने परिसर में फ़ोटो और वीडियो लेने पर प्रतिबंध लगा दिया है। नए नियम को लागू करने के लिए विधानसभा लॉबी में चेतावनी बोर्ड लगाए गए हैं। विधानसभा सचिवालय के इस कदम की विपक्षी दलों, खासकर मुख्य विपक्षी दल बीआरएस ने तीखी आलोचना की है। विपक्षी नेताओं का कहना है कि सरकार लोकतांत्रिक प्रशासन होने के अपने दावों के विपरीत अलोकतांत्रिक और तानाशाही नीतियां अपना रही है।

बीआरएस ने कहा कि कांग्रेस पार्टी का नारा 'प्रजा पालना' और शासन में स्वतंत्रता के वादे केवल कागजों पर हैं, जबकि व्यवहार में वह अलोकतांत्रिक व्यवस्था लागू कर रही है। इसने आरोप लगाया कि विधानसभा परिसर में फ़ोटो और वीडियो पर प्रतिबंध विधानसभा के अंदर और बाहर विपक्ष की आवाज़ को दबाने की कोशिश है। पहले इस तरह की कोई पाबंदी नहीं थी, लेकिन अब नए नियम लागू होने से विपक्षी नेताओं में नाराजगी है। इससे पहले विधानसभा सत्र के दौरान लाइव टीवी स्ट्रीमिंग पर रोक थी। हालांकि, फ़ोटो और वीडियो पर कोई पाबंदी नहीं थी। प्रतिबंध नोटिस की रिपोर्ट और तस्वीरें विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफार्मों पर वायरल हो गई हैं और इंटरनेट उपयोगकर्ता सरकार के इस कदम की आलोचना कर रहे हैं।

निवेश पर फर्जी वीडियो से सावधान रहें : आरबीआई

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारतीय रिजर्व बैंक ने एक अधिसूचना जारी कर लोगों को सोशल मीडिया पर बैंक अधिकारियों द्वारा निवेश योजनाओं से संबंधित सुझाव देने वाले फर्जी वीडियो के बारे में आगाह किया है। अधिसूचना में कहा गया है कि बैंक के संज्ञान में आया है कि सोशल मीडिया पर कुछ डीप फेक वीडियो प्रसारित किए जा रहे हैं, जिनमें बताया जा रहा है कि आरबीआई गवर्नर ने कुछ निवेश योजनाएं शुरू की हैं या वे कुछ योजनाओं का समर्थन कर रहे हैं। कुछ तकनीकी उपकरणों का उपयोग करके वीडियो में लोगों को आरबीआई गवर्नर के नाम का उपयोग करके कुछ योजनाओं में निवेश करने की सलाह दी जा रही है। आरबीआई का कोई भी अधिकारी निवेश के बारे में सलाह नहीं देगा या किसी योजना का समर्थन नहीं करेगा। ये वीडियो फर्जी हैं। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि वे निवेश योजनाओं पर ऐसी सलाह कभी नहीं देंगे। आरबीआई ने लोगों को डीप फेक वीडियो के बारे में सतर्क रहने और धोखेबाजों की चालों का शिकार बनने और अपना पैसा गंवाने से बचने की सलाह दी है।

एक्सपायर मिल्क पाउडर के साथ एक गिरफ्तार

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में मुशीराबाद पुलिस के साथ सेंट्रल जोन टास्क फोर्स टीम ने मिलावटी/एक्सपायर हो चुके मिल्क पाउडर (बिक्री के लिए नहीं) की खरीद और बिक्री करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। एक गुप्त सूचना पर सेंट्रल जोन टास्क फोर्स टीम ने मुशीराबाद पुलिस के साथ मुशीराबाद इलाके में गोदाम पर छापा मारा और सिकंदराबाद के भोलकपुर निवासी चित्तबोइना दामोदर यादव को गिरफ्तार किया, जो कर्नाटक राज्य सरकार द्वारा शुरू की गई "क्षीर भाग्य योजना" के नाम से स्कूली बच्चों को सार्वजनिक वितरण योजना के लिए मिलावटी/एक्सपायर हो चुके मिल्क पाउडर (बिक्री के लिए नहीं) का अवैध रूप से परिवहन, भंडारण और बिक्री करते हुए पाया गया और जरूरतमंद ग्राहकों को ऊंचे दामों पर बेचा, जो उपभोग के लिए अच्छा नहीं है। हालांकि प्रतिवादी चित्तबोइना दामोदर को खाद्य सुरक्षा अधिकारियों द्वारा पहले भी कई बार गिरफ्तार किया गया था, लेकिन उसने अपने तौर-तरीकों में कोई सुधार नहीं किया और बार-बार अवैध कारोबार करता रहा है।

परीक्षा सावधानीपूर्वक कराई जानी चाहिए : जिला कलेक्टर

ग्रुप-2 परीक्षाओं के आयोजन को लेकर हुई बैठक

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले में 15 और 16 दिसंबर को ग्रुप-2 परीक्षाओं के आयोजन की व्यवस्था करने के लिए जिला कलेक्टर सी. नारायण रेड्डी ने संबंधित अधिकारियों को आदेश दिए। मंगलवार को एकीकृत जिला कार्यालय परिसर के सभाकक्ष में पुलिस नोडल पदाधिकारी एवं सभी विभागीय पदाधिकारियों के साथ ग्रुप-2 परीक्षा के आयोजन को लेकर समीक्षा बैठक की गयी। इस मौके पर कलेक्टर ने कहा कि इस माह की 15 तारीख को दो पेपर होंगे, पहला पेपर सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे तक, दूसरा पेपर दोपहर 3 बजे से शाम 5:30 बजे तक होगा। दूसरे दिन 16 तारीख को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक पहला पेपर दोपहर 3 बजे से शाम 5.30 बजे तक आयोजित किया जाएगा। दोनों दिन कुल मिलाकर चार पेपर होंगे। अभ्यर्थियों को सुबह 8.30 बजे से 9.30 बजे तक परीक्षा केंद्रों में प्रवेश की अनुमति होगी, 9.30 बजे के बाद गेट बंद कर दिए जाएंगे और देर से आने की अनुमति नहीं होगी। पुलिस नोडल अधिकारियों, प्रमुख पुलिस अधीक्षकों, विभागीय अधिकारियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपने कर्तव्यों का निर्वहन ठीक से करें। उन्होंने बताया कि ग्रुप-2 की इस परीक्षा में जिले के 90 परीक्षा केंद्रों पर 56883 अभ्यर्थी शामिल हो रहे हैं। अपर समाहर्ता ने उड़नदस्तों, चिन्हीकरण अधिकारियों, विभागीय अधिकारियों एवं नोडल अधिकारियों द्वारा किये जाने वाले कार्यों के बारे में बताया। उम्मीदवारों को परीक्षा केंद्र में तेलंगाना लोक सेवा आयोग के निर्देशों के अनुसार कार्य करना चाहिए और इलेक्ट्रॉनिक वस्तुओं के साथ मोबाइल फोन नहीं लाना चाहिए। उन्होंने कहा कि परीक्षा केंद्रों पर धारा 144 लगाई जाएगी और सुरक्षात्मक कदम उठाते हुए उस क्षेत्र में ज़ेरॉक्स सेंटर बंद कर दिए जाएंगे। संबंधित केंद्र प्रबंधकों को परीक्षा केंद्रों में बिजली आपूर्ति, शौचालय, पेयजल और सभी बुनियादी सुविधाओं की जांच करने की सलाह दी गई है। परीक्षा केंद्रों पर मेडिकल कैंप की व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारियों को बिजली कटौती से बचने के लिए एहतियाती कदम उठाने चाहिए। टीजी ने आरटीसी अधिकारियों को केंद्रों पर स्वच्छता बनाए रखने और परीक्षा घंटों के दौरान उम्मीदवारों की सुविधा के लिए बसों के समय में बदलाव करने की सलाह दी।

चोरों ने मंदिर में सेंध लगाने का किया असफल प्रयास

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को तड़के एलबी नगर के मंसूराबाद में अयप्पा स्वामी मंदिर में चोरों ने मंदिर में घुसकर भगवान के आभूषण चुराने की नाकाम कोशिश की। संग्रह बॉक्स लेकर भागने की नाकाम कोशिश के बाद वे मौके से फरार हो गए। पुलिस के अनुसार, संदिग्धों ने मुख्य सड़क पर स्थित मंदिर में प्रवेश किया और संग्रह पेटी को तोड़कर पैसे चुराने की कोशिश की, लेकिन जब वे सफल नहीं हो सके, तो पैसे बाइक पर अपने साथ ले गए।

हालांकि, वहां से गुजर रहे एक मोटर चालक ने उन्हें देख लिया और शोर मचा दिया। इसके बाद संदिग्ध ने उस पर चाकू तान दिया और मौके से भाग गया। मंदिर से मिली शिकायत के आधार पर एलबी नगर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। उन्हें संदेह है कि चोरों ने भगवान की मूर्ति पर लगे सोने के आभूषण चुराने की योजना बनाई होगी। पुलिस बदमाशों की पहचान करने और उन्हें जल्द से जल्द पकड़ने के लिए आसपास के निगरानी कैमरों की फुटेज की जांच कर रही है।

एआईआर स्टाफ प्रमुख सीजीपी की समीक्षा करेंगे

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद के डुंडीगल में एयर फोर्स अकादमी (एएफए) में 214 ऑफिसर्स कोर्स की संयुक्त स्नातक परेड (सीजीपी) 14 दिसंबर को आयोजित की जाएगी। सैन्य सटीकता से चिह्नित यह कार्यक्रम भारतीय वायु सेना (आईएएफ) की विभिन्न शाखाओं में फ्लाइट कैडेटों के प्री-कमीशनिंग प्रशिक्षण के सफल समापन का स्मरण करेगा। एयर चीफ मार्शल एपी सिंह, चीफ ऑफ द एयर स्टाफ (सीएएस) परेड के लिए समीक्षा अधिकारी (आरओ) होंगे। समारोह के दौरान, आरओ स्नातक प्रशिक्षुओं को "राष्ट्रपति कमीशन' प्रदान करेंगे। समारोह में फ्लाइट कैडेटों, भारतीय नौसेना, भारतीय तटरक्षक बल के अधिकारियों और एक मित्र विदेशी देश के एक अधिकारी को प्रशिक्षण के सफल समापन पर "विंग्स' और "ब्रेवेट्स' प्रदान करना शामिल है। यह सीजीपी भारतीय वायुसेना में हथियार प्रणाली शाखा के अधिकारियों के पहले बैच की कमीशनिंग का भी प्रतीक होगा। फ्लाइंग शाखा से फ्लाइट कैडेट जो योग्यता के क्रम में प्रथम स्थान पर आता है, उसे प्रतिष्ठित "राष्ट्रपति पट्टिका' के साथ-साथ "चीफ ऑफ द एयर स्टाफ स्वॉर्ड ऑफ ऑनर' से सम्मानित किया जाएगा और वह परेड की कमान संभालेगा। आरओ ग्राउंड ड्यूटी शाखा में समग्र योग्यता के क्रम में प्रथम स्थान पर आने वाले कैडेट को "राष्ट्रपति पट्टिका' प्रदान करेगा। एसयू-30 एमकेआई, सूर्य किरण एरोबैटिक टीम (एसकेएटी) और "सारंग' हेलीकॉप्टर प्रदर्शन टीम द्वारा हवाई प्रदर्शन, सामान्य स्नातक परेड के साथ-साथ पिलाटस पीसी-7 एमके-II, हॉक, किरण और चेतक विमानों द्वारा फ्लाई पास्ट इस समारोह का मुख्य आकर्षण होगा।

आदिलाबाद, आसिफाबाद में न्यूनतम तापमान में गिरावट

आदिलाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को आदिलाबाद और कुमराम भीम आसिफाबाद दोनों जिलों के न्यूनतम तापमान में गिरावट आई। आदिलाबाद जिले के भीमपुर मंडल के अरली (टी) गांव में न्यूनतम तापमान 11 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया, जबकि तलमदुगु मंडल केंद्र में न्यूनतम तापमान 11.8 डिग्री सेल्सियस रहा। मावला, जैनथ, आदिलाबाद ग्रामीण, नेराडिगोंडा, आदिलाबाद शहरी, गडीगुडा, बाजारहाथनूर और बोथ मंडलों में न्यूनतम तापमान 12 डिग्री सेल्सियस और 14 डिग्री सेल्सियस के बीच रहा।

एससीआर सबरीमाला के लिए अतिरिक्त विशेष ट्रेनें चलाएगा

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सबरीमाला तीर्थयात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए, दक्षिण मध्य रेलवे (एससीआर) विभिन्न गंतव्यों के बीच अतिरिक्त सबरीमाला विशेष ट्रेनें चलाएगा। तदनुसार, काकिंडा पोर्ट-कोल्लम ट्रेन (07173) की यात्रा की तारीखें 11,18 और 25 दिसंबर हैं। कोल्लम-काकिंडा पोर्ट ट्रेन (07174) यात्रा की तारीखें 13,20 और 27 दिसंबर हैं। रास्ते में, ये विशेष ट्रेनें काकीनाडा टाउन, समालकोट, राजमंड्री, निदादावोलु, तनुकु, भीमावरम टाउन, अकिविदु, कैकलुरु, गुडीवाड़ा, विजयवाड़ा, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडुर, रेनिगुंटा, तिरुपति, चित्तूर, काटपाडी, जोलारपेट्टई, पर रुकेंगी। सेलम, इरोड, तिरुप्पुर, पोदनूर, पलक्कड़, त्रिशूर, अलुवा, एर्नाकुलम, एट्टुमानुर, कोट्टायम, तिरुवल्ला, चेंगन्नूर और कायनकुलम स्टेशनों में रूकेंगी। इसी तरह, सिकंदराबाद-कोल्लम ट्रेन (07175) की यात्रा की तारीखें 19 और 26 दिसंबर हैं; कोल्लम-सिकंदराबाद ट्रेन (07176) यात्रा की तारीख 21 और 25 दिसंबर है। ये विशेष ट्रेनें मौला-अली, चेरलापल्ली, नलगोंडा, मिर्यालागुडा, नादिकुडे, पिदुगुराल्ला, सत्तेनपल्ली, गुंटूर, तेनाली, चिराला, ओंगोल, नेल्लोर, गुडूर, रेनिगुंटा, काटपाडी, वेल्लोर, तिरुवन्नामलाई, विल्लुपुरम, वृद्धाचलम, अरियालुर, श्रीरंगम, पर रुकेंगी। तिरुचिरापल्ली, डिंडीगुल, मदुरै, विरुदुनगर, तेनकासी, सेनगोट्टई और पुनालुर स्टेशनों पर दोनों दिशाओं में रूकेगी। इन विशेष ट्रेनों में 2AC, 3AC, स्लीपर क्लास और सामान्य द्वितीय श्रेणी कोच शामिल हैं। इसी क्रम में ट्रेन नं. 07151 काचीगुडा-कोट्टायम सबरीमाला स्पेशल परिचालन कारणों से 2, 9, 16 और 23 जनवरी को कोयंबटूर में नहीं रुकेगी। ट्रेन नं. 07133 काचीगुडा-कोट्टायम सबरीमाला स्पेशल परिचालन कारणों से 12, 19 और 26 दिसंबर को कोयंबटूर में नहीं रुकेगी।

पूर्व तट रेलवे

(1) निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-24-25-8, दिनांक : 05.12.2024

कार्य का नाम : LHB टाइप के AC कोचों में MPCB की आपूर्ति, संस्थापन / रूपान्तरण एवं शुरुआत एवं हीटर ठेकेदार (Contractor) के साथ इसे इंटरलॉक करना।

निविदा मूल्य : ₹ 8,34,880, बिड सिक्युरिटी : ₹ 16,700/-

(2) निविदा सूचना सं. VSKP-ELG-TL-AC-24-25-9, दिनांक : 05.12.2024

कार्य का नाम : तीन वर्षों के लिए विशाखापट्टनम कोचिंग डिपो में LHB ट्रेनों के कोच एवं पेन्ट्री कारों में पेन्ट्री इलेक्ट्रिकल उपकरणों के लिए वार्षिक रख-रखाव ठेका।

निविदा मूल्य : ₹ 42,03,629.04, बिड सिक्युरिटी : ₹ 84,100/-

पूरा होने की अवधि : 120 दिन (क्रम सं. 1 के लिए) एवं 36 महीने (क्रम सं. 2 के लिए)।

निविदा बंद होने की तिथि व समय : 06.01.2025 को 1330 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

निविदा खुलने की तिथि व समय : 06.01.2025 को 1600 बजे (दोनों निविदा के लिए)।

निविदा दस्तावेज से संबंधित संपूर्ण विवरण वेबसाइट : www.ireps.gov.in पर उपलब्ध होंगे।

कोई भी जारी शुद्धिपत्र की जानकारी के लिए निविदाकार उपरोक्त वेबसाइट का अवलोकन करें।

वरिष्ठ मण्डल विद्युत अभियन्ता (सा), वाल्टियर

PR-791/P/24-25

नौकरी नियमित करने में देरी के कारण स्वास्थ्यकर्मी ने की आत्महत्या

निर्मल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के 37 वर्षीय आउटसोर्स कर्मचारी, वकुलभरणम भारत की सोमवार को कथित तौर पर आत्महत्या कर ली गई, क्योंकि वह हाल ही में सरकार के आदेश 510 और 16 के कारण अपनी नौकरी के नियमितीकरण में हो रही देरी से उदास था।

भरत द्वारा कथित तौर पर लिखे गए सुसाइड नोट के अनुसार, वह 2018 में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के संशोधित राष्ट्रीय क्षय रोग नियंत्रण कार्यक्रम (आरएनटीपीसी) में वरिष्ठ उपचार प्रयोगशाला तकनीशियन के रूप में शामिल हुआ था, उसे उम्मीद थी कि भविष्य में उसकी नौकरी नियमित हो जाएगी। वह काफी समय तक अस्थायी कर्मचारी रहने के कारण उदास था।

नोट में लिखा था कि सरकारी आदेश 510 जारी करने और जीओ 16 को रद्द करने से आउटसोर्स और अनुबंध आधारित कर्मचारियों के साथ बहुत बड़ा अन्याय हुआ है। मेरी आत्महत्या की मदद से अन्य लोगों को न्याय मिल सकेगा। भरत ने अपने सहयोगियों से राज्य स्तर पर इस अन्याय को उजागर करने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि अगर उनकी नौकरी नियमित हो जाती तो वे खुशहाल जीवन जी सकते थे, लेकिन उनके सपने टूट गए। उनके परिवार में पत्नी पल्लवी और बेटा है। पल्लवी की शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

हवाई अड्डे के निर्माण की प्रक्रिया में हो रही देरी : अरविंद

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। निजामाबाद से भाजपा सांसद धर्मपुरी अरविंद ने कांग्रेस सरकार पर निजामाबाद जिले के जकरनपल्ली में प्रस्तावित ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के निर्माण की प्रक्रिया में देरी करने का आरोप लगाया। उन्होंने राज्य सरकार से जकरनपल्ली में हवाई अड्डे के निर्माण की प्रक्रिया तुरंत शुरू करने की मांग की।

मंगलवार को यहां एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए अरविंद ने कहा कि भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण (एएआई) ने राज्य में छह स्थानों पर पूर्व-पात्रता अध्ययन किया है। उन्होंने कहा कि एएआई ने राज्य में छह स्थानों पर पूर्व-पात्रता अध्ययन किया है और वारंगल, आदिलाबाद में ब्राउनफील्ड हवाई अड्डों और निजामाबाद जिले के जकरनपल्ली में ग्रीनफील्ड हवाई अड्डे के लिए स्थलों की पहचान की गई है। उन्होंने कहा कि नए हवाई अड्डों के लिए बाधा सीमा सेवा (ओएलएस) सर्वेक्षण कराया जाना चाहिए तथा केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्रालय और अन्य नियामक एवं वैधानिक निकायों की सहमति प्राप्त की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बार-बार अनुरोध के बावजूद राज्य सरकार ओएलएस कराने के लिए कदम नहीं उठा रही है।

मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी पर तीखा हमला बोलते हुए भाजपा सांसद ने आरोप लगाया कि मुख्यमंत्री ने हैदराबाद आपदा प्रतिक्रिया और संपत्ति संरक्षण एजेंसी (हाइड्रा) के माध्यम से रियल एस्टेट क्षेत्र को नष्ट कर दिया है। उन्होंने आरोप लगाया कि सीएम ने हाइड्रा की स्थापना करके कुछ हासिल नहीं किया है। उन्होंने गरीबों के घरों को नष्ट कर दिया है और रियल एस्टेट को नष्ट कर दिया है। प्रशासन पर उनकी कोई पकड़ नहीं है। उनका एकमात्र उद्देश्य जनता का पैसा लूटना है।

नीतीश की महिला संवाद यात्रा

नयन सेंकने जा रहे : लालू

बीजेपी ने कहा-बीमार हैं राजद सुप्रीमो; राजद ने याद दिलाया सीएम का विधानसभा वाला बयान

पटना, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद यादव ने सीएम नीतीश कुमार की महिला संवाद यात्रा पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि ' अच्छा है यात्रा पर जा रहे हैं। नयन सेंकने जा रहे हैं।' वहीं 2025 में 225 सीटें जीतने के नीतीश कुमार के दावे पर पूर्व सीएम ने कहा कि 'पहले आंखें सेंक लें अपनी। बिहार में महागठबंधन की सरकार बनेगी।' साथ ही इंडिया गठबंधन के नेतृत्व को लेकर कहा है कि 'पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को इंडिया गठबंधन का नेता चुना जाना चाहिए। कांग्रेस के विरोध का कोई मतलब नहीं है। ममता को ही नेता बनाया जाना चाहिए।' इधर लालू यादव के बयान पर जेडीयू ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा ने कहा कि 'आधी आबादी के बारे में इतनी घटिया सोच। इंडी गठबंधन के नेता के इस शर्मनाक बयान की जितनी भी निंदा की जाए, कम होगी। हमें गर्व है मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर। आज उनके ऐतिहासिक फैसलों के कारण बिहार महिला सशक्तिकरण की मिसाल पेश कर रहा है।' बिहार के लोकप्रिय सीएम नीतीश कुमार महिलाओं से संवाद करने जा रहे हैं। जिस तरह के शब्दों का प्रयोग लालू जी ने किया है, ये बड़ा ही चिंता का विषय है। पहले तो हम लोग ये समझते थे कि वो शारीरिक रूप से बीमार हैं। अब मानसिक रूप से बीमार हो गए हैं। उनको इलाज की जरूरत है।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने दिल्ली में मीडिया एजेंसी से बात करते हुए कहा, 'लालू प्रसाद यादव शुरू से ही स्वार्थी रहे हैं।' इंडी गठबंधन के नेतृत्व पर कहा- 'ममता बनर्जी कौन हैं? जो पश्चिम बंगाल को बांग्लादेश बनाना चाहती हैं।' भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने कहा कि 'लालू प्रसाद यादव महिला का अपमान कर रहे हैं। वह क्या बोलते हैं, क्या सोचते हैं, हमलोग उनकी बातों को गंभीरता से नहीं लेते हैं।' जेडीयू के मुख्य प्रवक्ता नीरज कुमार ने कहा कि 'लालू जी कांग्रेस को अपनी आंख दिखाइए। नीतीश कुमार पर आंख दिखाने की हिम्मत आपने कैसे कर दी। सच तो यह है कि जब आप जेल में थे तो होटवार जेल में आपका शरीर कैद था और बुद्धि चरवाहा विद्यालय में कैद हो गई थी।

विधानसभा में सीएम का बयान भूल गई भाजपा- राजद

लालू यादव के बयान पर आरजेडी प्रवक्ता मृत्युंजय तिवारी ने कहा- 'बीजेपी को महिलाओं पर बोलने का कोई राइट नहीं है। लालू यादव ने यात्रा को लेकर ये बातें कही है। कोई आपत्तिजनक बात ही नहीं है, जिसको लेकर बीजेपी हल्ला कर रही है। बीजेपी के लोग बताए विधान मंडल में सीएम ने क्या कुछ कहा था। महिलाओं के सम्मान की बात बीजेपी वालों के मुंह से अच्छा नहीं लगता है।' वहीं कांग्रेस के प्रदेश प्रवक्ता डॉ. स्नेहाशीष वर्धन पांडेय ने कहा कि लालू यादव के बयान को तोड़-मरोड़कर पेश ना किया जाए।

हादसे में महिला समेत 4 की मौत

बेगूसराय, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बेगूसराय में अलग-अलग घटना में चार लोगों की मौत हो गई। सभी के शव का पोस्टमार्टम सदर अस्पताल में कराया जा रहा है। पहली घटना सिंघौल थाना क्षेत्र के कैलाशपुर गांव की है, जहां कपड़ा धोने के लिए पोखर गई एक महिला की डूबने से मौत हो गई। ग्रामीणों के सहयोग से शव को रात में निकाला गया है। इसके बाद पुलिस पोस्टमार्टम सहित आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है। मृतक की पहचान नगर निगम क्षेत्र के वार्ड नंबर-4 कैलाशपुर निवासी हरेराम साह की पत्नी सुलेखा देवी (40) के रूप में की गई है।

झांसी में पति-पत्नी को तलवार से काटा

झांसी, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झांसी में मंगलवार सुबह करीब 8 बजे पति-पत्नी की हत्या कर दी गई। आरोपी पड़ोसी तलवार और फरसा लेकर घात लगाकर बैठा था। जैसे ही युवक दूध बेचकर घर पहुंचा तो सीधे हमला कर दिया। मरने तक उस पर वार करता रहा।

बदायूं में जामा मस्जिद या नीलकंठ मंदिर

सुनवाई टली : 17 दिसंबर को अगली बहस सरकारी वकील पूरी कर चुके जिरह

बदायूं, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जामा मस्जिद बनाम नीलकंठ महादेव मंदिर मामले में अब मामले में 17 दिसम्बर को अगली सुनवाई होगी। जिला बार के अधिवक्ता के देहांत के कारण अधिवक्ता न्यायिक कार्य से दूर रहे इसलिए सुनवाई टल गई। मामला कोर्ट में चलने योग्य है या नहीं इस पर बहस हो रही है।

बदायूं में नीलकंठ महादेव बनाम जामा मस्जिद मामले में आज कोर्ट में सुनवाई होनी थी। हिंदू पक्ष ने दावा किया है कि जामा मस्जिद असल में नीलकंठ महादेव मंदिर है। मंगलवार को मुस्लिम पक्ष इस पर बहस करता, लेकिन अधिवक्ताओं के न्यायिक कार्य से विरत रहने के कारण सुनवाई 17 दिसंबर को होगी। जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी की ओर से 30 नवंबर को बहस शुरू हुई थी। उस दिन बहस पूरी नहीं हो सकी। तीन दिसंबर को भी बहस हुई। बहस का मुद्दा यह है कि यह मामला सुनवाई योग्य है या नहीं। मामला सिविल जज सीनियर डिवीजन फास्ट ट्रैक न्यायाधीश अमित कुमार की कोर्ट में है।

अखिल भारत हिंदू महासभा के प्रदेश संयोजक मुकेश पटेल मुकदमे में वादी हैं। कोर्ट में सरकारी वकील की ओर से बहस पूरी हो चुकी है। पुरातत्व विभाग की रिपोर्ट भी आ चुकी है। हालांकि, अब इंतजामिया कमेटी की ओर से बहस चल रही है।

चार साल पहले दायर की गई याचिका

2 सितंबर, 2022 को बदायूं सिविल कोर्ट में भगवान श्री नीलकंठ महादेव महाकाल (ईशान शिव मंदिर), मोहल्ला कोट/मौलवी टोला की तरफ से एक याचिका दायर की गई। इसमें जामा मस्जिद इंतजामिया कमेटी, यूपी सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड, एएसआई, केंद्र सरकार, यूपी सरकार, बदायूं कलेक्टर और प्रदेश के मुख्य सचिव को पार्टी बनाया गया। याचिका में दावा किया गया कि मौजूदा वक्त में बदायूं की जामा मस्जिद की जगह पर नीलकंठ महादेव का मंदिर था।

दावा- शिवलिंग को हटाकर मस्जिद बनाई गई

दावा किया जा रहा है कि मंदिर में यही शिवलिंग स्थापित था, जिसे मस्जिद बनाते समय हटा दिया गया। बाद में अखिल भारतीय हिंदू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष राजश्री चौधरी ने इस केस को लड़ने के लिए 5 प्रतिनिधि (याचिकाकर्ता) नियुक्त किए। इनमें महासभा के प्रदेश संयोजक मुकेश पटेल, अरविंद परमान एडवोकेट, ज्ञानेंद्र प्रकाश, डॉ. अनुराग शर्मा और उमेश चंद्र शर्मा शामिल हैं।

सीएम बोले-जीवन का उद्देश्य डिग्री लेना नहीं होना चाहिए

योगी ने कहा-स्मार्टफोन पर घंटों बैठने की बजाए अपने इंट्रेस्ट का करिए काम

गोरखपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। गोरखपुर में महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद के 92वें संस्थापक सप्ताह के समापन समारोह में मंगलवार को सीएम योगी पहुंचे। उन्होंने कहा-जीवन का उद्देश्य डिग्री लेना नहीं होना चाहिए। युवा समाज को बेहतर बनाएं। समय के साथ हमें खुद को तैयार करना होगा। उन्होंने कहा- हम टेक्नोलॉजी से भाग नहीं सकते। लेकिन याद रखिए तकनीक मानव के लिए मानव तकनीक के लिए नहीं है। हम तकनीक को अपने अनुसार संचालित करें न कि हम तकनीक के अनुसार संचालित न हों।

आपके समय का एक बड़ा समय स्मार्टफोन खा जा रहा है

सीएम योगी ने कहा कहा-आपके समय का एक बड़ा समय आपका स्मार्टफोन खा जा रहा है। अनावश्यक रूप से घंटों बैठकर स्मार्टफोन पर देखता रहता है। कभी-कभी तो मेरा सिर चकरा जाता है। देखता हूं बहुत सारे लोग नमूने बन जाते हैं। इतना अगर आप प्रकृति के साथ रहकर, या अपने किसी रोचक या जीवन क्षेत्र से जुड़े पुस्तक के लिए अपना इतना समय दे देंगे तो आपके लिए ज्यादा उपयोगी हो सकता है। सीएम ने कहा- मोबाइल पर बच्चे ऑनलाइन गेम खेल कर समय बर्बाद कर रहे हैं। अगर अपने रुचि की चीजों पर ध्यान दें तो समाज के साथ बेहतर व्यक्तित्व का भी विकास होगा। नोबेल पुरस्कार विजेता कैलाश सत्यार्थी ने कहा- 25 साल पहले कुछ मित्रों से पता चला कि यहां जो मठ है उसके आसपास लगने वाली दुकानों के पास पता चला कि वहां कुछ नेपाल के बच्चे काम कर रहे थे। मैं और मेरे साथियों ने सोचा कि उस समय के युवा सांसद और महंत से मुलाकात की जाए। उन्होंने कहा- जब मैं यहां और दूसरी मंजिल के फ्लैट पर पहुंचा तो देखा दो-तीन साधरण सी लकड़ी कुर्सियां पड़ी थी। एक तख्त पर भगवा चादर बिछी थी। उस वक्त भी आप मुस्कुराए और मैंने अपनी बात रखी। मेरे सामने आप ने फोन घुमाया और सहयोगियों से कहा कि यहां जो भी बुराई चल रही है उसे तत्काल समाप्त करके मुझे बताइए। मैं पहले भी कई मंत्रियों से मिला और उनके पास जाकर बैठा। लेकिन पहली बार मुझे ऐसे राजनेता का यह रूप देखने को मिला। बोलिये कौन नहीं उनका दीवाना नहीं हो जाएगा।

800 विद्यार्थियों और शिक्षकों का सम्मान

समारोह में परिषद द्वारा विभिन्न श्रेणियों में उत्कृष्टता का प्रदर्शन करने वाले 800 विद्यार्थियों, शिक्षकों, कर्मचारियों और संस्थाओं को ट्रॉफी, पदक और नकद पुरस्कारों से नवाजा गया। 1932 में गोरक्षपीठाधीश्वर ब्रह्मलीन महंत दिग्विजयनाथ की ओर से स्थापित महाराणा प्रताप शिक्षा परिषद का उद्देश्य पूर्वी उत्तर प्रदेश में शैक्षिक पुनर्जागरण लाना था।

गूगल से मिले प्रिया बाबा ने ठगे 64 लाख

लखनऊ के बिजनेसमैन को बोला तुम पर काले जादू का साया

88 दिन बाद वापस हुए 44 लाख

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लखनऊ के बिजनेसमैन को गूगल से मिले ज्योतिष बाबा ने 64 लाख रुपए ठग लिए। बिजनेसमैन व्यापार में दो गुना फायदा पाने की तरकीब खोज रहा था। ज्योतिषी की तलाश पर प्रिया बाबा एस्ट्रोलॉजर नाम के एक ज्योतिषी से संपर्क हुआ। उसने काले जादू का साया बताकर नुकसान होने की बात कही।

बाबा ने बिजनेसमैन से कहा- रात में श्मशान घाट पहुंचकर तुम्हारे नाम से अनुष्ठान करना पड़ेगा। इसके लिए कम से कम 64.65 लाख रुपए लगेंगे। पूजा करने के बाद व्यापार में जितना घाटा हुआ होगा पूरा वापस आ जाएगा। बिजनेसमैन को जब ठगी का एहसास हुआ तो वह हजरत गंज थाने पहुंचा। यहां उसने साइबर क्राइम में रिपोर्ट दर्ज कराई तब जाकर उसके 44 लाख रुपए वापस हुए। हेमंत कुमार राय पीजीआई के साउथ सिटी में रहते हैं। 13 सितंबर को वह थाने पर पहुंचकर घटना की जानकारी पुलिस की दी। उनका कहना था कि अगस्त 2023 से कंपनी में अचानक से नुकसान होने लगा।इसी को लेकर मैं काफी चिंतित था।

88 दिन में 44 लाख सीज

साइबर क्राइम सेल की टीम ने घटना की जानकारी के बाद पीड़ित के बताए खाता नंबर और मोबाइल नंबर के आधार पर 88 दिन तक केस पर काम किया। इसके बाद बैंक ऑफ बड़ौदा के खाते में व्यापारी के जमा कराए गए रुपए में से 44.49 रुपए सीज कराए।

साथ ही विशेष मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (कस्टम) लखनऊ की कोर्ट में पैरवी और साक्ष्य प्रस्तुत कर पीड़ित के खाते में वापस करा दिया। हालांकि आरोपी की अभी गिरफ्तारी नहीं हो सकी है।

पुलिस विभाग में 100 से ज्यादा अफसरों के होंगे तबादले

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी में 100 से अधिक पुलिस अफसरों के तबादले की तैयारी है। डीजीपी मुख्यालय का कार्मिक विभाग और गृह विभाग मिलकर इसकी तैयारी कर रहा है। जिन अफसरों के तबादले होने हैं, उनमें सहायक पुलिस अधीक्षक से लेकर डीजी रैंक तक के अफसर शामिल हैं। जिन अफसरों के तबादले होने हैं, उनमें 22 के प्रमोशन 6 नवंबर को ही हो चुके हैं। ये अब पीपीएस से आईपीएस रैंक में आ चुके हैं। इन अफसरों को अभी जिलों में तैनाती का इंतजार है। इसकी वजह यह है कि बाकी अफसरों के प्रमोशन अभी होने हैं। इसकी वजह से प्रमोटी अफसरों को अभी नई तैनाती नहीं मिली है।

फतेहपुर में 185 साल पुरानी मस्जिद पर चला बुलडोजर

हाईवे के रास्ते में थी; 25000 लोग नजरबंद, 500 मीटर एरिया सील-ड्रोन से निगरानी की

फतेहपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। यूपी के फतेहपुर में 185 साल पुरानी नूरी मस्जिद का अतिक्रमण ढहाया गया। हाईवे के चौड़ीकरण को लेकर 5 बुलडोजर ने करीब 7 घंटे अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई की। इस दौरान नूरी मस्जिद का कुछ हिस्सा भी तोड़ा गया। सुबह 8 बजे शुरू हुई कार्रवाई दोपहर करीब 3 बजे तक चली। इसके बाद अतिक्रमण के मलबे को हटवाया गया। बांदा-कानपुर मार्ग को करीब 6 घंटे के बाद फिर से चालू किया गया। मौके पर DSP समेत कई थानों की फोर्स तैनात रही। आरएएफ की टीम भी पहुंच गई है। इस दौरान लललौली कस्बे के 25000 लोगों को हाउस अरेस्ट किया गया। 500 मीटर एरिया को सील कर दिया गया। किसी को आने-जाने की इजाजत नहीं दी गई। ड्रोन कैमरे से इलाके की निगरानी की गई। हालांकि अब प्रशासन की कार्रवाई खत्म हो गई है। फतेहपुर के बिंदकी से बांदा तक बांदा-बहराइच हाईवे का चौड़ीकरण होना है। नूरी मस्जिद भी हाईवे के रास्ते में आती है। पीडब्ल्यूडी ने 17 अगस्त को मस्जिद कमेटी को नोटिस भेजा था। कमेटी ने अवैध अतिक्रमण हटाने के लिए 1 महीने का समय मांगा था, लेकिन कमेटी ने अतिक्रमण नहीं हटवाया। इसके बजाय मस्जिद कमेटी ने हाईकोर्ट में याचिका दायर की। इसमें कहा कि मस्जिद 1839 में बनी थी। हमने कोई अतिक्रमण नहीं किया है। इस केस पर 6 दिसंबर को सुनवाई होनी थी, लेकिन सुनवाई टल गई। अब 13 दिसंबर को सुनवाई होगी।

दर्दनाक हादसे में सात की मौत, कई घायल

हाथरस, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के हाथरस जिले में बड़ा सड़क हादसा हुआ है। हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है। जबकि कई लोग घायल हुए हैं। घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, हाथरस जंक्शन के गांव जैतपुर के पास मथुरा-बरेली मार्ग पर कंटेनर और मैक्स के बीच भीषण टक्कर हो गई। हादसे में मैक्स में सवार सात लोगों की मौत हो गई। जबकि कई लोग घायल हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से घायलों को अस्पताल पहुंचाया। साथ ही शवों को कब्जे में ले लिया। पुलिस हादसे की जांच में जुटी है।

हाईकोर्ट के जज के बयान पर घमासान

विहिप ने दी प्रतिक्रिया-अगर उन्होंने ऐसा कहा तो भी हम क्षमाप्रार्थी नहीं

लखनऊ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। विश्व हिंदू परिषद की ओर से रविवार को आयोजित एक कार्यक्रम में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायाधीश शेखर कुमार यादव के बयान पर विवाद गहरा गया है। अब इस पर विश्व हिंदू परिषद के अध्यक्ष आलोक कुमार ने प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि न्यायाधीश ने जो कहा है हम उसके लिए क्षमाप्रार्थी नहीं हैं। हम समान नागरिक संहिता जैसे मुद्दों पर बात करने और जागरूकता बढ़ाने के लिए न्यायाधीशों को आमंत्रित करते रहते हैं। अगर उन्होंने कहा भी है कि कानून बहुसंख्यकों के अनुसार काम करना चाहिए तो भी हम इसके लिए क्षमाप्रार्थी नहीं हैं।

विहिप के अध्यक्ष ने कहा कि बहुसंख्यकों की भावनाओं को भी देश में वैसा ही सम्मान मिलना चाहिए जितना अल्पसंख्यकों को दिया जाता है। जैसे हम गाय का सम्मान करते हैं तो इस भावना का सम्मान किया जाना चाहिए। गोहत्या को बढ़ावा नहीं दिया जाना चाहिए। देश में समान नागरिक संहिता होनी चाहिए जिससे सभी धर्मों का सम्मान हो।

जज ने ये दिया था बयान

न्यायमूर्ति यादव ने कथित तौर पर बहुसंख्यक समुदाय के पक्ष में टिप्पणी की। इसमें उन्होंने जोर देकर कहा कि हिंदुस्तान बहुसंख्यकों की इच्छा के अनुसार काम करेगा और सुझाव दिया कि कानून बहुसंख्यकों के हितों के अनुरूप है। न्यायाधीश ने मुस्लिम समुदाय के भीतर की प्रथाओं की भी आलोचना की, जिसमें बहुविवाह, हलाला और ट्रिपल तलाक का संदर्भ दिया गया और इनकी तुलना हिंदू परंपराओं से की गई। इन टिप्पणियों में कथित तौर पर अपमानजनक भाषा का इस्तेमाल किया गया है, जिसके कारण भारतीय संविधान में निहित धर्मनिरपेक्ष और समतावादी मूल्यों को कमजोर करने के लिए कड़ी आलोचना की गई है।

बिजनौर के बदमाशों ने सुनील पाल को किया था किडनैप

मेरठ पुलिस ने 100 सीसीटीवी खंगाले, रातभर छापेमारी; कई युवकों को उठाया

मेरठ, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कॉमेडियन सुनील पाल का अपहरण करने वाले बदमाश बिजनौर के रहने वाले हैं। मेरठ पुलिस ने शहर के 100 से अधिक सीसीटीवी खंगालकर आरोपियों की पहचान की। पुलिस की टीमें सोमवार रात में ही बिजनौर पहुंची। आरोपियों के घरों और आस-पास के गांवों में रातभर तलाशी अभियान चलाया।

आरोपियों की पहचान बिजनौर निवासी लवी पाल और अर्जुन कर्णवाल के रूप में हुई। कई युवकों को पुलिस मेरठ लेकर आई है। हालांकि, पुलिस अधिकारी यह नहीं बता रहे हैं कि अर्जुन और लवी को पकड़ा है या नहीं। जांच में पता चला कि आरोपियों ने 19 दिन पहले भी इवेंट के नाम पर कॉमेडियन मुश्ताक खान को भी अगवा कर बदमाशों ने फिरौती ली थी। पुलिस ने दिल्ली से सुनील पाल को लाने वाले टैक्सी चालक को भी हिरासत में लिया है।

दिनभर पुलिस टीम ने किया वर्कआउट

सोमवार यानी 9 दिसंबर को पुलिस की 10 टीमों ने हाईवे से लेकर बेगमपुल तक लगे सीसीटीवी की फुटेज खंगाले। जांच में सामने आया कि राधे श्याम और आकाश गंगा ज्वेलर्स से ज्वेलरी खरीदने वाले दोनों बदमाश एक ही थे। वे 6 घंटे तक बेगमपुल और लालकुर्ती एरिया में ही रहे। इसके अलावा उन्होंने तीसरे ज्वेलर्स के यहां से भी ज्वेलरी खरीदनी चाही थी लेकिन वहां पर सोने के सिक्के नहीं होने के चलते आकाश गंगा शोरूम पर पहुंचे थे।

बिजनौर में क्राइम ब्रांच की टीमों ने मारा छापा

मेरठ क्राइम ब्रांच की टीम देर रात लवी पाल और अर्जुन कर्णवाल के बिजनौर कोतवाली क्षेत्र स्थित चमरपेड़ा गांव पहुंची। करीब 50 जवानों ने कई गांवों में सर्च अभियान चलाया। 6 से अधिक युवकों को हिरासत लिया है। पुलिस की इस कार्रवाई से बिजनौर में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस का कोई भी अफसर इस मामले में कुछ भी बोलने को तैयार नहीं है।

नाबालिग की दुष्कर्म के बाद निर्मम हत्या

औरंगाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। औरंगाबाद से 15 वर्षीय किशोरी से दुष्कर्म के बाद उसकी निर्ममता से हत्या किए जाने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यह घटना जिले के माली थानाक्षेत्र के एक गांव में घटी। मंगलवार को दोपहर बाद पुलिस के साथ शव का पोस्टमार्टम कराने औरंगाबाद सदर अस्पताल आए परिजनों ने बताया कि बीकू सिंह नाम के एक युवक ने किशोरी से दुष्कर्म किया है। इसके बाद उसने हत्या की है। मामले की प्राथमिकी में परिजनों ने उसे नामजद अभियुक्त बनाया है। परिजनों के मुताबिक, आरोपी किशोरी को एकांत में ले गया और उससे दुष्कर्म किया। इसके बाद गला दबाकर हत्या कर दी। वहीं, मामले की जानकारी मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और इसकी सूचना पुलिस को दी। सूचना मिलते ही माली थाना पुलिस मौके पर पहुंची। इसके बाद शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए औरंगाबाद सदर अस्पताल ले गई।

साइकिल से बारात लेकर पहुंचा इंजीनियर दूल्हा

100 बारातियों संग 10किमी चला, आतिशबाजी भी नहीं हुई; बोला-मैं चाहता हूं पर्यावरण शुद्ध रहे

प्रतापगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रतापगढ़ में इंजीनियर दूल्हा साइकिल से बारात लेकर पहुंचा। शेरवानी पहनकर दूल्हे ने 100 बारातियों के साथ 10 किलोमीटर साइकिल चलाई। जहां-जहां से बारात गुजरी, वहां देखने वालों की भीड़ लग गई। दूल्हे ने बताया, 'मैं कृषि विभाग में इंजीनियर हूं। मैं चाहता हूं कि पर्यावरण शुद्ध रहे, इसलिए साइकिल से बारात निकाली।' बारात में आतिशबाजी भी नहीं हुई। हालांकि, दुल्हन कार से ससुराल पहुंची। मामला मानधाता इलाके के पूरे खरगराय गांव का है।

6 महीने पहले तय हुई थी शादी

दूल्हा नमन तिवारी प्रतापगढ़ के विश्वनाथगंज का रहने वाला है। उसके पिता अजय तिवारी पर्यावरण सेना संस्था के प्रमुख हैं। 6 महीने पहले उसकी शादी प्रयागराज के प्रिंशू मिश्रा से तय हुई थी। दुल्हन प्रिंशू ग्रेजुएट हैं।

लोगों ने पूछा-गाड़ी नहीं है, बारात कैसे जाएंगे

दूल्हे ने बताया कि एक महीने पहले पिता ने मुझसे साइकिल से बारात निकालने की बात कही। मैं भी राजी हो गया। सोमवार को घर आए मुझसे पूछा कि गाड़ी नहीं है, बारात कैसे जाएंगे। इस पर मैंने कहा- हम पर्यावरण का संदेश देंगे, इसलिए सभी बाराती मेरे साथ साइकिल से ही बारात चलेंगे। जब हमने यह बात लड़की को बताई, तो वह भी एक बार नाराज हुई, लेकिन फिर मेरी बात मान गई। शादी में हमने एक भी पटाखा फोड़ने नहीं दिया। नमन ने बताया कि साइकिल से 10 किमी चलने के बाद हमने कार का इंतजाम किया था। इसके बाद बारात कार से दुल्हन के घर पहुंची।

महिलाएं छतों से वीडियो बनाती नजर आई

सोमवार शाम को गाजे-बाजे के साथ साइकिल से बारात निकली, जिस रास्ते से बारात गुजरी, वहां बारात को देखने के लिए भीड़ लग गई। लोगों ने दूल्हे के साथ सेल्फी ली। महिलाएं छतों से वीडियो बनाती नजर आईं।

दूल्हे के पिता ने बताया कि पर्यावरण सुरक्षा का संदेश देने के लिए साइकिल से बारात निकाली गई। अखबारों में पढ़िए, तो पता चलता है कि दिल्ली-एनसीआर की हवा सांस लेने लायक नहीं बची है, इसलिए पर्यावरण को लेकर हमें अलर्ट रहना है। हमें अभी से अपने-अपने स्तर पर प्रयास करना चाहिए।

'खुद को मंदिरों का मालिक न समझें'

केरल हाईकोर्ट की त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड को फटकार

तिरुवनंतपुरम, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केरल हाईकोर्ट ने मंगलवार को मंदिरों में फ्लेक्स बोर्ड के जरिए राजनीतिक संदेश देने के मामले में अहम टिप्पणी की है। उच्च न्यायालय ने कहा कि मंदिरों में राज्य सरकार या त्रावणकोर देवस्वम बोर्ड (टीडीबी) को बधाई देने वाले फ्लेक्स बोर्ड्स को लगाने की अनुमति भी नहीं दी जा सकती। कोर्ट ने कहा कि भक्त वहां भगवान के दर्शन करने जाते हैं, न कि मुख्यमंत्री, विधायकों या टीडीबी के सदस्यों का चेहरा देखने।

जस्टिस अनिल के. नरेंद्रन और जस्टिस मुरली कृष्णा एस की बेंच ने यह टिप्पणी खुद से संज्ञान में लिए एक मामले पर सुनवाई के दौरान कही। दरअसल, अलपुझ्झा जिले में चेरथाला के करीब थुरावुर महाक्षेत्रम मंदिर में फ्लेक्स बोर्ड प्रदर्शित करने के खिलाफ एक शिकायत दर्ज कराई थी। इसी मामले पर कोर्ट ने सुनवाई शुरू की थी।

बेंच ने कहा कि फ्लेक्स बोर्ड, जिनमें मुख्यमंत्री पिनरई विजयन, राज्य देवस्वम मंत्री वीएन वसावन, टीडीबी के अध्यक्ष और क्षेत्र के विधायक की तस्वीर लगी है, उसमें एलडीएफ और बोर्ड को जारी मंदलकला-मकराविलक्कु तीर्थ यात्रा के सीजन के दौरान सबरीमाला तीर्थ में आनंदम की अनुमति देने के लिए बधाई दी गई है। इस पर बेंच ने नाराजगी जताते हुए कहा कि इस तरह की गतिविधियों की इजाजत नहीं दी जा सकती। इस मुगालते में न रहें कि आप (टीडीबी) मंदिरों के मालिक हैं। बोर्ड एक ट्रस्टी है जो कि सिर्फ मंदिरों के प्रबंधन का काम करता है। भक्त मंदिरों में भगवान को देखने जाते हैं न कि मुख्यमंत्री, विधायक और टीडीबी सदस्यों का चेहरा देखने।

पीठ ने कहा कि थुरावुर मंदिर सबरीमाला तीर्थ यात्रा के दौरान एदाथवलम (रुकने का स्थान) है। इसलिए तीर्थ के सीजन के दौरान यह टीडीबी की जिम्मेदारी है कि वह भक्तों को वहां सुविधा मुहैया कराए। कोर्ट ने निर्देश दिा कि वहां फ्लेक्स बोर्ड लगाना मंदिर की सलाहकार समिति की जिम्मेदारी नहीं है और भक्तों से मिले पैसों को इस काम में नहीं लगाया जाना चाहिए। दोनों जजों ने इस मामले में टीडीबी और अन्य संबंधित प्राधिकरणों से जवाब मांगा। उसने टीडीबी से अपने प्रबंधन में आने वाले बाकी एदाथवलम समेत सभी मंदिरों में लगाए गए फ्लेक्स बोर्ड्स की जानकारी मांगी।

अदालत को धोखा देने की कोशिश करने पर याचिकाकर्ता को लगी फटकार, 25 हजार का जुर्माना

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बंबई उच्च न्यायालय ने अदालत की आंखों में धूल झोंकने की कोशिश करने पर फटकार लगाई। साथ ही याचिकाकर्ता पर 25 हजार रुपये का जुर्माना भी लगाया। याचिका विजय फसाले की ओर से दायर की गई थी, जो किसी शिक्षण संस्थान में क्लर्क के रूप में काम करते हैं। न्यामूर्ति रवींद्र घुगे और न्यायमूर्ति अश्विन भोबे ने पांच दिसंबर को फसाल की उस याचिका को खारिज किया, जिसमें मांग की गई थी कि सरकारी रिकॉर्ड में उनकी जन्मतिथि 1968 से बदलकर 1972 की जाए, जिससे उनकी आयु चार साल कम हो जाए। याचिकाकर्ता फसाले सांगली जिले के एक शिक्षण संस्थान में जून 1997 से क्लर्क के रूप में कार्यरत हैं। उन्होंने अपनी जन्मतिथि को जून 1968 से बदलकर 1972 करने की मांग की थी।

फडणवीस कैबिनेट का विस्तार 14 दिसंबर को

कई दिग्गजों के कटेंगे नाम, नए चेहरों को मिलेगा मौका!

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में महायुति की नई सरकार का गठन हो गया है और अब कैबिनेट विस्तार की बारी है. लंबे मंथन के बाद बीजेपी, शिवसेना और एनसीपी में मंत्रिमंडल बंटवारे के फॉर्मूले पर लगभग सहमति बन गई है. 14 दिसंबर को मंत्रिमंडल का विस्तार होने की संभावना है।

महायुति की सरकार में बीजेपी नेता देवेंद्र फडणवीस हैं. शिवसेना प्रमुख एकनाथ शिंदे और एनसीपी प्रमुख अजित पवार डिप्टी सीएम हैं. महायुति सरकार ने सोमवार को विधानसभा में विश्वास मत हासिल कर लिया है. अब सभी की निगाहें महायुति गठबंधन के कैबिनेट विस्तार पर टिकी हैं। दरअसल, महाराष्ट्र में 16 दिसंबर से विधानसभा का शीतकालीन सत्र शुरू होने जा रहा है. महायुति सरकार की कोशिश है कि सत्र शुरू होने से पहले मंत्रिमंडल गठन का काम पूरा कर लिया जाए. सूत्रों का कहना है कि महायुति में पावर शेयरिंग पर लंबा मंथन हुआ है और पोर्टफोलियो बंटवारे पर बैलेंस बनाने पर बात बन गई है. सूत्रों ने बताया कि महायुति के नए मंत्रिमंडल विस्तार में बड़े नामों को शामिल नहीं किया जाएगा. यानी बड़े और कुछ दिग्गज नेताओं को मंत्रिमंडल में जगह नहीं मिलेगी. अटकलें हैं कि पिछली कैबिनेट में कई दिग्गज नेताओं का खराब प्रदर्शन रहा है, जिसके कारण सरकार की साख गिरी है और विपक्ष को हमले करने का मौका मिला है. ऐसे में अलायंस पार्टनर्स इस बात पर सहमति जता रहे हैं कि ऐसे नेताओं को इस बार कैबिनेट से बाहर किया जाना चाहिए। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के नए राज्य मंत्रिमंडल में साफ-सुथरी छवि वाले विधायकों को ही जगह दी जाएगी.

प्रदेश में निकाय चुनाव का रास्ता साफ

राजभवन ने ओबीसी आरक्षण संबंधी अध्यादेश को दी मंजूरी

देहरादून, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। उत्तराखंड के निकाय चुनाव का रास्ता साफ हो गया है। राजभवन ने निकायों में ओबीसी आरक्षण संबंधी अध्यादेश को मंजूरी दे दी है। अब एकल सदस्यीय समर्पित आयोग की रिपोर्ट के हिसाब से ओबीसी आरक्षण लागू होगा। इस महीने के अंत में निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी हो सकती है। उत्तराखंड के निकाय चुनाव के लिए अध्यादेश को विधि विभाग की हरी झंडी मिल गई थी। विभाग ने अपनी कानूनी राय राजभवन को भेजी थी। जिसके बाद राजभवन को इस पर निर्णय लेना था। निकाय चुनाव के लिए ओबीसी आरक्षण लागू किया जाना है। इसके लिए शासन ने राजभवन को कानून में बदलाव के मकसद से अध्यादेश भेजा था। राजभवन की विधि टीम ने किसी कानून का हवाला देते हुए इसे रोक लिया था।

राजभवन ने ही शासन में विधि विभाग से इस पर राय मांगी। विधि विभाग ने इसे हरी झंडी दे दी। कुछ कानूनों का हवाला देते हुए विधि विभाग ने माना है कि राजभवन चाहे तो अध्यादेश को मंजूरी दे सकता है। अब राज्यपाल ने अध्यादेश को मंजूरी दे दी है , जिसके साथ ओबीसी आरक्षण लागू करने की प्रक्रिया तेजी से शुरू हो जाएगी। उसके बाद निकाय चुनाव होंगे।

दंगों के आरोपी को असदुद्दीन ओवैसी ने बनाया उम्मीदवार

> पुलिस ने बताया था दंगों का मास्टर माइंड

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली में अगले महीने होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए असदुद्दीन ओवैसी की पार्टी एआईएमआईएम ने दिल्ली दंगों के आरोपी ताहिर हुसैन को उम्मीदवार बनाया है। ताहिर हुसैन को मुस्तफाबाद सीट से टिकट दिया गया है।

दिल्ली में फरवरी, 2022 में दंगे हुए थे। दिल्ली पुलिस ने अपनी चार्जशीट में ताहिर हुसैन और 14 अन्य लोगों के ख़िलाफ़ दंगे फैलाने और हिंसा करने के आरोप लगाए थे।

दंगों में बतौर आरोपी नाम सामने आने पर आम आदमी पार्टी ने ताहिर हुसैन को पार्टी से निलंबित कर दिया था। ताहिर हुसैन तब नगर निगम के पार्षद थे।

पुलिस की चार्जशीट में ताहिर हुसैन को दंगों का मास्टर माइंड बताया गया था। पुलिस ने चार्जशीट में कहा था कि हुसैन ने हिंसा भड़काई थी, दंगों की साजिश रची थी और दंगे कराने के लिए पैसे भी खर्च किए थे। पुलिस ने कड़कड़डूमा अदालत में दाखिल चार्जशीट में कहा था कि उत्तरी दिल्ली के चांद बाग इलाक़े में हुए दंगे में ताहिर हुसैन की अहम भूमिका थी। हालांकि ताहिर हुसैन ने कहा था कि वह बेगुनाह है।

दो बार बड़े अंतर से जीती है आप

दिल्ली में विधानसभा के चुनाव अगले महीने होने हैं। आम आदमी पार्टी 2015 और 2020 के विधानसभा चुनाव में बड़े अंतर से जीत दर्ज कर चुकी है। 2013 के विधानसभा चुनाव में पार्टी ने कांग्रेस के साथ मिलकर सरकार बनाई थी लेकिन तब यह सरकार सिर्फ 49 दिन ही चल सकी थी और केजरीवाल के इस्तीफा देने की वजह से गिर गई थी। दूसरी ओर, बीजेपी दिल्ली की सत्ता से अरविंद केजरीवाल को हटाना चाहती है। 2015 और 2020 के चुनाव में दिल्ली बीजेपी के प्रदेश नेतृत्व और राष्ट्रीय नेतृत्व ने भरसक कोशिश की। खुद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, गृहमंत्री अमित शाह सहित तमाम बड़े नेताओं ने पार्टी प्रत्याशियों के लिए धुआंधार चुनाव प्रचार किया था लेकिन पार्टी जीत दर्ज नहीं कर सकी थी।

अवैध, गुणवत्ताहीन, जहरीली शराब पकड़े जाने पर पांच साल की कैद

आबकारी संशोधन विधेयक अधिसूचित

शिमला, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हिमाचल प्रदेश एक्साइज एक्ट में संपत्ति जब्त करने वाला देश का पहला राज्य बन गया है। राज्यपाल की मंजूरी के बाद विधि विभाग ने हिमाचल प्रदेश आबकारी संशोधन विधेयक 2024 विधेयक संख्यांक 16 को राजपत्र में अधिसूचित कर दिया है। अब अवैध, गुणवत्ताहीन, जहरीली शराब पकड़ने पर पांच साल तक की कैद और पांच लाख रुपये तक का जुर्माना होगा। संशोधित विधेयक के तहत जिला उपायुक्तों को कार्रवाई की शक्तियां दी गई हैं। आरोपी से लेनदेन करने वालों पर अब भी शिकंजा कसा जाएगा। सितंबर में विधानसभा मानसून सत्र के दौरान सरकार ने विधेयक को सदन में पारित किया था।

आबकारी विभाग में कमांडो फोर्स तैनात होगी

अब राज्यपाल से मंजूरी मिलने के बाद सोमवार को इसे राजपत्र में अधिसूचित किया गया है। विधेयक के तहत यह व्यवस्था भी की गई है कि आबकारी विभाग में सेकंडमेंट आधार पर कमांडो फोर्स तैनात की जाएगी। यह नया कानून उन पर लागू होगा, जो किसी भी प्रकार की शराब का उत्पादन और विनिर्माण का अधिकार रखता हो या आयात, निर्यात और परिवहन करता हो। शराब विनिर्माण या उत्पादन के प्रयोजन के लिए कोई भी सामग्री, भट्ठी, उपकरण आदि चाहे जैसा भी हो, इसका उपयोग करता है। अपराध के लिए कैद की अवधि तीन से पांच वर्ष और जुर्माना 50 हजार से पांच लाख रुपये तक होगा।

'सरकार खुद चर्चा नहीं करना चाहती'

कांग्रेस की बैठक के बाद भाजपा पर प्रियंका गांधी का पलटवार

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सांसदों के साथ बैठक की। इस बैठक के बाद कांग्रेस नेता प्रियंका गांधी ने केंद्र सरकार पर निशाना साधा। उन्होंने कहा कि पार्टी के नेता संसद में चर्चा करना चाहते हैं, लेकिन सत्तारूढ़ पार्टी ऐसा नहीं चाहती है। उन्होंने बताया कि आज की बैठक संसद के मुख्य कमेटी रूम में की गई। बता दें कि विपक्षी गठबंधन के नेता संसद परिसर में अदाणी मुद्दे पर विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। पत्रकारों से बात करते हुए हुए प्रियंका गांधी ने कहा, हम रोज चर्चा करने की कोशिश करते हैं, लेकिन वे चर्चा करना नहीं चाहते। इसलिए वे किसी न किसी कारण से सदन स्थगित करवा देते हैं।

सरकार के आरोपों पर कांग्रेस ने दी प्रतिक्रिया

विपक्ष के सदन में बाधा डालने के सरकार के आरोपों पर कांग्रेस ने प्रतिक्रिया दी। कांग्रेस नेता मनिकम टैगोर ने कहा, हमें यह समझना होगा कि वे विपक्ष के नेता पर हमला करते हैं। संसद में अपमानजनक शब्दों का इस्तेमाल कर रहे हैं। हम कह रहे हैं कि जिन असंसदीय शब्दों का इस्तेमाल हो रहा है उसे हटा दिया जाए। राहुल ने कहा कि हम चाहते हैं कि संसद चले।

भाजपा सांसद ने लगाए आरोप

भाजपा सांसद निशिकांत दुबे ने बताया कि विपक्ष उन्हें बोलने नहीं दे रहा है। उन्होंने कहा कि उनकी आवाज को दबाया जा रहा है। भाजपा सांसद ने कहा, मेरी आवाज को दबाया जा रहा है। विपक्ष मुझे बोलने नहीं दे रहा है। उनमें चर्चा करने की हिम्मत नहीं है। वे केवल देश को तोड़ने में लगे रहते हैं।

संसद परिसर में विपक्ष का प्रदर्शन जारी

आज सुबह 11 बजे सदन की कार्यवाही शुरू होने के तुरंत बाद ही दोनों सदनों को 12 बजे तक के लिए स्थगित कर दिया गया था। इसके बाद फिर दोनों सदनों को कल के लिए स्थगित कर दिया गया। अदाणी मुद्दे पर सोमवार को भी लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी समेत विपक्षी पार्टियों के सांसदों ने संसद परिसर में विरोध प्रदर्शन किया। हालांकि, तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) और समाजवादी पार्टी (सपा) दोनों ही पार्टियां इस प्रदर्शन से दूर थीं। इसके अलावा राकांपा-एसपी सांसद सुप्रिया सुले भी प्रदर्शन के दौरान वहं मौजूद नहीं थीं। बता दें कि संसद का शीतकालीन सत्र 25 नवंबर को शुरू हुआ था और यह 20 दिसंबर तक चलेगा।

'भविष्य के चुनावों में बैलेट पेपर का करेंगे इस्तेमाल', सतारा के एक गांव ने पारित किया प्रस्ताव

मुंबई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव के बाद तमाम विपक्षी दलों की तरफ से ईवीएम को नतीजों को लेकर असंतोष जताया गया। इस कड़ी में महाराष्ट्र के दो गांवों की तरफ से एक प्रस्ताव पारित किया गया है कि, वे आगामी सभी विधानसभा चुनावों में सिर्फ बैलेट पेपर का इस्तेमाल करेंगे। जानकारी के मुताबिक, सतारा जिले की कोलेवाड़ी ग्राम सभा ने भविष्य में बैलेट पेपर से चुनाव कराने का संकल्प लिया है। इस तरह यह राज्य का दूसरा गांव बन गया है जिसने ईवीएम के खिलाफ ऐसा प्रस्ताव पारित किया है।

मानहानि मामला : आप नेता सत्येन्द्र जैन ने बांसुरी स्वराज के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

16 दिसंबर को आएगा फैसला

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येन्द्र जैन ने भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज के खिलाफ मानहानि की शिकायत दर्ज कराई। राउज एवेन्यू कोर्ट ने सत्येंद्र जैन की शिकायत पर प्री समनिंग एविडेंस के मामले में आदेश सुरक्षित रखा। कोर्ट 16 दिसंबर को मामले में फैसला सुनाएगा।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नेहा मित्तल ने कहा कि वह 16 दिसंबर को आदेश पारित करेंगी। जैन ने अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि स्वराज ने पांच अक्तूबर 2023 को एक टीवी साक्षात्कार के दौरान उनके खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी, जिसे लाखों लोगों ने देखा था। दिल्ली के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन ने आरोप है कि एक टीवी इंटरव्यू के दौरान बांसुरी की टिप्पणियों ने उनकी प्रतिष्ठा को धूमिल किया है।जैन ने स्वराज पर पांच अक्टूबर, 2023 को एक इंटरव्यू के दौरान मानहानिकारक बयान देने का आरोप लगाया है। उन्होंने दावा किया है कि बांसुरी स्वराज की टिप्पणियां उन्हें बदनाम करने और अनुचित राजनीतिक लाभ हासिल करने के लिए थी। जैन के अनुसार, स्वराज ने झूठा दावा किया कि उनके आवास से तीन करोड़, 1.8 किलोग्राम सोना और 133 सोने के सिक्के बरामद किए गए। उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि ये आरोप निराधार और उनकी छवि खराब करने के लिए राजनीति से प्रेरित थे।

बंगाल में बनाएंगे बाबरी मस्जिद टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर बोले-मैं दूंगा एक करोड़ रुपये

कोलकाता, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस के विधायक हुमायूं कबीर ने पश्चिम बंगाल में बाबरी मस्जिद जैसी दिखने वाली एक नई मस्जिद बनाने की योजना की घोषणा की है। उन्होंने बताया कि मस्जिद मुर्शिदाबाद जिले में मौजूद बेलडांगा में बनाई जाएगी और इसका काम 6 दिसंबर 2025 से पहले शुरू हो जाएगा। विधायक ने कहा कि इसको बनाने में पैसों की भी कोई कमी नहीं होगी।

टीएमसी विधायक हुमायूं कबीर ने इस बात पर जोर दिया कि पश्चिम बंगाल की 34 फीसदी आबादी मुस्लिम है और उनके प्रस्ताव का मकसद उनकी भावनाओं को ध्यान में रखना और सम्मान के साथ जीने के उनके अधिकार को तय करना है।

उन्होंने भरोसा दिया कि परियोजना के लिए पैसों की कोई कमी नहीं होगी। मस्जिद बेलडांगा में दो एकड़ जमीन पर बनाई जाएगी और एक बाबरी मस्जिद ट्रस्ट का गठन किया जाएगा। इसमें स्थानीय मदरसों के अध्यक्षों और सचिवों समेत 100 से ज्यादा सदस्य शामिल होंगे।

हुमायूं कबीर ने दिया था विवादित बयान

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, तृणमूल कांग्रेस के विधायक ने कहा कि मस्जिद बंगाल के मुसलमानों के लिए गर्व करने का प्रतीक होगी। उन्होंने इसे बनाने के लिए एक करोड़ रुपये दान देने का भी संकल्प लिया है। इतना ही नहीं उन्होंने भरोसा जताया है कि यह प्रोजेक्ट तय समय से पहले ही शुरू हो जाएगा। मुस्लिम बहुल मुर्शिदाबाद के भरतपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक हुमायूं कबीर पहले ममता बनर्जी के पहले कार्यकाल में मंत्री रह चुके हैं। उन्होंने पहली बार 2011 में रेजिनगर सीट से टीएमसी के टिकट पर चुनाव लड़ा था। कबीर ने हाल ही में एक चुनाव प्रचार के दौरान की गई टिप्पणी से विवाद खड़ा कर दिया, जिसमें उन्होंने कहा कि अगर वे जीत गए तो वे बीजेपी समर्थकों को काटकर भागीरथी नदी में फेंक देंगे। उन्होंने मुर्शिदाबाद की बदलती डेमोग्राफी के बारे में भी चिंता जताई।

इल्तिजा मुफ्ती के बयान पर मचा बवाल

बजरंग दल ने खोला मोर्चा धार्मिक भावनाएं आहत करने का लगाया आरोप

जम्मू, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इल्तिजा मुफ्ती द्वारा हिंदुत्व को लेकर की गई टिपण्णी के खिलाफ राष्ट्रीय बजरंग दल ने मोर्चा खोल दिया है। प्रदेश अध्यक्ष राकेश बजरंगी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने एसएसपी ने नाम का ज्ञापन एसपी सिटी को सौंपा। बजरंग दल ने धार्मिक भावनाएं आहत करने का आरोप लगाते हुए इल्तिजा मुफ्ती पर एफआईआर दर्ज करने की मांग की है। एसएसपी ऑफिस पहुंचकर बजरंग दल के प्रतिनिधिमंडल ने एसपी सिटी विवेक शेखर को ज्ञापन सौंपा। उन्होंने एसपी सिटी से तत्काल इल्तिजा मुफ्ती के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने की मांग की। इस दौरान राकेश बजरंगी ने मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इल्तिजा मुफ्ती का हिंदुत्व को बीमारी बताने वाला बयान हिन्दू धर्म का अपमान है।

चेरनोबिल के कुत्ते बन गए 'सुपरडॉग', परमाणु आपदा से हुआ चौंकाने वाला म्यूटेशन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। वैज्ञानिकों ने चेरनोबिल एक्सक्लूजन जोन (सीईजेड) में रहने वाले 116 आवारा कुत्तों से रक्त के नमूने एकत्र किए. इसकी जांच में दो अलग-अलग गुण वाले कुत्तों की आबादी पाई गई जो आस-पास के क्षेत्र के अन्य कुत्तों से आनुवंशिक रूप से अलग थीं. इससे पता चलता है कि वे इस विषैले वातावरण में लंबे समय तक रहने के लिए अनुकूलित हो गए हैं. इस तरह से यहां एक अनोखे 'सुपरडॉग' विकसित हो गए हैं।

यह समझना कि कुत्तों ने अपनी आनुवंशिक महाशक्ति कैसे विकसित की, न केवल कुत्तों में बल्कि मनुष्यों में भी कई पर्यावरणीय खतरों वाले अत्यधिक विषैले और खराब वातावरण में रहने के स्वास्थ्य प्रभावों को बेहतर ढंग से समझने में मदद कर सकता है. वैज्ञानिकों का कहना है कि इन कुत्तों में एंटी रेडिएशन और सामान्य से ज्यादा इम्युनिटी जैसे सुपर पावर विकसित हो गए हैं.

ऐसे सुपर पावर के विकसित होने की वजह

1986 में यूक्रेन के उत्तरी भाग में चेरनोबिल परमाणु संयंत्र की दुर्घटना ने इतिहास का सबसे बड़ा रेडियोधर्मी रिसाव किया. इस त्रासदी के बाद इंसानों को इस क्षेत्र से हटा दिया गया. इंसानों की अनुपस्थिति में यहां वन्यजीवन और आवारा कुत्तों ने अपनी जगह बनाई.

चेरनोबिल एक्सक्लूजन जोन (सीईजेड) में रहने वाले कुत्ते लंबे समय से विषैले वातावरण में रहते हुए भी जीवित हैं. इस क्षेत्र में रेडिएशन का स्तर मानव जीवन के लिए छह गुना ज्यादा है. इसके बावजूद लगभग 900 कुत्ते इस विषम पर्यावरण में रह रहे हैं. ये 900 आवारा कुत्ते जो सीईजेड में रहते हैं, संभवतः चेरनोबिल छोड़कर जाने वाले लोगों के पीछे छोड़े गए पालतू जानवरों के वंशज हैं।

अनुसंधान की प्रक्रिया

डेली मेल की रिपोर्ट के अनुसार कोलंबिया यूनिवर्सिटी के पर्यावरण स्वास्थ्य वैज्ञानिक नॉर्मन जे. क्लेमन और उनकी टीम ने 2018-2019 के दौरान इन कुत्तों के खून के नमूने एकत्र किए. नमूने लेने के बाद उन्हें अमेरिका भेजा गया, जहां डीएनए का विश्लेषण किया गया. टीम यह जांच कर रही थी कि इस कठोर वातावरण में रहने से कुत्तों की आनुवंशिकी पर क्या प्रभाव पड़ता है. शोध में पाया गया कि इन कुत्तों में 400 ऐसे जेनेटिक लोकेशन हैं जो सामान्य से अलग हैं. ये जीन उन्हें विषैले वातावरण में जीने की क्षमता प्रदान करते हैं।

कुत्तों में मिले नए जीन

वैज्ञानिकों ने 52 ऐसे जीन पहचाने हैं, जो इस विषैले क्षेत्र में रहने के कारण विकसित हुए हैं. यह साबित करता है कि विषम पर्यावरण ने कुत्तों के जेनेटिक्स को बदल दिया है. इन कुत्तों की यह क्षमता पीढ़ी दर पीढ़ी आगे बढ़ रही है. जिससे वे रेडिएशन, भारी धातुओं और प्रदूषण के प्रति प्रतिरोधक बन गए हैं. इस तरह से इन कुत्तों में सामान्य कुत्तों की तुलना में एक तरह का सुपर पावर विकसित हो गया है।

अन्य जानवर भी हुआ है म्यूटेशन

यह सिर्फ कुत्तों तक सीमित नहीं है. इस क्षेत्र में रहने वाले भेड़िए और पेड़ों पर रहने वाले हरे मेंढक भी रेडिएशन और अन्य विषैले प्रभावों के प्रति प्रतिरोधक बन गए हैं. साइट के पास रहने वाले काली त्वचा वाले पेड़ पर रहने मेंढकों का अध्ययन करने वाले वैज्ञानिकों ने पाया कि वे अपने मूल हरे रंग से गहरे काले रंग की त्वचा वाले मेंढक में बदल गए. साथ ही उनमें रेडिएशन को झेलने की और लंबे समय तक जीवित रहने की क्षमता विकसित हो गई।

महाकुंभ का मूर्त-अमूर्त शौर्य

महंत देव्या गिरि

ब्रह्मा ने प्रयागराज के गंगा और यमुना संगम पर स्थित दशाश्वमेघ घाट पर अश्वमेघ यज्ञ करके ब्रम्हांड का निर्माण किया था। इसीलिए सभी कुंभों में प्रयागराज कुंभ को विशेष स्थान प्राप्त है। महाकुंभ को दुनिया का सबसे बड़ा तीर्थ-पर्व माना जाता है। करोड़ों लोग स्वतः महाकुंभ में डूबकी लगाकर पुण्य का भागीदार बन जाते है और मनुष्यता की सीख लेते हैं। यूनेस्कों ने 2017 में महाकुंभ को दुनिया का अमूर्त सांस्कृतिक विरासम में शामिल किया है महाकुंभ का सामाजिक संदेश प्रगाढ है। सभी मनुष्यों के कल्याण] सदविचार] मानवता को मजबूत करने का अर्मूत संदेश है। मंत्रों का जाप धर्मग्रंथों की पवित्र व्याख्याएं भक्ति संगीत पौराणिक कहानियों और पारंमपिक नृत्य लोगों को जोडते हैं छोटे-बडे.का भेदभाव को समाप्त करते हैं। संतों और वैरागियों का निस्वार्थ जीवन और परमपिता परमेश्वर के प्रति प्रेरणा बनते हैं। महाकुंभ का उद्धव और विकास तथा महिमा भगवान श्रीविष्णु से जुड़ा हुआ है। जब-जब मनुष्यता की हानि होती है तब-तब सत्यनिष्ठा और सदाचार स्थापित करने के लिए परमपिता परमेश्वर खुद परिस्थितियां पैदा करते हैं] खुद उपस्थित होकर प्रेरणा बनते हैं। आप भगवान श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण का उदाहरण को आत्मसात कर सकते हैं। जब रावण ने अति कर दी थी तब भगवान श्रीराम को धरती पर अवतरित होना पड़ा था। भगवान राम के धनुष ने रावण का संहार कर मनुष्यता स्थापित की थी। इसी तरह भगवान श्रीकृष्ण क्रूर, हिंसक व आतातयी कौरवों का संहार कर मानवता का संदेश दिया था। ठीक इसी प्रकार भगवान श्रीविष्णु ने मानवता राजकता और सृष्ठि की अहर्ता को अक्षुण रखने के लिए असूर शक्तियां यानी की राक्षसों को पराजित करने के लिए की लीला रची थी। दुर्वासा श्रृषि ने एक बार देवताओं को शाप दे दिया था। इस शाप के कारण देतवाओं की शक्ति बहुत क्षीण हो गयी थी। जब शक्ति क्षीण होगी तब वर्चस्व भी समाप्त हो जाता है, प्रभाव भी कम हो जाता है। राक्षसों के देवता शुक्रराचार्य ने इस दौरान देवताओं के राज को समाप्त करने और देवताओं के अस्तित्व संहार करने की सोची थी। पूरी राक्षसी प्रबृति उनके शरण में थी। इस कारण राक्षसों का तांडव था, राक्षसों के तांडव से पूरी पृथ्वी थर-थर कापंने लगी थी और मनुष्यता खतरे में पड गयी थी। अमनुष्यता की प्रबृति की शक्तिशाली होने के कारण देवताओं का अस्तित्व ही खतरे में पड गया था। देवताओं को जब राक्षसों की हिंसक प्रबृति को रोकने का कोई उपाय नहीं दिखा तो वे सभी भागे-भागे भगवान श्रीविष्णु के पास पहुंचे। भगवान श्रीविष्णु से मदद मांगी। भगवान कोई चमत्कार तो करते नहीं है वे कर्म करने के लिए कहते है, कर्म का रास्ता दिखाते हैं, जैसा कि गीता में भगवान श्रीकृष्ण ने अर्जुन को कर्म अर्थाथ वीरता की सीख दी थी। उसी प्रकार से भगवान श्रीविष्णु ने देवताओं से कहा था कि राक्षसी प्रबृति और राक्षसी हिंसा का संहार तभी होगा जब आपमें अजर-अमर की शक्ति होगी। अजर-अमर की शक्ति के लिए आपको समुद्र मंथन करना होगा, समुद मंथन से अमृत निकलेगा और उस अमृतपान से आपकी शक्ति बढेगी और राक्षसों का संहार होगा। समुद्र मंथन देवताओं की बस की बात तो थी नहीं। क्योकि श्रृषि दुर्वासा के श्राप के कारण देवताओं की शक्ति क्षीण हो गयी थी। देवताओं ने इसके लिए एक रास्ता निकाला। राक्षसों से संधि कर ली थी और समुद्र मंथन साथ-साथ करने की नीति बनायी थी। अमृतपान के लालच में राक्षस भी समुद्र मंथन के लिए तैयार हो गये। फिर देवताओं और राक्षसों की मिलीजुली शक्ति समुद्र मंथन के लिए जुट गयी। समुद्र मंथन आसान नहीं था। समुद्र मंथन के लिए अपार शक्ति की जरूरत थी और एकाग्रता भी जरूरी थी। कोई एक-दो घंटा नहीं बल्कि पूरे 12 दिन तक समुद्र मंथन हुआ। फिर भी अमृत निकला नहीं। फिर देवताओं ने भगवान श्रीविष्णु का स्मरण किया, खुद भगवान श्रीविष्णु समुद्र के पताल में बैठ कर अपनी लीला देख रहे थे। फिर भगवान श्रीविष्णु की कृपा से समुद्र मंथन के 12 वें दिन अमृत निकला। अमृत जैसे निकला वैसे ही भगवान इंद्र के पुत्र जयंत अमृत को कलस मे एकत्र कर उड़ गये। वास्तव में अमृतपान से राक्षसों को वंचित करना था। क्योंकि इसमें ब्रम्हांड कल्याण का लक्ष्य और सुरक्षा निहित था। अगर राक्षसों ने अमृतपाल कर लिया होता तो फिर ब्रम्हांड मे अस्थिरता होता, हिंसा होती और कालनेमियों का साम्राज्य होता। इसीलिए भगवान श्रीविष्णु ने खुद यह लीला रची थी। राक्षसों के गुरू शुकराचार्य ने भगवान विष्णु की लीला को समझ लिया और राक्षसों को जयंत के पीछे दौडा दिया काफी प्रयास के बाद राक्षसों ने जयंत को पीछा कर पकड लिया। अमृत कलस पर अधिकार को लेकर राक्षसों और देवताओ मे भयानक युद्ध हुआ, यह युद्ध कई दिनों तक चला। देवताओं और राक्षसों के बीच युद्ध के दौरान अमृत कलस से कुछ बुंदे पृथ्वी पर गिरी थी। पृथ्वी के चार जगहों पर अमृत कलस से कुछ बुदें गिरी थी। प्रयागराज, नासिक, हरिद्वार और उज्जैन में नदियों के बीच अमृत कलस की बुदें गिरी थी। इसलिए भी गंगा सहित अन्य नदियां जीवनदायनी और मोक्षदायनी भी हुई और जिनकी महानता मनुष्यता के लिए जींवत बन गयीं। अब यहां यह प्रश्न उठता है कि 12 साल के बीच महाकुंभ का आयोजन क्यों होता है। इसके पीछे तर्क और अहर्ताएं क्या हैं। देवताओं के एक दिन पृथ्वी के एक साल के बराबर होते हैं। चूंकि समुद्र मंथन में बारह दिन लगे थे फिर अमृत कलस मिला था। इसीलिए 12 साल के बाद महाकुंभ का आयोजन होता है। अमृतपान देवताओं ने किया था। जबकि सिर्फ अमृतपान ही नहीं बल्कि जहर भी समुद्र मंथन से निकला था। समुद्र मंथन से निकला हुआ जहर-बिष अगर पृथ्वी पर गिरता तो फिर अनर्थ हो जाता और सृष्टि ही चपेट में आ जाती, जैसे परमाणु बम के प्रकोप से पीढियां तबाह होती है, उसका असर वर्षो-वर्षो तक रहता है, मानवता का संहार करता है, इसी तरह अगर समुद्र मंथन से निकला हुआ बिष पृथ्वी पर गिरता तो उसके असर से भगवान की श्रृष्टि ही नष्ट होती, संहार होती] मानवता कराहती। भगवान श्रीविष्णु सृष्टि को बचाने के लिए भगवान शंकर को याद किया था। भगवान शंकर में ही जहर-बिष पान करने की शक्ति थी और विष पान को पचाने और उसके असर को प्रभावहीन करने की शक्ति थी। भगवान विष्णु के निवेदन पर भगवान शंकर ने विषपान कर सृष्टि को बचया था। महाकुंभ की तिथियां कैसे निर्धारित होती है और महाकुंभ के दौरान हमारी अहर्ताएं क्या-क्या होनी चाहिए] महाकुंभ की तिथियां निर्धारित करने के लिए ग्रहों की स्थितियां कसौटी पर होती है। सूर्य और बृहस्पति राशि की स्थिति का ध्यान रखना पडता है। सूर्य और बृहस्पति राशि दूसरी राशियों में प्रवेश करते हैं तब महाकुंभ की तिथियां निर्धारित होती हैं। जब ब्रहस्पति बृर्षभ राशि में प्रवेश करते हैं और सूर्य राशि मकर राशि में प्रवेश करते हैं तब महाकुंभ का आयोजन प्रयागराज में होता है। जब सूर्य मेश राशि और बृहस्पति कुंभ राशि में प्रवेश करते हैं तब महाकुंभ का आयोजन हरिद्वार में होता है। लेकिन सूर्य और ब्रहस्पति का एक साथ सिंह राशि में प्रवेश करते है तब यह कुभ नासिक मे आयोजित होता है। जब सूर्य मेष राशि और बृहस्पति सिंह राशि में प्रवेश करते हैं तब महाकुभ का आयोजन उज्जैन में होता है। अमृतकलस की सुरक्षा में ग्रहों की भूमिका महत्पपूर्ण थी।

जब राक्षसों और देवताओं के बीच अमृतकलस की छीनने-झपटने का युद्ध चल रहा था तब तब सूर्य देव ने कलस को फूटने से बचाया था, चन्द्रमा ने अमृत को बहने या उछल कर नीचे गिरने से बचाया था। महाकुंभ प्रयागराज में आयोजित होता है। यह 12 साल के बाद आयोजित होता है। ऐसे कुंभ के अन्य प्रकार भी है जिनके नाम पूर्ण कुंभ मेला, अर्ध कुंभ मेला, कुंभ भेला माघ कुंभ मेला है। संयोग नहीं। सौभाग्य कहिए। देश और प्रदेश में भाजपा की सरकार है, सनातन मान्यता की सरकार है। मोदी जी और योगी जी सनातन की समृद्धि हैं। आन बान और शान हैं। इन्होंने महाकुंभ की भव्यता की कई प्रेरक संस्कृतियां स्थापित की है। खासकर योगी जी महाकुंभ क्षेत्र को अलग जनपद यानी कि जिला घोषित कर दिया है। प्रयागराज के जिस क्षेत्र में महाकुंभ का आयोजन हो रहा है वह क्षेत्र अब अलग जिला बन गया है और इसका नाम है महाकुंभ क्षेत्र जिला। अलग जिला घोषित कर देने मात्र से महाकुंभ के दौरान आने वाली अनेक समस्याओं का समाधान हो जायेगा।

बिहार में फिर घिरेंगे नीतीश

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में होना है। लेकिन सीएम नीतीश कुमार के कभी परममित्र रहे आरसीपी सिंह और पशुपति कुमार पारस ने इस बार उन्हें पटकनी देने का पूरा प्लान तैयार करना शुरू कर दिया है। दोनों नेताओं ने अपने अपने दलों के प्रत्याशी उतारने का फैसला कर लिया है। ऐसे में गठबंधन के वोटों में बिखराव स्पष्ट दिख रहा है जो बिहार के राजनीतिक समीकरण के बदल कर रख देगा। अब इसे समय का तकाजा ही कह सकते हैं नीतीश कुमार को हमेशा चुनाव में उनके इर्दगिर्द रहने वाले ही घेरते रहे हैं। पिछली बार की तरह चिराग पासवान की तरह यदि इस बार भी आरसीपी सिंह एवं पशुपति पारस ने अपने उम्मीदवार उतारे तो उसका खामियाजा नीतीश कुमार को ही भुगतना पड सकता है। दोनों ही नेता नीतीश के वोट बैंक में भयंकर सेंधमारी कर सकते हैं। मुस्तफापुर में आयोजित कार्यक्रम में पहुंचे 'आप सबकी आवाज' पार्टी (आसा) के संस्थापक व पूर्व केंद्रीय मंत्री आरसीपी सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर जमकर हमला बोला। उन्होंने कहा कि लगभग दो दशक तक बिहार की सत्ता पर काबिज होने के बाद भी आज उन्हें यात्रा निकालने की जरूरत पड़ रही है। यात्रा तो वे करते हैं, जिन्हें राज्य के बारे में कुछ नहीं पता हो। मुख्यमंत्री को तो राज्य हित में निर्णय लेते रहना चाहिए न कि यात्रा पर निकालना चाहिए। आईएएस रहे आरसीपी सिंह अभी से चुनावी चक्रव्यूह रचने में जुट गए हैं। आप सबकी आवाज पार्टी की स्थापना को छह हफ्ते पूरे हो गए हैं और इस दौरान संगठन को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती प्रदान की गई है। पार्टी ने देश के चार राज्यों-बिहार, दिल्ली, राजस्थान और महाराष्ट्र में प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किए हैं। साथ ही नारी शक्ति प्रकोष्ठ समेत 26 प्रकोष्ठों का गठन हो चुका है। बिहार में पार्टी के 200 से अधिक पदाधिकारी बनाए गए हैं। आरसीपी सिंह की माने तो बनाए गए 162 विधान सभा प्रभारी चुनावी प्रत्याशी के चयन में जुट गए हैं। अभी आरसीपी सिंह की नजर में सबसे बड़ा मुद्दा बेरोजगारी है। बिहार का दुर्भाग्य है कि राज्य में कोई भी परीक्षा पेपर लीक के बिना नहीं होती, जिससे राज्य की छवि खराब हो रही है। दूसरा बड़ा मुद्दा पलायन को रोकना है। रोजगार की तलाश में बाहर जाने वाले युवाओं को उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। बिहार के युवाओं को इस उत्पीड़न से मुक्त कराना है। इनके अलावा कभी जनता दल यू के कोटे से लोजपा नेता पशुपति पारस केंद्रीय मंत्री बने थे लेकिन वे आज नीतीश कुमार के लिए एक बडी समस्या बन गए हैं। केंद्रीय मंत्री रहते अपनी पार्टी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी को मजबूत करने वाले पशुपति पारस अब नीतीश नीत एनडीए के विरुद्ध ही दम ठोक रहे हैं। पशुपति पारस ने सभी 243 सीटों पर उम्मीदवार उतारने की घोषणा कर नीतीश कुमार की परेशानी बढ़ा दी है। ऐसे में जनता दल यू जिन सीटों पर चुनाव लड़ेगी वहां उसे राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी के उम्मीदवार से टकराना होगा। ऐसे में दलित मतों के बिखराव एक बड़ी मुश्किल खड़ा करने जा रही है। जाहिर है आरसीपी सिंह हों या पशुपति पारस, अगर चुनाव में उतरते हैं तो यह एक फैक्टर तो रहेंगे। पर कितना बड़ा फैक्टर बनेगा यह परिस्थितिजन्य होगा और कई बातों पर निर्भर करेगा। अकेले दम पर चुनाव लड़ेंगे तो यह प्रभाव बहुत कम होगा। गठबंधन की राजनीति में जायेंगे तो प्रभाव ज्यादा होगा। उम्मीदवार का भी एक फैक्टर होता है। यह उम्मीदवार की घोषणा के बाद पता चलेगा। चुनाव में कब किसे बागी बनना पड़ेगा और ऐसे में कोई कद्दावर नेता होगा तो वह ज्यादा नुकसान पहुंचा सकता है। इसलिए अभी स्थिति बहुत स्पष्ट नहीं है कि किस दल की भूमिका आगामी चुनाव में क्या होने जा रहा है।

भविष्य की वैश्विक भाषा हिंदी होगी

संजीव ठाकुर

हिंदी भाषा करोड़ों भारतीय के दिलों में बसी हुई भाषा है। हिंदी को भारतीय संघ की राजभाषा होने का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहां भी है ₹राष्ट्रीय व्यवहार में हिंदी को काम में लाना देश की उन्नति के लिए आवश्यक है₹ हिंदी की सार्वभौमिक स्वीकार्यता के कारण ही भारतीय राजनेताओं ने हिंदी को राजभाषा का दर्जा देने का निर्णय लिया था। उल्लेखनीय है कि हिंदी भाषा विदेशों में जितनी फल फूल रही है बल्कि हिंदी बोलने वाले भारतवंशी कई देशों के राष्ट्र प्रमुख भी हैं जैसे ब्रिटेन के प्रधानमंत्री ऋषि सुनक, मॉरीशस के राष्ट्रपति पृथ्वीराज सिंह रूपन, पुर्तगाल के एंटोनियो कोष्टा प्रधानमंत्री, श्री इरफान गुयाना के राष्ट्रपति, सुरीनाम के राष्ट्रपति चंद्रिका प्रसाद संतोखी, और सेसिल के राष्ट्रपति रामखेलावन पदस्थ हैं। इन देशों में हिंदी के प्रचार-प्रसार के अलावा अंतर्राष्ट्रीय बाजार भी हिंदी के विस्तार का बड़ा माध्यम बना हुआ है। हिंदी मूलतः बड़ी विशाल एवं आसानी से बोली जाने वाली, लिखी जाने वाली भाषा है। भारत की भौगोलिक विशालता और विविधता के बावजूद हिंदी सर्व स्वीकार्य और देश की सर्व सम्मत भाषा है। यह अलग बात है कि अभी तक संवैधानिक रूप से इसे राष्ट्रभाषा का दर्जा प्राप्त नहीं हो पाया है।

स्वतंत्रता आंदोलन के समय आंदोलनकारियों ने यह महसूस किया की एकमात्र हिंदी भाषा ही ऐसी भाषा है जो दक्षिण के कुछ क्षेत्र को छोड़कर पूरे देश की संपर्क भाषा है। भारत के संविधान में कुल 22 भाषाओं को मान्यता प्राप्त है। पर हिंदी भाषा ही एक ऐसी भाषा है जो भारत में विभिन्न भाषा भाषाई नागरिकों के मध्य विचार विनिमय और संपर्क के लिए एक बड़ा सहारा है। हिंदी के विशाल स्वरूप को मद्दे नजर रख पूर्व राष्ट्रपति डॉ राजेंद्र प्रसाद जी ने भी कहा ₹हिंदी चिरकाल से ऐसी भाषा रही है जिसने मात्र विदेशी होने के कारण किसी शब्द का या भाषा का बहिष्कार नहीं किया₹ यह शब्द हिंदी की पवित्रता और व्यापकता को इंगित करते हैं। वर्तमान परिस्थितियों एवं समय काल में पूरे विश्व में 45 करोड़ लोगों द्वारा बोले जाने वाली भाषा है। इसकी सरलता एवं सहजता विश्व के लोगों को अत्यंत प्रभावित भी करती है। हिंदी के विद्वानों,शिक्षाविदों, लेखकों, रचनाकारों और युवा लेखकों द्वारा हिंदी को वैश्विक पहचान दिलाने में अहम भूमिका भी निभाई है। कई नामचीन विद्वान लेखक जिन्होंने हिंदी को वैश्विक भाषाई शिखर पर पहुंचाया है।

इसी अनुक्रम में 14 सितंबर 1949 को संविधान सभा ने एकमतेन हिंदी को भारत की राजभाषा बनाने का निर्णय लिया और 14 सितंबर को हिंदी दिवस मनाने का निर्णय भी लिया गया था। और हिंदी दिवस मनाने का एकमात्र उद्देश्य राजकीय कार्यालयों इसके व्यापक प्रचार प्रसार एवं पत्राचार में हिंदी के प्रयोग को बढ़ावा देने की ही है। हिंदी भाषा को पूरे विश्व में द्वितीय भाषा के रूप में माना जाता है। हिंदी नए वैश्विक स्तर पर अपने चलन के कारण अंग्रेजी भाषा को भी काफी पीछे छोड़ दिया है।

आज हिंदी भाषा का कंप्यूटर,इंटरनेट ई बुक, सोशल मीडिया, विज्ञापन, टेलीविजन रेडियो आदि क्षेत्र में व्यापक स्तर पर प्रयोग किया जा रहा है। भारत की विशाल जनसंख्या विदेशी व्यापारियों के लिए एक बड़ा उपभोक्ता बाजार है।

सीरिया की जंग अभी खत्म नहीं हुई है

राजेश कुमार पासी

सीरिया से बशर अल-असद की सत्ता खत्म हो गई है. असद परिवार पिछले 50 सालों से सीरिया की सत्ता पर काबिज था । असद की सत्ता खत्म होने से पूरी दुनिया में सुन्नी मुस्लिम समुदाय में खुशी की लहर दौड़ गई है । इसके अलावा दुनिया भर में वामपंथी और लिबरल समुदाय बहुत खुश है क्योंकि उसे लगता है कि एक तानाशाह की सत्ता का अंत हो गया है । यह सच है कि असद एक क्रूर तानाशाह थे लेकिन जो लोग सत्ता में आ रहे हैं, वो उनसे बड़े तानाशाह और क्रूर साबित होने वाले हैं । बड़ी अजीब बात है कि जिहादी गुट हयात तहरीर अल-शाम(एचटीएस) ने सिर्फ दस दिनों में असद की सत्ता को खत्म करके सीरिया पर कब्जा कर लिया है । इतने दिनों से चल रहे सत्ता संघर्ष में अचानक ये सब नहीं हुआ है । इसके पीछे अमेरिका, इजराइल और तुर्की का हाथ है । एक विद्रोही नेता ने बयान दिया है कि उनके आदमी कई सालों से तुर्की में प्रशिक्षण ले रहे थे । एचटीएस के नेता जोलानी ने कहा है कि उसे बशर अल-असद की सत्ता को उखाड़ फेंकने का काम दिया गया था और उसने वो पूरा कर दिया है । असद सरकार को रूस, ईरान, चीन और इराक से समर्थन मिल रहा था लेकिन मुख्य रूप से उसकी मदद रूस और ईरान कर रहे थे । रूस यूक्रेन के साथ युद्ध में उलझा हुआ है और ईरान इजराइल के साथ संघर्ष के कारण कमजोर हो चुका है । इसके अलावा असद को हिजबुल्लाह का भी सहयोग मिल रहा था लेकिन इजराइल से संघर्ष के कारण हिजबुल्लाह असद सरकार की मदद नहीं कर पाया । दूसरी तरफ विद्रोहियों को अमेरिका, तुर्की, सऊदी अरब, इजराइल और अन्य यूरोपीय देशों से सैन्य और वित्तीय मदद मिल रही थी । यही कारण है कि विद्रोहियों को इतनी आसानी से असद सरकार को उखाड़ फैंकने में सफलता प्राप्त हो गई । इसके अलावा सीरिया की जनता भी असद सरकार से परेशान थी इसलिए सत्ता परिवर्तन आसानी से हो गया । एचटीएस प्रमुख अबु मोहम्मद अल-जोलानी जिसे आज स्वतंत्रता सेनानी बताया जा रहा है, वो कभी अलकायदा का सदस्य था और अमेरिका ने उस पर एक करोड़ डॉलर का इनाम रखा हुआ था । इस आदमी का आईएसआईएस से भी सम्बन्ध रहा है । एक आतंकवादी को उदारवादी नेता की तरह अमेरिका का डीप स्टेट प्रस्तुत कर रहा है । कितनी अजीब बात है कि जिस आतंकवादी नेता पर अमेरिका ने इतना बड़ा इनाम रखा हुआ था, उसी व्यक्ति की जीत पर अमेरिका, ब्रिटेन, फ्रांस और दूसरे यूरोपीय देश जश्न मना रहे हैं । जोलानी की सत्ता आना सीरिया में नये युग की शुरुआत बताया जा रहा है । जिस अलकायदा को खत्म करने के नाम पर अमेरिका ने लाखों लोगों को मौत के घाट उतार दिया, आज उसी अलकायदा के नेता को सत्ता में बिठाकर शांति की उम्मीद की जा रही है । जो बाईडन ने सीरिया को आर्थिक पैकेज देने का भी ऐलान कर दिया है । अब सवाल उठता है कि जोलानी के आने के बाद क्या सब कुछ शांत हो जायेगा । आईएसआईएस इस मौके का वर्षों से इंतजार कर रहा था । असद के जाने के बाद सीरिया में अराजकता पैदा होने वाली है और अराजकता आईएस के लिए खाद का काम करती है। सद्दाम हुसैन के जाने के बाद पैदा हुई अराजकता ने ही आईएस को इराक में खड़ा होने का अवसर दिया था । वो अब अपने कब्जे वाले इलाके से बाहर आकर सीरिया के अन्य इलाकों पर कब्जा करने की कोशिश करेगा और इसके कारण उसका संघर्ष जोलानी की सेना से होगा । यह बात अमेरिका भी जानता है इसलिए उसने जोलानी की जीत के तत्काल बाद आईएस के कब्जे वाले इलाकों पर बड़ा हमला किया है । डोनाल्ड ट्रंप के आने के बाद क्या होगा, यह देखना होगा । ट्रंप ने कहा है कि सीरिया हमारा दोस्त नहीं है. वहां जो कुछ भी हो रहा है, उससे हमें कोई मतलब नहीं है क्योंकि यह हमारी लड़ाई नहीं है । मतलब साफ है कि अगर आईएस सीरिया में आगे बढ़ता है तो ट्रंप के आने के बाद सीरिया को बचाने अमेरिका नहीं आने वाला है । आईएस से निपटना जोलानी के लिए आसान होने वाला नहीं है क्योंकि अब उसे अमेरिका और इजराइल की मदद मिलना मुश्किल होने वाला है । असद परिवार को रूस सीरिया से निकाल कर ले गया है और अपने देश में उनको शरण दे दी है । अभी रूस और ईरान इस हालत में नहीं हैं कि वो कुछ कर सके लेकिन आगे चलकर सीरिया के हालात क्या मोड़ ले सकते हैं, कुछ कहा नहीं जा सकता । रूस और ईरान को मौका मिला तो वो असद को फिर सीरिया की सत्ता में बिठा सकते हैं । असद का जिंदा रहना सीरिया की राजनीति में कभी भी बदलाव ला सकता है । अगर लीडर जिंदा रहता है तो वो कभी भी वापिसी कर सकता है । इसलिए यह सोचना कि असद की सत्ता हमेशा के लिए खत्म हो गई है, अभी जल्दबाजी होगी ।

इजराइल को असद सरकार के जाने का सबसे बड़ा फायदा हुआ है । पिछले 50 सालों से इजराइल की तमन्ना थी कि वो गोलान हाइट्स और सीरिया के कुछ अन्य क्षेत्रों पर कब्जा कर ले । उसने गोलान हाइट्स के बफर जोन पर कब्जा कर लिया है और आगे बढ़ रहा है । इजराइल कहां जाकर रुकेगा, अभी कुछ नहीं कहा जा सकता । एक तरफ इजराइल असद के जाने की खुशी मना रहा है तो दूसरी तरफ वो बफर जोन पर कब्जा कर रहा है । इसके अलावा इजराइल ने सीरिया के कई इलाकों पर भारी बमबारी की है । इसका मतलब साफ है कि इजराइल जानता है कि आगे चलकर एचटीएस उसके लिए खतरा बन सकता है इसलिए उसने सीरिया के सैन्य अड्डों पर हमला किया है । इजराइल अपने हमलों से सीरिया के सैन्य अड्डों को खत्म कर रहा है ताकि भविष्य में उनका इस्तेमाल एचटीएस न कर सके । ईरान के लिए बड़ी समस्या यह खड़ी हो गई है कि उसका हिज्बुल्लाह और हमास से सड़क सम्पर्क टूट गया है । सीरिया पर एचटीएस के कब्जे के बाद वो अब हिज्बुल्लाह और हमास को हथियार सप्लाई नहीं कर पायेगा । ऐसी हालत में इजराइल ईरान के दोनों संगठनों को खत्म कर सकता है । सीरिया में रूस का वायुसेना और नौसेना का अड्डा है । विद्रोहियों ने रूस को आश्वासन दिया है कि वो रूस के अड्डों की सुरक्षा करेंगे और उन पर हमला नहीं किया जायेगा । अब देखना होगा कि वो अपने वादे पर कितना अमल करते हैं । सीरिया का बड़ा हिस्सा कुर्दों के पास है. असद सरकार कुर्दों के साथ समझौता कर चुकी थी और उनके साथ संघर्ष नहीं कर रही थी ।

क्या शरद और उद्धव अब हाशिए पर आ गये हैं?

रामस्वरूप रावतसरे

महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव में भारतीय जनता पार्टी की अगुआई में महायुति की शानदार जीत ने दो सियासी खानदानों का सूपड़ा साफ कर डाला है- राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी के बुजुर्ग नेता शरद पवार और शिवसेना के उद्धव बालासाहब ठाकरे। दोनों नेताओं ने सूबे की उथल-पुथल भरी राजनीति के कई दौर देखे और झेले लेकिन इस चुनाव में हुई शर्मनाक हार ने इन्हें कहीं का नहीं छोड़ा है। दोनों के दल कांग्रेसनीत महाविकास अघाड़ी का हिस्सा थे। पवार की राकांपा को 10 और ठाकरे के शिवसेना वाले धड़े को महज 20 सीटें मिली हैं। यह दोनों का अब तक का सबसे खराब प्रदर्शन है। पवार के भतीजे युगेंद्र उन्हीं की परंपरागत सीट बारामती पर अपने चाचा अजित पवार से भारी अंतर से हार गए। यह चुनावी हार इसलिए भी बहुत भारी है क्योंकि पहले ही एकनाथ शिंदे और अजित पवार की बगावत के कारण दोनों दल दो फाड़ हो चुके थे। इस विभाजन के चलते शरद पवार और ठाकरे से उन्हीं की पार्टी का नाम और निशान दोनों छिन गया था और पार्टी की असली विरासत के तौर पर उनकी वैधता ही संकट में पड़ गई थी। आज स्थिति यह है कि शिंदे और अजित पवार के पार्टी तोड़ने और बगावत करने का मुद्दा मतदाताओं के बीच बहस से गायब हो चुका है। जानकारों की मानें, तो विधानसभा चुनावों के नतीजे साफ दिखाते हैं कि महाराष्ट्र के मतदाताओं ने शिवसेना और राकांपा के किन धड़ों को अपनी स्वीकृति दी है। तो क्या यह शरद पवार और उद्धव ठाकरे के सियासी वजूद का अंत है? राजनीति के जानकारों की मानें, तो 83 वर्ष के पवार अब उम्र की ऐसी ढलान पर हैं कि यह चुनाव शायद उनका अंतिम था। अपनी पार्टी 2012 से चला रहे ठाकरे भी अब अस्वस्थ रह रहे हैं। इसलिए सवाल बना हुआ है कि क्या दोनों नेता 2029 में होने वाले लोकसभा और असेंबली चुनावों में मोर्चा संभाल पाएंगे या नहीं।

उद्धव ठाकरे के लिए, राहत की बात बस इतनी सी है कि उनका बेटा आदित्य ठाकरे वर्ली से और चचेरे भाई वरुण सरदेसाई बांद्रा से जीत गए हैं। उन्हें शिवसेना की अगली पीढ़ी का नेतृत्व माना जा रहा है। उद्धव के चचेरे भाई राज ठाकरे के लिए भी चुनाव निराशाजनक साबित हुआ। शिवसेना के विकल्प के तौर पर 2006 में राज ने महाराष्ट्र नवनिर्माण पार्टी बनाई थी। उसे इस बार एक भी सीट नहीं मिली। राज के बेटे अमित ठाकरे माहिम से चुनाव लड़कर तीसरे नंबर पर रहे। बंबई की क्षेत्रीय राजनीति के जुड़े जानकार लोगों का मानना हैं कि उद्धव की शिवसेना और राकांपा के लिए यह चुनाव झटका साबित हुआ है लेकिन ऐसा भी नहीं कि उससे उबरा न जा सके। वे कहते हैं, ''सीमित वित्तीय संसाधनों और जबरदस्त दबाव में भाजपा के खिलाफ चुनाव लड़ना आसान काम नहीं है, खासकर तब जब कि आपकी मूल पार्टी और उसके नेताओं को ही तोड़ लिया गया हो। इसके बावजूद ठाकरे और पवार जमीन पर मजबूती से बने रहे और भाजपा के खिलाफ लड़े। इस चुनावी नतीजे को दोनों दलों के टूटने के बाद निवर्तमान विधायकों की ताकत के संदर्भ में विश्लेषित किए जाने की जरूरत है। 2019 के असेंबली चुनाव में अविभाजित सेना के 56 विजयी विधायकों के बीच शिंदे 41 को लेकर निकल गए थे और ठाकरे के पास पंद्रह बचे थे। इसी तरह अजित पवार ने राकांपा के 54 विधायकों में से 41 को तोड़ लिया था और शरद पवार के खेमे में केवल तेरह विधायक बचे थे। इन बचे हुए विधायकों को भाजपा के खिलाफ लड़वा कर जितवाना कोई आसान काम नहीं था। इस संख्या को कायम रखना जबकि उनके पास अपने खेमे में कुछ भी प्रभावी नहीं बचा था, मामूली बात नहीं है। यह खराब प्रदर्शन नहीं कहा जा सकता। अब दोनों दलों को जमीनी स्तर पर अपना पार्टी संगठन और काडर मजबूत करने की जरूरत होगी। तात्कालिक जरूरत यह है कि दोनों नेता अपने खेमों को एकजुट रखें और अपने किसी भी विधायक को सत्ताधारी खेमे में न जाने दें। जानकारों का यह भी कहना है कि उद्धव ठाकरे को विचारधारात्मक अंतर्विरोधों को भी हल करना होगा जिसके चलते उनके जनाधार को चोट पहुंची है और पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच तनाव पैदा हुआ है। उद्धव की शिवसेना ने पार्टी के मूल वैचारिक एजेंडे- मराठी मानुष और आक्रामक हिंदुत्व- को हल्का कर दिया था जिसके चलते उसके बहुत से वोटर छिटक गए। मुंबई, नासिक और पुणे के शहरी इलाकों का परंपरागत मराठी वोटबैंक शिंदे के धड़े के साथ चला गया जबकि आक्रामक हिंदुत्व की चाह रखने वाले वोटर सीधे भाजपा के संग हो लिए। वैचारिक मोर्चे पर संकट इसलिए भी गहरा गया क्योंकि लोकसभा चुनाव के दौरान उद्धव के धड़े ने मुसलमानों को एकजुट करने की कोशिश की जिसके आधार पर महाविकास अघाड़ी को करीब तीस लोकसभा सीटों पर जीत मिली।

साहित्यिक संघर्ष की झूठी खुशी

डॉ. सुरेश कुमार मिश्रा

एक दिन दोपहर में एक छोटी सी साहित्यिक चाय पार्टी बुलाई गई। जहाँ शहर के चार नामी लेखकों को बुलाया गया। सभी के चेहरे पर वही गंभीरता थी, जो अकसर साहित्य की ऊँचाईयों को छूने की कोशिश में नाकाम रही हो। माहौल में गहरा विमर्श चलने लगा था। चारों एक-एक कर अपनी अपनी सफलता की कहानियाँ सुनाने लगे। पहला लेखक, जिसे खुद पर गहरी श्रद्धा थी, बोला, “भाइयो, मेरे नए उपन्यास का तीसरा संस्करण भी मार्केट में आ गया है। सिर्फ बीस दिनों में। पाठकों का इतना प्यार मिला है कि बस मन अभिभूत हो गया। साहित्य के प्रति रुझान बढ़ रहा है।” दूसरा लेखक उसकी इस गप्प पर सर हिलाते हुए बोला, “अरे वाह! इतनी जल्दी तीसरा संस्करण! आजकल का पाठक समझदार हो गया है। वो वहीं किताब चुनता है, जो गहरी हो, मर्म तक पहुंचे।” तीसरा लेखक, जो थोड़ा संयमित था, अपने चश्मे को ठीक करते हुए मुस्कुराया और बोला, “साहित्य का स्तर सचमुच उठ रहा है। पाठक सच में विशिष्टता की ओर बढ़ रहे हैं। हमारी किताबें ही उन्हें सही राह दिखाती हैं। ख़ैर, मेरा भी चौथा संस्करण आ गया है। ये तो मानो साहित्यिक क्रांति हो रही है!” तीनों लेखक हँसते हुए चाय की चुस्की लेते रहे, जबकि चौथा लेखक चुप बैठा रहा।

उसकी ख़ामोशी से उनके मन में उत्सुकता जगी। “और भाई साहब! आपकी किताब का क्या हाल?” पहले लेखक ने पूछा। चौथा लेखक मुस्कुराते हुए बोला, “क्या बताऊँ मित्रों, अभी किताब तो आई नहीं। सोच रहा हूँ, पहले एकदम ‘फेमस’ बन जाऊँ। फिर सीधे ‘अगले साल’ का संस्करण निकालूँगा, कुछ तो अलग हो। जल्दी क्या है!” तीनों लेखक उसकी बात पर हंस पड़े। पहले लेखक बोला, “मित्र, ये पब्लिक बड़े समझदार होते हैं। वो हर साल नया संस्करण माँगते हैं।” दूसरा लेखक समर्थन में बोला, “हमारा काम है लिखना, फिर चाहे तीसरा संस्करण हो या चौथा। पब्लिक को केवल अच्छा कंटेंट चाहिए।” चौथे लेखक ने एक गहरी साँस लेते हुए व्यंग्यात्मक मुस्कान बिखेरी, “सही कहा भाई, पर मुझे तो ‘सबसे’ अच्छा संस्करण निकालना है। एक ऐसा, जो अपने आप में पूर्ण हो।” तीसरे लेखक ने अब गहरी बात छेड़ी, “संस्करण क्या है मित्रों, सिर्फ छपाई है। असली साहित्य तो उन पन्नों के बीच है जो पाठक को प्रभावित करें।” अब तक विमर्श ने गहरी जड़ें पकड़ ली थीं। हर शब्द में छिपा हुआ गुमान, और साथ ही, अपने महत्व की एक भारी डोज़, जैसे हर बात का जवाब भी उन्हीं के पास हो। तभी चौथे लेखक ने धीरे से कहा, “साहित्य महान है, और महान ही रहेगा। संस्करण कितने भी हों, असली सफलता तो उस पाठक की मुस्कान में है जो हर पंक्ति को समझता है।”

मरने से पहले रावण ने बताई थीं कलियुग की 3 भयानक बातें

रावण जितना शक्तिशाली था उतना ही ज्ञानी भी था। रावण के जितना ज्ञान उस समय किसी के पास नहीं था। वह एक महापंडित और राजनीतिज्ञ था। लेकिन अहंकार ने उसका विनाश कर डाला।

ज्ञानी था रावण

रामायण में लंकापति रावण के बारे में सभी ने सुना व पढ़ा होगा। असुर कुल में जन्में लंका के राजा रावण के पास कई शक्तियां थीं। वह बलशाली होने के साथ महाविद्वान भी था। उसके पास ज्ञान का भंडार था और उसे महापंडित भी माना जाता है। लेकिन रावण को अपनी इसी शक्ति व ज्ञान का अभिमान हो गया है और इस वजह से उनसे ऐसी गलतियां कर डाली जो उसके मृत्यु तक ले गईं।

रावण की मृत्यु

भगवान राम अपने भाई लक्ष्मण और पत्नी सीता के साथ 14 वर्ष के वनवास पर गए तब रावण ने छल से माता सीता का हरण कर लिया। माता सीता को वापस लाने के लिए भगवान श्रीराम ने वानरों के सेना के साथ मिलकर लंका पर आक्रमण किया। भगवान राम और रावण के बीच भयंकर युद्ध हुआ। इस युद्ध रावण की मृत्यु हुई और धर्म की विजय हुई।

मरते समय रावण ने दिया ज्ञान

रावण के पास ज्ञान का पूरा सागर था और जब वह मृत्यु के समीप था तो भगवान श्रीराम ने लक्ष्मण से कहा रावण से ज्ञान प्राप्त करें। रावण ने मरने से पहले तीन ऐसी बातें बताई थीं जो कि कलियुग में सच साबित हो रही हैं।

शुभ कार्य में न करें देरी

रावण ने मरने से पहले लक्ष्मण को ज्ञान देते हुए कहा था कि मनुष्य को कभी भी शुभ कार्य में देरी नहीं करनी चाहिए। क्योंकि जीवन का कुछ नहीं पता और इसलिए जब शुभ कार्य का समय हो कर लेना चाहिए। कलियुग में लोग शुभ कार्यों को कल पर टाल देते हैं जो कि गलत है।

शत्रु को न समझें कमजोर

आज के समय थोड़ी सी ताकत आते ही लोग अपने शत्रु को कमजोर समझने लगते हैं। रावण ने मरने से पहले कहा था कि कभी भी अपने शत्रु को कमजोर न समझें। आपकी यह गलती बहुत भारी पड़ सकती है।

कुछ राज रखें गुप्त

रावण ने मृत्यु से पहले कहा था कि मनुष्य को अपने जीवन के कुछ राज हमेशा गुप्त रखने चाहिए। ये राज भूलकर भी अपने किसी प्रिय यहां तक कि भाई को भी नहीं बताने चाहिए। समय बदलने पर आपके अपने उस राज का गलत इस्तेमाल कर सकते हैं।

मोह और पाप दूर करने वाला व्रत है मोक्षदा एकादशी

अगहन शुक्ल एकादशी पर श्रीकृष्ण ने गीता उपदेश देकर दूर किया था अर्जुन का संदेह

आज (बुधवार, 11 दिसंबर) मार्गशीर्ष (अगहन) मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी है। इसे मोक्षदा एकादशी कहा जाता है। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा के साथ गीता का पाठ भी करना चाहिए। श्रीकृष्ण ने अगहन शुक्ल एकादशी पर अर्जुन का मोह, संदेह और सभी उलझनों को शांत करने के लिए गीता उपदेश दिया था। आज भी जो लोग गीता का पाठ करते हैं, उनके सभी मोह और पाप कर्म दूर हो जाते हैं।

मोक्षदा एकादशी पर श्रीकृष्ण के गीता उपदेश से अर्जुन का मोहभंग हुआ था, ठीक इसी तरह मोक्षदा एकादशी व्रत करने से और गीता का पाठ करने से हमारी सभी उलझनें दूर हो सकती हैं। व्रत के शुभ फल से लोभ, मोह, द्वेष जैसी बुराइयां दूर होती हैं। इस एकादशी के व्रत से जाने-अनजाने में किए गए सभी पापों के फल नष्ट हो जाते हैं।

महाभारत युद्ध शुरू होने से ठीक पहले अर्जुन ने श्रीकृष्ण से कहा कि वे रथ को लेकर कौरव पक्ष की चलें। श्रीकृष्ण ने रथ आगे बढ़ाया और कौरव पक्ष के सामने जाकर रोक दिया। कौरव पक्ष में अर्जुन ने भीष्म पितामह, द्रोणाचार्य, कृपाचार्य आदि लोगों को देखा तो युद्ध करने का विचार ही छोड़ दिया। अर्जुन मोह और संदेह में फंस गए थे।

श्रीकृष्ण ने अर्जुन को गीता का उपदेश दिया और अर्जुन के सभी मोह, उलझनें दूर कीं। उस दिन मार्गशीर्ष मास के शुक्ल पक्ष की एकादशी थी। इस तिथि पर श्रीकृष्ण के मुख से गीता प्रकट हुई थी, इस कारण इस दिन गीता जयंती मनाई जाती है।

मोक्षदा एकादशी पर भगवान विष्णु के साथ महालक्ष्मी की पूजा करनी चाहिए। इनके साथ श्रीमद् भगवद् गीता की भी पूजा करें और ये ग्रंथ दान किसी को भी कर सकते हैं।

जो लोग एकादशी व्रत करते हैं, उन्हें दिनभर निराहार रहना चाहिए और अगर दिनभर भूखे रहना संभव न हो तो फलाहार कर सकते हैं। भक्त दूध और फलों के रस का भी सेवन कर सकते हैं।

इस व्रत पूजा-पाठ के साथ ही दान-पुण्य भी करना चाहिए। बुधवार को गर्म यानी ऊनी कपड़ों का दान करें। किसी गोशाला में गायों की देखभाल के लिए धन का दान करें।

गीता जयंती पर गीता का पाठ करें। गीता से जुड़े प्रवचन सुनें। किसी संत की भागवत कथा सुन सकते हैं। पूरे ग्रंथ का पाठ करने का समय न हो तो अपने समय के अनुसार इसके कुछ अध्यायों का पाठ कर सकते हैं।

एकादशी और बुधवार के योग में भगवान गणेश की भी विशेष पूजा करें। गणेश जी को दूर्वा चढ़ाएं और मोदक का भोग लगाएं। ऊँ गं गणपतयै नमः मंत्र का जप करें। विष्णु पूजा में ऊँ नमो भगवते वासुदेवाय मंत्र का जप कम से कम 108 बार करना चाहिए। मंत्र जप के लिए तुलसी की माला का इस्तेमाल करेंगे तो बहुत शुभ रहेगा। एकादशी की सुबह तुलसी को जल चढ़ाएं और शाम को तुलसी के पास दीपक जलाकर पूजा करें। इस व्रत पर भगवान श्रीकृष्ण के बाल स्वरूप बाल गोपाल का दक्षिणावर्ती शंख से अभिषेक करें। अभिषेक केसर मिश्रित दूध करना चाहिए, दूध के बाद जल चढ़ाएं। हार-फूल और नए वस्त्रों से श्रृंगार करें। तुलसी के साथ माखन-मिश्री का भोग लगाएं। कृं कृष्णाय नमः मंत्र का जप करें। धूप-दीप जलाकर आरती करें।

सुंदर नक्कासी के लिए प्रसिद्ध है गुप्त काल में बना यह अनोखा मंदिर, आकर्षण का केंद्र है लेटी हुई मूर्तियां

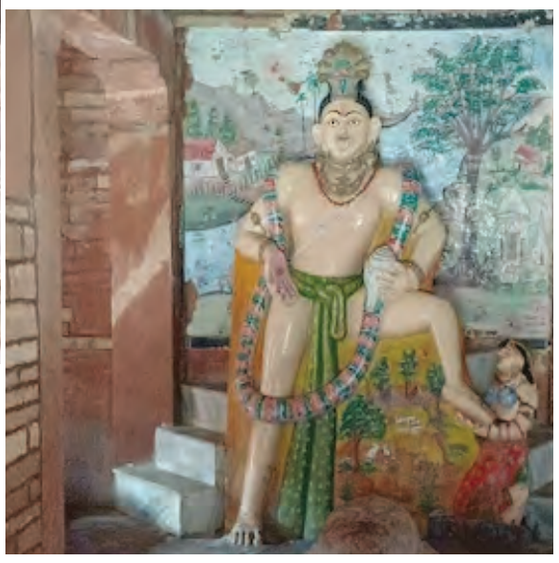

राजस्थान के भरतपुर जिले के रूपवास में स्थित दाऊजी का मंदिर भारतीय इतिहास और कला का एक अद्वितीय उदाहरण है। मंदिर अपनी गुप्तकालीन मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है। जो कला और वास्तुकला के प्राचीन स्वरूप का अद्भुत प्रदर्शन करती है। ऐसा माना जाता है कि यह गुप्तकालीन मंदिर है। इस मंदिर में जमीन पर लेटी हुई मूर्तियां हैं।

भरतपुर जिले के रूपवास में स्थित दाऊजी का मंदिर न केवल धार्मिक श्रद्धा का केंद्र है बल्कि भारतीय इतिहास और कला का एक अद्वितीय उदाहरण भी है। यह मंदिर अपनी गुप्तकालीन मूर्तियों के लिए प्रसिद्ध है।

यह मंदिर कला और वास्तुकला के प्राचीन स्वरूप का अद्भुत प्रदर्शन करती हैं। ऐसा माना जाता है कि यह मंदिर गुप्तकाल चौथी से छठी शताब्दी के दौरान निर्मित हुआ था जो भारतीय इतिहास का स्वर्ण था।

मंदिर की सबसे खास बात इसकी मूर्तियां हैं जो जमीन पर लेटी हुई अवस्था में स्थापित हैं। यह स्थापत्य शैली इसे अन्य धार्मिक स्थलों से अलग बनाती है। मूर्तियों की भव्यता शिल्पकला और उनमें उकेरे गए बारीक विवरण दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर देते हैं।

भगवान विष्णु की लेटी हुई मूर्ति जिसे शेषशायी विष्णु भी कहा जाता है मंदिर का मुख्य आकर्षण है। इसके अलावा अन्य देवताओं और पौराणिक कथाओं से संबंधित मूर्तियां भी यहां देखी जा सकती हैं।

मंदिर के आसपास का वातावरण शांत और आध्यात्मिक है। जो भक्तों और पर्यटकों को एक अलग अनुभव प्रदान करता है। यह मंदिर न केवल धार्मिक गतिविधियों के लिए महत्वपूर्ण है बल्कि इतिहास और कला के प्रेमियों के लिए भी एक महत्वपूर्ण स्थल भी है।

स्थानीय लोग इस मंदिर के प्रति गहरी आस्था रखते हैं और विभिन्न त्योहारों के दौरान यहां बड़े पैमाने पर धार्मिक आयोजन होते हैं। यह मंदिर भारतीय संस्कृति, इतिहास और धर्म की एक झलक प्रदान करता है।

सुबह उठते ही शरीर के इन अंगों में होने लगे खुजली

तो समझ जाइए मिलने वाली है कोई अच्छी खबर

आमतौर पर हाथ या पैरों में खुजली होने के पीछे अच्छे व बुरे संकेत छिपे होते हैं। लेकिन सुबह उठते ही शरीर के कुछ हिस्सों में खुजली होना शुभ संकेत होता है।

क्या कहता है सामुद्रिक शास्त्र?

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार व्यक्ति के शरीर के अंगों की बनावट को देखकर उनके व्यवहार या व्यक्तित्व के बारे में काफी हद तक जान सकते हैं। कई बार लोगों को सुबह उठने के बाद शरीर के कुछ अंगों में खुजली होने लगती है जिसे बेहद शुभ माना जाता है। आइए जानते हैं किन अंगों में खुजल होना शुभ होता है और सामुद्रिक शास्त्र में इसका क्या मतलब बताया गया है।

होंठ के आस-पास खुजली लगना

सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार अगर सुबह उठन के बाद आपको अचानक से होंठ के आसपास खुजली होने लगे तो यह बेहद ही शुभ संकेत है। होंठ के पास होने वाली खुजली इस बात की ओर इशारा करती है कि आपकी लव लाइफ बहुत ही बेहतर और अच्छी होने वाली है। साथ ही पार्टनर के साथ अच्छा वक्त बिताने का मौका मिलेगा।

कान में खुजली लगना

सुबह के समय अगर आपके कान में खुजली लगती है तो इसका मतलब होता है कि आपको धन लाभ होने वाला है। सामुद्रिक शास्त्र के अनुसार सुबह के समय कान में खुजली होना बहुत ही शुभ माना गया है और यह आपके बेहतर भविष्य का संकेत देती है। इसके अलावा कान में खुजली होने का मतलब है कि आपको नौकरी के क्षेत्र में भी तरक्की मिलने वाली है।

हाथ में खुजली

सामुद्रिक शास्त्र के मुताबिक महिला व पुरुष के हाथों में खुजली का अलगअलग मतलब होता है। अगर सुबह उठते ही आपके हाथ में खुजली लगने लगती है तको इसका मतलब होता है कि आपके पास पैसा आने वाला है। महिला के बाएं हाथ में खुजली होना शुभ माना जाता है जबकि पुरुष के दाएं हाथ पर खुजली होना आर्थिक लाभ की ओर इशारा करता है।

सीने पर खुजली

सुबह के समय महिलाओं को सीने में खुजली होने का मतलब है कि वे किसी ऐसे व्यक्ति से मिल सकती है, जिससे वे लंबे समय से मिलना चाहती थी। वहीं, दूसरी ओर पुरुष के सीने में दर्द होने का मतलब धनसंपत्ति संबंधी को शुभ समाचार मिल सकता है।

दुर्भाग्य को सौभाग्य में बदल सकते हैं 11 पीपल के पत्ते

सनातन धर्म में शनिवार का दिन हनुमान जी को समर्पित है और इस दिन संकटमोचन बजरंगबली का विधि-विधान से पूजन किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार हनुमान जी की पूजा शाम के समय की जाती है और उनके मंदिर में दीपक जलाया जाता है। शनिवार के दिन उनकी पूजा करते समय हनुमान चालीसा का पाठ करना भी शुभ माना गया है। वहीं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार मंगलवार के दिन यदि पीपल के पत्तों का विशेष उपाय अपनाया जाए तो व्यक्ति के जिंदगी में आ रहे सभी दुख दूर हो सकते हैं। आइए जानते हैं शनिवार के दिन अपनाए जाने वाले पीपल के पत्ते का उपाय।

पीपल के पत्ते का उपाय

ज्योतिष शास्त्र के अनुसार शनिवार के दिन सुबह स्नान आदि करने के बाद पीपल के 11 पत्ते तोड़ लें। इसके बाद इन पत्तों को पानी से अच्छी तरह धो लें और फिर गंगाजल छिड़क कर शुद्ध करें। ध्यान रखें कि कोई भी पत्ता खंडित यानि कटा हुआ नहीं होना चाहिए। इसके बाद इन पत्तो पर कुमकुम या चंदन से श्रीराम से लिखें और एक माला बनाएं। फिर शाम के समय यह माला हनुमान जी को अर्पित कर दें। ऐसा करने से जीवन में आ रहे आर्थिक संकटों से छुटकारा मिलता है।

इसके अलावा पीपल का एक पत्ता लें और उसे साफ करके गंगाजल छिड़कें। इसके बाद पीपल के पत्ते पर हल्दी लगाएं और शनिवार के दिन घर के मंदिर में मां लक्ष्मी की तस्वीर के समक्ष रख दें। फिर अगले शनिवार तक यानि 7 दिनों तक मां लक्ष्मी के चरणों में ही इस पत्ते को रखा रहने दें। 7 दिन बाद शनिवार के दिन इस पत्ते को उठाकर घर की तिजोरी में रख दें। इस उपाय को करने से घर में कभी पैसों की कमी नहीं होती।

यदि आप नौकरी की तलाश कर रहे हैं तो शनिवार के दिन 11 पीपल के पत्ते लाएं और उन पर चंदन से श्री राम लिखें। फिर इन पत्तों को हनुमान जी के मंदिर के चढ़ा दें। इसके बाद जब आप इंटरव्यू के लिए जाएं तो हनुमान चालीसा का पाठ करें और पीपल के पेड़ में जल अर्पित करें। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार यह आपको सफलता दिला सकता है।

सुबह-सुबह कर लें इस पौधे के दर्शन चुंबक की तरह खींचा चला आएगा धन

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि क्रासुला का पौधा ना सिर्फ सुंदरता बढ़ाता है, बल्कि क्रासुला का पौधा सुख समृद्धि का प्रतीक माना जाता है। पौधा धन और सकारात्मक ऊर्जा को अपनी ओर आकर्षित करता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार घर की सही दिशा में अगर इस पौधे को लगाया जाए तो घर में कभी भी पैसों की तंगी नहीं होगी। साथ ही हमेशा खुशहाली बनी रहेगी।

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि क्रासुला का पौधा घर में रहने से सकारात्मक ऊर्जा बढ़ती है। अगर इस पौधे को घर के पूजा स्थान में भी आप रखते हैं तो माता लक्ष्मी बेहद प्रसन्न होती हैं और घर में आर्थिक उन्नति होती है। घर में हमेशा शांति बनी रहेगी। घर में यह पौधा रहने से मानसिक तनाव कम होता है।

ज्योतिषाचार्य बताते हैं कि वास्तु शास्त्र के अनुसार क्रासुला पौधा घर के पूजा घर या अपने लिविंग रूम में उत्तर पूर्व की दिशा में रखना चाहिए। रोज सुबह उठकर अगर आप इस पौधे को देखते हैं तो आपका पूरा दिन अच्छे से गुजरेगा। वही जो भी जातक नए घर का निर्माण कर रहे हैं तो गृह प्रवेश के समय इस पौधे को भी अवश्य लाना चाहिए।

'बागी 4' में टाइगर संग रोमांस करेंगी सोनम बाजवा

टाइगर श्रॉफ की बागी 4 ने अपने पोस्टर रिलीज के बाद सोशल मीडिया पर हलचल मचा दी है। कल यानी 9 दिसंबर को ही निर्माताओं ने फिल्म के खलनायक का खुलासा किया और यह कोई और नहीं बल्कि संजय दत्त हैं। उनके 'खूनी' पोस्टर के अनावरण के बाद अब फिल्म में नायिका का किरदार निभाने वाली अभिनेत्री के बारे में अपडेट सामने आया है। सोनम बाजवा अब इस 'बागी' फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त में टाइगर के साथ रोमांस करने के लिए तैयार हैं।

दो फिल्मों में नजर आएंगी सोनम

आज यानी 10 दिसंबर को फिल्म के निर्माताओं ने घोषणा की कि सोनम बाजवा ने साजिद नाडियाडवाला की दो बैक-टू-बैक परियोजनाओं का समर्थन किया है। पंजाबी अभिनेत्री सोनम बाजवा, अक्षय कुमार की 'हाउसफुल 5' और अब 'बागी 4' के साथ बॉलीवुड में अपनी शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।

फिल्म की टीम में सोनम का स्वागत

नाडियाडवाला ग्रैंडसन के आधिकारिक ट्विटर हैंडल ने अपने अकाउंट पर सोनम की एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह 'बागी' परिवार में अभिनेत्री का स्वागत करते नजर आए। उन्होंने कैप्शन में लिखा है, 'हाउसफुल यूनिवर्स की हंसी से लेकर एक्शन से भरपूर बागी यूनिवर्स तक, सोनम बाजवा शो चुराने के लिए आ गई हैं। रिबेल लीग बागी 4 में आपका स्वागत है।'

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

टाइगर श्रॉफ और संजय दत्त के 'बागी 4' के रोमांचक पोस्टर्स के बाद अब प्रशंसक फिल्म में सोनम के लुक को देखने के लिए बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं। बागी बॉलीवुड अभिनेता टाइगर श्रॉफ द्वारा निर्देशित और साजिद नाडियाडवाला द्वारा निर्मित एक हिट फिल्म फ्रेंचाइजी है। लोकप्रिय बागी फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त ए. हर्षा द्वारा निर्देशित है और इसमें संजय दत्त खलनायक और सोनम बाजवा मुख्य महिला के रूप में हैं। नए और रोमांचक कलाकारों और अभिनेताओं के नए लुक के साथ फिल्म ने पहले ही काफी चर्चा बटोर ली है। यह 5 सितंबर, 2025 को सिनेमाघरों में आने के लिए तैयार है।

बीच में शो छोड़कर जाने वाले राजनेताओं पर भड़के सोनू निगम

गायक सोनू निगम जयपुर में अपने कॉन्सर्ट में हुई घटना के बाद देश के कुछ राजनेताओं से निराश हैं। इंस्टाग्राम पर एक रील शेयर करते हुए सोनू निगम ने बताया कि उन्होंने हाल ही में 'राइजिंग राजस्थान' शो किया था, जिसमें राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा और राज्य के खेल एवं युवा मामलों के मंत्री सहित कई उच्च पदस्थ गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए थे। हालांकि, गायक तब परेशान हो गए, जब उनमें से कुछ ने उनके शो को बीच में ही छोड़ दिया और इसके बाद कई अन्य प्रतिनिधियों ने भी यही किया।

राजनेताओं से की यह अपील

इसे 'देवी सरस्वती' और 'कला रूप' का अपमान बताते हुए सोनू निगम ने अमेरिका जैसे स्थानों का उदाहरण दिया, जहां कोई राष्ट्रपति कार्यक्रम को बीच में छोड़कर नहीं जाता या कलाकार या प्रबंधन में शामिल लोगों को सूचित करके ऐसा नहीं करता। सोनू निगम ने अपने संदेश को एक विनम्र अनुरोध बताया और ऐसे नेताओं से कहा कि यदि वे गायकों और कलाकारों के शो में शामिल नहीं हो सकते हैं तो वे वहां न जाएं या यदि उन्हें बीच में ही शो छोड़ना पड़े तो उन्हें पहले से सूचित कर दें।

सोनू निगम ने साझा किया पोस्ट

अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर वीडियो शेयर करते हुए उन्होंने लिखा, 'भारत के सभी सम्मानित राजनेताओं से विनम्र अनुरोध है कि अगर आपको अचानक बीच में ही छोड़ना पड़े तो कृपया किसी भी कलाकार के प्रदर्शन में शामिल न हों। यह कला, कलाकारों और मां सरस्वती का अनादर है।'

आधुनिक रफी हैं सोनू निगम

सोनू निगम एक संगीत निर्देशक, गायक, डबिंग कलाकार और अभिनेता हैं जिन्होंने हिंदी और कई अन्य भाषाओं में गाने गाए हैं। उनकी डिस्कोग्राफी में 400 से ज्यादा गाने शामिल हैं। वह बॉलीवुड के सबसे बेहतरीन गायकों में से एक हैं और उनके नाम कई पुरस्कार हैं, जिनमें पद्म श्री और राष्ट्रीय पुरस्कार शामिल हैं। सोनू निगम को 'आधुनिक रफी' भी कहा जाता है, यह उपाधि उनके प्रशंसकों द्वारा प्रसिद्ध गजल गायक मोहम्मद रफी को आदर्श मानने के कारण दी गई थी।

प्रीति जिंटा ने बताया प्रकृति को कुछ वापस देने का महत्व

बॉलीवुड की डिंपल गर्ल, प्रीति जिंटा ने अपने अभिनय और चुलबुले अंदाज से फैंस के दिलों पर राज किया है। जीन गुडइनफ से शादी करने के बाद प्रीति जिंटा परदेस में बस गई हैं। मगर, दिल से वे देसी हैं। प्रीति जिंटा हिमाचल प्रदेश से ताल्लुक रखती हैं। अभिनय और फिल्मों के अलावा प्रीति जिंटा अपने होमटाउन से जुड़ी यादें भी सोशल मीडिया पर साझा करती हैं। आज उन्होंने तीन साल पुरानी एक याद ताजा की है और साथ ही पर्यावरण पर बात की है।

तीन साल पहले रोपा देवदार का पौधा

अपने हालिया इंस्टाग्राम पोस्ट में प्रीति जिंटा प्रकृति सेवा और प्रकृति को कुछ वापस लौटाने के महत्व पर बात करती दिखी हैं। तस्वीरों साझा करते हुए प्रीति जिंटा ने बताया कि उन्होंने करीब तीन साल पहले अपने होमटाउन में देवदार के पौधे रोपे थे। अब वे बढ़ने लगे हैं। यह देखकर उनकी खुशी सातवें आसमान पर है। प्रीति जिंटा ने पौधारोपण के समय की तस्वीर और अब बढ़े हुए पौधे की तस्वीर दोनों साझा की हैं।

जीवन को सही मायने देने वाले पल

प्रीति जिंटा ने पोस्ट के साथ कैप्शन लिखा है, 'मैंने यह हिमालयन देवदार का पौधा करीब तीन साल पहले लगाया था। हिमाचल प्रदेश में बर्फबारी के बीच इसे बढ़ता और फलते-फूलते देखकर बहुत खुशी हुई, क्योंकि यहां की सर्दी और भी ज्यादा बढ़ गई है'। प्रीति ने आगे लिखा, ' ऐसे पल जीवन को सही मायने देते हैं और प्रकृति को कुछ वापस देने का महत्व भी बताते हैं'। प्रीति जिंटा ने जो पौधा लगाया था, वह बर्फ से ढका दिखाई दे रहा है।

शिमला में हुआ प्रीति जिंटा का जन्म

प्रीति जिंटा का जन्म शिमला में हुआ। उनके पिता दुर्गानंद जिंटा आर्मी में ऑफिसर थे। अभिनेत्री जब 13 वर्ष की थीं, तब कार एक्सीडेंट में पिता का निधन हो गया। प्रीति जिंटा के करियर की बात करें तो उन्होंने वर्ष 1998 में फिल्म 'दिल से' के जरिए डेब्यू किया। फिर वे बॉबी देओल के साथ सोल्जर में नजर आईं। उन्होंने 'क्या कहना', 'चोरी चोरी चुपके चुपके', दिल चाहता है, दिल है तुम्हारा, कल हो ना हो, कोई मिल गया, वीर जारा, सलाम नमस्ते, कभी अलविदा न कहना जैसी कई चर्चित फिल्मों में काम किया है।

इस फिल्म से बड़े परदे पर वापसी

प्रीति जिंटा राजकुमार संतोषी की फिल्म 'लाहौर 1947' के जरिए बड़े परदे पर वापसी करने जा रही हैं। इसमें वे सनी देओल के साथ काम करेंगी। फिल्म आमिर खान प्रोडेक्शंस के बैनर तले बनाई जा रही है।

कहा- ऐसे पल जीवन को सही मायने देते हैं

एडल्ट कंटेंट मामले में ईडी ने गहना से की घंटों पूछताछ अभिनेत्री बोलीं- मैं राज कुंद्रा से एक बार मिली

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार, 9 दिसंबर को अभिनेत्री गहना वशिष्ठ से एडल्ट वीडियो बनाने और उन्हें अवैध रूप से एप पर अपलोड करने के मामले में लगभग सात घंटे तक पूछताछ की। गहना वशिष्ठ दोपहर को ईडी के दफ्तर पहुंची और देर रात तक उनसे ट्रेल को लेकर गहन सवाल किए गए। गहना से उनके वित्तीय लेन-देन और कंपनी में उनकी क्या भूमिका थी, इस बारे में विस्तार से जानकारी ली गई। गहना वशिष्ठ पर आरोप है कि उन्होंने राज कुंद्रा की कंपनी के तहत एडल्ट कंटेंट तैयार किया और उसे अवैध रूप से एप पर अपलोड किया। इस मामले में गहना को फिर से ईडी ने पूछताछ के लिए तलब किया है।

गहना ने दी सफाई

गहना वशिष्ठ ने इस पर कहा, 29 नवंबर को मेरे घर पर ईडी ने छापा मारा और पूरी तरह से जांच की। घर में कोई आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। मेरे खाते को फ्रीज कर दिया गया है, जिसमें मेरे म्यूचुअल फंड और एफडी शामिल हैं। मुझे पीएमएलए के तहत समन जारी किया गया था, इस कारण मैं जांच में पूरा सहयोग करने आई हूं। मैं चाहती हूं कि सच्चाई सामने आए। इसके अलावा, गहना ने यह भी कहा कि वह अब तक केवल एक बार ही राज कुंद्रा से मिली हैं।

जमानत पर बाहर हैं गहना

गहना वशिष्ठ को 2021 में मुंबई पुलिस ने अश्लील कंटेंट बनाने और उसे ऑनलाइन अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार किया था। वह फिलहाल जमानत पर हैं, लेकिन इस मामले की जांच अभी भी जारी है।

सवाल किए गए।

ईडी ने की लंबी पूछताछ

ईडी के सूत्रों मुताबिक पूछताछ के दौरान गहना से उनके और राज कुंद्रा से कनेक्शन, कुंद्रा की कंपनी में उनकी भूमिका और मनी

शादी के बाद कॉकटेल इवेंट में दिखा शोभिता का हॉट अंदाज, गाउन की कीमत सुन उड़ जाएंगे होश

नई नवेली दुल्हन और लंबे समय से फैशन ट्रेंडसेटर रहीं शोभिता धुलिपाला ने हमेशा अपने बेहतरीन स्टाइल से लोगों का ध्यान खींचा है। शादी के बाद कॉकटेल पार्टी में शोभिता ने एक ड्रेप्ड गाउन पहनी, जिसमें उन्हें देखकर सभी की निगाहें उन पर टिकी रहीं। उनके इस शानदार लुक को देखकर हर कोई उन्हें एक टक देखता ही रह गया। आइए आपको भी बताते है शोभिता के इस स्पेशल गाउन की कीमत।

कॉकटेल पार्टी में शोभिता का हॉट लुक

शोभिता ने कॉकटेल पार्टी के लिए तरुण तहिलियानी का सिग्नेचर स्कल्प्टेड, ड्रेप्ड गाउन पहना, जिसमें वह बला की खूबसूरत नजर आ रही थीं। इस गाउन की कीमत 139,900 रुपये है। यह गाउन वाकई एक शोस्टॉपर था। गोल्डन सेक्विन, डीप हॉल्टर नेकलाइन और कमर पर प्लीटेड डिटेल्स के साथ यह गाउन पारंपरिक साड़ी की याद दिलाता है। इस गाउन में आधुनिक शान और शादी के जश्न का आकर्षण एक साथ देखने को मिला। उनके गाउन का पिछला हिस्सा बेहद खूबसूरत था। गर्दन पर लपेटी गई और कमर पर ड्रेप्ड डिटेल्स के साथ, बैकलेस डिजाइन ने सभी का दिल जीत लिया और उनके इस लुक को और भी शानदार बना दिया।

गाउन के साथ शोभिता ने पहनी मॉर्डन एक्सेसरीज

एक्सेसरीज के मामले में उनकी पसंद बेहद शानदार रही। शोभिता ने मिनिमल लेकिन स्टेटमेंट पीस चुने। उन्होंने अपने लुक को चोकर नेकपीस के साथ जोड़ा और साथ ही अनोखे ड्रॉप इयररिंग्स भी थे। पहनावे को पूरा करने के लिए, उन्होंने 49,900 रुपये की कीमत वाला एक ग्लैमरस फ्लोरल गैलेक्सी क्लच कैरी किया।

शोभिता का मेकअप और बन मेकअप की बात करें तो शोभिता का लुक स्मोकी आईशैडो, काजल, परफेक्ट ब्लश्ड और हल्की न्यूड लिपस्टिक के साथ बेहद लाजवाब दिखा। उनके मेकअप ने उनके हाई-ग्लैमरस लुक को और भी शानदार बना दिया। शोभिता ने बालों को एक क्लासी लुक देने के लिए एक मैसी बन बनाया हुआ था। शोभिता ने शादी में कांजीवरम साड़ी में अपने पारंपरिक रिवाज के अनुसार शादी का लुक पहना था।

युवा कलाकारों को श्रद्धा कपूर की सलाह, कहा- 'एक्टर बनना है तो स्टारडम के लिए फिल्में न करें'

श्रद्धा कपूर ने इस साल सिने प्रेमियों को 'स्त्री 2' जैसी शानदार फिल्म दी। हॉरर कॉमेडी फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर कमाई के तमाम रिकॉर्ड ध्वस्त कर डाले। फैंस को श्रद्धा की अब अगली फिल्म का इंतजार है। सिनेमा और फिल्मों को लेकर श्रद्धा जरा हटकर सोचती हैं।

उनका कहना है कि उन्हें इंतजार करना मंजूर है, लेकिन वे सही प्रोजेक्ट मिलने पर भी हां करेंगी। इसके अलावा वे युवा कलाकारों को भी सुझाव देती दिखीं। श्रद्धा कपूर हाल ही में रेड सी फेस्टिवल में जलवा बिखेरती नजर आईं, जहां उन्होंने सिनेमा पर बात की।

बोलीं- सर्वश्रेष्ठ आना अभी बाकी

श्रद्धा कपूर ने हाल ही में सऊदी अरब के जेद्दा में रेड सी फिल्म फेस्टिवल 2024 में अपने स्टाइलिश अंदाज से चार चांद लगा दिए। एंड्रयू गारफील्ड के साथ पोज दिए। इसके अलावा वे कई और इंटरनेशनल स्टार्स के साथ नजर आईं। इस दौरान अभिनेत्री ने भारतीय सिनेमा के भविष्य और किरदारों को चयन करने की अपनी पसंद पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'मुझे लगता है अभी सर्वश्रेष्ठ आना बाकी है। ऐसा बहुत कुछ है, जो मैं करना चाहती हूं।'

सही प्रोजेक्ट का इंतजार

श्रद्धा कपूर ने फेस्टिवल के दौरान कहा 'मैं अलग-अलग किस्म की फिल्में करना चाहती हूं, अलग-अलग किस्म के किरदार मुझे करने हैं'। श्रद्धा ने किरदारों के चयन को लेकर कहा कि इस दौरान सेलेक्टिव होना जरूरी है। अभिनेत्री ने कहा कि सही प्रोजेक्ट के लिए उन्हें इंतजार करना मंजूर है, बजाय इसके कि वह कोई ऐसा काम करें जो उनके साथ मेल नहीं खाता।

खाली हाथ बैठने में नहीं दिक्कत!

उन्होंने कहा, ' मुझे जो पसंद न हो उस तरह की बैक टू बैक फिल्में करने के बजाय मुझे कोई फिल्म नहीं करना पसंद है। मुझे इसमें कोई दिक्कत नहीं। इसलिए मैं एक अभिनेता के तौर पर ऐसी फिल्मों का हिस्सा बनना चाहती हूं, जो मेरे लिए अलग हों। यही मेरी इच्छा है'।

स्टारडम नहीं, मेहनत पर ध्यान दें

अभिनेत्री श्रद्धा कपूर से पूछा गया कि वे युवा कलाकारों और निर्देशकों को क्या सलाह देना पसंद करेंगी? इस पर उन्होंने कहा कि स्टारडम की बजाय क्राफ्ट पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है। श्रद्धा ने कहा, 'ग्लैमर के लिए फिल्में न करें। अगर आप कलाकार बनना चाहते हैं, तो ग्लैमर सिर्फ 10 प्रतिशत है। शेष 90 प्रतिशत आपका हार्ड वर्क है'।

फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के न चलने से अब तक शबाना को लगता है बुरा

शबाना आजमी बॉलीवुड की उम्दा अदाकारा हैं। वह हमेशा ही अच्छी फिल्मों और कलाकारों को सराहती हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू में उन्होंने आमिर खान की फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को लेकर काफी कुछ कहा। इस मौके पर उनके साथ करीना कपूर भी मौजूद थीं। दोनों ने आमिर खान की फिल्म को लेकर अपनी राय रखी।

करीना ने बताया फिल्म को खास

करीना कपूर हाल ही में दिए गए एक इंटरव्यू में बताती हैं कि जब फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' फ्लॉप हुई तो उनकी मुलाकात एक इवेंट में आमिर से हुई। उस समय आमिर ने कहा- 'हमारी फिल्म नहीं चली ना, क्या तुम बात करोगी मुझसे आगे?' आमिर खान का यह सवाल सुनकर करीना को काफी बुरा लगा। वह आमिर की निराशा को समझ पा रही थी। करीना कपूर आगे कहती हैं, 'मैंने आमिर से कहा कि मुझे लगता है कि फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' का किरदार रूपा मेरे लिए फिल्म 'सिंघम' के किरदार से अधिक अहमियत रखता है।'

करीना की बात पर शबाना ने सहमति जताई

करीना की बात पर शबाना ने भी हामी भरी। वह कहती हैं, 'करीना का किरदार रूपा सच में बहुत खूबसूरती से लिखा गया था, इस किरदार में बहुत गहराई थी।

करीना ने भी इसे बहुत अच्छे से निभाया। बॉक्स ऑफिस कलेक्शन की बात ना की जाए तो यह फिल्म पूरे दिल से बनाई गई थी। सभी ने अपना बेस्ट काम किया था। सच में यह कहानी बहुत ईमानदारी से बनाई गई थी।' शबाना आजमी की इस बात से पता लगता है कि फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' के न चलने का उनको काफी दुख है।

पहले हिट रही है आमिर-करीना की जोड़ी

फिल्म 'लाल सिंह चड्ढा' को मनचाही सफलता ना मिली हो। इसके बावजूद फिल्म में करीना और आमिर की जोड़ी को पसंद किया गया। इससे पहले भी वह फिल्म 'तलाश', '3 इडियट्स' में साथ काम कर चुके हैं। आगे भी करीना की ख्वाहिश, आमिर खान के साथ काम करने की है।

जरूरत से ज्यादा मौन रिश्तों में दूरी लाता है जानें साइलेंट ट्रीटमेंट का सही तरीका

रिश्तों में कभी-कभी ऐसी स्थिति आती है, जब शब्दों से कही गई बातें उलझनों को सुलझाने के बजाय जटिलता को बढ़ा देती हैं। ऐसे समय में साइलेंट ट्रीटमेंट, जिसे 'मौन उपचार' भी कहा जाता है, आपके रिश्तों को सुधार सकता है। यह एक ऐसा तरीका है, जिसमें एक अपनी भावनाओं के तीव्र क्षणों में प्रतिक्रिया देने से बचते हुए चुप्पी साध लेता है। लेकिन इसे सही तरीके से अपनाना और समझना बेहद जरूरी है, क्योंकि जरूरत से ज्यादा मौन रिश्तों में दूरी भी पैदा कर सकता है।

उद्देश्य को समझें

साइलेंट ट्रीटमेंट का मकसद किसी को नजरअंदाज करना या उसे चोट पहुंचाना नहीं होना चाहिए। इसका असली उद्देश्य तनावपूर्ण स्थितियों को शांत करना और बातचीत के लिए एक सही समय तथा स्थिति का निर्माण करना है। जब भावनाएं तीव्र होती हैं तो कही गई बातें कभी-कभी गलतफहमियों को जन्म दे सकती हैं। ऐसे में कुछ समय के लिए मौन होना बेहतर होता है। साइलेंट ट्रीटमेंट के दौरान दोनों पक्षों को यह समझने का समय मिल जाता है कि गलती कहां हुई, समस्या की जड़ क्या है और समाधान कैसे निकाला जाए।

लाभ तो अनेक हैं

मौन अपनाने से झगड़े की तीव्रता कम होती है और स्थिति बिगड़ने से बचती है, साथ ही दोनों पक्षों को सोचने और अपनी गलतियों को समझने का समय मिल जाता है। वहीं सही समय पर साइलेंट ट्रीटमेंट अपनाने से रिश्तों में संतुलन और परिपक्वता आती है।

क्या है सही तरीका

किसी भी चीज की अति बुरी है। इसी तरह साइलेंट ट्रीटमेंट की अति भी अच्छी नहीं है, इसलिए इसका इस्तेमाल सोच-समझकर और सीमित समय के लिए करना चाहिए। इस दौरान सुनिश्चित करें कि आप अपने मौन से दूसरे व्यक्ति को दंडित नहीं कर रही हैं, बल्कि खुद को और उसे सोचने का समय दे रही हैं। साथ ही अगर आपके साथी ने चुपी साधी है तो आप उनका सम्मान करें, उन्हें थोड़ा समय दें और जब वह बात करने की स्थिति में आ जाएं तो समस्या पर खुलकर चर्चा करें। कोशिश करें कि आप उस दौरान उनसे बहस न करें, बल्कि आपसी सहमति से समाधान निकालें।

कुछ सावधानियां भी

अगर आप या आपका साथी साइलेंट ट्रीटमेंट को नियमित रूप से अपना रहा है तो यह दूसरे पक्ष को उपेक्षित महसूस करा सकता है। लंबे समय तक मौन रखने से सामने वाला व्यक्ति असुरक्षित और अनावश्यक रूप से दोषी महसूस कर सकता है, जिसके बाद पुनः जुड़ाव में मुश्किलें आ सकती हैं। मौन और संवाद का संतुलन तब तक फायदेमंद है, जब तक यह संवाद का रास्ता खोलने का काम करे। रिश्तों में किसी भी समस्या का समाधान अंततः बातचीत के जरिये ही संभव है। साइलेंट ट्रीटमेंट को एक रणनीति के रूप में अपनाएं, लेकिन इसे आदत न बनने दें।

मौन एक शांतिपूर्ण समाधान

रिलेशनशिप काउंसलर शिवानी मिसरी साधू बताती हैं, संचार किसी भी स्वस्थ रिश्ते का आधार है, लेकिन जब एक साथी चुप हो जाता है तो यह दूसरे को उपेक्षित, आहत या महत्वहीन महसूस करा सकता है। सचेत संचार हमेशा रिश्ते में बढ़ रही गलतफहमियों को खत्म करने का काम करता है, जहां दोनों साथी किसी रुकावट के बिना शांति से अपनी भावनाओं को व्यक्त करते हैं। मगर कभी-कभी थोड़ा विराम लेना और साइलेंट हो जाना भी ठीक रहता है। लेकिन इस बात का ध्यान रखना भी जरूरी है कि इसकी समयावधि अधिक न हो। यह दृष्टिकोण समस्या को टालने के बजाय उसे हल करने की इच्छा को दिखाता है। याद रखें, मौन एक शांतिपूर्ण समाधान है, लेकिन खुला संवाद आपके संबंधों को मजबूती देता है।

बहू नहीं मानती है बात तो क्या करें सास, ताकि परिवार में न हो क्लेश

परिवार में किसी न किसी बात पर विवाद होना स्वाभाविक है।। पति-पत्नी के विवाद के अलावा सबसे प्रचलित सास-बहू का रिश्ता है जो काफी नाजुक भी होता है और खास भी। हर सास अपनी बहू को बेटे के साथ अपने अधिकार, अपनी जिम्मेदारियां सौंप देती है और इस बात की उम्मीद करती है कि उनकी बहू परिवार को संभाले।

सास मां बनकर बहू को ये सिखाने और समझाने की कोशिश करती हैं कि परिवार कैसे संभालना है, लेकिन कई बार बहू इसे सास का अधिकार जमाना समझ उनकी बातों को अनदेखा कर जाती है। सास को लगता है कि बहू उनकी बात नहीं मानती या उनका सम्मान नहीं करती। ऐसे में सास-बहू के बीच अनबन होना सामान्य है।

स्वाभाविक है कि जिस महिला ने सालों घर-परिवार को संभाला, वह बेटे की शादी के बाद बहू से भी उसी ढंग से परिवार और रिश्ते संभालने की उम्मीद रखती है। लेकिन बहू जिसकी अपनी अलग जीवनशैली, पसंद और विचार होते हैं, उनका घर परिवार को संभालने का तरीका भी सास से अलग हो सकता है।

ऐसे में सास और बहू के बीच खटपट होने लगती है। कई बार तो झगड़े और विवाद इतने बढ़ जाते हैं कि बहू ससुराल में रहना ही नहीं चाहतीं। अगर आपकी बहू ससुराल में रहना नहीं चाहती है या सास ससुर की आपकी बात नहीं मानती है तो कुछ तरीके अपनाकर रिश्ते टूटने से बचाए जा सकते हैं और बहू को खुशी - खुशी ससुराल वालों के साथ रहना सिखा सकते हैं।

बातचीत करें

सास को चाहिए कि वह बहू से खुलकर बात करें। साथ बैठकर बात करने से गलतफहमी दूर हो सकती है। ये समझने की कोशिश करें कि बहू की नराजगी और अकड़ू रवैए की वजह क्या है। हो सकता है कि बहू को सिखाने और समझाने का जो तरीका आप अपना रही हों, वो उन्हें पसंद नहीं आ रहा या बहू आपके नियम कायदों के कारण खुद को परिवार से अलग महसूस कर रही हो।

बहू का नजरिया समझें

आपकी बहू के अपने विचार और नजरिया हो सकते हैं। खासकर अगर पढ़ी लिखी नौकरी पेशा बहू है तो उनसे आपके वैचारिक मतभेद होना सामान्य है। ऐसे में बहू क्या चाहती है, परिवार और रिश्तों को लेकर उनका क्या नजरिया है, ये समझने की कोशिश करें और साथ ही उनके विचारों और जीवन जीने के तरीके का सम्मान करें।

बहू को बेटी बनाएं

एक सास के तौर पर आप बहू से ये उम्मीद करती हैं कि वह आपको अपनी मां की तरह मानें। शादी के बाद बहू की प्राथमिकता आपका बेटा और ससुराल हो। इसके लिए जरूरी है कि आप बहू को बेटी की तरह मान और सम्मान दें। बेटी के लिए अलग नियम कायदे और बहू के लिए आपका अलग व्यवहार उन्हें आपसे दूर कर देगा। ऐसे में बहू सास को न तो मां मानती हैं और न ही उनकी बातें मानती हैं।

बहू को फैसलों का समर्थन

अधिकतर मामलों में बहू ससुराल में इसलिए नहीं रहना चाहती क्योंकि वह स्वतंत्रता चाहती हैं। अपने पति, बच्चों या घर के लिए वह फैसले लेना चाहती हैं लेकिन सास ससुर के होते, फैसले लेने का अधिकार उन्हें मिलना मुश्किल होता है। ऐसे में बहू को परिवार से जुड़े फैसले लेने दें। उनके फैसलों में समर्थन दें।

बहू पर दबाव न बनाएं

सास चाहती हैं कि बहू उनके जैसे ही घर परिवार संभालें। बहू के जागने-सोने या खाने पीने का समय और तरीका सास बताती हैं। इससे बहू दबाव में आ जाती हैं। जैसे, सास बहू से कहती है कि उनकी तरह सुबह 5 बजे उठकर क्या करना है, क्या बनाना है, किससे बात करनी है और किससे दूरी बनानी है। इस तरह बहू परिवार में दबाव महसूस करने लगती है। सास को चाहिए कि वह बहू को अच्छा और बुरा समझाए पर उसपर दबाव न डालें और बहू को ये छूट दें कि वह अपने तरीके से परिवार संभालें। ताकि बहू को खुद महसूस हो सके कि घर संभालने के लिए कौन सा तरीका बेहतर हो सकता है।

ये 7 बातें आपके व्यक्तित्व को बना देंगी प्रभावी

किसी भी व्यक्ति को अच्छा या बुरा उसका व्यवहार और व्यक्तित्व ही बनाता है। आप लोगों से किस तरह का व्यवहार करते हैं, ये आपके व्यक्तित्व पर निर्भर करता है और आपका व्यवहार व व्यक्तित्व ही दूसरों के मन में आपकी अच्छी या बुरी छवि का जरिया बनता है। आपके गलत व्यवहार का असर ये होता है कि लोग आपके व्यक्तित्व को पसंद नहीं करते हैं। अच्छा व्यवहार आसपास के लोगों को इम्प्रेस कर सकता है। ऐसे में अगर आप चाहते हैं कि लोग आपके व्यक्तित्व की तारीफ करें और आप एक अच्छे व प्रभावी व्यक्तित्व के इंसान बनें तो कुछ आदतों को अपने व्यवहार में शामिल करें। इन आदतों को अपनाकर आप अपने व्यक्तित्व में निखार ला सकते हैं और दूसरों के सामने खुद को प्रभावी बना सकते हैं।

व्यक्तित्व निखारने वाली आदतें

माफी मांगे और शुक्रिया करें

कभी अगर आपके कोई गलती हो जाए तो उस गलती के लिए माफी मांगने में संकोच न करें। गलती पर माफी मांगने से आप छोटे नहीं हो जाएंगे। अपनी गलती स्वीकार करना अच्छे व्यक्तित्व के लोगों की आदत होती है। वहीं अगर कोई अच्छा काम करता है या आपकी मदद करें तो उसे शुक्रिया बोलने में भी झिझक महसूस न करें। किसी की तारीफ करना या उनकी मदद के लिए उनका आभार देना दूसरों की नजरों में आपके अच्छे व्यक्तित्व को प्रदर्शित करता है।

बहुत अधिक आलोचना न करें

किसी दूसरे की गलती पर उसकी आलोचना करते वक्त सहनशीलता का ध्यान रखें। किसी भी व्यक्ति की जरूरत से अधिक आलोचना करना गलत बात है। आपके द्वारा कहे गए शब्द सामने वाले व्यक्ति को बुरे लग सकते हैं या उनको हतोत्साहित कर सकते हैं। ऐसे में ध्यान रखें कि किसी की उतनी ही आलोचना करें, जितना जरूरी हो।

गलतियां नजरअंदाज करें

दूसरों की छोटी-छोटी गलतियों को नजरअंदाज करने की आदत भी सी खें । किसी की छोटी सी ग ल ती पर भी आपका रिएक्शन अच्छे व्यक्तित्व की निशानी नहीं होती है। अपने व्यक्तित्व को प्रभावी बनाने के लिए लोगों को और उनकी गलतियों को माफ करना सीखें। जरूरत पड़ने पर इसे नजरअंदाज भी करें।

अच्छा बनें

किसी की मदद करने में संकोच न करें। दूसरों के लिए अच्छा बनने का प्रयास करें। दूसरों की मदद करके संतोष की भावना को महसूस करना सीखें। ऐसा करने से खुशी मिलती है और तनाव कम होता है।

दूसरों को सुनें

हमेशा अपनी बात रखने के साथ ही दूसरों को ध्यान से सुनना भी सीखें। उनकी की राय को स्वीकार करें और दूसरों की नजर से भी दुनिया को देखें व समझें। इससे आप एक अच्छे और प्रभावशाली व्यक्तित्व का निर्माण कर पाएंगे।

गलतियों से सीखें

अपने व्यक्तित्व को निखारने के लिए खुद की गलती को स्वीकार करने और माफी मांगने के साथ ही गलतियों से सीखने की आदत भी डालें। अगर आप अपनी गलतियों को स्वीकार कर लेंगे तो गलतियों को दोहराने से बच पाएंगे। गलतियों से सबक लें।

प्यार की भावना

व्यक्तित्व को निखारने के लिए लोगों को प्रति प्रेम भाव और स्नेह की भावना भी आपके अंदर होनी चाहिए। बिना वजह किसी से नफरत न करें। जीवन में जिस व्यक्ति से मिले, स्नेह के भाव के साथ मिलें। पूर्वाग्रहों के आधार पर उनके बारे में कोई राय न बनाएं।

च्यवनप्राश तैयार करने की आसान विधि

सर्दियों के मौसम में सेहत का ध्यान रखना काफी जरूरी हो जाता है। यदि सेहत का ध्यान अच्छी तरह से न रखा जाए तो जुकाम, खांसी और बुखार जैसी समस्याएं होने लगती हैं। इसी को देखते हुए लोग इस मौसम में अपने खान-पान में काफी बदलाव करते हैं। इस मौसम में बच्चों से लेकर बड़ों तक को च्यवनप्राश खाने की सलाह दी जाती है।

च्यवनप्राश एक ऐसी आयुर्वेदिक औषधि है, जिसके सेवन से शरीर को ताकत और ऊर्जा प्रदान की जाती है। च्यवनप्राश का मुख्य उद्देश्य शरीर को रोगों से लड़ने की शक्ति देना और संपूर्ण स्वास्थ्य में सुधार करना है। इसके साथ ही च्यवनप्राश में आंवला (विटामिन सी का समृद्ध स्रोत) होता है, जो इम्यूनिटी को मजबूत करता है और सर्दी-जुकाम जैसी बीमारियों से बचाव करता है।

वैसे तो बाजार में कई कंपनियों के च्यवनप्राश मिलते हैं, लेकिन यदि आप बाजार के च्यवनप्राश पर भरोसा नहीं करते, तो इसे घर पर तैयार करें। यहां हम आपको घर पर च्यवनप्राश बनाने की आसान विधि बताने जा रहे हैं।

च्यवनप्राश बनाने का सामान

आंवला- 1 किलो
गुड़ - 500 ग्राम
देशी घी - 100 ग्राम
सौंठ (सूखी अदरक पाउडर)- 2 चम्मच
काली मिर्च पाउडर - 1 चम्मच
दालचीनी पाउडर - 1 चम्मच
इलायची पाउडर- 1 चम्मच
तुलसी पत्ते - 10-15 (सूखे या ताजे)
केसर - 5-6 धागे
शहद

च्यवनप्राश बनाने की विधि

घर पर च्यवनप्राश बनाना काफी आसान है। इसके लिए सबसे पहले आंवले को अच्छे से धोकर छोटे टुकड़ों में काट लें। इन्हें 1 लीटर पानी में उबालें जब तक ये नरम न हो जाएं। सही से उबालने के बाद पानी छान लें और आंवलों को मिक्सर में पीसकर पेस्ट बना लें।

आंवले का पेस्ट तैयार करने के बाद एक कढ़ाई में गुड़ और थोड़ा पानी डालकर पकाएं जब तक कि यह पूरी तरह से पिघलकर चाशनी जैसा न बन जाए।

जब तक ये पिघल रहा है, तब तक सौंठ, काली मिर्च, दालचीनी, और अन्य मसालों को अलग-अलग बारीक पीस लें। इसके बाद एक अलग कढ़ाई में घी गरम करें। उसमें आंवला पेस्ट डालें और धीमी आंच पर 10-15 मिनट तक भूनें।

अब गुड़ का शीरा, मसालों का मिश्रण और पिसे हुए तुलसी पत्ते डालकर अच्छी तरह मिलाएं। इस मिश्रण को लगातार चलाते हुए धीमी आंच पर पकाएं। जब यह च्यवनप्राश की गाढ़ा हो जाए तो आंच बंद कर दें। आखिर में जब मिश्रण ठंडा हो जाए, तब उसमें शहद और केसर डालकर मिलाएं। अब इसे आप एक कांच की बोतल में भर के रख सकते हैं।

दफ्तर में कभी न करें ये काम, वरना बिगड़ जाएगी आपकी छवि

दफ्तर में लगभग 8 से 9 घंटे व्यय करते हैं। इस दौरान दफ्तर के अंदर आपकी एक अलग लाइफस्टाइल बन जाती है। इस दौरान आपका प्रोफेशनल बर्ताव बॉस समेत सहकर्मियों को भी प्रभावित करता है। इसका असर आपके कामकाज और तरक्की पर भी होता है।

दफ्तर में आपका व्यवहार और काम करने का तरीका आपकी छवि को बनाता और बिगाड़ता है। एक सकारात्मक छवि न केवल सहकर्मियों और बॉस पर अच्छा प्रभाव डालती है, बल्कि आपके करियर को भी आगे बढ़ाने में मदद करती है। वहीं, कुछ गलतियां आपकी मेहनत पर पानी फेर सकती हैं और आपकी छवि को खराब कर सकती हैं। दफ्तर में आपका हर काम और व्यवहार आपकी छवि का प्रतिबिंब होता है। इसलिए, प्रोफेशनल माहौल में अनुशासन, ईमानदारी और सकारात्मकता बनाए रखना बेहद जरूरी है।याद रखें, एक अच्छी छवि आपके करियर की सफलता की कुंजी है। इस लेख में हम उन आदतों और कामों पर चर्चा की जा रही है,जिन्हें दफ्तर में करने से बचना चाहिए।

समय पर दफ्तर न पहुंचना

दफ्तर पहुंचने में रोज ही देर करते हैं तो इससे आपकी कार्यक्षमता पर सवाल उठते हैं। साथ ही आपके अनुशासनहीन होने का भी संकेत देता है। समय पर न पहुंचने से सहकर्मी और बॉस दोनों ही आपसे नाराज हो सकते हैं।

अनावश्यक गॉसिप करना

गॉसिप करना किसी भी दफ्तर का हिस्सा हो सकता है, लेकिन इसमें अति करना आपकी छवि को नुकसान पहुंचा सकता है। खासकर दूसरों की आलोचना या ऑफिस की गोपनीय जानकारी साझा करना आपकी विश्वसनीयता पर सवाल खड़ा कर सकता है।

काम को टालना

दफ्तर में काम को टालने की आदत आपको आलसी और गैर-जिम्मेदार साबित कर सकती है। इससे न केवल आपकी छवि खराब होती है, बल्कि आपके सहकर्मी भी परेशान हो सकते हैं, क्योंकि आपकी देरी उनके काम को भी प्रभावित कर सकती है।

सहकर्मियों के काम का क्रेडिट लेना

कई बार बॉस के सामने अपना इंप्रेशन बनाने के लिए लोग टीम वर्क का क्रेडिट या सहकर्मी के काम का श्रेय ले लेते हैं। इसके अलावा दूसरों के काम व मेहनत को छोटा दिखाने की कोशिश करते हैं। इससे आपके टीम वर्क स्किल पर सवाल उठ सकते हैं। साथ ही आपकी ये आदत सहकर्मियों के बीच आपको अप्रिय बना सकती है।

रिश्ते में हंसी-मजाक भी बन सकता है विवाद की वजह

पति-पत्नी के रिश्ते में हंसी-मजाक जरूरी है। यह संबंधों में मजबूती लाता है, लेकिन कहीं आप का या उनका यह मजाक तंज का रूप तो नहीं ले रहा?

नवीन और राधिका शादी के बाद से ही एक-दूसरे के हंसी-मजाक भरे व्यवहार के मुरीद थे। मगर शादी के दस साल बाद अब राधिका को नवीन का यह रवैया अच्छा नहीं लगता है। दरअसल, नवीन कई बार मजाकिया अंदाज में राधिका को ताने मार देता है, जो उसे पसंद नहीं आता और देखते-देखते दोनों के बीच बहस हो जाती है। नवीन और राधिका की तरह कहीं आपके रिश्ते में भी तो यह परेशानी नहीं आ रही?

मजाक के मायने

रिश्तों में हंसी-मजाक का बहुत महत्व है, क्योंकि इससे रिश्तों की दूरी कम होती है। मगर कई बार हंसी-मजाक गलतफहमी का कारण भी बन सकता है, खासकर तब, जब एक साथी भावनात्मक रूप से कमजोर महसूस कर रहा हो। मजाक करना एक भाव है, जिसके कई मायने हैं। इसलिए किसी को अपमानित करना, किसी की बेबसी पर हंसी उड़ाना या किसी पर मनचाहा तंज करना कभी भी मुस्कुराहट की वजह नहीं बन सकता।

वाद हो, विवाद नहीं

अक्सर हम अपने इर्द-गिर्द ऐसे लोगों को देखते हैं, जो अपनी बात को किसी भी तरह से कह देते हैं और जब सामने वाले को बुरा लगता है तो उसे मजाक का नाम दे देते हैं। हमेशा ध्यान रखें कि मजाक ऐसा हो, जिसमें बोलने और सुनने वाला, दोनों हंसें। ऐसा न हो कि सामने वाला आहत हो रहा हो। यह स्थिति रिश्तों में दरार लाती है और मजाक विवाद का कारण बन जाता है।

पर्सनल अटैक नहीं

सोनाली की पुरानी सहेली टीना के घर में पार्टी थी। टीना का पति रोहन पार्टी में लेट आया। डिनर टेबल पर आते ही सोनाली ने कहा, "रोहन, तुम लेट हो।" इतने में टीना ने तपाक से कहा, "इनका तो रोज का है।" बात छोटी-सी थी, मगर दोनों की डिनर टेबल पर ही लड़ाई हो गई। टीना बोली, "मैंने मजाक किया था", लेकिन रोहन को वह बेइज्जती लगी।

पति-पत्नी का संबध थोड़ा हंसी-मजाक तो एक-दूसरे को समझने-समझाने का भी है। ऐसे में कई बातें पर्सनल अटैक की तरह लगती हैं, इसलिए आपको समय और जगह का ध्यान रखना चाहिए।

संवेदनशील मुद्दे

कभी-कभी मजाक ऐसी बातों पर होता है, जो व्यक्ति के लिए संवेदनशील या व्यक्तिगत होती हैं, जैसै कि माता-पिता, भाई-बहन या फिर कोई करीबी। ऐसे में एक बार के लिए सामने वाला आपकी बातों को मजाक में उड़ा सकता है, लेकिन बार-बार कहना विवाद उत्पन्न करता है, जिससे रिश्ते पर नकारात्मक प्रभाव पड़ता है। साथी को ठेस पहुंचती है और यह नोक-झोंक लड़ाई का रूप ले सकती है। इसलिए इस बात का ध्यान रखें।

स्पष्ट और ईमानदार संवाद

मनोवैज्ञानिक सीमा रहमान कहती हैं, पति-पत्नी का संबध हंसी-मजाक, नोक-झोंक और एक-दूसरे को समझने-समझाने का है। मगर इस रिश्ते में अक्सर हम बहुत-सी बातें, जो मन में चल रही होती हैं, जिनको हम कह नहीं पाते है, उनको मजाक में बोल देते हैं। वहीं अगर सामने वाले को बुरा लग जाता है तो कह देते हैं, "अरे मैं तो मजाक कर रहा था या कर रही थी।" लेकिन किसी भी रिश्ते में संवाद जितना स्पष्ट और ईमानदारी भरा होगा, वह रिश्ता उतना ही बेहतर रहेगा। इसलिए जो बातें आपको परेशान करती हैं, उन पर स्पष्ट बातचीत कीजिए, लेकिन घुमा-फिराकर या हंसी-मजाक का परदा डालकर बात मत कीजिए। आप दोनों के इस प्यार भरे बंधन में हंसी-मजाक रिश्ते को मजबूत बनाने के लिए होना चाहिए, बातों या भावनाओं पर पर्दा डालने के लिए नहीं।

क्या आम जनता को महंगाई से निजात दिला पाएंगे आरबीआई के नए गवर्नर संजय मल्होत्रा, सामने होंगी ये चुनौतियां

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया को नया गवर्नर मिल गया है। देश के बैंकिंग रेगुलेटर की कमान अब एक आईआईटियन के हाथों में आ गई है। आरबीआई के नए गवर्नर अब संजय मल्होत्रा हैं। नए आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा ने ऐसे समय पर पद की कमान संभाली है, जब आरबीआई से आम लोगों की उम्मीदें कुछ ज्यादा ही हैं। मौजूदा समय में महंगाई ऊपर की ओर है और डीजीपी दो साल के लोअर लेवल पर। डॉलर के मुकाबले रुपया रिकॉर्ड लो पर आ गया है। ऐसे में आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा के सामने चुनौतियां कम नहीं रहने वाली हैं। इनसे पहले शक्तिकांत दास का 6 साल का कार्यकाल को खत्म हो गया। उनके सामने भी चुनौतियां कम नहीं थी। कोविड का दौर था। उससे पहले रघुराम राजन और उर्जित पटेल जैसे दिग्गज अर्थशास्त्रियों के हाथों में

आरबीआई की कमान थी। सरकार और आरबीआई के बीच कोई तालमेल तो छोड़िये संबंध तक ही नहीं थे। ऐसे समय पर उन्होंने आरबीआई की कमान ही नहीं संभाली बल्कि सरकार की मदद से कई बैंकिंग रिफॉर्म भी किए। आज यानी 10 दिसंबर को जब वो अपने पद को छोड़ रहे हैं, तो नए आरबीआई गर्वनर संजय मल्होत्रा के सामने कई चुनौतियां आने वाली हैं। आइए आपको भी बताते हैं कि आखिर किस तरह की चुनौतियां होंगी।

जीडीपी को उठाने की चुनौती

मौजूदा समय में देश के नए आरबीआई गर्वनर के सामने देश की इकोनॉमी को उठाने की अहम जिम्मेदारी होगी। दूसरी तिमाही के जो आंकड़े सरकार ने जारी किए, वो बेहद निराशाजनक थे। आंकड़ों के अनुसार दूसरी तिमाही में देश की जीडीपी 5.4 फीसदी पर आ गई जो पिछले साल की समान अवधि में 8 फीसदी देखने को मिली थी। वहीं दूसरी ओर हाल ही में आरबीआई एमपीसी ने देश की ग्रोथ के अनुमान में 60 बेसिस प्वाइंट काट दिए हैं। जिसके बाद मौजूदा वित्त वर्ष में देश की ग्रोथ का आरबीआई का अनुमान 7.2 फीसदी से घटकर 6.6 फीसदी हो गया है। मतलब साफ है कि देश मंदी की ओर जा रहा है। इसी ग्रोथ को एक बार फिर से 7 फीसदी या उससे ऊपर लाने की सबसे बड़ी चुनौती संजय मल्होत्रा के सामने होगी।

महंगाई से बुरा हाल

संजय मल्होत्रा ने ऐसे समय में केंद्रीय बैंक की कमान संभाली है जब देश इकोनॉमी की रफ्तार धीमी और तेज महंगाई की दोहरी चुनौती का सामना कर रहा है। दास ने महंगाई को कंट्रोल करने के लिए ब्याज दरों में करीब दो साल से कोई बदलाव नहीं किया है। अक्टूबर के महीने में महंगाई 6.2 फीसदी से ज्यादा देखने को मिली थी। मॉर्गन स्टानले का अनुमान है कि नवंबर के महीने में भारत की महंगाई दर में कटौती होगी और आंकड़ा 5.5 फीसदी पर आ सकता है। जोकि आरबीआई के टॉलरेंस लेवल के अंदर हैं। उसके बाद भी 4 फीसदी से काफी ज्यादा है।

पॉलिसी रेट में कटौती की चुनौती

इस महंगाई को कम रखने के लिए मई 2022 से लेकर फरवरी 2023 तक आरबीआई गवर्नर ने पॉलिसी रेट में 2.50 फीसदी का इजाफा किया था। जिसके बाद पॉलिसी रेट 6.5 फीसदी पर आ गए थे।

डोनाल्ड ट्रंप की एंट्री से पहले ही चीन का बज गया बाजा! सुस्त पड़ा एक्सपोर्ट, घट गया इंपोर्ट

नई दिल्ली,10 दिसंबर (एजेंसियां)। चीन को दुनिया की फैक्ट्री कहा जाता है। पूरी दुनिया के बाजार चीन के माल से पटी पड़ी हैं। पिछले साल यानी 2023 में उसने 3,380.02 अरब डॉलर का एक्सपोर्ट किया था जो भारत से करीब आठ गुना ज्यादा है। लेकिन नवंबर में चीन के एक्सपोर्ट और इंपोर्ट में अनुमान से कम रहा। यह सब ऐसे समय हुआ है जब चीन की इकॉनमी कई मोर्चों पर संघर्ष कर रही है। सरकार कोविड-19 महामारी के झटकों के बाद अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का प्रयास कर रही है। हाल में इकॉनमी में जान फूंकने के लिए एक प्रोत्साहन पैकेज की भी घोषणा की गई थी। मंगलवार को जारी कस्टम डेटा के मुताबिक नवंबर में चीन के निर्यात में एक साल पहले की तुलना में 6.7% की वृद्धि हुई। अक्टूबर में इसमें 12.7% की बढ़ोतरी हुई थी। विश्लेषकों ने अनुमान लगाया था कि नवंबर में चीन के निर्यात में 8% से अधिक की वृद्धि हो सकती है। आयात में भी एक साल पहले की तुलना में 3.9% की गिरावट आई। इससे साफ है कि देश में उद्योगों और उपभोक्ताओं की डिमांड कमजोर है। आयात की तुलना में निर्यात में बढ़ोतरी से चीन का ट्रेड सरप्लस बढ़कर 97.4 अरब डॉलर हो गया।

चीन की इकॉनमी

चीन की सरकार ने मॉनीटरी पॉलिसी को लचीला बनाने और इकॉनमी को ज्यादा सपोर्ट करने की बात कही है। फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बनने जा रहे डोनाल्ड ट्रंप ने चीनी वस्तुओं के आयात पर 60% या उससे अधिक टैरिफ लगाने की धमकी दी है। इससे चीन के एक्सपोर्ट को खतरा पैदा हो गया है। यह ऐसा सेक्टर है जिसने लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। चीन दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी इकॉनमी है। लेकिन पिछले कुछ समय से वह कई मोर्चों पर संघर्ष कर रहा है। रियल एस्टेट सेक्टर बुरी स्थिति में है और उपभोक्ता खर्च कमजोर बना हुआ है।

'महंगाई तो है ही नहीं' कितने प्रतिशत भारतीय मानते हैं ऐसा?

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीयों को भोजन की थाली पर महंगाई की मार का डर सता रहा है। इस कारण वे जीवन की जरूरतों पर कम खर्च कर सकते हैं। ये डर समेत कुछ और कारणों को मिलाकर उनके जीने की जरूरतों पर खर्च में वृद्धि नहीं हो रही है। इप्सोस कॉस्ट ऑफ लिविंग रिपोर्ट से यह बात सामने आई है। भारतीयों को डर है कि अगले साल खाद्य पदार्थों की कीमतें, घरेलू खरीदारी, ईंधन और बाहर जाना सब महंगा हो जाएगा। नवंबर 2024 के लिए इप्सोस कॉस्ट ऑफ लिविंग मॉनिटर सर्वे में शामिल 62 फीसदी से अधिक लोगों ने खाद्य पदार्थों की कीमतों में बढ़ोतरी की आशंका जताई है।

सरकारी योजनाओं के कारण जीने की लागत कम

इप्सोस इंडिया के सीईओ अमित अदारकर ने बताया कि गरीबों के लिए मुफ्त राशन, सरकार द्वारा संचालित दवाखानों में सब्सिडी, तेल की कीमतों को नियंत्रण में रखना, आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना आदि ने आर्थिक रूप से कमजोर लोगों और आम जनता पर जीवन की उच्च लागत के असर को कम किया है। सर्वेक्षण में शामिल 19 फीसदी लोगों ने कहा कि वे आराम से रह रहे हैं। 34 प्रतिशत ने कहा कि उनका जीवन ठीक-ठाक है, 20 प्रतिशत किसी तरह गुजर-बसर कर रहे हैं तथा केवल 22 प्रतिशत ने कहा कि जीवन-यापन में कठिनाई आ रही है।

45 फीसदी को महंगाई से राहत की उम्मीद नहीं

रिपोर्ट के मुताबिक, 45 प्रतिशत लोगों को भरोसा नहीं है कि महंगाई कभी कम होगी। वहीं 20 प्रतिशत लोगों को उम्मीद है कि अगले साल के बाद मुद्रास्फीति स्थिर हो जाएगी, 12 प्रतिशत लोगों को एक साल के भीतर स्थिति सामान्य होने की उम्मीद है। नौ प्रतिशत लोगों को छह महीने में, छह प्रतिशत लोगों को तीन महीने में, तथा सात प्रतिशत लोगों का मानना है कि यह पहले ही स्थिर हो चुकी है। अधिकांश शहरी भारतीयों यानी 54 प्रतिशत को उम्मीद है कि अगले वर्ष मुद्रास्फीति और बढ़ेगी।

कारोबारियों को बड़ी राहत, जीएसटीआर-7 देर से फाइल करने पर नहीं लगेगा लेट फाइन

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कारोबारियों के लिए बड़ी राहत वाली खबर सामने आई है। जीएसटीआर-7 की देर से फाइलिंग पर कोई लेट फीस नहीं है। जीएसटीआर-7 एक ऐसा रिटर्न है, जिसे आपको समय पर फाइल करना जरूरी है। हालांकि जीएसटीएन ने एक नई सलाह जारी की है। उसने कहा है कि इसे समय पर फाइल करना बेहद जरूरी है। अक्टूबर 2024 से अगर आपका जीएसटीआर-7 निल है। मतलब कोई टीडीएस नहीं कटाया है, तो आप इसे देर से भी फाइल कर सकते हैं। वो भी बिना कोई लेट फीस के। लेकिन अब जीएसटीआर-7 को एक निश्चित क्रम में फाइल करना होगा, यानी अगर आप एक महीने का जीएसटीआर-7 नहीं फाइल करते हैं, तो अगला महीना भी नहीं फाइल कर सकते।जीएसटीआर-7 एक महीने का रिटर्न है, जिसे उन सभी जीएसटी रजिस्टर्ड टैक्सपेयर्स को फाइल करना होता है, जिन्हें जीएसटी के तहत टीडीएस काटना होता है। इसमें आपको टीडीएस काटने, जमा करने और भुगतान की जानकारी देनी होती है। अगर उस महीने आपने कोई टीडीएस नहीं काटा है, तो आपको 'निल' जीएसटीआर-7 फाइल करना होगा। जीएसटीआर-7 रिटर्न हर महीने की 10 तारीख तक फाइल करना होता है। अगर नवंबर 2024 के लिए आपको रिटर्न फाइल करना है, तो उसकी डेडलाइन 10 दिसंबर 2024 है। अगर आपके पास टीडीएस का कोई लेनदेन नहीं था, तो आपको 'निल' जीएसटीआर-7 रिटर्न फाइल करना होगा।

देनी पड़ेगी लेट फीस

जीएसटीएन ने 4 दिसंबर 2024 को

एक सलाह दी, जिसमें बताया गया कि अक्टूबर 2024 से जीएसटीआर-7 को अब क्रमवार फाइल करना होगा। इसका मतलब है कि अगर आप अक्टूबर का जीएसटीआर-7 फाइल नहीं करेंगे, तो आप नवंबर का भी फाइल नहीं कर सकेंगे। इसलिए, चाहे आपका रिटर्न निल हो, फिर भी उसे समय पर फाइल करना जरूरी है। अगर आप निल जीएसटीआर-7 रिटर्न देर से फाइल करते हैं, तो आपको कोई लेट फीस नहीं देनी पड़ेगी। लेकिन अगर आपका जीएसटीआर-7 रिटर्न सामान्य है। जैसे आपने टीडीएस काटा हो, तो अगर आप डेडलाइन मिस करते हैं, तो आपको लेट फीस देनी पड़ेगी।

क्या हो सकता है नुकसान?

चार्टर्ड अकाउंटेंट बिमल जैन ने इटी से बात करते हुए बताया कि अगर आप निल जीएसटीआर-7 रिटर्न नहीं फाइल करते, तो आप अगले महीने का रिटर्न भी नहीं फाइल कर सकेंगे। जैसे मान लीजिए, नवंबर में आपको निल रिटर्न फाइल करना था, लेकिन आपने नहीं किया। अब दिसंबर में आपको टीडीएस कटाना था, लेकिन अगर आप नवंबर का रिटर्न फाइल नहीं करते, तो आप दिसंबर का रिटर्न भी नहीं फाइल कर पाएंगे। इसलिए, हमेशा निल जीएसटीआर-7 को समय पर फाइल करें। अगर आपको टीडीएस काटना था और आपने जीएसटीआर-7 समय पर फाइल नहीं किया, तो आप पर पेनल्टी लग सकती है। पेनल्टी 10,000 या फिर जितना टीडीएस आपने कटाया था, उस राशि के बराबर हो सकती है।

लग सकती है पेनाल्टी

अगर आप निल जीएसटीआर-7 रिटर्न देर से फाइल करते हैं, तो आपको कोई लेट फीस नहीं देनी पड़ेगी। यह छूट केवल उन टैक्सपेयर्स के लिए है जिनके पास टीडीएस का लेन-देन नहीं था। अगर आपने टीडीएस काटा और जीएसटीआर-7 नहीं फाइल किया, तो पेनल्टी लग सकती है। जीएसटी एक्ट के मुताबिक, अगर कोई छोटी सी गलती हुई हो (जैसे आपने समय पर रिटर्न नहीं फाइल किया, लेकिन इसमें कोई धोखाधड़ी या लापरवाही नहीं थी), तो आम तौर पर पेनल्टी नहीं लगती। लेकिन अगर गलती गंभीर हो, तो पेनल्टी लग सकती है।

आखिर रिलायंस इंडस्ट्रीज को क्यों पड़ रही 25 हजार करोड़ के कर्ज की जरुरत?

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रिलायंस इंडस्ट्रीज अगले साल के कर्ज को फिर से फाइनेंस करने के लिए लगभग 25,000 करोड़ रुपये तक का कर्ज लेने की तैयारी में है। यह कर्ज कंपनी को 2025 की पहली तिमाही में चुकाना होगा। इस प्रक्रिया में रिलायंस के साथ कई बैंकों की बातचीत चल रही है। इनमें लगभग आधा दर्जन बैंक शामिल हैं। अभी तक इस कर्ज के शर्तों पर कोई अंतिम फैसला नहीं लिया गया है। ऐसे में इसमें बदलाव हो सकते हैं।

इतना है कर्ज बकाया

ब्लूमबर्ग रिपोर्ट के अनुसार, रिलायंस पर साल 2025 में कुल मिलाकर 2.9 बिलियन डॉलर का कर्ज बकाया है। इसमें ब्याज भी शामिल है। अगर कंपनी यह नया

कर्ज लेती है, तो यह रिलायंस की साल 2023 में अंतरराष्ट्रीय वित्तीय योजनाओं के तहत दूसरी बार उधारी होगा। पिछले साल रिलायंस ने 8 बिलियन डॉलर से ज्यादा का कर्ज जुटाया था। रिलायंस जियो और उसकी अन्य सहायक कंपनियों के लिए अलग-अलग बैंकों से वित्तीय सहायता ली गई थी। इन कर्जों को करीब 55 बैंकों ने मिलकर फाइनेंस किया था।

यह है वजह

भारत का रुपया डॉलर के मुकाबले कमजोर हो गया है। यह भारतीय शेयर बाजार से पूंजी निकासी की वजह से हुआ है। इसका असर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर भी पड़ा है। इससे अंतरराष्ट्रीय कर्ज के भुगतान पर दबाव बढ़ सकता है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की साख अच्छी है। साथ ही भारत के सरकारी क्रेडिट रेटिंग से यह एक कदम ऊपर है। ऐसे में कंपनी को कर्ज लेने और देने में ज्यादा दिक्कतों का सामना नहीं करना पड़ेगा।

फाइनेंशियल स्थिति है मजबूत

मूडीज रेटिंग ने हाल ही में रिलायंस की क्रेडिट रेटिंग को बीएए2 पर बरकरार रखा है। यह दर्शाता है कि कंपनी का वित्तीय स्वास्थ्य मजबूत है। इसका मतलब है कि रिलायंस की फाइनेंशियल स्थिति अब भी स्थिर और मजबूत बनी हुई है, और वह अपने कर्जों को चुकता करने में सक्षम है।

चांदी 1175 बढ़कर 92975 प्रति किलो पर पहुंची

सोना 421 बढ़कर 77113 पर पहुंचा, कैरेट के हिसाब से देखें गोल्ड की कीमत

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सोने-चांदी के दाम में आज यानी 10 दिसंबर को बढ़त देखने को मिली है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट गोल्ड का भाव 421 रुपए बढ़कर 77,113 रुपए पर पहुंच गया है। इससे पहले सोने की कीमत 76,692 रुपए प्रति दस ग्राम थी। चांदी के दाम में भी तेजी है। ये 1,175 रुपए बढ़कर 92,975 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। इससे पहले चांदी 91,800 रुपए पर थी। वहीं, 23 अक्टूबर को चांदी ने 99,151 रुपए का और 30 अक्टूबर को सोने ने 79,681 रुपए का ऑल टाइम हाई बनाया था।

महानगरों सोने की कीमत

दिल्ली : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,200 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,750 रुपए है।

मुंबई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,600 रुपए है।

कोलकाता : 10 ग्राम 22 कैरेट गोल्ड की कीमत 72,050 रुपए और 24 कैरेट 10 ग्राम सोने की कीमत 78,600 रुपए है।

चेन्नई : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,050 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,600 रुपए है।

भोपाल : 10 ग्राम 22 कैरेट सोने की कीमत 72,100 रुपए और 10 ग्राम 24 कैरेट सोने की कीमत 78,650 रुपए है।

हैदराबाद : सोने(गोल्ड) का रेट 24 कैरेट के लिए 78,600 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट के लिए 72,050 रुपये है।

उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुआ बाजार

सेंसेक्स-निफ्टी हरे-लाल निशान के बीच झूलते रहे

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हफ्ते के दूसरे कारोबारी दिन भारतीय बेंचमार्क सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी उतार-चढ़ाव के बाद सपाट बंद हुए। मंगलवार को ब्लू-चिप आईटी शेयरों में बढ़त दर्ज की गई, हालांकि निवेशकों ने सप्ताह के अंत में आने वाले भारत और अमेरिका के महंगाई के आंकड़ों से पहले सावधानी बरती। इस दौरान बीएसई सेंसेक्स 1.59 अंक गिरकर 81,510.05 पर बंद हुआ, जबकि व्यापक निफ्टी 50 इंडेक्स 8.95 अंक या 0.04% की गिरावट के साथ 24,610.05 पर बंद हुआ। बाजार के हैवीवेट आईटी इंडेक्स में सबसे ज्यादा 0.8% की बढ़ोतरी हुई, जिसने घरेलू स्तर पर केंद्रित स्मॉलकैप और मिडकैप शेयरों में हुए नुकसान की भरपाई की। एचएसबीसी की ओर से अपग्रेड करने के बाद आईटी की बड़ी कंपनियों इंफोसिस और एलटीआईमाइंडट्री के शेयरों में 2% से अधिक की बढ़ोतरी हुई। एकल शेयरों में, ऑनलाइन खाद्य वितरण प्लेटफॉर्म स्विगी 1.1% की बढ़त के साथ बंद हुआ। बुधवार को आने वाले अमेरिकी मुद्रास्फीति के आंकड़ों से अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर की दिशा तय होने की संभावना है। ऐसा होता है तो भारत जैसे उभरते बाजारों में विदेशी प्रवाह प्रभावित होगा।

अडानी के बेटे की प्री-वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में

उदयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झीलों का शहर उदयपुर अडानी के बेटे की प्री-वेडिंग सेरेमनी का गवाह बनने के लिए सज चुका है। प्री-वेडिंग सेरेमनी के लिए उदयपुर के तीन 5 स्टार होटल बुक किए गए हैं जो कि लेक पैलेस, लीला पैलेस और उदय विलास हैं। उदयपुर के इन्हीं होटलों में रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी की बेटी ईशा अंबानी की भी प्री-वेडिंग सेरेमनी हुई थी। जिसमें देश-विदेश के हजारों मेहमान शामिल हुए थे। **हीरा कारोबारी की बेटी से हुई थी सगाई**

गौतम अडानी के छोटे बेटे जीत अडानी की सगाई बीते साल मार्च में हीरा कारोबारी जैमिन शाह की बेटी दीवा शाह के साथ हुई थी। जीत अडाणी विदेश से पढ़ाई करने के बाद पिछले कुछ समय से अडाणी ग्रुप में वाइस चेयरमैन फाइनेंस का काम देख रहे हैं।

प्री-वेडिंग सेरेमनी

जीत अडानी और जैमिन शाह की प्री-

वेडिंग सेरेमनी उदयपुर में है। फिलहाल ये कंफर्म नहीं हुआ है कि ये फंक्शन लेक पैलेस, लीला पैलेस और उदय विलास में से किसमें होगा। इस प्री-वेडिंग सेरेमनी में गौतम अडानी और उनके परिवार के साथ-साथ कई नामी उद्योगपति, बड़ी हस्तियां और उनके नजदीकी मित्र शामिल होंगे।

किस-किस की हो चुकी है यहां शादी?

उदयपुर डेस्टीनेशन वेडिंग के लिए मशहूर है। यहां ईशा अंबानी के अलावा आमिर खान की बेटी इरा खान की शादी, सनी देओल के भतीजे की शादी, और हाल ही में परिणीति चोपड़ा और राघव चड्ढा की शादी भव्यता के साथ हुई है। वहीं अंतरराष्ट्रीय बैडमिंटन खिलाड़ी पीवी सिंधु की शादी के आयोजन के लिए भी चर्चा में है। सिंधु की शादी 22 दिसंबर को यहां आयोजित होनी है, जिसकी तैयारियां भी जोरों पर हैं।

क्या ईशा अंबानी से भव्य होगी जीत की प्री-वेडिंग?

जीत अडानी की प्री-वेडिंग में कौन-कौन शामिल होगा, इसका फिलहाल खुलासा नहीं हुआ है, लेकिन माना जा रहा है की गौतम अडानी इस फंक्शन को कभी ना भूलने वाला फंक्शन बना सकते हैं। उदय विलास होटल में सिक्योरिटी के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	धनु	मे	धनु----	04-48 बजे
चंद्र-	मीन	मे	मकर...	07-00 बजे
मंगल	कर्क	मे	कुंभ -	09-05 बजे
बुध-	वृश्चिक	मे	मीन-	10-57 बजे
गुरु-	वृष	मे	मेष---	12-35 बजे
शुक्र-	मकर	मे	वृष---	14-10 बजे
शनि-	कुंभ	मे	मिथुन	15-56 बजे
राहु-	मीन	मे	कर्क...	17-56 बजे
केतु-	कन्या	मे	सिंह---	20-09 बजे
			कन्या---	22-20 बजे
			तुला----	00-27 बजे
			वृश्चिक...	02-33 बजे

श्री कालयुक्त संवत्सर-विक्रम संवत-2081
शक संवत- 1946 सूर्य -दक्षिणायन- ऋतु -हेमन्त
महावीर निर्वाण संवत -2051,हिजरी सन् -1444
कलियुग अवधि-432000 सूर्योदय - 06-39 सूर्यास्त. -17-38
भोग्य कलि वर्ष-426875
कलियुग संवत -5125 वर्ष,
कल्पारंभ संवत् -1972949125
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-1955885125
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- एकादशी. 25:08 तक उपरान्त द्वादशी
मास - मार्गशीर्ष शुक्ल , बुधवार 11 December
नक्षत्र - रेवती 11-46 तक उपरान्त अश्विनी
योग - वरियान 18-46 तक उप परिघ
करण- वणिज 14-27 तक उप विष्टी
विशेष:- मोक्षदा एकादशी व्रत स्मार्थ
व्रत -त्योहार - श्री गीता ज. मौन ११

विशेष:- राशिफल गृहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क के लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:10 से 13:33 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा मो.9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:39 - 08:00 शुभ	उत्पात	17:38 - 19:19 अशुभ
अमृत	08:00 - 09:23 शुभ	शुभ.	19:19 - 20:56 शुभ
काल.	09:23 - 10:47 अशुभ	अमृत.	20:56 - 22:33 शुभ
शुभ.	10:47 - 12:10 शुभ	चंचल	22:33 - 00:10 शुभ
रोग.	12:10 - 13:33 अशुभ	रोग	00:10 - 01:47 अशुभ
उत्पात	13:33 - 14:56 अशुभ	काल	01:47 - 03:24 अशुभ
चंचल.	14:56 - 16:19 शुभ	लाभ.	03:24 - 05:01 शुभ
लाभ	16:19 - 17:38 शुभ	उत्पात	05:01 - 06:39 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

एक उत्कृष्ट अवसर आपके लंबित कार्यों को खत्म करने के लिए आपके रास्ते में आ सकता है । इस खाली समय का पूरा उपयोग करें , हालांकि आप जिस तरीके से अपने कार्य अभी तक करते थे , उन्हें आपको छोड़ना होगा ! यह अपनी पसंद के घर के स्वामित्व को पाने के लिए सही समय है।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आपको काफी समय से अपने सहकर्मियों की मदद मिल रही थी परन्तु अब समय ये मदद लौटने का है । अब आप अपने किसी सहकर्मी की मदद कर सकते है जिससे आपकी स्थिति आपके कार्यालय में और दृढ़ता से मजबूत होगी और आपकी लोकप्रियता बढ़ेगी । हो सकता है आज आपको देर तक कार्य करना पड़े पर ये आपके लिए सहायक ही सिद्ध होगा ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

आज के दिन उधार दिए हुए पैसे आपको वापस मिल सकते है । आज के दिन आप एक ऐसे व्यक्ति से भी मिल सकते है जिसे आप पहले से जानते हो और वो आपकी काफी हद तक आपकी भविष्य में आय को बढ़ाने में मदद कर सकता है और यहाँ तक की ये व्यक्ति आपको अच्छी आय वाली नौकरी दिलाने में भी मदद कर सकता है।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आपकी लंबित कई प्रतिबद्धताएं है जिन्हे आपको आज आसानी से पूरा करने के लिए समय मिलेगा , हालांकि आप अपने आप को बेचैन , असावधान और सुस्त महसूस करेंगे । परिणाम के रूप में, आपका कार्य लंबित होता जाएगा , क्योंकि आपका ध्यान केंद्रित नहीं है, इसलिए एक दिन की छुट्टी ले और आराम करे । यह काफी हद तक आपके तनाव को दूर करने में मदद करेगा ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

शिक्षण, लेखन, पत्रकारिता और साहित्य में लगे हुए लोग आज अपने कैरियर में बड़ी सफलता का आनंद ले सकते हैं और आपको अपनी उपलब्धियों के लिए सम्मानित भी किया जा सकता है। आज का दिन शैक्षिक संस्थानों और निर्माण के कारोबार में निवेश के लिए उपयुक्त है। सामान्य रूप से आपको पिछले कुछ दिनों के तनाव को पीछे छोड़ कर एक शांत दिन का आनंद मिलेगा ।

कन्या टो पा पी पू ष ण ठ पे पो

जब लोहा गर्म हो तो उस पर निशाना लगाये ! यह विशेष रूप से प्रेरक वक्ताओं की भूमिका या इसी तरह की भूमिका वालो के लिए एक महान दिन है। आज आप जनता के साथ बेहतर संवाद करने में सक्षम होंगे और आपको उस के लिए उच्च भुगतान भी किया जा सकता है। तो आप आगे बढे और इस तरह प्रदर्शन करे की लोग आप की बाते सुनने के लिए लालायित रहे ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

आप पर अपने व्यक्तिगत और व्यावसायिक दोनों जीवन में भारी जिम्मेदारियों का भार है , इसलिए आपको अपने समय का प्रबंधन उचित तरीके से करना होगा हालाँकि आपके सहकर्मी आपकी मदद के लिए आगे आ सकते है अगर आप उनसे सहयोग की मांग करे , लेकिन अधिकता में कुछ न कहे क्योंकि एक बिंदु से आगे वे आपको न भी कह सकते है ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

अपनी नौकरी के क्षेत्र मैं बदलाव लाने का ये उपयुक्त समय है । अगर आप नौकरी से सम्बंधित किसी दुविधा में थे तो ये समय नौकरी में परिवर्तन लाने का समय है जो की आपको उचित दिशा में ले जाएगा और आपके लिए फायदेमंद होगा । इस उपरांत अगर आपको कुछ जोखिम लेना पड़े तो न सोचे क्योंकि यह जोखिम ही आपको अंत में मददगार साबित होगा ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आज के दिन आप अपने आप को प्रौद्योगिकी में पिछड़ा हुआ सा महसूस करेंगे । आपको अपने सहकर्मियों से आगे निकलने के लिए कुछ नयी प्रौद्योगिकी एवं कौशल सीखना होगा । आज आप एक योजनाकार और आत्मा मंथन मुद्रा में रहेंगे । अपने वरिष्ठ सहकर्मियों से मदद लें।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज किसी भी परीक्षा में उतरने के लिए अच्छा दिन नहीं है, हालांकि अगर आप परीक्षा में बैठ रहे है तो किसी नकारात्मक विचारों को अपने पास न आने दे । आप आगे बढे और आपकी शक्ति और सकारात्मकता आपकी कुण्डली से किसी भी नकारात्मक प्रभाव से लड़ सकती है। आज पैसे उधार न दे क्योंकि आपको धोखा मिल सकता है । बड़ी राशि उधार देने से बचे ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

कार्यालय के लंबित काम आज आपको तनाव दे सकते हैं। आज आपको देर तक कार्यालय में काम करना पड़ सकता है । ये मुश्किल समय भी थोड़े समय के लिए है । पिछले सप्ताह की आपकी बोरियत और आलस्य आप पर आज नकारात्मक प्रभाव डालेगा । आप आज दूसरों के साथ सौम्य और विनम्र रहे अन्यथा आप विवाद में फँस सकते हैं।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आपके अहं को आज पूरी तरह से तृप्ति मिलेगी क्योंकि आपके नेतृत्व और संगठन के लिए बहुमूल्य योगदान के लिए आपको पुरस्कृत किया जाएगा । आप परदे के पीछे रहकर अच्छी तरह से काम नहीं कर सकते है , इसलिए आपको अपनी प्रतिभा और क्षमता अपने विभिन्न मुद्दों में जिस पर आप अभी कार्य कर रहे है , दिखानी होगी ।

श्री पंचागुली ज्योतिष केन्द्र

हाईकोर्ट ने कांट्रैक्ट पर डॉक्टरों की नियुक्ति पर लगाई रोक

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। झारखंड हाईकोर्ट में सोमवार को राज्य के मेडिकल कॉलेजों में कांट्रैक्ट पर डॉक्टरों की नियुक्ति के खिलाफ दाखिल याचिका पर सुनवाई हुई। हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस एमएस रामचंद्र राव और जस्टिस दीपक रोशन की अदालत ने मामले की सुनवाई करते हुए कांट्रैक्ट पर नियुक्ति के लिए शुरू की गई प्रक्रिया पर रोक लगा दी। अदालत ने इस मामले में राज्य सरकार और जेपीएससी से जवाब मांगा है। अदालत ने पूछा है कि जब सभी पद नियमित नियुक्ति वाले हैं, तो कांट्रैक्ट पर नियुक्ति क्यों की जा रही है। मामले की अगली सुनवाई जनवरी में होगी। मालूम हो कि प्रार्थी असीम शकील ने याचिका दाखिल की है। याचिका में कहा गया है कि झारखंड सरकार ने मेडिकल कॉलेज में चिकित्सकों के 170 रिक्त पदों पर नियुक्ति प्रक्रिया शुरू की है। इसके लिए इंटरव्यू भी शुरू कर दिया गया है।

जिन पदों पर कांट्रैक्ट पर नियुक्ति की जा रही है। वह नियमित नियुक्ति से ही भरे जा सकते हैं। इस पर कांट्रैक्ट पर नियुक्ति नहीं की जा सकती। प्रार्थी ने अदालत से संविदा पर शुरू की गई नियुक्ति प्रक्रिया पर तत्काल रोक लगाने और सरकार को नियमित नियुक्ति करने का निर्देश देने का आग्रह किया।

प्राथमिक शिक्षकों के प्रमोशन पर सुप्रीम कोर्ट की रोक, दो हफ्ते में मांगा जवाब

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग के निर्देश के आलोक में जिला स्तर पर नियमावली 1993 के प्रावधानों के तहत प्राथमिक शिक्षकों को प्रमोशन देने की प्रक्रिया चल रही है। झारखंड हाईकोर्ट के आदेश के आलोक में प्राथमिक शिक्षकों को प्रमोशन दिया जा रहा था। सुप्रीम कोर्ट में सुधीर कुमार दुबे समेत अन्य के द्वारा एसएलपी याचिका लगाकर झारखंड हाईकोर्ट के आदेश को चुनौती दी गई थी। सुप्रीम कोर्ट के जस्टिस विक्रम नाथ और जस्टिस प्रसन्ना बी वारले की पीठ ने याचिका को स्वीकार कर लिया है।

साथ ही प्रतिवादियों को दो सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि इस मामले का निष्पादन होने तक यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के इस आदेश के बाद प्राथमिक शिक्षकों के प्रमोशन पर रोक लग गई है। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ के प्रदेश अध्यक्ष अनूप केसरी और महासचिव राम मूर्ति ठाकुर ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा याचिका स्वीकार करने और यथा स्थिति बनाए रखने का आदेश का स्वागत किया है। याचिका कर्ता की ओर से अधिवक्ता परमजीत सिंह पटवालिया और अधिवक्ता आरके सिंह ने पक्ष रखा।

इधर झारखंड प्रगतिशील प्राथमिक शिक्षक संघ के महासचिव बलजीत सिंह ने कहा कि न्यायिक प्रक्रिया के तहत याचिका स्वीकार किया गया है। हाईकोर्ट की तरह ही सुप्रीम कोर्ट से भी शिक्षकों को न्याय मिलेगा। अगली सुनवाई 21 जनवरी को होगी। सुप्रीम कोर्ट ने पलामू जिले के शिक्षकों के मामले में यथा स्थिति बनाए रखने का निर्देश दिया है।

प्रिंसिपल पद पर दी जानी थी प्रोन्नति : प्राथमिक शिक्षकों को प्रिंसिपल के पद यानि ग्रेड-7 में प्रमोशन देने की कार्यवाही चल रही थी। बताते चलें कि राज्य के 95 प्रतिशत स्कूलों में प्रिंसिपल नहीं है।

धान खरीदी के मुद्दे पर कांग्रेस करेगी प्रदर्शन

डिप्टी सीएम ने कहा- इन्होंने किसानों को ठगा बैज बोले- खाते में 3217 दिखाने पर थैंक्यू बोलूंगा

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। धान खरीदी केन्द्रों में किसानों को हो रही दिक्कतों को लेकर छत्तीसगढ़ कांग्रेस आज प्रदेशव्यापी प्रदर्शन करने जा रही है। सभी ब्लॉकों में 1 दिवसीय धरना प्रदर्शन किया जाएगा। धरने के बाद स्थानीय सक्षम अधिकारी को राज्यपाल के नाम ज्ञापन सौंपा जाएगा। ज्ञापन के जरिए राज्यपाल से अनुरोध किया जायेगा कि धान खरीदी केंद्रों में किसानों की परेशानियों को दूर करने और हर किसान का पूरा धान खरीदने का निर्देश सरकार को दें। पीसीसी चीफ ने इसको लेकर प्रदेश के सभी जिला और ब्लॉक के अध्यक्षों के लिए निर्देश जारी किया है। वहीं कांग्रेस के प्रदर्शन पर तंज कसते हुए डिप्टी सीएम साव ने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को ठगा है। वहीं बैज ने कहा किसानों के खाते में 3,217 रुपए दिखाने पर वे साव को थैंक्यू बोलेंगे। बैज ने सभी सीनियर नेताओं, विधायक, पूर्व मंत्री, पूर्व

विधायक समेत पदाधिकारियों को भी अपने-अपने ब्लॉक में होने वाले आंदोलन में शामिल होने को कहा है। इससे पहले 3 दिसंबर को भी धान खरीदी केंद्र चलो अभियान शुरू किया था, इसके तहत कांग्रेस नेता लगातार अलग-अलग खरीदी केंद्र निरीक्षण करने पहुंच रहे थे। धान खरीदी के मुद्दे पर प्रदर्शन के साथ सत्ता और विपक्ष के नेताओं की जुबानी जंग भी जारी है। डिप्टी सीएम अरुण साव ने कांग्रेस को किसानों को ठगने और धोखा देने वाली पार्टी बताया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने किसानों को लूटा और परेशान किया है। किसानों को धोखा दिया, उन्हें ठगा है। इसलिए किसानों के हित के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है।

कांग्रेस को चिंता करने की जरूरत नहीं है, धान खरीदी केन्द्रों में पूरी व्यवस्था है। डिप्टी सीएम अरुण साव पर पलटवार करते हुए दीपक बैज ने कहा कि किसने ठगा इसे स्पष्ट करें। उन्होंने साव से सवाल करते हुए कहा है कि वे पहले स्पष्ट करें कि क्या कांग्रेस ने 2640 रु. से 2800 रु. किसानों को नहीं दिया? क्या किसानों का कर्ज माफ नहीं किया? बीजेपी बताए कि क्या 21 क्विंटल 3100 रुपए धान का भुगतान हो रहा है। क्या केंद्र सरकार का 117 रुपए हितग्राहियों को बीजेपी दे रही ? किसानों से झूठ बोलकर कौन सत्ता में आया, किसान सब समझ रहे हैं। सरकार किसान हितैषी बनने का ढोंग बंद करे। धान खरीदी को लेकर कांग्रेस का कहना है कि ऐप में स्पष्ट है कि टोकन 15 जनवरी की स्थिति में 60 फीसदी तक भरा हुआ है जबकि 31 जनवरी अंतिम तारीख है। बड़े और मध्यम किसान धान नहीं बेच पाए हैं। उन्होंने मांग उठाई कि रोजाना खरीदी की लिमिट के साथ अवधि 15 दिन और बढ़ाई जाए। तभी सब किसान धान बेच पाएंगे।

सरकार कम से कम धान खरीदी की कोशिश कर रही है।

आंदोलन में कांग्रेस याद दिलाएगी कि भाजपा ने संकल्प पत्र में प्रति क्विंटल 3100 रुपए देने की गारंटी दी थी। अब समर्थन मूल्य में 117 रुपए बढ़ोतरी के साथ 3217 रुपए देने का दबाव बनाया जाएगा। अभी किसानों को सिर्फ 2300 प्रति क्विंटल ही खाते में आ रहा है। इधर बीज उत्पादकों से भी धान खरीदने की मांग उठाई जाएगी।

डीएमएफ घोटाला...रानू, माया, मनोज समेत 16 आरोपी

द्विवेदी 14 दिन की रिमांड पर; 7000 से ज्यादा पन्नों का चालान पेश

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में डीएमएफ घोटाला केस में ईडी ने सोमवार को विशेष कोर्ट में 7 हजार से अधिक पन्नों का चालान पेश किया। इस मामले में निलंबित आईएएस रानू साहू, राज्य प्रशासनिक अधिकारी माया वारियर और एनजीओ के सेक्रेटरी मनोज कुमार द्विवेदी समेत 16 आरोपियों के नाम शामिल हैं। इसमें कुछ कंपनियों को भी आरोपी बनाया गया है। ईडी के चालान में 169 पेज का प्रॉसिक्यूटर कंप्लेंट (एक तरह का सारांश) है।

इस मामले में हिरासत में चल रहे एनजीओ के सचिव मनोज कुमार द्विवेदी को 4 दिन की रिमांड पूरी होने के बाद ईडी कोर्ट में पेश भी किया गया। सुनवाई के बाद कोर्ट ने मनोज को 14 दिन की न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया है।

ईडी की जांच में पता चला कि, 2021-22 और 2022-23 में मनोज कुमार द्विवेदी ने निलंबित रानू साहू और अन्य अधिकारियों से मिलीभगत की। अपने एनजीओ उदगम सेवा समिति के नाम पर कई डीएमएफ ठेके हासिल किए थे। अधिकारियों को टेंडर की राशि का

रानू साहू और माया वारियर।

42% तक कमीशन दिया था।

ईडी ने जांच में पाया कि, मनोज कुमार द्विवेदी ने डीएमएफ फंड की हेराफेरी कर 17 करोड़ 79 लाख रुपए कमाए। इसमें से 6 करोड़ 57 लाख रुपए अपने पास रख लिए। बाकी रकम रिश्वत के रूप में अधिकारियों को दी। ठेका के लिए जिला स्तर के अधिकारियों से मिलीभगत की और उनकी मदद की। इससे पहले ईडी ने कई जगहों पर छापेमारी की थी, जिसमें 2 करोड़ 32 लाख रुपए कैश, दस्तावेज, डिजिटल एफिडेविट, बैंक बैलेंस और पासबुक जब्त किए थे। डीएमएफ घोटाले में मनोज कुमार द्विवेदी की गिरफ्तारी से पहले ईडी ने रानू साहू और छत्तीसगढ़ राज्य सेवा अधिकारी माया वॉरियर को गिरफ्तार किया था।

प्रदेश सरकार की ओर से जारी की गई जानकारी के मुताबिक, प्रवर्तन निदेशालय की रिपोर्ट के आधार पर ईओडब्ल्यू ने धारा 120 बी 420 के तहत केस दर्ज किया है। केस में ये तथ्य सामने आए हैं कि डिस्ट्रिक्ट माइनिंग कोरबा के फंड से अलग-अलग टेंडर आवंटन में बड़े पैमाने पर आर्थिक अनियमितता पाई गई। टेंडर भरने वालों को अवैध लाभ पहुंचाया गया।

जांच रिपोर्ट में यह पाया गया है कि टेंडर की राशि का 40% सरकारी अफसर को कमीशन के रूप में दिया गया है। प्राइवेट कंपनियों के टेंडर पर 15 से 20% अलग-अलग कमीशन सरकारी अधिकारियों ने लिया है। ईडी ने अपनी जांच रिपोर्ट में पाया था कि रानू साहू और कुछ अन्य अधिकारियों ने अपने-अपने पद का गलत इस्तेमाल किया।

ईडी के तथ्यों के मुताबिक टेंडर करने वाले संजय शिंदे, अशोक कुमार अग्रवाल, मुकेश कुमार अग्रवाल, ऋषभ सोनी और बिचौलिए मनोज कुमार द्विवेदी, रवि शर्मा, पियूष सोनी, पियूष साहू, अब्दुल और शेखर नाम के लोगों के साथ मिलकर किसी चीज की असल कीमत से ज्यादा का बिल भुगतान कर दिया। इसके बाद आपस में मिलकर साजिश करते हुए पैसे कमाए गए।

सड़क हादसे में 3 की मौत, 12 घायल

बालोद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बालोद जिले में नेशनल हाइवे-30 पर 2 अलग-अलग सड़क हादसे में 3 लोगों की मौत हो गई। बताया जा रहा है कि मरकाटोला घाट के पास बस सामने आ जाने की वजह से बोलेरो ने बाइक सवारों को टक्कर मार दी, जिससे 2 दोस्तों की मौके पर मौत हो गई। वहीं बोलेरो सवार 5 लोग घायल हैं। वहीं दूसरे हादसे में पिकअप ने नेशनल हाइवे-30 पर ऑटो को टक्कर मार दी, जिससे ऑटो बाइक सवार से टकरा गया। इस हादसे में बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं ऑटो सवार 7 लोग घायल हैं। सभी राजा राव पठार मेला देखकर लौट रहे थे। दोनों हादसों में 12 लोग घायल हैं। दोनों हादसे पुरूर थाना क्षेत्र का है। दरअसल, नेशनल हाइवे-30 के पास करेंझर गांव के मैदान में 3 दिवसीय विराट वीर मेले का आयोजन किया गया है। दोनों दोस्त मेला देखने के लिए बाइक से कांकेर से बालोद आए थे। मेला देखकर दोनों सोमवार शाम को लौट रहे थे। इसी दौरान हादसे का शिकार हो गए। मिली जानकारी के मुताबिक मृतक युवक कांकेर के धनोरा और दूसरा दुधवा का रहने वाला था। मरने वालों में देवराज कोड़ोपी (23) ग्राम धनोरा और दूसरे की टिकेश्वर मंडावी (24) दुधवा निवासी के रूप में की गई है।

रबींद्रनाथ महतो दूसरी बार बने विधानसभा अध्यक्ष

सीएम हेमंत सोरेन ने रखा प्रस्ताव ध्वनि मत से स्पीकर का हुआ चयन

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छठी विधानसभा के पहले सत्र के दूसरे दिन विधानसभा अध्यक्ष का चयन किया गया। प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी ने सदन की कार्यवाही शुरू की। इसके बाद विधानसभा अध्यक्ष के चयन का प्रस्ताव सदन पटल पर रखा गया। सीएम हेमंत सोरेन ने प्रस्ताव रखा, जिसका समर्थन विधायक मथुरा महतो ने किया।

इसके बाद ध्वनि मत से रबींद्रनाथ महतो को दूसरी बार विधानसभा अध्यक्ष चुना गया। उन्हें सीएम हेमंत सोरेन और बाबूलाल मरांडी ने सम्मान के साथ आसन तक लाया। इसके बाद नव निर्वाचित विधानसभा अध्यक्ष को सीएम हेमंत सोरेन, बाबूलाल मरांडी, संसदीय कार्यमंत्री राधा कृष्ण किशोर आदि ने बधाई दी। वहीं अपने संबोधन में अध्यक्ष रबींद्रनाथ महतो ने कहा मुझे आप सभी से अपेक्षा है कि सदन निर्बाध रूप से चले, सदन में किसी तरह का गतिरोध ना हो। इसके बाद सभा की कार्यवाही बुधवार 11 बजे तक के लिए स्थगित कर दी गई।

इससे पहले सोमवार को सदन की कार्यवाही का पहला दिन विधायकों के शपथ के नाम रहा। प्रोटेम स्पीकर प्रो स्टीफन मरांडी ने 80 विधायकों को शपथ दिलाई। 56 विधायकों ने हिंदी, 22 ने स्थानीय भाषा और दो ने उर्दू में शपथ ली।

अगले तीन दिन पड़ेगी कड़ाके की ठंड

ड्राई एयर से कम होगा टेंपरेचर; 5 डिग्री तक गिर सकता है रात का पारा

रायपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में नमी अब धीरे-धीरे कम होने लगी है और ड्राई हवा आने के कारण रात के तापमान में गिरावट का दौर शुरू हो गया है। मौसम विभाग के मुताबिक अगले 2 दिनों में न्यूनतम तापमान में 3 से 5 डिग्री गिर सकता है। उत्तरी छत्तीसगढ़ के कुछ हिस्सों में आज और कल कोहरा छाया रह सकता है। सोमवार को सबसे ठंडा अंबिकापुर रहा, यहां रात का तापमान 12.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। एक दो स्थानों पर बूंदाबांदी भी हुई। रायगढ़ जिले में 9.4 मिलीमीटर बारिश रिकॉर्ड की गई ।

शुष्क हवा के कारण रात के तापमान में गिरावट आ रही है। सोमवार को न्यूनतम तापमान 20 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। आज रात का पारा 5 डिग्री तक गिर सकता है। सोमवार को दिन का तापमान 30.4 डिग्री रहा। जो सामान्य से 1.4 डिग्री ज्यादा था। वहीं रात का तापमान 5.9 डिग्री अधिक रहा।

यहां के जिलों में न्यूनतम तापमान सामान्य से अधिक रहा। बिलासपुर में 20.2 डिग्री न्यूनतम तापमान रिकॉर्ड किया गया जो सामान्य से 3 डिग्री अधिक था। कोरबा में 18.8 डिग्री, गौरेला-पेण्ड्रा-मरवाही में 15.4 डिग्री, मुंगेली में 18.2 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

प्रदेश में इस समय सरगुजा संभाग सबसे ठंडा है। सोमवार को सबसे सरगुजा में रात का तापमान 12.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। वहीं बलरामपुर का पारा 14.7 डिग्री रिकॉर्ड किया गया। सूरजपुर में 17.1 डिग्री टेंपरेचर रहा। कोरिया में 18.1 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा।

बस्तर संभाग में रात का तापमान सामान्य से कम है। बस्तर में न्यूनतम तापमान 18.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया, जो सामान्य से 1.8 डिग्री कम था। नारायणपुर में 18.9 डिग्री रहा। वही दंतेवाड़ा में 18.8 डिग्री न्यूनतम तापमान रहा जो सामान्य से 3 डिग्री कम था।

मौसम वैज्ञानिकों के मुताबिक आज अधिकतम तापमान में मामूली कमी आएगी, लेकिन रात के तापमान में बड़ी गिरावट आएगी। अगले कुछ दिनों तक लगातार रात के तापमान में गिरावट का दौर जारी रहेगा।

पुष्पा-2 का सारा कलेक्शन लूट ले गए नकाबपोश लुटेरे

छत्तीसगढ़ के टॉकीज में गार्ड को पीटा, गर्दन पर चाकू अड़ाया; लॉकर से कैश लेकर भागे

भिलाई, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के दुर्ग जिले में मुक्ता मल्टीप्लेक्स सिनेमा हॉल में लुटेरों ने 1 लाख 17 हजार की लूटपाट की है। फिल्म पुष्पा-2 की वजह से सभी सिनेमा हॉल हाउस फुल चल रहे हैं। फिल्म की कमाई देखकर लुटेरों ने साजिश रची। मामला पुरानी भिलाई थाना क्षेत्र का है। बदमाशों ने गार्ड से मारपीट की और गर्दन पर चाकू अड़ाकर वारदात को अंजाम दिया। 2 नकाबपोश लुटेरों ने टॉकीज के अंदर लूटपाट की है। पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है। रविवार-सोमवार देर रात 2 बजे तक लास्ट शो छूटा। इसके बाद वहां का स्टाफ टॉकीज को बंद कर घर चला गया। वहां सुरक्षा के लिए एक गार्ड की ड्यूटी लगाई गई थी। सोमवार तड़के करीब 4 बजे बाइक पर 2 नकाबपोश लड़के आए।

इस दौरान दोनों सीधे सिनेमा घर के अंदर घुस गए। वहां मौजूद सिक्योरिटी गार्ड नोहर देवांगन ने उन्हें रोकने की कोशिश की, लेकिन दोनों ने उसे जमकर पीटा। इसके बाद उसकी गर्दन पर चाकू अड़ा दिया। उसे एक कमरे में बंद कर दिया। इसके बाद उसके पास से लॉकर की चाबी ली। वहां से 1 लाख 17 हजार रुपए की लूट की। जिस समय लुटेरों ने लूट को अंजाम दिया, वहां एक लॉकर में 52 हजार और दूसरे में 65 हजार रुपए थे। दोनों लॉकर को खाली कर भाग गए। वारदात के बाद सुबह जब टॉकीज का स्टाफ ड्यूटी पर पहुंचा तो देखा की सिनेमा हॉल का दरवाजा खुला है। फिर उन्होंने कमरे का दरवाजा खोला तो अंदर से गार्ड चिल्लाते हुए निकला। उसने उन्हें पूरी हकीकत बताई। इसके बाद स्टाफ ने मैनेजर दीपक कुमार को फोन कर बुलाया। गार्ड के साथ मैनेजर ने पुरानी भिलाई थाने में शिकायत दर्ज कराई।

बिलासपुर निगम में 77 लाख का एफडीआर घोटाला

बिलासपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बिलासपुर नगर निगम में स्मार्ट सिटी फंड की 77 लाख रुपए की एफडीआर में गड़बड़ी का मामला सामने आया है। भाजपा सरकार में कांग्रेस नेता और ठेकेदार ने निगम अफसर और कर्मचारियों से मिलीभगत कर बिना काम किए ही एफडीआर की राशि निकाल ली। बावजूद इसके ठेकेदार के खिलाफ कानूनी कार्रवाई नहीं की गई। वहीं, ठेकेदार पर 16 लाख रुपए की पेनल्टी लगाकर मामले को रफादफा कर दिया। दरअसल, नगर निगम में स्मार्ट सिटी मद से करोड़ों रुपए की लागत से नाली निर्माण का टेंडर जारी हुआ था। इस काम के लिए कांग्रेसी ठेकेदार कमल ठाकुर ने कम रेट पर टेंडर जमा किया। बताया जा रहा है कि ठेकेदार नाली निर्माण का काम पूरा नहीं किया।

इस दौरान नगर निगम के अफसरों से मिलकर मौखिक रूप से टेंडर वापस ले लिया और काम को छोड़ दिया। प्रावधान के अनुसार काम नहीं करने पर एफडीआर की राशि का भुगतान नहीं किया जाता, लेकिन ठेकेदार कमल ठाकुर ने निगम स्टाफ से मिलकर ओरिजनल एफडीआर हासिल कर फोटो कॉपी को जमा कर दिया।

बताया जा रहा है कि टेंडर में गड़बड़ी का यह मामला दस्तावेजी रिकार्ड में रफादफा नहीं हुआ था और टेंडर भी कैंसिल नहीं हुआ था। निगम आयुक्त अमित कुमार ने निगम के ठेकेदार कमल सिंह को किसी दूसरे काम की जिम्मेदारी दी, तब उसी पुरानी टेंडर को रिटेंडर करने की बात कही गई।

जब उसके दस्तावेजों की जांच की गई, तब पता चला कि ठेकेदार ने एफडीआर का ओरिजनल रिकार्ड निकालकर राशि बैंक से आहरण कर लिया है।

गड़बड़ी सामने आने पर हड़कंप मच गया। निगम के अफसर मामले को रफादफा करने में जुट गए। यही वजह है कि दोषी ठेकेदार पर 16 लाख रुपए पेनल्टी लगाकर मामले को रफादफा कर दिया गया। हालांकि, मामला सामने आने के बाद ठेकेदार से दोबारा एफडीआर भी जमा कराई गई है।

दरअसल, एफडीआर की राशि में हेराफेरी कर ठेकेदार ने नगर निगम के साथ धोखाधड़ी की है। नियम के अनुसार एफडीआर की राशि ठेकेदार बैंक से तभी निकाल सकता है, जब काम पूरा हो जाए और नगर निगम इसके लिए एफडीआर के साथ एनओसी जारी करे। ठेकेदार ने बैंक अफसरों से मिलकर गड़बड़ी की और एफडीआर के 77 लाख रुपए निकाल लिए।

इसमें बैंक अफसरों की भूमिका पर भी सवाल उठ रहे हैं। नगर निगम आयुक्त अमित कुमार ने कहा कि एफडीआर भुगतान के गड़बड़ी के इस मामले में ठेकेदार पर 16 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। इसके साथ ही बैंक के खिलाफ कार्रवाई करने के लिए आरबीआई को पत्र लिखा गया है।

दो युवकों को नंगा कर पीटने का वीडियो

बदमाश रावण ने कैमरे के सामने उतरवाए कपड़े; फिर दोस्तों के साथ बेल्ट से पीटा

रायगढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले में बदमाश ने अपने साथियों के साथ 2 युवकों को नग्न कर बेल्ट से पीटा है, जिसका वीडियो वायरल हो रहा है। वहीं तीसरे युवक को भी बंद कमरे में ले जाकर जमकर डराया और धमकाया। जान से मारने की धमकी भी दी। पुलिस से शिकायत के बाद भी कोई कार्रवाई नहीं हो रही है। मामला जूटमिल थाना क्षेत्र का है।

बेल्ट से जो युवक पीट रहा है, उसका नाम बंटी साहू उर्फ रावण है। इसी तरह नग्न कर पीटने के लिए 4 दिसंबर को एक और युवक को बुलाया था। युवक का नाम रोमेश साहू है। जो नावापारा का रहने वाला है। उसे भी नग्न किया, लेकिन पीट नहीं पाया। पड़ोसियों ने रोमेश साहू को बचा लिया।

पीड़ित रोमेश साहू ने बताया कि रावण ने उसे बातचीत करने के लिए ऑफिस बुलाया था। जब वो पहुंचा तो उसे कपड़े उतारने के लिए कहा, लेकिन रोमेश ने मना कर दिया। उसे डरा धमकाकर कैमरे के सामने उसे नंगा किया गया। बेल्ट से पीटने की कोशिश की। इस दौरान आरोपी ने कहा कि तू बुलाने पर भी नहीं आता है। बहुत होशियार हो गया है। इस पर रोमेश ने माफी भी मांगी, लेकिन रावण उसे पीटने के नाम पर जमकर डराया धमकाया।

वारदात के बाद रोमेश काफी डरा हुआ था। उसने अपने परिवार के लोगों को जानकारी दी। इसके बाद वह जूटमिल थाने में रावण के खिलाफ शिकायत की, लेकिन शिकायत के 5 दिन बाद भी पुलिस ने कार्रवाई नहीं की। इसके बाद पीड़ित ने परिवार के साथ सोमवार को एसपी दिव्यांग पटेल से रावण के खिलाफ शिकायत की।

पीड़ित रोमेश साहू ने बताया कि थाना में शिकायत करने पर उसके परिवार को फोन से मारने की धमकी दी जा रही है। घर आकर धमका रहा है। रात में किसी घटना के डर से परिचितों के घर जाकर सोने को मजबूर है। शिकायत को वापस लेने के लिए रिश्तेदारों को भी धमकी देने लगा। परिवार में दहशत का माहौल है।

दरअसल, सोमवार को रावण के 2 वीडियो वायरल हुए हैं। दोनों वीडियो में रावण अलग-अलग दिन युवकों से कपड़े उतरवाता है। उनको कैमरे के सामने नग्न करता है। इसके बाद फिर बेल्ट से पीठ पर मारता है। युवक चिल्लाने लगता है, लेकिन आरोपी पीटता रहता है। मारपीट के ये दोनों वीडियो एक महीने पुराने बताए जा रहे हैं। दोनों युवक रायगढ़ के ही रहने वाले हैं। रावण अपनी दहशत बरकरार रखने के लिए युवकों को बुलाता है। ऑफिस का दरवाजा बंदकर अपने साथियों के साथ उन्हें जमकर पीटता है।

बंटी साहू उर्फ रावण के खिलाफ जूटमिल थाने में कई अपराध भी दर्ज हैं। यह पहले लोगों को ठगी का शिकार बनाता था। मकान निर्माण सामग्री की सप्लाई के नाम पर लोगों से ठगी करता था। इसके अलावा मारपीट के भी कई मामले दर्ज हैं। इसके पहले जिला बदर भी किया गया था।

बाबा मंदिर के गर्भगृह में छेड़छाड़; एक्शन में देवघर डीसी

मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त से वित्तीय-प्रशासनिक अधिकार छीना गया; मंदिर कर्मी निलंबित

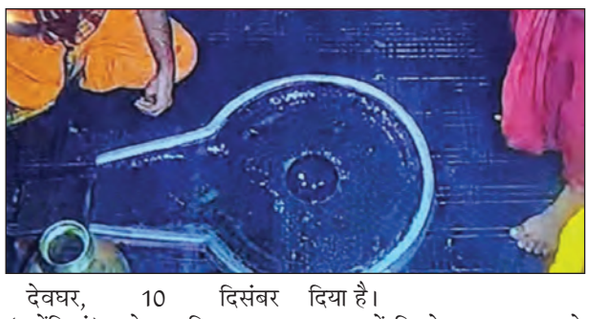

देवघर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। देवघर स्थित बाबा बैद्यनाथ मंदिर के गर्भगृह में शिवलिंग और अरघा के आसपास कथित रूप से कराए गए कार्य को लेकर देवघर डीसी ने बड़ा एक्शन लिया है। उन्होंने एसडीओ रवि कुमार की जांच रिपोर्ट के आधार पर मंदिर के मुख्य प्रबंधक रमेश परिहस्त के वित्तीय व प्रशासनिक अधिकार छीन लिए हैं। वहीं इस मामले में मंदिर के कर्मचारी हरिलाल पांडे को निलंबित कर दिया है।

बता दें कि देवघर उपायुक्त ने सोशल मीडिया एवं अन्य माध्यमों से बाबा मंदिर के गर्भ ग्रह प्रकरण पर संज्ञान लेते हुए रविवार को मंदिर प्रभारी एसडीओ देवघर को 24 घंटे के अंदर जांच कर रिपोर्ट सौंपने को कहा था।

ोमवार को एसडीओ ने बाबा मंदिर पहुंचकर मामले की जांच की। इस दौरान उन्होंने गर्भगृह में हुए कार्य, सीसीटीवी फुटेज देखा और अन्य पुरोहितों से बातचीत की जिसके आधार पर तैयार रिपोर्ट उपायुक्त को सौंपा। जिसके बाद डीसी देवघर ने यह निर्णय सुनाया है।

शनिवार को बाबा मंदिर के गर्भ गृह में विशेष सफाई की बात कहकर परिसर में सूचना फैलाकर दोपहर तीन बजे ही मंदिर का पट बंद कर दिया गया। उसके बाद मंदिर का पट श्रृंगार पूजा के दौरान खोला गया और पूजा की गई।

आरोप है कि बाबा मंदिर को बंद कर सफाई के नाम पर शिवलिंग पर किसी चीज का लेप लगाया गया तथा गर्भगृह में टूटे हुए कुछ टाइल्स बदले गए। पुरोहितों का कहना है कि कोर्ट के निर्देश के अनुसार मंदिरों के गर्भगृह में किसी तरह का काम करने से पहले मंदिर प्रशासन को पुरोहित समाज तथा सरदार पंडा की स्वीकृति लेना अनिवार्य है।

20 माह से बिना चेयरमैन के मानवाधिकार आयोग, 600 मामले लंबित

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आज यानि 10 दिसंबर को अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दिवस है। झारखंड के लोगों के मानवाधिकारों की रक्षा व न्याय दिलाने के लिए राज्य मानवाधिकार आयोग का गठन 17 जनवरी 2011 को किया गया। यह एक वैधानिक संगठन है, जो झारखंड के लिए 'भारत के मानवाधिकार संरक्षण अधिनियम 1993' के अनुसार बनाया गया है। लेकिन आयोग पिछले 20 माह से बिना चेयरमैन व सदस्यों के है। मार्च 2023 के बाद से आयोग में ना कोई चेयरमैन आया, ना ही दो सदस्यों का चयन हो सका। आयोग के सचिव का पद भी खाली है। इसका नतीजा यह है कि आयोग में कोई सुनवाई नहीं हो पा रही है। हर महीने आयोग में 30 से 35 मामले आ रहे हैं। 20 में 600 से अधिक मामले तो आए, लेकिन किसी भी मामले पर सुनवाई नहीं हो सकी है। सभी मामले लंबित पड़े हुए हैं।

राज्य मानवाधिकार आयोग में ऐसे गंभीर मामले, जब किसी की पुलिस कस्टडी में या फिर एनकाउंटर में मौत होती है, तो इन मामलों में पीड़ित परिवार आयोग की शरण में जाता है। आयोग में पूर्णकालिक अध्यक्ष नहीं होने से ऐसे मामलों में सीधे राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग जाना पड़ रहा है। झारखंड मानवाधिकार आयोग का कार्यालय धुर्वा सेक्टर-3 में है। अभी आयोग में 15 कर्मी व अधिकारी हैं। इनमें तीन-चार ही स्थायी कर्मी हैं। इनकी भी पीड़ा यह है कि आयोग में चेयरमैन, सेक्रेट्री व दो सदस्यों के नहीं होने से वे पूरी तरह काम नहीं कर पा रहे हैं। जो मामले आयोग में आते हैं, वे सिर्फ रजिस्टर में चढ़ा दिए जाते हैं। 20 माह से अधिकारियों के लिए आवंटित वाहनों का भी उपयोग नहीं हो रहा था, इसलिए लौटा दिए।

ईडी अफसरों को मैनेज करने के केस की जांच अब एसीबी करेगी

रांची, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) को मैनेज करने के नाम पर छह करोड़ रुपए के लेन-देन केस की जांच अब भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (एसीबी) करेगी। पंडरा ओपी में जगन्नाथपुर हेसाग निवासी संजीव कुमार पांडेय ने वकील सुजीत कुमार पर ईडी अफसरों को मैनेज करने के नाम पर 6 करोड़ रुपए लेने का आरोप लगाते हुए बीते 6 अक्टूबर को प्राथमिकी दर्ज कराई थी। केस की जांच पंडरा ओपी के एसआई शंकर टोप्पो कर रहे थे। एसीबी ने इस मामले से संबंधित सभी दस्तावेज पंडरा ओपी से ले लिया है।

ईडी भी इसी केस में नया ईसीआईआर दर्ज कर अनुसंधान कर रहा है। ईडी ने हाईकोर्ट में भी याचिका दाखिल की है और मामले को सीबीआई को सौंपने का आग्रह किया है। हाईकोर्ट ने पंडरा ओपी, सुखदेवनगर थाना, जगन्नाथपुर थाना, नामकुम थाना, मोरहाबादी टीओपी, अनगड़ा थाना और देवघर थाना के 4 से 17 अक्टूबर तक के सीसीटीवी फुटेज को सुरक्षित रखने का आदेश दिया है। ईडी ने कोर्ट में दाखिल याचिका में आरोप लगाया है कि रांची पुलिस ने इस केस में ईडी अधिकारियों को फंसाने की कोशिश की।

ईडी ने कोर्ट को बताया है कि इस केस में आरोपी संजीव कुमार पांडेय को 5 से 17 अक्टूबर तक और वकील सुजीत कुमार को 6 से 17 अक्टूबर तक अवैध तरीके से हिरासत में रखा गया। दोनों पर ईडी के अधिकारियों को फंसाने के लिए उनका नाम लेने का दबाव बनाया गया, ताकि जांच को प्रभावित किया जा सके।

रूस ने भारत को सौंपा गाइडेड मिसाइल से लैस आईएनएस-तुशिल

मॉस्को, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। आधुनिक मल्टी-रोल स्टील्थ-गाइडेड मिसाइल फ्रिगेट 'आईएनएस तुशिल' को सोमवार को भारतीय नौसेना में शामिल किया गया। यह युद्धपोत रूस के तटीय शहर कैलिनिनग्राद में रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह, एडमिरल दिनेश त्रिपाठी की मौजूदगी में भारत को डिलीवर किया गया।

आईएनएस तुशिल कई उन्नत हथियारों से लैस है। इनमें ब्रह्मोस सुपरसोनिक क्रूज मिसाइल, सतह से हवा में मार करने वाली हाई रेंज मिसाइल और एंटी एयर क्राफ्ट गन शामिल हैं। इसके अलावा इस युद्धपोत में कंट्रोल्ड क्लोज-रेंज रैपिड फायर गन सिस्टम, सबमरीन का खात्मा करने वाले टॉरपीडो समेत कई एडवांस रॉकेट भी हैं। युद्धपोत का डिजाइन इसे रडार से बचने की क्षमता और बेहतर स्थिरता प्रदान करता है।

भारत और रूस के बीच 2016 में 4 स्टील्थ फ्रिगेट को लेकर 2.5 बिलियन डॉलर (करीब 21 हजार करोड़ रुपए) की डील हुई थी। इसमें से 2 युद्धपोत का निर्माण रूस (यंतर शिपयार्ड) में और 2 का निर्माण (गोवा शिपयार्ड) में होना है।

तुशिल की डिलीवरी करने के बाद रूस भारत को जून-जुलाई 2025 में तमाल सौंपेगा।

रक्षा मंत्री ने कहा कि आईएनएस तुशिल से भारत की समुद्री ताकत में इजाफा होगा। उन्होंने इसे रूसी और भारतीय उद्योगों की सफल साझेदारी और दोनों देशों की बीच लंबे समय से चली आ रही दोस्ती में मील का पत्थर बताया। रक्षा मंत्री ने जहाजों में 'मेड इन इंडिया' कंटेंट बढ़ने पर भी खुशी जताई।

भारतीय नौसेना के विशेषज्ञ इंजीनियरों और रूसी शिप डिजाइन कंपनी सेवरनॉय डिजाइन ब्यूरो के मदद से, आईएनएस तुशिल में स्वदेशी सामग्री को 26 प्रतिशत तक बढ़ाया गया है। इससे विदेशी जहाजों में भारत निर्मित सिस्टम्स की संख्या बढ़कर 33 हो गई है, जो पहले की तुलना में दोगुनी से अधिक है।

इस जहाज के निर्माण में प्रमुख भारतीय कंपनियां ब्रह्मोस एयरोस्पेस प्राइवेट लिमिटेड, भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड, केलट्रॉन, नोवा इंटीग्रेटेड सिस्टम, एल्कॉम मरीन, जॉनसन कंट्रोल्स इंडिया और कई दूसरी ओरिजिनल इक्विपमेंट मैन्युफैक्चरर के रूप में शामिल थीं।

आईएनएस तुशिल पर 18 अधिकारियों समेत 180 कर्मियों का दल तैनात हो सकता है। जहाज पर 8 ब्रह्मोस वर्टिकल लॉन्च की जाने वाली एंटी-शिप क्रूज मिसाइलें, 24 मध्यम दूरी की और 8 छोटी दूरी की सतह से हवा में मार करने वाली मिसाइलें, एक 100 मिमी की तोप और आने वाली मिसाइलों से बचाव के लिए दो क्लोज-इन हथियार होंगे।

सीरिया पर अब तुर्किये का भी हमला

उत्तरी इलाके पर कब्जा किया; दमिश्क में हथियारों के ठिकानों पर इजराइल के 100+ हमले

दमिश्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में असद सरकार के पतन के बाद दूसरे देशों के हमले तेज हो गए हैं। इजराइल ने सीरिया के दक्षिणी, अमेरिकी ने मध्य और तुर्किये से जुड़े रिबेल फोर्स ने उत्तरी इलाके पर हमला किया है।

रॉयटर्स के मुताबिक तुर्किये के रिबेल फोर्स ने सीरिया के उत्तरी इलाके मनबिज पर कब्जा कर लिया है। कुर्दिश सीरियन डेमोक्रेटिक फोर्स ने 2016 में आईएसआईएस को हराकर मनबिज पर कंट्रोल हासिल किया था।

मनबिज में एसडीएफ की हार के बाद कुर्द लड़ाकों को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए अमेरिका और तुर्किये के बीच सोमवार को समझौता हुआ है। इस बीच तुर्किये के राष्ट्रपति रेसेप एर्दोगन ने इस जीत पर कहा कि वे मनबीज से 'आतंकियों' के सफाए से खुश हैं।

इजराइली वायु सेना के लड़ाकू विमानों ने सोमवार को सीरिया में 100 से ज्यादा हवाई हमले किए। अलजजीरा के मुताबिक ये हमले राजधानी दमिश्क के पास बरजाह साइंटिफिक रिसर्च सेंटर के पास हुए।

इजराइली विदेश मंत्री गिदोन सार ने माना है कि इजराइल ने हथियार ठिकानों पर हमला किया है। दरअसल, पश्चिमी देशों को आशंका है कि असद सरकार ने यहीं पर रासायनिक हथियार छुपा रखे हैं। अब इजराइल को डर है कि कहीं सीरियाई विद्रोहियों के हाथ ये हथियार न लग जाएं।

इससे पहले इजराइल ने 50 साल में पहली बार सीरिया बॉर्डर पार कर वहां के गोलान हाइट्स वाले हिस्से में अपनी सेना भेजकर बफर जोन पर कब्जा कर लिया था। अलजजीरा ने लेबनान से जुड़ी मीडिया रिपोर्ट्स के हवाले से बताया है कि इजराइली सेना अब बफर जोन की सीमाओं से आगे निकल चुकी है।

रिपोर्ट के मुताबिक अब इजराइली सेना दक्षिणी सीरिया के कटाना शहर के पास पहुंच चुके हैं, जो कि राजधानी दमिश्क से सिर्फ 21 किमी की दूरी पर है। रिपोर्ट में ये भी कहा गया है कि इजराइली सैनिक दमिश्क के बाहरी इलाके के कई गांवों में भी घुस गए हैं।

सीरिया में असद के बाद रूस के सैन्य अड्डों पर मंडराया खतरा

दमिश्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बशर अल असद की सरकार गिरने के बाद सीरिया में रूस के हवाई और नौसैनिक ठिकानों की सुरक्षा पर खतरा मंडरा रहा है। रूस ने अपनी सेना फिलहाल वापस बुला ली है लेकिन यह स्पष्ट नहीं है कि वह इन महत्वपूर्ण ठिकानों को स्थायी रूप से छोड़ देगा या वापसी की कोशिश करेगा। सीरिया के लतकिया और टार्टस क्षेत्रों पर अब विद्रोहियों का कब्जा है, जहां रूस का खमीमिम एयर बेस और टार्टस नौसैनिक अड्डा हैं। माना जा रहा है कि रूस को विद्रोहियों के साथ समझौता करने के लिए मजबूर होना पड़ सकता है, जिनसे वह बशर अल असद के समर्थन में पिछले एक दशक से लड़ रहा था।

द वॉर जोन ने अपनी रिपोर्ट में रूस की सरकारी मीडिया के हवाले से दावा किया है कि विद्रोहियों ने लताकिया प्रांत, टार्टस और जबलेह पर नियंत्रण के बाद रूसी सैन्य ठिकानों में घुसपैठ नहीं की है। विद्रिहियों ने रूसी सैन्य ठिकानों को नुकसान पहुंचाने के संकेत नहीं दिए हैं और ये काम कर रहे हैं। वहीं खमीमिम एयर बेस की सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि सैनिकों को निकाला जा रहा है। मिग-31 फॉक्सहाउंड विमान खमीमिम से निकाल लिए गए हैं लेकिन दूसरे विमान वहां हैं। ऐसी तस्वीरें और वीडियो फुटेज सामने आए हैं, जिनमें रूसी सेना खमीमिम और उत्तरी ठिकानों से दक्षिण की ओर जाती दिखी है।

रूस ने तुर्की-सीरिया सीमा से अपना टोच्का-यू बैलिस्टिक मिसाइल सिस्टम हटा लिया है। इस मिसाइल की रेंज 120 किमी है और ये कई तरह के हथियार ले जा सकती है।

रूस ने खमीमिम एयर बेस से S-400 लॉन्ग-रेंज सैम बैटरी भी हटा ली है। रूसी नौसैनिक जहाज टार्टस छोड़कर समुद्र में चले गए हैं लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि वे पूरी तरह से नहीं गए हैं, कुछ लोग अभी बाकी हैं।

रूस के लिए खमीमिम और टार्टस ठिकानों तक पहुंच बनाए रखना बहुत जरूरी है। ये ठिकाने सीरिया में अभियानों के अलावा भी रणनीतिक रूप से अहम हैं। रूस ने इन ठिकानों को क्षेत्रीय हवाई और नौसैनिक अभियानों के लिए रणनीतिक केंद्र और अफ्रीका के लिए प्रमुख रसद केंद्र के लिए विकसित करने में काफी संसाधन लगाए हैं। टार्टस वजह जगह है, जो रूसी नौसेना को भूमध्य सागर तक सीधी पहुंच के लिए एकमात्र बंदरगाह मुहैया कराता है।

क्यों मुश्किल में फंसा रूस?

रूस के लिए स्थिति जटिल है क्योंकि उसने 2015 में असद का समर्थन किया था और उसे सत्ता में बनाए रखने के लिए लड़ाई लड़ी थी। रूस पर नागरिकों पर अंधाधुंध हमले करने के आरोप लगे। रूस ने असद शासन को रासायनिक हथियारों के इस्तेमाल सहित अंतरराष्ट्रीय दंड से भी बचाया। पिछले हफ्ते तक रूसी लड़ाकू विमान असद विरोधी ताकतों के खिलाफ उड़ान भर रहे थे। रूसी सरकार ने बशर अल असद को शरण दी है।

रूस ने एचटीएस को आतंकी गुट घोषित किया हुआ है, जिसका अब सीरिया की सत्ता पर कब्जा है। ऐसे में रूस के लिए नई सरकार से कोई भी बातचीत आसान नहीं होगी। रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने कहा है कि सुरक्षा के लिए जो कुछ भी संभव है, वह सब किया जा रहा है।

डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडाई पीएम ट्रूडो का उड़ाया मजाक

बताया गवर्नर, कनाडा को अमेरिका में शामिल करने की कर चुके हैं बात

वॉशिंगटन, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। कनाडा पर हमलावर रहन वाले अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कनाडाई प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो का मजाक उड़ाया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जस्टिन ट्रूडो के साथ डिनर का जिक्र करते हुए कनाडाई प्रधानमंत्री को गवर्नर बता दिया। डोनाल्ड ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर एक पोस्ट में लिखा, 'ग्रेट स्टेट कनाडा के गवर्नर जस्टिन ट्रूडो के साथ डिनर करके बहुत अच्छा लगा।' ट्रंप का ये बयान तब आया है, जब उन्होंने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाने की सलाह दी है।

ट्रंप ने पोस्ट में आगे लिखा, 'मैं गवर्नर से दोबारा मिलने के लिए उत्सुक हूं, ताकि हम टैरिफ और व्यापार पर अपनी गहरी बातचीत को जारी रख सकें, जिसके नतीजे हम सभी के लिए शानदार होंगे।' इसके पहले पिछले सप्ताह जस्टिन ट्रूडो के साथ डिनर के दौरान ट्रंप ने कनाडा को अमेरिका का 51वां राज्य बन जाने की सलाह दी थी।

फॉक्स न्यूज की रिपोर्ट के अनुसार, ट्रूडो ने मुलाकात के दौरान कनाडा पर टैरिफ की ट्रंप की घोषणा को लेकर चिंता जताई थी, जिसके बाद नवनिर्वाचित राष्ट्रपति ने यह टिप्पणी की थी। ट्रंप के मार-ए-लागो क्लब में दोनों नेताओं के बीच यह मुलाकात हुई थी। इसमें कनाडा के सार्वजनिक सुरक्षा मंत्री डोमिनक लेब्लांक ने भी शामिल हुए थे। बाद में उन्होंने कहा था कि ट्रंप की यह टिप्पणी मजाक में थी।

डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में धमकी दी थी कि जब तक वे प्रवासियों और ड्रग्स की बाढ़ को रोक नहीं देते, तब तक वे कनाडा और मैक्सिको से अमेरिका में प्रवेश करने वाले सभी उत्पादों पर 25 प्रतिशत टैरिफ लगा देंगे। इसके बाद ट्रूडो ने टैरिफ से बचने के लिए ट्रंप के साथ बैठक का अनुरोध किया कि अमेरिका की उत्तरी सीमा मेक्सिको के साथ लगती दक्षिणी सीमा जैसी नहीं है।

इसके बाद कनाडाई पीएम फ्लोरिडा स्थित मार-ए-लागो क्लब में ट्रंप से मिलने पहुंचे थे। यहां मुलाकात के दौरान ट्रूडो ने टैरिफ पर ट्रंप को समझाने की कोशिश की, जिसके बाद ट्रंप ने कहा अगर आप टैरिफ नहीं दे सकते तो अमेरिका का 51वां राज्य बन जाइए।

200 टन सोना, भगोड़े सीरियाई राष्ट्रपति असद के पास बेतहाशा दौलत

रूस में अरबों डॉलर की प्रॉपर्टी, मॉस्को में भी करेंगे ऐश

मॉस्को, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया में लंबे समय तक शासन करने वाले बशर अल असद ने अपनी सरकार के तख्तापलट के बाद रूस में राजनीतिक शरण ली है। रूसी मीडिया ने बताया है कि असद और उनका परिवार मॉस्को में हैं। असद सीरिया के सबसे प्रभावशाली परिवारों में से एक से ताल्लुक रखते हैं। उनके 24 साल के शासन से पहले उनके पिता भी 30 साल राष्ट्रपति रह चुके हैं। असद सीरिया में चमकदमक वाली जिंदगी जीते थे, जो रूस में भी जारी रह सकती है। दावा है कि रूस में उनकी काफी संपत्ति है। ऐसे में उनका लग्जरी लाइफस्टाइल वहां भी जारी रहेगा। एक रिपोर्ट के मुताबिक, असद परिवार बेतहाशा दौलत का मालिक है और फैमिली के पास 200 टन तो सिर्फ सोना है।

बशर असद फिलहाल अपनी पत्नी अस्मा, बेटी जैन और बेटों-हाफिज और करीम के साथ रूस में हैं। इजरायली वेबसाइट वायनेट की रिपोर्ट का दावा है कि असद परिवार की रूस में करीब दो अरब डॉलर की संपत्ति है। असद के मॉस्को में कई लग्जरी अपार्टमेंट भी हैं। ऐसे में सीरियाई राजनेता असद की दमिश्क के महलों की आलीशान जीवनशैली निर्वासन में भी जारी रह सकती है।

मॉस्को के रियल एस्टेट में असद का पैसा?

रिपोर्ट के मुताबिक, असद और उनकी पत्नी की दो अरब डॉलर की संपत्ति अलग-अलग बैंक खातों, फर्जी कंपनियों और रियल एस्टेट में लगी होने का अनुमान है। असद के परिवार के पास मॉस्को में कम से कम 20 अपार्टमेंट हैं, जिनकी कीमत 40 मिलियन डॉलर है। ये सभी अपार्टमेंट पॉश इलाकों में हैं। ऐसे में असद इनमें से किसी अपार्टमेंट में या पुतिन की ओर से मिली किसी सुरक्षित जगह रह सकते हैं।

असद परिवार के लिए रूस और मॉस्को कोई नई जगह नहीं है। इसकी वजह ये है कि असद और परिवार लगातार रूस की यात्राएं करता रहा है। असद के बड़े बेटे हाफिज ने रूस में पढ़ाई भी की है। पिछले साल ही अस्मा उनके स्नातक समारोह में शामिल होने के लिए रूस आई थीं। ऐसे में रूस असद परिवार के लिए नया नहीं है। हालांकि इस बार हालात अलग हैं क्योंकि उनको भागकर मॉस्को आना पड़ा है।

असद परिवार के पास 200 टन सोना?

बशर अल असद परिवार की संपत्ति पर कई अनुमान लगाए जाते रहे हैं। सऊदी अखबार इलाव ने ब्रिटिश खुफिया सेवा एमआई6 के हवाले से दावा किया था कि पूरे परिवार के पास 200 टन सोना, 16 अरब डॉलर और 5 अरब यूरो हैं। यह संपत्ति 2023 के आंकड़ों के आधार पर सीरिया के सात वर्षों के राष्ट्रीय बजट के बराबर है। असद परिवार की संपत्ति पर अमेरिकी विदेश विभाग की 2022 की एक रिपोर्ट में कहा गया था कि परिवार की कुल संपत्ति एक से दो अरब डॉलर बिलियन के बीच है। माना जाता है कि ज्यादातर संपत्ति ऑफशोर खातों, रियल एस्टेट होल्डिंग्स और शेल कंपनियों में है।

सीरिया के बाद क्या ईरान का अगला नंबर?

बशर अल-असद की तरह ढह सकता है खामेनेई का साम्राज्य

तेहरान, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सितम्बर के आखिर में जब इजरायल के हवाई हमले ईरान के सबसे मजबूत प्रॉक्सी लेबनान के चरमपंथी गुट हिजबुल्लाह के तत्कालीन प्रमुख हसन नसरल्लाह मारे गए थे, तो इसे तेहरान की प्रतिरोध की धुरी के लिए बड़ा झटका कहा गया था। उसके दो महीने बाद ईरान के प्रमुख सहयोगी सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल-असद देश छोड़कर भाग गए। असद शासन के पतन के बाद ईरान का प्रतिरोध मोर्चा बिखर गया है। सीरिया के पतन के बाद अब ये चर्चा तेज हो गई है कि क्या इसके बाद अगला नंबर ईरान का है और खामनेई के साथ भी ऐसा ही होने वाला है?

यरुशलम पोस्ट ने अपनी रिपोर्ट में विश्लेषकों के हवाले से बताया है कि असद शासन के पतन के बाद जिसे सबसे ज्यादा धक्का लगा है, उसमें ईरान सबसे ऊपर है। दूसरा नंबर लेबनान के हिजबुल्लाह का है। रूस ने भी बशर अल-असद को भारी समर्थन दिया था, लेकिन सीरिया में उसका निवेश ईरान जितना बड़ा नहीं था।

असद का पतन ईरान के लिए चौंका देने वाला है। असद के पतन ने प्रतिरोध की धुरी के ताज को गिरा दिया है, जिसे ईरान ने इस क्षेत्र में इजरायल और अमेरिकी प्रभाव के प्रति संतुलन के रूप में बनाया था। असद शासन के खात्मे के बाद यह धुरी ध्वस्त हो गई है। हालांकि, अभी भी यमन के हूती और इराकी मिलिशिया बचे हुए हैं, लेकिन ईरान का मजबूत प्रॉक्सी नेटवर्क पहले जैसा नहीं रह गया है। असद के पतन ईरान के लिए केवल रणनीतिक झटका नहीं है। इसके घरेलू स्तर पर बड़ा प्रभाव हो सकता है। असद के शासन की तरह ही ईरान में भी अयातुल्ला अली खामेनेई के क्रूर शासन के खिलाफ अंदर ही गुस्सा सुलग रहा है। हालांकि, यह कहना जल्दबाजी होगी कि सीरिया की तरह ही ईरान में भी जल्द होगा। ईरान के पास मजबूत सेना और आंतरिक सुरक्षा सेना है। विपक्ष बिखरा हुआ है और उसमें नेतृत्व की कमी है। लेकिन सीरिया के घटनाक्रम से ईरान में विपक्षी ताकतों का मनोबल बढ़ेगा। असद का पतन ईरान में बदलाव की चाहत रखने वालों के लिए शक्तिशाली प्रेरणा का काम कर सकता है कि अगर असद शासन खत्म हो सकता है तो खामेनेई को भी हटाया जा सकता है। पिछले 10 दिनों में सीरिया में हुई घटनाएं उन्हें उम्मीद दे सकती है।

सीरिया के सबसे ऊंचे पहाड़ पर इजरायली कमांडो ने यूं ही नहीं किया कब्जा

तेलअवीव, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इजरायली कमांडो ने बशर अल असद की सेना के एचटीएस विद्रोहियों के सामने सरेंडर करते ही सीरिया के सबसे ऊंचे पहाड़ माउंट हेरमोन पर कब्जा कर लिया। इजरायली वायुसेना के सबसे प्रशिक्षित कमांडो शालडाग ने इस सीरियाई पहाड़ पर हमला करके उसे अपने कब्जे में कर लिया है। यह पहाड़ सीरिया की सीमा के 10 किमी अंदर तक है। यही नहीं बताया जा रहा है कि इजरायली टैंक इस समय सीरिया की राजधानी दमिश्क से 20 किमी दूर तक पहुंच गए हैं। इजरायली पीएम बेंजामिन नेतन्याहू ने मौका देखकर सीरिया की सीमा के अंदर एक बफर जोन बना लिया है। इजरायल का दावा है कि यह बफर जोर रक्षात्मक प्रकृति का है और कुछ समय तक ही रहेगा लेकिन विश्लेषक इससे सहमत नहीं हैं। वशिषज्ञों का कहना है कि इजरायल ने बिना कोई गोली चलाए रणनीतिक लिहाज से महत्वपूर्ण इलाके पर कब्जा कर लिया और इसका खामियाजा अब ईरान से लेकर हिज्बुल्लाह तक को भुगतना होगा।

सीरिया का माउंट हेरमोन सीरिया और लेबनान की सीमा पर मौजूद है। यह माउंट हेरमोन 9,232 फुट ऊंचा है और सीरिया का सबसे ऊंचा पहाड़ है। इसकी चोटी पर संयुक्त राष्ट्र ने सीरिया और इजरायल के बीच एक बफर जोन बनाया था। इजरायल ने इस इलाके पर दशकों से जबरन कब्जा कर रखा है। यही नहीं इस जगह पर संयुक्त राष्ट्र के शांतिरक्षक सैनिक भी मौजूद हैं जो दुनिया में अपने आप में सबसे ऊंची जगह है। इस हेरमोन पहाड़ का दक्षिणी सिरा इजरायल के कब्जा किए गए गोलान हाइट्स के इलाके तक जाता है। इजरायली कब्जे वाला गोलान हाइट्स 7,336 फुट ही ऊंचा है।

इजरायल के फाइटर जेट पायलट रह चुके नफ्ताली हजोनी ने इजरायल की इस चाल की पूरी वजह बताई है। हजोनी ने कहा कि यह हेरमोन पहाड़ सीरिया की राजधानी दमिश्क से मात्र 40 किमी की दूरी पर है। इस पर इजरायली सेना के कब्जे के बाद अब दमिश्क यहूदी सेना की तोपों की रेंज में आ गया है। इस तरह से एचटीएस विद्रोही भी सीरिया से इजरायल को आंखें नहीं दिखा पाएंगे। उन्होंने कहा कि दशकों से इजरायल का उत्तरी इलाके की सुरक्षा सीरिया के माउंट हेरमोन की वजह से खतरे में आ जाती थी। इस इलाके का सबसे मजबूत प्राकृतिक किला यह पहाड़ अब इजरायली सेना के कब्जे में आ गया है। इजरायल ने बहुत चुपचाप तरीके से इसे अंजाम दिया और दुनिया को भनक तक नहीं लगी।

हजोनी ने बताया कि इजरायल के शक्तिशाली रेडॉर इस पहाड़ की वजह से 'अंधे' हो जाते थे और इसके दूसरी ओर सीरियाई और लेबनान के कुछ इलाकों में नहीं निगरानी नहीं कर पाते थे। ईरान इजरायल की इस कमजोरी का फायदा उठाता था और कम ऊंचाई पर उड़ने वाले विस्फोटक ड्रोन की मदद से हमले करने में सफल हो जाता था। ईरान ने कई बार इसे अंजाम दिया था। उन्होंने बताया कि अब इजरायल अगर अपने रेडॉर को माउंट हेरमोन पर तैनात करता है तो वह सीरिया और लेबनान दोनों के ही अंदर आसानी से नजर रख पाएगा। इससे इजरायल को ईरान, लेबनान के हिज्बुल्लाह और सीरिया के किसी भी ड्रोन या मिसाइल की तुरंत जानकारी मिल जाएगी।

इजरायली रक्षा वशिषज्ञ ने बताया कि अब यहूदी सेना इस पहाड़ की चोटी पर सेंसर लगाकर जासूसी कर सकेगी और दुश्मन देश के अंदर होने वाली बातचीत को सुन सकेगी। यही नहीं यह पहाड़ अब इजरायली सेन के स्पेशल फोर्सेस और जासूसों को बेहतरीन आड़ देंगे और वे अब आसानी से सीरिया के अंदर घुस सकेंगे और रात के अंधेरे में किसी भी मिशन को आसानी से अंजाम दे सकेंगे।

रेगिस्तान के गुलाब से नरक की फर्स्ट लेडी तक

बशर अल असद की लंदन में जन्मीं बीवी अस्मा कैसे सीरिया में बनीं आंखों की किरकिरी

दमिश्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सीरिया पर दो दशक से ज्यादा समय शासन करने वाले बशर अल असद की सत्ता को विद्रोही गुटों ने उखाड़ दिया है। विद्रोही लड़ाकों के राजधानी दमिश्क पर कब्जे के बाद असद ने अपनी पत्नी अस्मा के साथ रूस में शरण ली है। असद के शासन के दौरान अस्मा भी सीरिया और दुनिया में सुर्खियां बटोरती रही हैं। लंदन में पली-बढ़ीं अस्मा एक समय पश्चिम एशिया में महिला सशक्तिकरण का प्रतीक बनकर उभरी थीं। रोज ऑफ डेजर्ट (रेगिस्तान का गुलाब) जैसी उपाधि पाने वाली अस्मा पर बाद में असद के तानाशाही रवैये में सहयोग के गंभीर आरोप भी लगे।

अस्मा अल-असद को बशर से शादी के बाद उनके रहन-सहन और लिबरल नीतियों की वजह से पश्चिम एशिया में आधुनिकता का चेहरा कहा जाने लगा था लेकिन बाद के वर्षों में उनके रुख में बदलाव आया। बशर अल असद के कथित दमनकारी अभियानों में सहयोग की वजह से अस्मा 'फर्स्ट लेडी ऑफ हेल' कहा जाने लगा। आरोप लगा कि वह असद के 'अत्याचारी शासन' में प्रमुख भूमिका में थीं। दमिश्क पर विद्रोहियों के कब्जे के बाद अस्मा ने पति असद और तीन बच्चों के साथ रूस में शरण ली है।

अस्मा का जन्म 1975 में इंग्लैंड में हुआ था। उनके पिता फवाज अखरास डॉक्टर हैं और मां सहर सीरियाई दूतावास में राजनयिक थीं। दोनों अभी भी लंदन में रहते हैं। पश्चिम लंदन में एक आलीशान घर में पली-बढ़ीं अस्मा ने किंग्स कॉलेज से कंप्यूटर साइंस में डिग्री हासिल की है। 90 के दशक में वह सीरिया में छुट्टियां मनाने आई थीं, जब उनकी मुलाकात असद से हुई। इसके बाद असद जब आंखों के डॉक्टर के तौर पर ट्रेनिंग के लिए लंदन आए तो दोनों के बीच प्यार परवान चढ़ा।

सीएम भजनलाल ने किया बड़ा एलान
हर साल 10 दिसंबर को मनाया जाएगा 'प्रवासी राजस्थान दिवस'

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने जयपुर में आयोजित एक विशेष समारोह में प्रवासी राजस्थानियों के लिए बड़ा एलान किया है। उन्होंने घोषणा की कि अब हर साल 10 दिसंबर को 'प्रवासी राजस्थान दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस मौके पर उन्होंने देश-विदेश से आए प्रवासी राजस्थानियों का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी भागीदारी से राजस्थान और अधिक समृद्ध बनेगा।

सीएम ने प्रवासी राजस्थानियों का जताया आभार

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट के दौरान मीडिया से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि 10 दिसंबर को प्रवासी राजस्थान दिवस मनाया जाएगा। हमें प्रवासी राजस्थानी भाइयों का बहुत बड़ा सहयोग मिलेगा, हम साझा संकल्प, साझा सोच के साथ जुटे हैं।

सीएम भजनलाल शर्मा ने प्रवासी राजस्थानियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देश-विदेश से पधारे प्रवासी राजस्थानियों का 8 करोड़ देवतुल्य जनता की ओर से हार्दिक अभिनंदन करता हूं। हमारी पहचान हमारी मीठी बोली और मनुहार में है। हमारा संकल्प है कि राजस्थान को विकसित, समृद्ध और सिरमौर राज्य बनाएं।

प्रवासी राजस्थानियों के लिए बनेगा अलग विभाग

इस दौरान मुख्यमंत्री ने प्रवासी राजस्थानियों के लिए एक अलग विभाग बनाने की भी घोषणा की। यह विभाग प्रवासियों के हितों, सुझावों और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए काम करेगा। साथ ही, उनकी संस्कृति और परंपराओं को सहेजने के लिए भी प्रयास करेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार का लक्ष्य राजस्थान को न केवल देश का बल्कि विश्व का सिरमौर राज्य बनाना है। उन्होंने प्रवासी राजस्थानियों को इस अभियान का भागीदार बनने का आह्वान भी किया।

गौरतलब है कि सीएम भजनलाल शर्मा की यह पहल राजस्थान की संस्कृति, परंपरा और आर्थिक विकास को एक नया आयाम देगी। 'प्रवासी राजस्थान दिवस' न केवल प्रवासियों को अपनी मिट्टी से जोड़ेगा बल्कि राज्य के विकास में उनका योगदान भी सुनिश्चित करेगा।

हाई सिक्योरिटी जेल परिसर में ड्रोन मिलने से हड़कंप
लॉरेन्स विश्नोई-आनन्दपाल गैंग मेंबर समेत 145 से ज्यादा कुख्यात अपराधी काट रहे सजा

अजमेर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। अजमेर के घूघरा स्थित प्रदेश की एकमात्र हाई सिक्योरिटी जेल में फिर सुरक्षा में सेंध लगी है। इस मर्तबा जेल परिसर की मुख्य दीवार के भीतर ड्रोन मिलने से हड़कम्प मच गया। हालांकि एक्सपर्ट ने इसे 'बेबी ड्रोन' बताया है। लेकिन पुलिस व सुरक्षा एजेंसियां जेल की चारदीवारी के भीतर ड्रोन पहुंचने को गंभीरता से ले रही हैं। सिविल लाइंस थाना पुलिस ने ड्रोन जब्त कर मुकदमा दर्ज किया है।

हाई सिक्योरिटी जेल के भीतर सफाई के दौरान सफाईकर्मी को मुख्य दीवार के वॉच टावर के नजदीक संदिग्ध वस्तु पड़ी नजर आई। सूचना पर जेल अधीक्षक पारस जांगिड़ पहुंचे तो ड्रोन नुमा ऑब्जेक्ट मिला। उन्होंने जेल के आलाधिकारियों सहित जिला पुलिस को सूचित कर दिया। पुलिस उप अधीक्षक(नॉर्थ) रूद्र प्रकाश शर्मा, सिविल लाइंस थानाप्रभारी छोलेलाल मीणा घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने जेल में मिला ड्रोन जब्त कर विशेषज्ञ को बुलाया। विशेषज्ञ ने ड्रोन को बेबी ड्रोन करार दिया। हालांकि पुलिस ने ड्रोन को जब्त कर अनुसंधान शुरू किया।

हाईसिक्योरिटी जेल में प्रदेशभर के कुख्यात हार्डकोर अपराधी बंद हैं। यहां सुखदेवसिंह गोगामेड़ी के आरोपी रोहित राठौड़, नितिन फौजी, सिद्धू मूसेवाला, उदयपुर के कन्हैयालाल, जयपुर में जी क्लब पर फायरिंग का आरोपी रितिक बॉक्सर व कुलदीप जघीना हत्याकांड के आरोपियों समेत लॉरेन्स विश्नोई, आनन्दपाल गैंग समेत प्रदेश के कई कुख्यात गिरोह के 145 से ज्यादा हार्डकोर अपराधी सजा काट रहे हैं।

हाई सिक्योरिटी जेल की सुरक्षा पहले ही जांच के घेरे में रह चुकी है। इससे पहले जेल परिसर में हार्डकोर अपराधियों के पास मोबाइल फोन मिल चुके हैं। हत्या की वारदात का षड़यंत्र रचा जा चुका है।

जेल में सफाई के दौरान मुख्य दीवार के पास संदिग्ध ड्रोन मिला है। सिविल लाइन्स थाना पुलिस ने ड्रोन जब्त कर जांच कर रही है।

हाई सिक्योरिटी जेल में वॉच टावर व भीतर की दीवार के पास ड्रोन मिला है। फिलहाल उसमें कोई आपत्तिजनक वस्तु नहीं है। प्रथमदृष्ट्या बेबी ड्रोन है। लेकिन सुरक्षा कारणों के चलते पड़ताल की जा रही है।?

पुलिस पड़ताल में ड्रोन में किसी प्रकार का कैमरा अथवा सर्विलान्स उपकरण एवं आपत्तिजनक सामग्री नहीं मिली। फिलहाल आसपास की कॉलोनी से उड़ाया गया ड्रोन जेल परिसर में गिरना माना जा रहा है। जेल में गिरे ड्रोन पर अभी किसी ने दावा नहीं किया है।

महिलाओं और बालिकाओं को भजनलाल सरकार के 1 साल पूरे होने पर मिलेंगे ये 'तोहफे'

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। राइजिंग राजस्थान के पहले दिन महिला उद्यमियों के लिए विशेष सत्र 'हर स्टोरी' : एडवांसिंग इन्क्लूजिव सोसायटीज आयोजित किया गया। इसमें महिलाओं की सफलता की कहानियों पर चर्चा हुई और निवेशकों से महिलाओं के व्यवसायों में निवेश करने का आग्रह किया गया।

बालिकाओं और महिलाओं की होगी बल्ले-बल्ले

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के अनुसार इस देश में केवल चार जातियां हैं। महिला, किसान, युवा और मजदूर। इस मंशा को आगे बढ़ाते हुए राज्य सरकार के एक वर्ष पूरे होने के अवसर में सवा लाख छात्राओं को साइकिल, 21 हजार बालिकाओं को स्कूटी, महिला निधि बैंक के माध्यम से स्वयं सहायता समूहों को 100 करोड़ रुपए का ऋण वितरण किया जाएगा। एक लाख नवीन लखपति दीदी का सम्मान भी किया जाएगा।

10 महिलाओं से शुरूआत

हस्तशिल्प डिजाइनर एवं सामाजिक कार्यकर्ता रूमा देवी ने कहा कि उन्होंने बाड़मेर में 10 महिलाओं के स्वयं सहायता समूह से शुरूआत की। आज 50 हजार महिलाएं उनसे जुड़ी हुई हैं। डॉ. श्वेतांशु भूषण ने विभिन्न वर्गों में ग्रामीण महिलाओं की स्थिति पर चर्चा की तथा ग्रामीण महिलाओं को समाज में बदलाव का गेमचेंजर बताया।

सत्र में असेवारे फिन्टेच सर्विसेज स्टार्टअप की मुख्य कार्यकारी अधिकारी व प्रबंध निदेशक निमिषा जे.वडक्कन ने कहा कि बैंकिंग सर्विस डिलिवरी को घर तक लाने का काम उनके ऐप के माध्यम से किया जाता है। उनकी कंपनी में 60 प्रतिशत महिला कार्मिक हैं और राजस्थान के 18 जिलों में वे काम कर रही हैं।

उप-मुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कार्यक्रम में निवेशकों से राजस्थान की महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने और उनके कारोबार में निवेश करने की अपील की। उन्होंने महिलाओं को एक-दूसरे का साथ देने, मार्गदर्शन करने और उद्योग को आगे बढ़ाने के लिए भी प्रेरित किया

एसपी ममता गुप्ता का बड़ा एक्शन
एसआई सहित 6 पुलिसकर्मियों को किया सस्पेंड

सवाई माधोपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। सवाई माधोपुर की पुलिस अधीक्षक ममता गुप्ता के एक आदेश के बाद पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। एसपी ने सवाई माधोपुर जिला विशेष टीम (डीएसटी) के पुलिस उपनिरीक्षक पंजाब सिंह सहित चार कांस्टेबल और एक चालक कांस्टेबल को निलंबित कर दिया। एसपी की इस कार्रवाई के बाद पुलिस महकमे में खलबली मची है। उधर, डीएसटी में शामिल पुलिसकर्मियों पर निलम्बन की कार्रवाई को अवैध बजरी परिवहन में संलिप्तता से जोड़ कर देखा जा रहा है। हालांकि एसपी ने आदेश में इनके खिलाफ जांच लंबित होने का हवाला दिया है।

एसआई सहित 6 पुलिसकर्मी निलंबित

आदेश के अनुसार, डीएसटी के उप निरीक्षक पंजाब सिंह, कांस्टेबल उदयराज, त्रिलोक चन्द, अखिलेश कुमार, अणदाराम तथा चालक कांस्टेबल इकरार अहमद के खिलाफ प्राथमिक जांच प्रस्तावित है। ऐसे में राजस्थान सिविल सेवा (वर्गीकरण, नियन्त्रण एवं पुनरावेदन) नियम 1958 के नियम 13 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए इन्हें तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जाता है। निलम्बन काल में इनका मुख्यालय रिजर्व पुलिस लाइन सवाईमाधोपुर रहेगा।

'भजनलाल का राज्य है राजस्थान'
राइजिंग राजस्थान को लेकर रामदास अठावले ने चिरपरिचित अंदाज में पढ़ी कविता

जयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। केन्द्रीय सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता राज्य मंत्री रामदास आठवले देश में जाति के आधार पर जनगणना के पक्ष में हैं। जयपुर में आठवले ने कहा कि वे इस तर्क से सहमत नहीं हैं कि जातिगत जनगणना जातिवाद बढ़ाने वाली होगी। इससे केवल जाति आधारित संख्या का पता लगेगा। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी की भी इसी मांग का जिक्र करने पर उन्होंने पलट कर सवाल किया कि जब उनकी ।सरकार थी तब उन्होंने जातिगत जनगणना क्यों नहीं करवाई। मैं तो यह मांग 20-25 वर्षों से कर रहा हूं।

राइजिंग राजस्थान समिट को लेकर आठवले ने कहा कि मुंबई और महाराष्ट्र के निवेशकों से वे अपील कर रहे हैं कि वे राजस्थान में उद्योग लगाएं। यहां निवेश की अच्छी संभावनाएं हैं।

राजस्थान पर रहेगा ध्यान

आठवले से जब पूछा कि आप किस तरह से सहयोग करेंगे। इस पर अपने चिरपरिचित अंदाज में तुकबंदी करते हुए बोले, 'भजनलाल शर्मा का राज्य है राजस्थान, नरेन्द्र मोदी बढ़ा रहे राजस्थान की शान और मेरा हमेश रहेगा राजस्थान पर ध्यान । आठवले ने अपनी रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया के पदाधिकारियों की बैठक भी ली। बैठक में कार्यकारी प्रदेशाध्यक्ष डॉ. नवरत्न गुसांईवाल सहित कई प्रतिनिधि मौजूद रहे।

बहरोड़ में पैंथर का 24 घंटे में रेस्क्यू
अलवर का पैंथर आठ दिन से बना वन विभाग के लिए चुनौती

अलवर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। बहरोड़ के रिहायशी इलाके में घुसे पैंथर को रेस्क्यू कर लिया गया है। वन विभाग टीम पैंथर को ट्रंक्यूलाइज करके सरिस्का ले गई। बहरोड़ में घुसे पैंथर को 24 घंटे में पकड़ लिया गया। वहीं अलवर के राजऋषि कॉलेज में आए पैंथर को आठ दिन बाद भी पकड़ा नहीं जा सका है। ये पैंथर वन विभाग से आंख मिचौली कर रहा है।

ये पैंथर अगर नहीं पकड़ा जाता तो डर से मर जाता, क्योंकि जब से इस पैंथर को देख गया तब से जबरदस्त भीड़ वहां इकट्ठा हो गई। लोगों की भीड़ को देखते हुए पैंथर इधर से उधर दौड़ता रहा। आखिर में ये पैंथर तसिंग रोड पर जेतपुरा

मोहल्ले में एक मकान में जाकर छिप गया, जहां कोई रिहाइश नहीं है। वन विभाग इससे पहले इसे ट्रंक्यूलाइज करने के लिए शॉट भी लगा चुका था। मकान में जाकर यह वो बेसुध हो गया। वन विभाग के लोग इसे उठाकर बाहर ले आए। जिस समय इसे बाहर लाकर पिंजरे में रखा गया, तब जबरदस्त भीड़ वहां एकत्र हो गई। यह पैंथर 24 घंटे से ज्यादा खुले में नहीं रह सका और इसे रेस्क्यू कर लिया गया।

वहीं, अलवर में राजऋषि कालेज में घुसे पैंथर को आठ दिन हो गए और यह अभी तक पकड़ा नहीं जा सका है। यह पैंथर वन विभाग के लोगों से आंख मिचौली कर रहा है। हर रोज रात होने के बाद यह पिंजरे तक आता है और वहां घूम फिर कर लौट जाता है। वन विभाग ने इस पैंथर को पकड़ने के लिए दो दो पिंजरे लगा रखे हैं। ट्रैप करने के लिए कई कैमरे भी लगा दिए हैं। पैंथर कैमरे में ट्रैप भी हो रहा है और पिंजरे के आसपास इसके पगमार्क रोजाना मिल रहे हैं, लेकिन यह पिंजरे में अंदर नहीं जाता। एक बार यह पैंथर कालेज से बाहर रिहायशी कालोनी में आ चुका है, लेकिन वापस फिर कालेज में ही चला जाता है।

आसाराम को तीसरी बार मिली पैरोल
आयुर्वेदिक अस्पताल में 17 दिन कराएगा इलाज

जोधपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। रेप केस में आजीवन कारावास की सजा काट रहे आसाराम को तीसरी बार पैरोल मिली है। राजस्थान हाईकोर्ट ने मंगलवार को आसाराम को 17 दिन की पैरोल दी। आसाराम 10 नवंबर से 30 दिन की पैरोल पर जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में करवा रहा था। मंगलवार को उसकी पैरोल अवधि खत्म हो गई। आसाराम ने पुणे के माधो बाग अस्पताल में इलाज के लिए कोर्ट से पैरोल मांगी थी। जस्टिस दिनेश मेहता और विनीत माथुर की बेंच ने आसाराम को माधो बाग अस्पताल में इलाज के लिए 15 दिसंबर से 17 दिन की पैरोल दी है। आसाराम की ओर से वकील आरएस सलूजा और यशपाल सिंह ने पैरवी की। आसाराम की यह 11 साल में तीसरी पैरोल है। आसाराम को जोधपुर के निजी आयुर्वेदिक अस्पताल में इलाज के लिए 7 नवंबर को 30 दिन की पैरोल मिली थी।

इससे पहले उसे 13 अगस्त को 11 साल में पहली बार पैरोल मिली थी। तब उसे सात दिन की पैरोल मिली थी। वह 27 अगस्त से 2 सितंबर तक पुणे के माधो बाग अस्पताल में इलाज कराने गया था। इसके बाद उसने पंचकर्म पूरे न होने का हवाला देते हुए 5 दिन पैरोल बढ़ाने की अपील की थी। जस्टिस पुष्पेंद्र सिंह भाटी और मुन्नारी लक्ष्मण की बेंच ने 3 सितंबर को 5 दिन पैरोल बढ़ाने के आदेश दिए। आसाराम ने 7 सितंबर तक माधो बाग अस्पताल में इलाज कराया था।

गनमैन ने महिला कांस्टेबल को गोली मारकर खुद को घायल किया

चित्तौड़गढ़, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। चित्तौड़गढ़ जिले के बेगूं थाना इलाके में पुलिस उप अधीक्षक के गनमैन ने महिला कांस्टेबल को उसके घर के पास गोली मारकर घायल करने के बाद खुद को भी गोली मार ली। दोनों को गंभीर अवस्था में श्री सांवलियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय में भर्ती कराया गया, जहां दोनों का उपचार जारी है। घटना की जानकारी मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक सहित आला अधिकारी मौके पर पहुंचे और मामले की जानकारी ली। फिलहाल गोली मारने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है।

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार बेगूं थाने में रोल कॉल के बाद महिला कांस्टेबल पूनम अपने किराए के मकान पर पहुंची तो यहां कांस्टेबल सियाराम ने उसे गोली मार दी। बाद में उसने खुद को भी गोली मारकर घायल कर लिया। धमाके की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और इसकी जानकारी बेगूं पुलिस को दी और दोनों को बेगूं चिकित्सालय पहुंचाया।

घटना के बारे में सूचना मिलने पर बेगूं डिप्टी

अंजली सिंह, सीआई आदि भी बेगूं चिकित्सालय पहुंचे और प्राथमिक उपचार के बाद दोनों को चित्तौड़गढ़ रैफर कर दिया, जहां जिला चिकित्सालय में इनका इलाज जारी है। पुलिस अधीक्षक सुधीर जोशी ने मय जाप्ता जिला चिकित्सालय पहुंचकर मामले की जानकारी ली। फिलहाल गोली मारने के कारणों का खुलासा नहीं हो पाया है। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि सर्विस रिवॉल्वर से गोली मारी गई है। प्रारंभिक रूप से मामला प्रेम प्रसंग से जुड़ा होने से इंकार नहीं किया जा सकता, लेकिन इसकी अधिकृत पुष्टि पुलिस के आला अधिकारियों ने नहीं की है।

शादी वाले घर मची चीख-पुकार
15 फीट गहरे गड्ढे में गिरी दूल्हे की कार,भाई की मौत

सिरोही, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पोसालिया। पुलिस थाना पालड़ी एम अन्तर्गत पिण्डवाड़ा-ब्यावर फोरलेन हाइवे 62 पर रिलायंस पैट्रोल पम्प के समीप एक ट्रोला चालक ने आकराभट्टा (आबूरोड) से रानी (पाली) जा रही दूल्हे की कार को पीछे से टक्कर मार दी। हादसे में कार करीब 15 फीट गहरे नाले में गिर गई। हादसे में दूल्हा सहित पाँच लोग घायल हो गए, जबकि दस वर्षीय दूल्हे के ममेरे भाई की मृत्यु हो गई। हादसे के बाद ट्रोला चालक मौके से फरार हो गया।

थानाधिकारी पुलिस उप निरीक्षक हुकमसिंह भाटी ने बताया कि प्रार्थी राजेश कुमार पुत्र रामलाल बंजारा निवासी आकराभट्टा आबूरोड ने रिपोर्ट दी कि ट्रोले की टक्कर से कार पन्द्रह फीट गहरे गड्ढे में गिर गई, जिससे उसके दरवाजे जाम हो गए। पास में मकान में रहने वाले कुछ लोगों ने दूल्हे सहित सभी को कार से बाहर निकाला और इनके साथियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही दूसरे बारात वाले भी लौटकर मौके पर पहुंचे।

हादसे की सूचना पर सहायक उप निरीक्षक सोमाराम मीणा, पुलिस आरक्षी जितेंद्रपाल सहित मौके पर पहुंचे और सभी घायलों को इलाज के लिए सिरोही के जिला अस्पताल पहुंचाया। हादसे में दूल्हे के ममेरे भाई अनंत (10) पुत्र मुकेश बंजारा की मौत हो गई। कार में सवार दूल्हा आकाश बंजारा के साथ ही मुकेश बंजारा, आंचल, वर्षा, सचिन और चेतन गंभीर घायल हो गए।

साइबर ठगों ने महिला से ठगे 18 हजार
बोले- बेटे को दुष्कर्म के केस से बचाना है तो पैसे ट्रांसफर करो

पाली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पाली के इंद्रा कॉलोनी में जनरल स्टोर चलाने वाली महिला प्रेमकंवर को साइबर ठगों ने फोन करके बताया कि वो सदर थाने से बोल रहा है और यह भी कहा कि महिला के बेटे को दुष्कर्म के केस में पकड़ा गया है, यदि अपने बेटे को बचाना है तो 50 हजार ट्रांसफर करो, नहीं तो बेटा 20 साल के लिए जेल चला जाएगा। मामले की जानकारी देते हुए महिला प्रेमकंवर पत्नी मोतीसिंह ने बताया कि रविवार दोपहर करीब एक बजे वह अपनी जनरल स्टोर पर बैठी थी। इस दौरान उनके मोबाइल पर कॉल आया। जिसमें आरोपी ने कहा कि मैं सदर थाने से बोल रहा हूं। तुम्हारा बेटा चार-पांच लड़कों के साथ पकड़ा गया है। उस पर दुष्कर्म करने का आरोप है। उसके बाद उसने फोन पर एक युवक से बात करवाई, जिसमें फोन पर वह युवक रो रहा था और उससे मारपीट हो रही थी। वह युवक बोला मम्मी बचा लो यह मुझे जेल में डाल देंगे। फिर वापस एक व्यक्ति ने बात की और कहा कि बताओ क्या करना है, तुम्हारे बेटे पर दुष्कर्म का चार्ज लगाकर जेल भेजना है या इसे बचाना है। प्रेम कंवर ने बताया कि साइबर ठगों ने उसे फोन कट नहीं करने दिया। फोन पर जो युवक रो रहा था, उसे सुनकर ऐसा लगा जैसे मेरा ही बेटा रो रहा है। इस पर उनसे बेटे को छोड़ने की बात कही तो ठगों ने 50 हजार रुपयों की मांग की और वाट्सअप पर एक स्केनर भेजा। इस पर मैंने कहा कि मेरे पास 18 हजार ही हैं, उन्होंने उसे ही ट्रांसफर करने की बात की।

टूटा पिछले साल का रेकॉर्ड, आईएमडी ने दे दिया बड़ा अलर्ट, दिसंबर के ये 2 दिन रहेंगे सबसे सर्द!

उदयपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। पिछले दिनों से धीरे-धीरे कम हो रहे लेकसिटी के न्यूनतम तापमान में सोमवार को अचानक गिरावट दर्ज की गई। उदयपुर में रात का पारा 5.2 डिग्री दर्ज किया गया, जो औसत से 4.5 डिग्री कम है। यह अब तक का सबसे कम तापमान है, वहीं 2022 के बाद दिसंबर में तापमान इस बार इतना नीचे गया है। साल 2022 के दिसंबर में 5 डिग्री और 2023 के दिसंबर में पारा 7.9 डिग्री से नीचे नहीं रहा था।

सर्द हवाएं चलने से सोमवार को उदयपुर में अचानक ठंड बढ़ गई। इस सीजन के तापमान में एक साथ 4.2 डिग्री की गिरावट पहली बार देखी गई है। मौसम विभाग के मुताबिक सोमवार को अधिकतम तापमान 22.4 डिग्री और न्यूनतम 5.2 डिग्री दर्ज किया गया। इससे एक दिन पहले रविवार को अधिकतम 26.4 डिग्री और न्यूनतम 9.4 डिग्री रहा था। लिहाजा एक साथ 4.2 डिग्री की गिरावट दर्ज की गई। अचानक ठंड तेज होने से शहर के सार्वजनिक स्थलों पर सुबह-शाम को सन्नाटा पसरा नजर आया।

मौसम विभाग का अनुमान है कि उदयपुर में आगामी 15 दिसंबर तक न्यूनतम तापमान 4 से 5 डिग्री सेल्सियस तक रह सकता है। यानी इस दौरान शीत लहर का असर बना रहेगा। अनुमान है कि 11-12 दिसंबर को ठंड का असर ज्यादा रहेगा ऐसे में ये 2 दिन दिसंबर के सबसे सर्द हो सकते हैं।

जोधपुर में सामूहिक आत्महत्या
मां और 2-बेटों ने जहर पीया

जोधपुर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। जोधपुर में पारिवारिक विवाद के चलते मां और 2 बेटों ने सामूहिक आत्महत्या कर ली। बड़े भाई ने वॉट्सऐप पर सुसाइड नोट अपने रिश्तेदारों को भेजा था। इसके बाद तीनों ने जहर पीकर अपनी जान दे दी। 12 साल का मौसेरा भाई घर पहुंचा तो तीनों जमीन पर पड़े थे। मुंह से झाग निकल रहे थे। ग्रामीणों की मदद से उन्हें हॉस्पिटल लेकर गए, जहां डॉक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मामला ओसियां थाना इलाके के बिगमी गांव का सुबह 11 बजे का है। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव मॉर्च्युरी में रखवाए गए। ग्रामीण एसपी राम मूर्ति जोशी ने बताया- मां और दो बेटों की सुसाइड करने की सूचना मिली थी। ओसियां थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

प्रारंभिक तौर पर जहरीला पदार्थ खाने से उनकी मौत होना सामने आया है। मामले में जांच की जा रही है। ओसियां थाने के एसएचओ राजेश कुमार गजराज ने बताया- भंवरी देवी (55) पत्नी अनोप सिंह राजपुरोहित, नवरत्न (27) और प्रदीप (24) ने सुसाइड किया है। तीनों का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमॉर्टम करवाया जाएगा। इस सामूहिक आत्महत्या के बाद सोशल मीडिया पर बड़े बेटे नवरत्न के वॉट्सऐप मैसेज के स्क्रीन शॉट सामने आए हैं। बताया जा रहा है कि नवरत्न ने यह मैसेज अपने रिश्तेदारों को भेजा है। इसमें 4 लोगों पर मानसिक प्रताड़ित करने के आरोप लगाए हैं।

श्रीधर बाबू ने कई उद्घाटन और शिलान्यास कार्यक्रमों में हिस्सा लिया

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। आईटी और उद्योग मंत्री दुदिल्ला श्रीधर बाबू का मंगलवार को व्यस्त दिन रहा, क्योंकि उन्होंने मेडचल-मलकजगिरी जिले के घटकेसर में कई विकास कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। मंत्री श्रीधर बाबू ने सरकारी सचेतक महेंद्र रेड्डी और स्थानीय विधायक चमकुरा मल्ला रेड्डी के साथ मिलकर 1.5 करोड़ रुपये की लागत से बन रहे गुरुकुल जूनियर कॉलेज में अतिरिक्त कक्षाओं और अन्य विकास कार्यों की आधारशिला रखी। मंत्री ने घटकेसर मंडल के कोंडापुर में लड़कियों के लिए आईटीआई कॉलेज भवन का भी उद्घाटन किया, जिसका निर्माण 7.96 करोड़ रुपये की लागत से किया गया है। इस भवन को हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (एचएएल) की कॉर्पोरेट सामाजिक जिम्मेदारी (सीएसआर) पहल के तहत वित्त पोषित किया गया था। इसके अलावा, मंत्री श्रीधर बाबू ने आईटीआई में फैशन टेक्नोलॉजी कोर्स के लिए 7 लाख रुपये की लागत से खरीदी गई 20 उन्नत सिलाई मशीनों से सुसज्जित एक विशेष मंजिल का उद्घाटन किया। राज्य सरकार ने इस आईटीआई के लिए पांच ट्रेडों को मंजूरी दी है, जो आगामी शैक्षणिक वर्ष में 224 सीटों के साथ शुरू होंगे। मंत्री ने गुरुकुल जूनियर कॉलेज में सीएम कप खेल प्रतियोगिताओं का उद्घाटन किया। इस कार्यक्रम में एचएएल के महाप्रबंधक डी. राममोहन राव, रोजगार सृजन विभाग के संयुक्त निदेशक नागेश, आईटीआई के प्रिंसिपल शंकरय्या और कई अन्य अधिकारियों ने भाग लिया। इन पहलों का उद्देश्य क्षेत्र में शिक्षा, कौशल विकास और बुनियादी ढांचे में सुधार को बढ़ावा देना है, जो समग्र विकास के लिए सरकार की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

तेलंगाना की संस्कृति खतरे में है : जगदीश रेड्डी

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सोमवार को राज्य सरकार ने तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा का अनावरण किया। इस मुद्दे पर पूर्व मंत्री जगदीश रेड्डी ने अपनी प्रतिक्रिया दी। इस दौरान उन्होंने कहा कि तेलंगाना की संस्कृति और परंपराएं एक बार फिर खतरे में पड़ने जा रही हैं और कहा कि राज्य सरकार ने लोगों की जीत का जश्न फिल्मी गानों के साथ मनाया।

उन्होंने कहा, हालांकि, हम फिल्मी गानों के खिलाफ नहीं हैं, लेकिन हम राज्य सरकार से सिर्फ यह पूछ रहे हैं कि उसने तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं के बिना जश्न क्यों मनाया। उन्होंने मुख्य टिप्पणी की कि फिल्मी गानों में तेलंगाना की संस्कृति और परंपराओं को कुचला गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने तेलंगाना की संस्कृति की परवाह किए बिना पार्टी की मां का निर्माण किया और दावा किया कि लोगों की जीत के जश्न में किसी भी मुख्यमंत्री या मंत्री ने 'जय तेलंगाना' नहीं कहा। उन्होंने तेलंगाना के बुद्धिजीवियों से तेलंगाना के गद्दारों से हाथ न मिलाने को कहा। उन्होंने कहा, अपने कार्यकाल के दौरान हमने कालोजी, बंडी यादगिरी, चाकली एलम्मा, कोमाराम भीम और जयशंकर को याद किया।

बीआरएस भाजपा के एजेंडे को आगे बढ़ा रही है : सैयद निजामुद्दीन

प्रदेश कांग्रेस कमेटी प्रवक्ता ने बीआरएस पर लगाए गंभीर आरोप

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के आधिकारिक प्रवक्ता सैयद निजामुद्दीन ने बीआरएस पार्टी पर मौलिकता की कमी और कांग्रेस की पहल की नकल करने का आरोप लगाया, जबकि वह मोदी-अदाणी गठजोड़ के खिलाफ कांग्रेस की लड़ाई को पटरी से उतारने के लिए भाजपा के लिए एक उपकरण के रूप में काम कर रही है। मंगलवार को गांधी भवन में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए निजामुद्दीन ने आरोप लगाया कि रचनात्मक समाधानों से रहित बीआरएस नेताओं ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की नकल करना शुरू कर दिया है, जो मोदी-अदाणी गठजोड़ के खिलाफ संसद में निडर होकर विरोध करते हैं। जबकि राहुल गांधी मोदी-अदाणी गठबंधन को उजागर करते हैं, बीआरएस नेता 'अदाणी-रेवंत भाई भाई' जैसे खोखले नारे लगाते हैं। उनमें

'मोदी-अदाणी भाई भाई' का नारा लगाने की हिम्मत क्यों नहीं है? मोदी का सीधे नाम लेने में यह हिचकिचाहट उनकी सच्ची निष्ठा को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि बीआरएस नेता न केवल नकलची हैं, बल्कि भाजपा की कठपुतली भी हैं, जो कांग्रेस पर हमला करते समय मोदी को निशाना बनाने से डरते हैं। उन्होंने बीआरएस पर मोदी-अदाणी गठजोड़ के खिलाफ कांग्रेस के विरोध को कमजोर करने में भाजपा की मदद करने का भी आरोप लगाया। निजामुद्दीन ने कहा, मोदी-अदाणी गठजोड़ को उजागर करने के लिए कांग्रेस के साथ खड़े होने के बजाय, बीआरएस नेता सच्चाई के लिए हमारी लड़ाई को कमजोर करने के लिए भाजपा के रिमोट-कंट्रोल वाले उपकरण के रूप में काम करते हैं। कांग्रेस पर उनके निराधार हमले जनता का ध्यान भटकाने के लिए भाजपा द्वारा निर्धारित एजेंडे को दर्शाते हैं। अदाणी से संबंधित मुद्दों पर बीआरएस के कथित पाखंड को उजागर करते हुए निजामुद्दीन ने बताया कि के चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली पिछली बीआरएस सरकार ने अदाणी को लाभ पहुंचाने वाली कई परियोजनाओं को मंजूरी दी थी। उन्होंने अदानी एल्बिट सिस्टम डिफेंस यूनिट और 750 केवी ट्रांसमिशन लाइन परियोजना सहित छह प्रमुख परियोजनाओं को सूचीबद्ध किया और दावा किया कि इन्हें पारदर्शिता के बिना सौंप दिया गया।

एफईडीसीयूटीए ने पहली बार महिला नेतृत्व जोड़ी का चुनाव किया

मौसमी बसु अध्यक्ष व डॉ. शबाना केसर सूरी उपाध्यक्ष चुने गई

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। फेडरेशन ऑफ सेंट्रल यूनिवर्सिटीज टीचर्स एसोसिएशन (एफईडीसीयूटी) ने अपने इतिहास में पहली बार दो महिलाओं को अपने शीर्ष नेतृत्व पदों पर चुनकर लैंगिक समानता और महिला सशक्तिकरण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया है। जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय में 8 दिसंबर को आयोजित राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में, जेएनयू शिक्षक संघ (जेएनटीयू) की प्रो. मौसमी बसु को अध्यक्ष और मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय शिक्षक संघ (एमएएनयूयूटीए) की डॉ. शबाना केसर सूरी को उपाध्यक्ष चुना गया। डॉ. शबाना केसर सूरी की उपलब्धि विशेष महत्व रखती है क्योंकि वह हैदराबाद स्थित मौलाना आजाद राष्ट्रीय उर्दू विश्वविद्यालय (मानू) का प्रतिनिधित्व करते हुए एम एमएएनयूयूटीए की पहली महिला अध्यक्ष हैं। एफईडीसीयूटीए के नेतृत्व में उनका चुनाव न केवल शिक्षा जगत में महिलाओं की बढ़ती प्रमुखता को उजागर करता है, बल्कि नेतृत्व की भूमिकाओं में लैंगिक प्रतिनिधित्व के लिए एक शक्तिशाली उदाहरण भी प्रस्तुत करता है। डॉ. शबाना केसर सूरी हैदराबाद की एक प्रमुख शिक्षाविद हैं, जो इस क्षेत्र की कई युवा महिलाओं को प्रेरित कर रही हैं।

काम के भारी बोझ से जूझ रहे पंचायत सचिव

मंचेरियल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गांव स्तर पर कर्तव्यों का निर्वहन करने के लिए जाने जाने वाले जिले के पंचायत सचिवों को इन दिनों भारी कार्यभार का सामना करना पड़ रहा है, जिसका कारण सरकार की योजनाओं और पहलों के लिए लगातार सर्वेक्षण करना है। दिसंबर में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद से सचिव कई कामों में व्यस्त हो गए हैं। वे राज्य की लगभग हर गतिविधि में सबसे आगे रहते हैं।

वे वर्तमान में इंदिराम्मा आवास योजना के वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करने के लिए एक सर्वेक्षण में लगे हुए हैं। इस सर्वेक्षण में उन्हें प्रतिदिन लक्ष्य दिए गए थे। यह हाल ही में सरकार द्वारा आयोजित सामाजिक-आर्थिक जाति सर्वेक्षण के तुरंत बाद हुआ।

इससे पहले, उन्हें विधानसभा और संसद के चुनाव कराने का काम सौंपा गया था। उसके बाद उन्होंने प्रजा पालना आवेदन प्राप्त किए और दस्तावेजों का डिजिटलीकरण किया।

उन्हें मिशन भगीरथ के प्रभाव का आकलन करने के उद्देश्य से सर्वेक्षण करने का कार्य सौंपा गया था और वे दैनिक पेयजल योजना में समस्याओं के समाधान में भी व्यस्त थे, जिसके परिणामस्वरूप उन पर पहले से कहीं अधिक कार्यभार बढ़ गया था।

पंचायत सचिवों ने कहा कि वे पिछले तीन-चार महीनों से बिना छुट्टी लिए विभिन्न कार्य कर रहे हैं और अपने स्वास्थ्य को जोखिम में डाल रहे हैं। उन्होंने कहा कि काम के अत्यधिक बोझ के कारण उन्हें मानसिक और शारीरिक तनाव का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने कहा कि उनमें से कुछ को मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी स्वास्थ्य समस्याओं का भी सामना करना पड़ रहा है।

सचिवों ने जिला पंचायत अधिकारी और स्थानीय एमपीडीओ को ज्ञापन सौंपकर उन्हें ड्यूटी, सर्वेक्षण, सुरक्षा और उनकी चुनौतियों के निवारण से छूट देने की मांग की। एक नेता ने कहा कि हम सरकार के हर कल्याणकारी और विकास कार्यक्रम में सक्रिय रूप से हिस्सा ले रहे हैं। हमें उम्मीद है कि अधिकारी हमारी स्थिति को समझकर काम का बोझ कम करने के लिए कदम उठाएंगे।

स्कूल हॉस्टल में फिर फूड पॉइजनिंग

15 छात्र अस्पताल में भर्ती

विकाराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य में एक और फूड पॉइजनिंग की घटना के कारण मंगलवार को तंदूर में करीब 15 छात्रों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। एसटी आवासीय विद्यालय के छात्रावास के छात्रों ने बेचैनी की शिकायत की, जिसके बाद स्कूल स्टाफ ने उन्हें सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया। रिपोर्ट के अनुसार, छात्र जिले के कई छात्रावासों में खराब सफाई व्यवस्था की शिकायत कर रहे हैं। सरकार द्वारा अधिकारियों को निर्देश जारी करने के बावजूद कि छात्रों को गुणवत्तापूर्ण भोजन परोसा जाए, खाद्य विषाक्तता की घटनाएं लगातार हो रही हैं। गौरतलब है कि पिछले महीने राज्य सरकार ने खाद्य संदूषण और खाद्य जनित बीमारियों को रोकने के लिए विभिन्न संस्थानों में खाना पकाने और परोसे जाने वाले भोजन की निगरानी के लिए संस्थान स्तर पर खाद्य सुरक्षा समितियों का गठन करने का फैसला किया था।

मुख्य सचिव ए शांति कुमारी द्वारा जारी आदेशों के अनुसार, समिति को प्रत्येक भोजन पकाने से पहले स्टोर रूम और रसोई का निरीक्षण करना था और रसोई में प्रावधानों की गुणवत्ता और स्वच्छता सुनिश्चित करनी थी। भोजन तैयार होने के बाद, समिति के सदस्यों को गुणवत्ता और अन्य कारकों के लिए भोजन का स्वाद लेने का निर्देश दिया गया और फिर छात्रों को भोजन परोसा गया।

विद्यार्थियों में राजभाषा हिंदी के प्रचार-प्रसार के उद्देश्य को ध्यान में रखकर एनएमडीसी लिमिटेड द्वारा सेंट एन्स कॉलेज, मेहदीपट्टनम के हिंदी विभाग के सहयोग से कॉलेज परिसर में छात्राओं के लिए खनन उद्योग में पर्यावरण संरक्षण विषय पर वाक् प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में महाविद्यालय की छात्राओं ने बड़ी संख्या में उत्साह के साथ प्रतिभागिता की।

किसानों के खिलाफ कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया

इथेनॉल प्लांट विरोध मामले में बोलीं एसपी

निर्मल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। पुलिस अधीक्षक डॉ. जानकी शर्मिला ने मंगलवार को यहां एक बयान जारी कर स्पष्ट किया कि दिलावरपुर और गुंडमपल्ली गांवों के किसानों के खिलाफ कोई नया मामला दर्ज नहीं किया गया है, जैसा कि सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर प्रसारित किया गया है। शर्मिला ने कहा कि जब किसानों ने इथेनॉल निर्माता कंपनी की स्थापना के खिलाफ प्रदर्शन किया तो उनके खिलाफ मामले दर्ज किए गए और प्रदर्शनकारियों को नोटिस दिए गए। उन्होंने कहा कि किसानों के खिलाफ हत्या के प्रयास का कोई मामला दर्ज नहीं किया गया।

एसपी ने कहा कि कुछ असामाजिक तत्व जानबूझकर अफवाह फैला रहे हैं कि किसानों के खिलाफ नए मामले दर्ज किए गए हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म और समाचार पत्रों पर गलत जानकारी फैला रहे हैं, उन्होंने फर्जी संदेश प्रसारित करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी।

राज्यपाल श्री जिष्णु देव वर्मा ने हैदराबाद के भारत सेवाश्रम संघ में नगर पालिका सफाई कर्मचारियों को कंबल और कपड़े के वितरण का उद्घाटन किया।

सिरसिला बुनकरों की मदद के लिए आगे आई तमिलनाडु सरकार

तेलंगाना सरकार के वादे पर साधे रही चुप्पी

राजन्ना-सिरसिल्ला, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी के उस वादे पर चुप है, जिसमें उन्होंने राज्य में स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को वितरित करने के लिए 1.3 करोड़ साड़ियों के लिए बुनकरों को ऑर्डर देने की बात कही थी, लेकिन तमिलनाडु सरकार पोंगल साड़ियों के लिए ऑर्डर देकर उनकी मदद के लिए आगे आई है।

बुनकर, खास तौर पर सिरसिला के बुनकर (जो गहरे वित्तीय संकट में थे और कई बुनकरों ने तो अपनी जान भी दे दी थी) कांग्रेस सरकार द्वारा वार्षिक बथुकम्मा साड़ियों का ऑर्डर पूरा न किए जाने से उनकी परेशानी और भी बढ़ गई थी। सितंबर में मुख्यमंत्री के वादे से उनकी उम्मीदें जगी थीं।

3 महीने बीत जाने के बाद भी सरकार ने इस दिशा में कोई कदम नहीं उठाया है, जिससे बुनकर अभी भी गहरे संकट में हैं। इस समय तमिलनाडु सरकार ने उनकी मदद के लिए आगे आकर उन्हें 11 लाख मीटर कपड़ा बुनने का कार्य-ऑर्डर दिया है। यह तमिलनाडु सरकार की पहल का हिस्सा है जिसके तहत पुरुषों के लिए 'वेष्टी' (धोती) के अलावा महिलाओं को 'अम्मा चिरा' के नाम से साड़ियां वितरित की जाएंगी।

तमिलनाडु में कोयंबटूर, सलेम और इरोड के अलावा अन्य जगहों के बुनकरों के लिए साड़ियों के ऑर्डर के अलावा तमिलनाडु सरकार हर साल सिरसिला के बुनकरों पर भी विचार करती रही है। इस बार करीब दो लाख साड़ियों का ऑर्डर मिला है।

पारस्परिक सहायता प्राप्त सहकारी समितियों (एमएसीएस) के महासचिव पी शंकर ने बताया कि तमिलनाडु सरकार कपड़े के प्रति मीटर 6 रुपये दे रही है। हालांकि यह तेलंगाना में पिछली बीआरएस सरकार द्वारा दिए जाने वाले मूल्य से बहुत कम है (बाथुकम्मा साड़ी ऑर्डर के तहत 10.30 रुपये से 11 रुपये) बुनकर पोंगल साड़ियों में व्यस्त हो रहे हैं क्योंकि बहुत अधिक अन्य ऑर्डर नहीं हैं।

सिरसिला बुनकरों को रोजगार उपलब्ध कराने के लिए पिछली बीआरएस सरकार ने बथुकम्मा साड़ी योजना शुरू की थी और हर साल 350 करोड़ रुपये के कार्य ऑर्डर के अलावा स्कूल यूनिफॉर्म और केसीआर किट आदि के लिए 115 करोड़ रुपये के ऑर्डर दिए जाते थे।

कांग्रेस के सत्ता में आने के बाद स्थिति बदल गई। इस साल, स्कूल यूनिफॉर्म को छोड़कर, सरकार ने कोई और ऑर्डर नहीं दिया है, और बथुकम्मा साड़ी योजना को भी ठंडे बस्ते में डाल दिया गया है। जो बचा है, वह है मुख्यमंत्री का वादा, जो भी महज दिखावा ही लगता है।

1,100 खोए मोबाइल का बरामद

साइबराबाद पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने सेंट्रल इक्विपमेंट आइडेंटिटी रजिस्टर (सीईआईआर) पोर्टल का उपयोग करके नागरिकों के कई लाख रुपये मूल्य के कुल 1,100 मोबाइल फोन का पता लगाया है, जो या तो चोरी हो गए थे या खो गए थे। बरामद किए गए फोन उनके मालिकों को सौंप दिए गए। अधिकारियों ने बताया कि सीईआईआर की मदद से नागरिकों के खोए या चोरी हुए मोबाइल फोन का पता लगाने के लिए साइबराबाद पुलिस क्षेत्राधिकार में विशेष टीमें गठित की गई हैं।

साइबराबाद के डीसीपी (क्राइम) के नरसिम्हा ने कहा कि जिन मोबाइल फोन का पता लगाया गया, उनमें सीईआईआर पोर्टल के माध्यम से रिपोर्ट किए गए मामले और मीसेवा एप्लिकेशन शामिल हैं। तेलंगाना के अलावा, विशेष टीमों ने केरल, उत्तर प्रदेश, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तमिलनाडु, आंध्र प्रदेश सहित अन्य राज्यों से मोबाइल बरामद किए हैं। ये फोन या तो चोरी हो गए या फिर नागरिकों ने विभिन्न स्थानों पर खो दिए। साइबराबाद पुलिस अधिकारियों ने यात्रियों से अनुरोध किया कि वे अपने सामान के प्रति सावधान रहें और यदि कोई मोबाइल फोन चोरी हो जाए तो तुरंत पोर्टल पर लॉग इन करके सीईआईआर पोर्टल में आईएमईआई नंबर के साथ अपने मोबाइल फोन को ब्लॉक कर दें।

अधिकारियों ने बताया कि वैकल्पिक रूप से, जिन नागरिकों ने मोबाइल खो दिया है, उन्हें सीईआईआर पोर्टल का उपयोग करके आईएमईआई को ब्लॉक करने के लिए तुरंत निकटतम पुलिस स्टेशन से संपर्क करना चाहिए।

263 से अधिक संशोधित साइलेंसर किए नष्ट

वारंगल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। गलत तरीके से वाहन चलाने वालों को सख्त चेतावनी देते हुए वारंगल यातायात पुलिस ने मंगलवार को अदालत जक्शन पर बुलडोजर चलाकर हाल ही में जब्त किए गए 263 से अधिक संशोधित तेज आवाज वाले साइलेंसर (दोपहिया वाहनों के निकास पाइप) को नष्ट कर दिया। ट्रैफिक एसीपी सत्यनारायण ने चेतावनी दी कि कंपनी से बाइक के साथ आए साइलेंसर में कोई बदलाव करने वाले मोटर चालक और मैकेनिक के खिलाफ आपराधिक कार्रवाई की जाएगी।

उन्होंने कहा कि मॉडिफाइड साइलेंसरों के खिलाफ कार्रवाई आगामी दिनों में जारी रहेगी। उन्होंने कहा कि प्रेशर हॉर्न और साइलेंसरों के निर्माताओं, वितरकों और डीलरों के खिलाफ भी आगामी दिनों में कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि मोटरसाइकिलों पर साइलेंसर में बदलाव करने से न केवल यातायात नियमों का उल्लंघन होता है, बल्कि वायु प्रदूषण भी बढ़ता है। इससे ध्वनि का स्तर बढ़ जाता है, जिससे लोगों के स्वास्थ्य को गंभीर खतरा पैदा होता है। मोटर वाहन अधिनियम की धारा 190(2) के अनुसार मोटरबाइक पर हॉर्न और मॉडिफाइड साइलेंसर लगाने पर 10,000 रुपये तक का जुर्माना और छह महीने तक की जेल हो सकती है। यह जुर्माना तब लगाया जाता है जब प्रेशर हॉर्न या मॉडिफाइड साइलेंसर 80 डेसिबल से ज़्यादा शोर पैदा करता है।

सड़क दुर्घटना में व्यक्ति की मौत

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। रंगारेड्डी जिले के चेवेल्ला मंडल में मंगलवार को एक स्कूल बस की चपेट में आने से मोटरसाइकिल सवार एक व्यक्ति की मौत हो गई।

पुलिस के अनुसार, चेवेल्ला निवासी मोहम्मद इमरान बाइक से जा रहा था, तभी चेवेल्ला के एनकालापल्ली गांव में एक बस ने उसकी मोटरसाइकिल को टक्कर मार दी। वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस ने बताया कि बस की गति बहुत तेज थी, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। चेवेल्ला पुलिस ने घटनास्थल का दौरा किया और शव को पोस्टमार्टम के लिए शवगृह भेज दिया। मामला दर्ज कर लिया गया है।

माओवादियों ने कार में लगाई आग

कोत्तागुडेम, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सीपीआई (माओवादी) कैडरों ने कथित तौर पर एपी में अल्लूरी सीतारामाराजू जिले के चिंतूर मंडल में भद्राचलम-चिंतूर राजमार्ग पर एक निजी कार में आग लगा दी है। सूत्रों के अनुसार मंगलवार को तड़के मंडल के चिंतूर पुलिस थाने के अंतर्गत सिरिवेल्ला गांव में माओवादियों ने कार में सवार लोगों को जबरन उतारकर उसमें आग लगा दी। स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंच कर घटना की जांच कर रही है।

डायरेक्टर पर रेप का आरोप

थाने में दर्ज कराई गई शिकायत

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। एक महिला जूनियर कलाकार ने जुबली हिल्स पुलिस से संपर्क कर आरोप लगाया कि एक सहयोगी निर्देशक ने उसके साथ बलात्कार किया और उसे गर्भवती कर दिया, जिसने उसे फिल्मों में भूमिका दिलाने का वादा किया था। कर्नाटक की 35 वर्षीय विवाहित महिला, जिसका 8 साल का बेटा है, ने संदिग्ध शेख गौस मोइनुद्दीन उर्फ चिन्ना के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई, जो तेलुगु फिल्म उद्योग में सहयोगी निर्देशक के रूप में काम करता है। पुलिस के अनुसार, चिन्ना ने पीड़िता को फिल्म में काम दिलाने का झांसा दिया था। उस पर भरोसा करके वह उससे मिलने के लिए तैयार हो गई और अपने बेटे के साथ शहर आ गई। चिन्ना ने स्थिति का फायदा उठाते हुए उसे यूसुफगुडा में किराए के मकान में रखा और शादी का वादा करके उसके साथ बलात्कार किया। महिला की शिकायत के आधार पर बलात्कार और धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है और संदिग्ध को पकड़ने के प्रयास जारी हैं।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

आईसीसी ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन किया

प्लेइंग-11 नियमों का उल्लंघन किया; लीग से तेंदुलकर, गावस्कर, अकरम जैसे नाम जुड़े

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने अमेरिका की नेशनल क्रिकेट लीग को बैन कर दिया है। आईसीसी ने यूनाइटेड स्टेट ऑफ अमेरिका क्रिकेट को लेटर लिखकर लीग के भविष्य के संस्करणों को मंजूरी नहीं देने के फैसले की जानकारी दी। लेटर में लिखा गया कि लीग में प्लेइंग इलेवन नियमों का पालन नहीं हुआ है। टी-10 फॉर्मेट के इस टूर्नामेंट में 6-7 विदेश खिलाड़ी खिलाए गए थे।

एनसीएल का पहला सीजन 4 से 14 अक्टूबर के बीच हुआ था। रॉबिन उथप्पा की कप्तानी वाली शिकागो सीसी ने अटलांटा किंग को 43 रनों से हराते हुए खिताब जीता था। क्रिकेट के भगवान सचिन तेंदुलकर ने उन्हें ट्रॉफी दी।

शिकागो सीसी

फाइनल में अटलांटा किंग को 43 रनों से हराया।

किन नियमों का उल्लंघन हुआ?

आईसीसी के नियम के अनुसार लीग में खेलने वाली हर टीम की प्लेइंग इलेवन में कम से कम 7 अमेरिकी खिलाड़ी होने चाहिए, लेकिन कई मैचों में 6-7 विदेशी खिलाड़ियों को उतारा गया।

मैचों में ड्रॉप-इन पिचों का इस्तेमाल किया गया, जो बहुत ही खराब थीं। पिचें इतनी खराब थीं कि वहाब रियाज और टाइमल मिल्स को स्पिन गेंदबाजी करनी पड़ी, ताकि बैटर्स को चोट न लगे।

लीग के अधिकारियों ने विदेशी खिलाड़ियों को मौका देने के लिए अमेरिका के इमिग्रेशन नियमों को भी तोड़ा गया। अमेरिका में स्पोर्ट्स कैटेगरी के वीजा के लिए 6 टीमों के लिए कम से कम 2 लाख US डॉलर लगते हैं। पैसे बचाने के लिए कई खिलाड़ी स्पोर्ट्स वीजा से नहीं आए।

रैना, कार्तिक और अफरीदी ने हिस्सा लिया

इस लीग में पूर्व भारतीय क्रिकेटर सुरेश रैना, दिनेश कार्तिक और पाकिस्तान के दिग्गज ऑलराउंडर शाहिद अफरीदी ने हिस्सा लिया था।

लीग से जुड़े तेंदुलकर, गावस्कर और अकरम जैसे नाम

एनसीएल ने वसीम अकरम और विवियन रिचर्ड्स जैसे पूर्व क्रिकेटर्स को ब्रॉन्ड ऐंबैस्डर बनाया था। इसने सचिन तेंदुलकर और सुनील गावस्कर को अपने ओनरशिप ग्रुप में शामिल किया था।

एनसीएल गूगल ट्रेंड पर आया

आईसीसी के प्रतिबंध के बाद एनसीएल (नेशनल क्रिकेट लीग) गूगल में खूब सर्च किया जा रहा है।

बुमराह से बेहतर शमी? एंडी रॉबर्ट्स ने बताया भारत का बेस्ट गेंदबाज

ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खिलाने की मांग की

खेल डेस्क, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय क्रिकेट में अभी तक तो ये सवाल नहीं सुलगता दिखा है कि बुमराह और शमी में बेहतर कौन है? लेकिन, वेस्टइंडीज के महान तेज गेंदबाज रहे एंडी रॉबर्ट्स के सामने आए बयान के बाद अब ऐसा हो सकता है. 70 और 80 के दशक में वेस्टइंडीज की पेस अटैक की चौकड़ी का हिस्सा रहे एंडी रॉबर्ट्स ने शमी को भारत का बेस्ट गेंदबाज बताया है. उन्होंने कहा कि बुमराह विकेट लेते हैं मगर शमी बेस्ट हैं. कैरेबियाई ग्रेट ने शमी को जल्दी से ऑस्ट्रेलिया बुलाने की भी मांग की. उन्होंने कहा कि वो चाहते हैं कि बॉर्डर-गावस्कर सीरीज के बाकी बचे मैचों में टीम इंडिया शमी के साथ खेले.

भारत का बेस्ट गेंदबाज शमी- एंडी रॉबर्ट्स

एंडी रॉबर्ट्स ने मिड डे से बातचीत में कहा कि शमी फिलहाल भारत के बेस्ट तेज गेंदबाज हैं. उन्होंने कहा कि बेशक वो बुमराह जितने विकेट नहीं लेते लेकिन शमी कम्पलीट पैकेज हैं. उनके परफॉर्मेन्स में कंसिस्टेंसी है. शमी गेंद को सीम और स्विंग दोनों कराने में सक्षम हैं. इसके अलावा वो अपनी गेंदबाजी में बुमराह जैसा कंट्रोल भी रखते हैं. ऐसे में एंडी रॉबर्ट को लगता है कि शमी को खेलना चाहिए.

घरेलू क्रिकेट खेल रहे शमी

शमी फिलहाल घरेलू क्रिकेट में बंगाल की ओर से खेल रहे हैं, वो इंजरी के चलते लंबे वक्त से टीम इंडिया से बाहर हैं. फिलहाल उन्हें NCA से ग्रीन सिग्नल मिलने का इंतजार है, जिसके बाद ही शमी ऑस्ट्रेलिया जा सकेंगे. भारत को एडिलेड में खेले डे-नाइट टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से 10 विकेट से हार का सामना करना पड़ा. उस हार के बाद 5 टेस्ट की सीरीज 1-1 की बराबरी पर आ खड़ी हुई है.

रोहित की कप्तानी की आलोचना की

एडिलेड में भारत की हार को लेकर एंडी रॉबर्ट्स ने रोहित शर्मा की कप्तानी की भी आलोचना की है. उन्होंने कहा कि इंडिया ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी क्यों की, ये समझ से परे है. उन्होंने कहा कि भारतीय गेंदबाजों ने पर्थ में अच्छा किया था. उस दमदार प्रदर्शन के बाद ऑस्ट्रेलिया को एडिलेड में पहले बल्लेबाजी का मौका नहीं दिया जाना चाहिए था.

क्या 13 साल का लड़का इतने लंबे- लंबे छक्के लगा सकता है?

पाकिस्तानी क्रिकेटर जुनैद खान ने वैभव सूर्यवंशी पर उठाए सवाल

इस्लामाबाद,, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। क्रिकेट में वैभव सूर्यवंशी के नाम की इन दिनों खूब चर्चा है. ये चर्चा तभी से है जब आईपीएल 2025 के ऑक्शन में उन पर 1.10 करोड़ रुपये की बोली लगी. लेकिन, अंडर 19 एशिया कप के बाद अब वैभव सूर्यवंशी का जिक्र सरहद के उस पार पाकिस्तान में भी हो रहा है. पाकिस्तान ये देखकर हैरान है कि वैभव सूर्यवंशी इतने लंबे- लंबे छक्के लगा कैसे रहे हैं? 13 साल के भारतीय लड़के में इतनी पावर आ कैसे रही है? पाकिस्तान के माथा ठनकने की वजह अंडर 19 एशिया कप में वैभव सूर्यवंशी का

परफॉर्मेन्स खास कर उनके लगाए छक्के हैं.

वैभव सूर्यवंशी ने अंडर 19 एशिया कप में 12 छक्कों के साथ कुल 176 रन ठोके, जिसमें 2 अर्धशतक शामिल रहे. उन्होंने यूएई के खिलाफ खेली अर्धशतकीय पारी में 6 छक्के लगाए. उसके बाद टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में श्रीलंका के खिलाफ 5 छक्के लगाए. सेमीफाइनल में उनके छक्कों की रेंज ने ही पाकिस्तानी क्रिकेटर जुनैद खान का ध्यान खींचा है और उन्हें सवाल करने पर मजबूर किया है.

पाक क्रिकेटर ने वैभव सूर्यवंशी पर उठाए सवाल

पाकिस्तानी क्रिकेटर जुनैद खान ने पूछा कि क्या 13 साल का लड़का इतने लंबे- लंबे छक्के लगा सकता है? इस सवाल के साथ उन्होंने अंडर 19 एशिया कप में उनके लगाए एक छक्के का वीडियो भी पोस्ट किया.

जुनैद खान का सवाल है या वैभव की उम्र पर निशाना?

जुनैद खान के उठाए सवाल से लगता है कि उन्हें वैभव सूर्यवंशी की उम्र पर ऐतराज है. वैसे,वैभव की उम्र पर पहले भी सवाल उठ चुके हैं. लेकिन, उनके कोच मनीष ओझा ये बता चुके हैं कि बीसीसीआई ने बोन टेस्टिंग के जरिए वैभव की उम्र की जांच की है.

इसलिए अब उसे लेकर कोई संदेह नहीं है. कोच ने ये भी बताया कि वैभव कद-काठी से भले ही बड़े दिखते हों लेकिन अभी तक उनकी मूंछ भी नहीं आई.

नौ साल के आरित ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे युवा भारतीय बने, अमेरिका के जियातदिनोव को दी मात

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। नौ साल, दो महीने और 18 दिन, किसी भी बच्चे के लिए यह उम्र स्कूल जाने और हठखेलियां करने की होती है, लेकिन दिल्ली के आरित कपिल ने इस उम्र में वह उपलब्धि हासिल कर ली, जो कोई भी भारतीय हासिल नहीं कर सका। शतरंज के खिलाड़ी आरित ने केआईआईटी अंतरराष्ट्रीय ओपन शतरंज टूर्नामेंट में अमेरिका के ग्रैंड मास्टर रासेत जियातदिनोव को हरा दिया। इसके साथ ही आरित क्लासिकल प्रारूप में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले सबसे युवा भारतीय खिलाड़ी बन गए हैं। 2015 में जन्में आरित ने 66 वर्षीय रासेत को 63 चालों में हराया।

आश्वथ बने थे जीएम को हराने वाले दुनिया के सबसे युवा

इसी वर्ष भारतीय मूल के सिंगापुर के शतरंज खिलाड़ी आश्वथ कौशिक आठ साल छह माह की उम्र में ग्रैंडमास्टर को हराने वाले दुनिया के सबसे युवा शतरंज खिलाड़ी बने थे। उन्होंने पोलैंड के जासेक स्तोपा को हराया था। आरित के खिलाफ खेल रहे रासेत एक समय मजबूत स्थिति में थे। यह मुकाबला उम्र के अलग पड़ाव पर खड़े खिलाड़ियों के बीच था, लेकिन रासेत को एक गलती अंत में भारी पड़ी, जिसका आरित ने फायदा उठाया।

सबालेंका को शानदार प्रदर्शन का इनाम

डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ टेनिस खिलाड़ी का पुरस्कार जीता

सेंट पीटर्सबर्ग, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। स्टार टेनिस खिलाड़ी एरिना सबालेंका को पहली बार डब्ल्यूटीए की साल की सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी का पुरस्कार मिला। बेलारूस की 26 वर्षीय सबालेंका ने 2024 में दो ग्रैंड स्लैम खिताब जीते और दुनिया की नंबर एक महिला टेनिस खिलाड़ी भी बनीं। टेनिस मीडिया के मतदान के अन्य परिणामों में ऐमा नवारो को सबसे अधिक सुधार करने वाली खिलाड़ी के रूप में सम्मानित किया गया। पाउला बडोसा को साल में सर्वश्रेष्ठ वापसी करने वाली खिलाड़ी और लुलु सन को साल की सर्वश्रेष्ठ नयी खिलाड़ी चुना गया। सारा इरानी और जैस्मिन पाओलिनी को साल की सर्वश्रेष्ठ युगल टीम चुना गया।

सबालेंका ने 2024 में जनवरी में ऑस्ट्रेलियन ओपन और सितंबर में अमेरिकी ओपन के साथ इस सत्र में दो अन्य खिताब जीते। उनका जीत-हार का रिकॉर्ड 56-14 रहा। उन्होंने लगभग एक करोड़ डॉलर की पुरस्कार राशि जीती। उन्होंने अक्टूबर में ईगा स्वियातेक को पछाड़कर शीर्ष रैंकिंग हासिल की।

दीपिका की हैट्रिक से भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराया

जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत

मस्कट, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। दीपिका की हैट्रिक की बदौलत गत विजेता भारत ने मलयेशिया को 5-0 से हराकर जूनियर महिला एशिया कप हॉकी में लगातार दूसरी जीत दर्ज की। यह टूर्नामेंट के इतिहास में भारत की मलयेशिया पर लगातार तीसरी जीत है। 2015 में भारत ने 9-1 से और 2023 में 2-1 से जीत दर्ज की थी। भारत ने पिछले मैच में बांग्लादेश को 13-1 से रौंदा था।

भारत के लिए इस मैच में दीपिका ने 37वें, 39वें और 48वें मिनट में गोल किया, जबकि वैष्णवी फाल्के ने 32वें और कनिका सिवाच ने 38वें मिनट में गोल किया। पेनाल्टी कॉर्नर हासिल करने के बावजूद मलयेशियाई रक्षण के आगे भारतीय टीम मध्यांतर तक कोई गोल नहीं कर पाई, लेकिन तीसरे क्वार्टर से स्थितियां बदल गईं। 32वें मिनट में वैष्णवी ने पेनाल्टी कॉर्नर को गोल में बदला।

पांच मिनट बाद दीपिका ने पेनाल्टी कॉर्नर पर ही गोल किया। 37वें मिनट में कनिका ने मैदानी गोल दागा। इसके बाद दीपिका ने पेनाल्टी स्ट्रोक और पेनाल्टी कॉर्नर पर गोल कर अपनी हैट्रिक पूरी की। छह अंकों के साथ गोल अंतर के आधार पर चीन के बाद भारत दूसरे स्थान पर है। दीपिका छह गोल के साथ टूर्नामेंट संयुक्त रूप से शीर्ष गोल स्कोरर हैं।

कुश मैनी ने जीता फॉर्मूला-2 कंस्ट्रक्टर्स चैंपियनशिप का खिताब

ऐसा करने वाले पहले भारतीय

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारतीय रेसर कुश मैनी ने फॉर्मूला-2 कंस्ट्रक्टर्स रेस जीतकर भारतीय खेलों में नया इतिहास रचा। वह एफआईए कंस्ट्रक्टर्स विश्व चैंपियनशिप जीतने वाले देश के पहले खिलाड़ी बन गए हैं। मैनी के लिए फार्मूला-2 में यह सत्र शानदार रहा। इससे पहले वह इस रेस में पोल पोजीशन हासिल करने वाले पहले भारतीय खिलाड़ी बने थे।

मैनी ने इनविक्टा रेसिंग की सफलता में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह टीम इस सत्र में पांच बार पोडियम पर पहुंची, जिसमें हंगरी में पहला स्थान हासिल करना भी शामिल है। इस भारतीय रेसर ने जेद्दा में पोल पोजीशन हासिल की थी। इस तरह से उन्होंने अपनी टीम के अभियान की शानदार नींव रखी, जिसका मैनी की पूर्व टीम कैम्पोस रेसिंग पर 34.5 अंकों के अंतर से जीत के साथ समापन हुआ।

पूजा ने जूनियर ऊंची कूद में राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया

भुवनेश्वर, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। हरियाणा की अंतरराष्ट्रीय ऊंची कूद खिलाड़ी पूजा ने यहां कलिंगा स्टेडियम में 39वीं राष्ट्रीय जूनियर चैंपियनशिप के तीसरे दिन अपने अंडर-18 राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। 17 वर्षीय पूजा ने हेप्टाथलॉन प्रतियोगिता के दौरान ऊंची कूद में 1.85 मीटर की छलांग के साथ राष्ट्रीय रिकॉर्ड में सुधार किया। उनका 1.83 मीटर का पिछला राष्ट्रीय रिकॉर्ड अगस्त में पेरू के लीमा में विश्व अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के दौरान दर्ज किया गया था।

इस साल की शुरुआत से लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे दिल्ली के होनहार 400 मीटर के धावक जय कुमार ने ट्रैक पर अपना दबदबा बनाए रखा।

पुरुषों की अंडर-20 400 मीटर दौड़ में उन्होंने स्वर्ण पदक जीतने के साथ ही 2017 में अमोज जैकब द्वारा निर्धारित 46.59 सेकंड के मीट रिकॉर्ड में सुधार किया। जय ने 46.29 सेकंड का समय लिया।

लड़कियों की अंडर-16 भाला फेंक में कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली और शीर्ष छह खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय रिकॉर्ड बेहतर किया। हरियाणा की मुस्कान 46.87 मीटर के सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के साथ स्वर्ण पदक जीतने में सफल रही। उन्होंने बड़े अंतर से इस साल शिवानी पटेल द्वारा बनाए गए 40.01 मीटर के पिछले अंडर-16 राष्ट्रीय रिकॉर्ड को पीछे छोड़ा।

आईपीएल में जिन्हें किसी ने पूछा तक नहीं

पीएसएल में लगेगी उनकी बोली, पीसीबी के सामने उठी ये मांग

इस्लामाबाद, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। भारत और पाकिस्तान के बीच आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी 2025 की तनातनी के बीच पाकिस्तान ने एक बड़ा फैसला लिया है. पाकिस्तान ने उन खिलाड़ियों के लिए अपने दरवाजे खोल दिए हैं जिन्हें आईपीएल 2025 की नीलामी में नहीं खरीदा गया. पाकिस्तान ने कई बड़े खिलाड़ियों की एक लिस्ट तैयार की है जो आईपीएल में अनसोल्ड रहे और उनके लिए पाकिस्तान सुपर लीग में खेलने की पेशकश की है. पीएसएल की टीमों ने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड को एक लिस्ट सौंपी है, जिसमें आईपीएल 2025 में ना बिकने वाले ऑस्ट्रेलिया के दिग्गज बल्लेबाज डेविड वॉर्नर और न्यूजीलैंड के स्टार बैटर केन विलियमसन जैसे कई मशहूर खिलाड़ी शामिल हैं.

आईपीएल में अनसोल्ड रहे इन खिलाड़ियों को लेकर पीएसएल टीमों के मालिक बड़ा दांव खेलना चाहते हैं. रिपोर्ट्स के मुताबिक़ PSL की टीमों के मालिक चाहते हैं कि पीसीबी इन खिलाड़ियों से संबंधित क्रिकेट बोर्ड से बातचीत करें. जिससे कि उनका पीएसएल में खेलने का रास्ता साफ हो सके. बताया जा रहा है कि पाकिस्तान सुपर लीग इन खिलाड़ियों की खरीदी के लिए लंदन या दुबई में एक ड्राफ्ट तैयार करने की योजना बना रहा है. आईपीएल में नहीं बिके खिलाड़ियों में इंग्लैंड के आदिल राशिद, जॉनी बेयरस्टो, साउथ अफ्रीका के केशव महाराज, डोनावन फरेरा, वेस्टइंडीज के अकील हुसैन, शे होप और ऑस्ट्रेलिया के विकेटकीपर बल्लेबाज एलेक्स कैरी भी शामिल हैं, जो इस ड्राफ्ट का हिस्सा सकते हैं. पीएसएल और आईपीएल का अगला सीजन 2025 में खेला जाएगा. दोनों लीग के मुकाबलों में टकराव देखने को मिलेगा. बता दें कि पकिस्तान सुपीर लीग 2025 की शुरुआत 7 मई से होगी. नए सीजन का पहला मैच कराची किंग्स और इस्लामाबाद यूनाइटेड के बीच खेला जाएगा. वहीं आईपीएल 2025 की शुरुआत 14 मार्च से होगी. जबकि फाइनल मैच 25 मई को खेला जाएगा. पीएसएल और आईपीएल के कुछ मुकाबले आईपीएल के आखिरी दौर में टकरा सकते हैं.

पाकिस्तान सुपर लीग आईपीएल की तर्ज की ही क्रिकेट लीग है. इसकी शुरुआत आईपीएल (2008) के शुरू होने 6 साल बाद हुई थी. इस लीग में भी आईपीएल की तरह ही अन्य देशों के खिलाड़ी भी खेलते हैं. हालांकि, जिस तरह आईपीएल में पाकिस्तानी क्रिकेटर्स नहीं खेलते हैं. ठीक वैसे ही पीएसएल में भी भारतीय खिलाड़ियों की मौजूदगी देखने को नहीं मिलती है. बता दें पाकिस्तानी खिलाड़ियों पर आईपीएल में खेलने पर बैन लगा हुआ है. वहीं आपको यह भी बता दें कि एक्टिव भारतीय क्रिकेटर्स को आईपीएल के अलावा किसी भी लीग क्रिकेट में बीसीसीआई की ओर से खेलने की अनुमति नहीं है.

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल : पहले नंबर पर पहुंची साउथ अफ्रीका, सिस्टम पर उठा सवाल

नई दिल्ली, 10 दिसंबर (एजेंसियां)। श्रीलंका को हराने के साथ साउथ अफ्रीका की टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की पॉइंट्स टेबल में पहले पायदान पर पहुंच गई है। वहीं अब एक मैच जीतने के साथ ही अफ्रीका की टीम फाइनल के लिए क्वालीफाई कर लेगी। वहीं अब साउथ अफ्रीका के पहले पायदान पर पहुंचने के बाद डब्ल्यूटीसी फाइनल पॉइंट्स के सिस्टम पर सवाल उठ रहा है।

क्यों उठा ये सवाल?

टेस्ट क्रिकेट को ज्यादा रोमांचक बनाने और फैंस का ध्यान इसकी तरफ खींचने के लिए

आईसीसी ने साल 2019 में वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप की शुरुआत की थी। जिसमें टॉप-9 टीमों को रखा जाता है। इसके अलावा टॉप-2 में रहने वाली टीमों के बीच फाइनल खेला जाता है। जीत प्रतिशत के हिसाब से टीम को पॉइंट्स टेबल में जगह मिलती है। हालांकि कुछ टीमों के लिए ये नियम घाटे का साबित बन चुका है। इस टूर्नामेंट के फॉर्मेट को लेकर अब सवाल उठ रहा है क्योंकि कुछ टीमें 10 मैच खेलती हैं, कुछ 15 और कुछ 20।

अगर मैच को जीतने के हिसाब से देखा जाए तो सबसे ज्यादा मैच जीतने वाली टीम टॉप-4 में भी नहीं है। जी हां इंग्लैंड ने अभी तक सबसे ज्यादा 11 मैच जीते हैं लेकिन ये टीम नंबर-5 पर बनी है, क्योंकि इंग्लैंड का जीत प्रतिशत कम है। इंग्लैंड ने 21 मैच खेले हैं। दूसरी तरफ महज 6 मैच जीतकर साउथ अफ्रीका की टीम पहले नंबर पर पहुंच गई है, चूंकि अफ्रीका ने 10 मैच खेले हैं। ऐसे में ये नियम इंग्लैंड जैसी टीम के लिए घाटे का सौदा साबित हो रहा है।

डब्ल्यूटीसी पॉइंट्स टेबल का हाल

फिलहाल डब्ल्यूटीसी फाइनल पॉइंट्स टेबल में साउथ अफ्रीका की टीम 63.33 जीत प्रतिशत के साथ पहले स्थान पर मौजूद है। इसके बाद 60.71 के साथ ऑस्ट्रेलिया दूसरे स्थान पर है। इसके अलावा एडिलेड टेस्ट में ऑस्ट्रेलिया से हारने के बाद टीम इंडिया 57.29 जीत प्रतिशत के साथ तीसरे स्थान पर खिसक गई है। वहीं श्रीलंका चौथे और इंग्लैंड पांचवें स्थान पर बनी हुई है।

राष्ट्रपति मुर्मू का दक्षिण प्रवास 17 से 21 दिसंबर तक

वरिष्ठ अधिकारियों के साथ मुख्य सचिव ने की बैठक

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू अपने वार्षिक प्रवास के तहत 17 से 21 दिसंबर तक हैदराबाद में रहेंगी। मुख्य सचिव ए शांति कुमारी ने मंगलवार को राष्ट्रपति के दौरे के बारे में वरिष्ठ अधिकारियों के साथ बैठक की।

उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे समन्वय के साथ काम करें और राष्ट्रपति के दौरे को प्रभावी ढंग से निपटाने के लिए व्यापक प्रबंध करें।

वन अधिकारियों को निर्देश दिया गया है कि वे सांप पकड़ने वालों की नियुक्ति करें और सांप पकड़ने का काम समय से पहले पूरा करें। उन्होंने कहा कि निलयम में सांप पकड़ने वाली टीम चौबीसों घंटे तैनात रहनी चाहिए। इसी तरह, आरपी निलयम और उसके आसपास बंदरों के आतंक से निपटने के लिए जीएचएमसी के साथ समन्वय करके विशेष टीमें तैनात की जानी चाहिए। इसी तरह जीएचएमसी को यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया कि मधुमक्खियों के छत्ते को पकड़ने का काम पहले ही कर लिया जाए।

पुलिस विभाग को पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था और उचित यातायात योजना बनानी चाहिए। अग्निशमन विभाग को पर्याप्त अग्निशमन व्यवस्था करनी चाहिए और सभी स्थानों पर आवश्यक कर्मचारियों के साथ दमकल गाड़ियां तैनात करनी चाहिए। आरएंडबी विभाग को आवश्यक बैरिकेडिंग और अन्य व्यवस्थाएं करने तथा जीएचएमसी और यातायात पुलिस विभाग के साथ समन्वय करके सड़क की मरम्मत करने का निर्देश दिया गया।

एमएयूडी विभाग को राष्ट्रपति के ठहरने के स्थान के आसपास की सफाई सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया। ऊर्जा विभाग को सभी आयोजन स्थलों पर निर्बाध बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए कहा गया।

बाघ दिखने से वाहन चालकों में दहशत

कुमराम भीम आसिफाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। सिरपुर (टी) मंडल के वेम्पल्ली गांव के पास रेलवे क्रॉसिंग पर रेलवे केबिन में मंगलवार को एक बाघ देखा गया, जिससे वाहन चालकों में दहशत फैल गई। भारतीय रेलवे के एक लाइनमैन ने कथित तौर पर बाघ को देखा और अपने मोबाइल फोन पर उसे रिकॉर्ड कर लिया।

उसने वीडियो क्लिप रेलवे के कर्मचारियों के साथ साझा की, जिन्होंने बदले में वन विभाग के अधिकारियों को बाघ की मौजूदगी के बारे में सूचित किया। रेलवे क्रॉसिंग का उपयोग करने वाले मोटर चालकों ने बाघ की आवाजाही के बाद सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। इस बीच, स्थानीय लोगों ने आरोप लगाया कि सिरपुर (टी) मंडल के हुडकिली गांव में एक घर में लकड़ी के खंभे से बंधे एक बछड़े को बाघ ने मार डाला। स्थानीय लोगों ने कहा कि जंगल में बाघ की आवाजाही के कारण वे डर के साये में जी रहे हैं।

मैं कभी अपने पिता पर निर्भर नहीं रहा: मंचू मनोज

न ही कोई संपत्ति मांगी

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु अभिनेता मंचू मनोज ने अपने पिता मंचू मोहन बाबू द्वारा उनके खिलाफ लगाए गए आरोपों की निंदा की। उन्होंने स्पष्ट किया कि ये झूठे, निराधार और उन्हें बदनाम करने तथा उनकी आवाज को दबाने का जानबूझकर किया गया प्रयास है। मनोज द्वारा जारी एक प्रेस बयान में अभिनेता ने कहा कि उनके और उनकी पत्नी मौनिका तथा परिवार के सदस्यों के खिलाफ लगाए गए दावे मनगढ़ंत हैं और उन्होंने कभी भी वित्तीय सहायता के लिए अपने पिता पर भरोसा नहीं किया और न ही कोई संपत्ति मांगी।

मोहन बाबू विश्वविद्यालय मामले में अनियमितताओं पर सवाल उठाने में उनकी आवाज को दबाने के लिए उनके खिलाफ आरोप लगाए गए। मनोज ने बयान में कहा कि यह तब सामने आया जब मैंने एमबीयू के छात्रों और स्थानीय व्यापारियों का सार्वजनिक रूप से समर्थन किया, जिनका विष्णु और उनके सहयोगी विनय माहेश्वरी द्वारा शोषण किया जा रहा है। मेरे पास वित्तीय अनियमितताओं और शोषण के पर्याप्त सबूत हैं, जिन्हें मैं संबंधित अधिकारियों के सामने पेश करने के लिए तैयार हूं।

उन्होंने आगे कहा कि वह एक साल से ज़्यादा समय से अपने पारिवारिक घर (फार्म हाउस) में रह रहे हैं। उन्होंने कहा कि सिर्फ़ मेरे पिता और उनके करीबी दोस्तों के कहने पर ही मैंने यहां रहने का आग्रह किया क्योंकि मेरे बड़े भाई विष्णु के दुबई चले जाने के बाद मेरी मां अकेली हो गई थीं। उस समय मेरी पत्नी गर्भवती थी और यह आरोप कि मैं कुछ महीने पहले यहाँ आया हूँ, झूठा है।

आरोपों के विपरीत, अभिनेता ने अपने पिता से किसी भी तरह की संपत्ति मांगने से इनकार किया और कहा कि मैंने कभी भी संपत्ति या विरासत नहीं मांगी। मैं किसी को भी इसके विपरीत सबूत पेश करने की चुनौती देता हूं। उन्होंने आरोप लगाया कि उनके प्रोजेक्ट 'अहम ब्रह्मास्मि' को व्यक्तिगत पक्षपात के कारण बंद कर दिया गया, जबकि उनके भाई को अटूट पारिवारिक समर्थन का लाभ मिलता रहा। फार्म हाउस से गायब सीसीटीवी फुटेज पर मनोज ने कहा कि हार्ड ड्राइव विष्णु के सहयोगी विजय रेड्डी और किरण ने ले ली थी। इससे पहले पिता-पुत्र की जोड़ी ने राचकोंडा पुलिस में एक-दूसरे के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी।

मनोज ने पुलिस पर एकतरफा रुख अपनाने का लगाया आरोप

मंचू परिवार का ड्रामा

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। पहाड़ी शरीफ के जलपल्ली में दिग्गज अभिनेता मंचू मोहन बाबू के आवास पर पारिवारिक ड्रामा मंगलवार को भी जारी रहा, जहां उनके छोटे बेटे मंचू मनोज ने इस मामले में कथित तौर पर एकतरफा रुख अपनाने और अपने पिता का समर्थन करने के लिए पुलिस की आलोचना की।

मनोज, जो अपनी पत्नी भूमा मौनिका रेड्डी के साथ मोहन बाबू के निवास पर गए थे, ने कहा कि जब मेरे बच्चे घर पर हैं, तो ऐसा करना सही नहीं है। मेरी पत्नी और बच्चों को बिना सुरक्षा के छोड़ दिया गया है। मैं अपनी पत्नी और बच्चों की सुरक्षा के लिए बाउंसर लेकर आया था। हमारे बाउंसरों को बाहर क्यों भेजा गया? मैंने पुलिस से अपने परिवार को सुरक्षा देने के लिए कहा, लेकिन वे मेरे समर्थकों को धमका रहे हैं। वे पक्षपातपूर्ण तरीके से काम कर रहे हैं।

बीआरएस ने तेलुगु तल्ली की नई प्रतिमा के खिलाफ किया प्रदर्शन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। तेलुगु तल्ली प्रतिमा की पुनः डिजाइन की गई स्थापना को लेकर राजनीतिक तूफान तब और बढ़ गया जब राज्य भर में बीआरएस नेता और समर्थक विरोध में सड़कों पर उतर आए। विरोध प्रदर्शन राज्य सरकार द्वारा पहले की डिजाइन को बदलकर नई डिजाइन स्थापित करने के फैसले के बाद शुरू हुआ, जिसके बारे में बीआरएस नेताओं का कहना है कि यह कदम तेलंगाना की पहचान मिटाने का प्रयास है।

सोमवार को पार्टी के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के आह्वान पर बीआरएस कार्यकर्ताओं ने राज्य के विभिन्न हिस्सों में मौजूदा तेलुगु तल्ली की मूर्तियों की सफाई की। उन्होंने मूर्ति पर दूध चढ़ाया और पलाभिषेक किया, मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी द्वारा किए गए पापों के लिए उनका आशीर्वाद और क्षमा मांगी। उन्होंने तेलुगु तल्ली की मूर्तियों पर माल्यार्पण किया और जय तेलंगाना के नारे लगाए। बीआरएस एमएलसी के कविता ने तेलंगाना भवन में प्रदर्शन का

नेतृत्व किया, जहां उन्होंने जीएचएमसी पार्षदों और स्थानीय नेताओं के साथ मिलकर नए स्वरूप का कड़ा विरोध किया। सरकारी आदेशों की अवहेलना के प्रतीकात्मक कार्य में, उन्होंने तेलंगाना भवन में बीआरएस द्वारा स्थापित मूल तेलुगु तल्ली प्रतिमा पर दूध चढ़ाया।

कविता ने कांग्रेस पर राजनीति से प्रेरित होकर मूर्ति स्थापित करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि नई मूर्ति तेलंगाना की भावना का नहीं बल्कि कांग्रेस की भावना का प्रतिनिधित्व करती है। उन्होंने कहा कि यह तेलंगाना के राज्य आंदोलन की विरासत को कमजोर करती है। उन्होंने कहा कि बथुकम्मा, हमारी विशिष्ट पहचान, को हटा दिया गया है और उसकी जगह कांग्रेस के चुनाव चिन्ह 'हाथ' को लगा दिया गया है। नई मूर्ति राज्य के संघर्ष और हमारे लोगों के बलिदान का अपमान करती है।

कविता ने तेलुगु तल्ली की छवि को बिगाड़ने के पीछे के कारणों पर सवाल उठाते हुए रेवंत रेड्डी की भी आलोचना की। तेलंगाना के लोगों की आकांक्षाओं को दर्शाते हुए राज्य के आधिकारिक संक्षिप्त नाम को टीएस से टीजी में बदलने पर रेवंत रेड्डी के जोर का हवाला देते हुए उन्होंने पूछा कि उन्होंने तेलुगु तल्ली के डिजाइन को बदलने का फैसला क्यों किया, जिसे राज्य के आंदोलन का प्रतिनिधित्व करने के लिए बनाया गया था। विधायकों और विधान पार्षदों सहित वरिष्ठ बीआरएस नेताओं ने विरोध प्रदर्शन में भाग लिया और अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में तेलुगु तल्ली की मूर्तियों को साफ किया। उन्होंने मांग की कि राज्य सरकार अपना फैसला वापस ले और तेलुगु तल्ली के मूल डिजाइन को बहाल करे।

तेलुगु तल्ली प्रतिमाओं का किया क्षीराभिषेक

आदिलाबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। बीआरएस के कार्यकर्ताओं ने मंगलवार को पूर्ववर्ती आदिलाबाद जिले के कई हिस्सों में तेलुगु तल्ली की प्रतिमा में परिवर्तन के विरोध में प्रतिमा का क्षीराभिषेक किया। पूर्व मंत्री जोगु रमन्ना ने आदिलाबाद शहर में बीआरएस पार्टी के कार्यालय परिसर में आयोजित एक कार्यक्रम में यह अनुष्ठान किया। उन्होंने मूर्ति का डिज़ाइन बदलने के लिए सरकार की आलोचना की। उन्होंने मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी से कहा कि मूर्ति के डिजाइन में बदलाव करने के बजाय प्रशासन को बेहतर बनाने पर ध्यान दें।

बीआरएस के कार्यकारी अध्यक्ष केटी रामाराव के निर्देश पर मंचेरियल और चेन्नूर कस्बों में आयोजित इसी कार्यक्रम में बीआरएस के कार्यकर्ताओं ने हिस्सा लिया। उन्होंने नए सिरे से डिजाइन की गई मूर्ति के खिलाफ नारे लगाए और सरकार से मूर्ति के पुराने डिजाइन को जारी रखने की मांग की। उन्होंने कहा कि सरकार मूर्तियों और तत्कालीन सरकार द्वारा शुरू की गई योजनाओं में बदलाव करने के लिए जुनूनी है। इसी तरह के कार्यक्रम कुमराम भीम आसिफाबाद और निर्मल जिलों में भी आयोजित किए गए।

कालभैरव जयंती में भाग लेंगी मंत्री

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंदिर सेवा समिति ने वानिकी, पर्यावरण और धर्मस्व मंत्री कोंडा सुरेखा को 22 और 23 दिसंबर को हैदराबाद के उप्पल भगायत में श्री श्री स्वयंभू कालभैरव मंदिर में आयोजित कालभैरव जयंती और ब्रह्मोत्सव में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया है। मंदिर सेवा समिति के सदस्यों ने मंत्री सुरेखा से हैदराबाद के जुबली हिल्स स्थित उनके आवास पर मुलाकात की और निमंत्रण दिया। उन्होंने मंत्री सुरेखा से इस अवसर पर पूजा अनुष्ठान में भाग लेने का अनुरोध किया।

बीआरएस ने काजीपेट कोच फैक्ट्री, रेलवे डिवीजन के लिए दिया जोर

केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से की मुलाकात, सौंपा ज्ञापन

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। भारत राष्ट्र समिति ने तेलंगाना में अन्य विकास परियोजनाओं के अलावा काजीपेट में रेलवे कोच फैक्ट्री की स्थापना और काजीपेट जंक्शन को रेलवे डिवीजन में अपग्रेड करने की मांग की है। राज्यसभा सांसद वड्डीराजू रविचंद्र और पूर्व मुख्य सचेतक दास्यम विनय भास्कर के नेतृत्व में बीआरएस प्रतिनिधिमंडल ने मंगलवार को केंद्रीय रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से मुलाकात की और इस संबंध में एक ज्ञापन सौंपा।

बैठक के दौरान विनय भास्कर ने बताया कि काजीपेट में कोच फैक्ट्री वारंगल क्षेत्र के लोगों की 60 साल पुरानी आकांक्षा थी, जिसकी जड़ें तेलंगाना आंदोलन में हैं। उन्होंने कहा कि राज्य आंदोलन के दौरान इस मांग को उठाया गया था और इसे आंध्र प्रदेश पुनर्गठन अधिनियम में शामिल किया गया था। बीआरएस शासन के दौरान राज्य सरकार द्वारा परियोजना के लिए भूमि आवंटित किए जाने के बावजूद, प्रस्ताव को मूर्त रूप नहीं दिया गया। प्रतिनिधिमंडल ने रेल मंत्री से काजीपेट रेलवे जंक्शन को डिवीजन का दर्जा देने, प्लेटफॉर्म बढ़ाने और विकास के लिए बड़ा बजट आवंटित करने का आग्रह किया। उन्होंने स्थानीय लोगों के लिए 60 प्रतिशत नौकरी आरक्षण और आईटीआई छात्रों के लिए प्रशिक्षुता सहित स्थानीय रोजगार के अवसरों को बढ़ाने का भी अनुरोध किया। अन्य मांगों में वारंगल रेलवे स्टेडियम का विकास, छोटे व्यापारियों के लिए वेंडिंग जोन का निर्माण और फातिमा ब्रिज और बोडागुट्टा फुट-ओवर-ब्रिज परियोजनाओं में तेजी लाना शामिल था। इससे पहले सोमवार को बीआरएस नेताओं ने विलंबित परियोजनाओं को उजागर करने के लिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर धरना दिया।

इसके अलावा, बीआरएस सांसदों केआर सुरेश रेड्डी, वड्डीराजू रविचंद्र और दिवाकोंडा दामोदर राव ने अश्विनी वैष्णव को एक और ज्ञापन सौंपा, जिसमें भद्राचलम रोड स्टेशन (कोत्तागुडेम) से हैदराबाद तक की ट्रेनें बहाल करने की मांग की गई, जिन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान रद्द कर दिया गया था। उन्होंने तिरुपति के लिए विशेष ट्रेन सेवाओं सहित नई ट्रेनों के संचालन, जयपुर और बिहार से जुड़ी ट्रेनों के लिए खम्मम में ठहराव प्रदान करने और गांधीपुरम, करेपल्ली और अन्य रेलवे स्टेशनों के आधुनिकीकरण की भी मांग की।

स्कूलों को कॉमन एरिया में शिक्षकों की तस्वीरें लगाने का निर्देश

प्रॉक्सी शिक्षकों पर अंकुश लगाने की पहल

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। प्रॉक्सी शिक्षकों पर अंकुश लगाने के लिए स्कूल शिक्षा विभाग ने अपने अंतर्गत आने वाले सरकारी स्कूलों को निर्देश दिया है कि वे स्कूल परिसर के सार्वजनिक क्षेत्र में शिक्षकों की तस्वीरें अनिवार्य रूप से प्रदर्शित करें। स्कूल शिक्षा निदेशक ईवी नरसिम्हा रेड्डी ने हाल ही में एक आदेश जारी कर सरकारी और स्थानीय निकाय स्कूलों, केजीबीवी, मॉडल स्कूलों और टीजीआरईआईएस स्कूलों को इसे तत्काल प्रभाव से लागू करने का निर्देश दिया है।

स्कूल शिक्षा निदेशक ने स्कूलों से कहा कि वे शिक्षकों के स्थानांतरण या सेवानिवृत्ति के मामले में उनकी तस्वीरों को अपडेट करने का प्रावधान करें। रेड्डी ने कहा कि राज्य के सभी जिला शिक्षा अधिकारियों और पदेन जिला परियोजना अधिकारियों से अनुरोध है कि वे सरकार, स्थानीय निकाय, यूआरएस, केजीबीवी, टीएसएमएस और टीआरईआईएस प्रबंधन के सभी प्रधानाध्यापकों, विशेष अधिकारियों, प्रधानाचार्यों को निर्देश दें कि वे शिक्षकों की तस्वीरों को स्कूल परिसर में एक आम क्षेत्र में प्रदर्शित करें।

डीईओ को जिला समन्वयकों, एमईओ, एमएनओ, कॉम्प्लेक्स एचएम आदि को निर्देश देने के लिए कहा गया है कि वे अपने दौरे के दौरान गतिविधि की निगरानी करें और देखें कि 100 प्रतिशत स्कूल नियम का पालन करते हैं। प्रॉक्सी शिक्षकों के अलावा, इस पहल का उद्देश्य शिक्षकों की अनुपस्थिति को संबोधित करना है। देशभर के सरकारी स्कूलों में प्रॉक्सी शिक्षकों की समस्या के चलते शिक्षा मंत्रालय ने हाल ही में सभी राज्यों को निर्देश दिया है कि वे स्कूल के कॉमन एरिया में शिक्षकों की तस्वीरें लगाएं। दरअसल, हाल ही में मंत्रालय द्वारा आयोजित तीसरे मुख्य सचिव सम्मेलन में यह प्राथमिकता वाले क्षेत्रों में से एक था।

पता चला है कि खम्मम जिले के कुछ दूरदराज के इलाकों में कुछ वरिष्ठ शिक्षकों ने 10,000 रुपये में गांवों से प्रॉक्सी शिक्षकों को काम पर रखा है। इसके अलावा, आरोप हैं कि कुछ शिक्षक संघों के नेता राज्य सरकार से ड्यूटी पर जाने का अधिकार न होने के बावजूद स्कूलों में अपने काम पर नहीं आते हैं। अब, इस पहल से छात्रों को शिक्षकों की अनुपस्थिति की पहचान करने में मदद मिलेगी।

4 लोगों ने की आत्महत्या की कोशिश

मंचेरियल, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। मंगलवार को थंडूर मंडल के कासिपेट गांव में आर्थिक तंगी के चलते एक ही परिवार के 4 सदस्यों ने कथित तौर पर खरपतवारनाशक पीकर आत्महत्या करने की कोशिश की। उनकी हालत गंभीर बताई जा रही है। घटना की प्रारंभिक जांच करने वाली पुलिस ने बताया कि समुद्राला मोंडैया, उनकी पत्नी श्रीदेवी, बेटी चिट्टी और बेटे शिव प्रसाद ने जहरीला खरपतवारनाशक खाकर आत्महत्या करने की कोशिश की, क्योंकि वे परिवार के एक सदस्य द्वारा खेले गए ऑनलाइन गेम में हुए नुकसान के कारण उत्पन्न वित्तीय संकट से उदास थे।

पुलिस ने बताया कि आगे की जांच के बाद ही इस प्रयास के पीछे का सही कारण पता चल सकेगा। उनके इस कदम के पीछे का कारण बताने के लिए कोई रिश्तेदार उपलब्ध नहीं था। चारों को पहले मंचेरियल कस्बे के एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया और फिर उनकी हालत बिगड़ने पर उन्हें वारंगल के महात्मा गांधी मेमोरियल अस्पताल में भर्ती कराया गया।

साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय को डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार मिला

हैदराबाद, 10 दिसंबर (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस आयुक्त अविनाश मोहंती ने साइबराबाद की डीसीपी साइबर क्राइम सुश्री श्रीबाला बी. को नई दिल्ली में आयोजित नैसकॉम-डीएससीआई वार्षिक सूचना सुरक्षा शिखर सम्मेलन में साइबराबाद पुलिस की ओर से प्रतिष्ठित डेटा सिक्योरिटी काउंसिल ऑफ इंडिया (डीएससीआई) उत्कृष्टता पुरस्कार 2024 प्राप्त करने के लिए बधाई दी। साइबराबाद पुलिस आयुक्तालय को "कानून प्रवर्तन एजेंसियों की क्षमता निर्माण में उत्कृष्टता" के लिए डीएससीआई उत्कृष्टता पुरस्कार से सम्मानित किया गया।साइबर सुरक्षा और डेटा सुरक्षा के लिए साइबर अपराध इकाई, साइबराबाद के उत्कृष्ट योगदान को मान्यता देते हुए साइबराबाद पुलिस को साइबर खतरों को संबोधित करने और अपनी समर्पित साइबर अपराध इकाई के माध्यम से साइबर सुरक्षा सुनिश्चित करने में अपने अभिनव और निरंतर प्रयासों के लिए मान्यता दी गई। इनमें साइबर अपराध पुलिस स्टेशन साइबर अपराध के कई मामलों को संबोधित करने वाली एक विशेष इकाई है। इसी तरह तेलंगाना पुलिस उत्कृष्टता केंद्र केंद्र साइबर-सुरक्षित वातावरण को बढ़ावा देने के लिए उद्योग, सरकार और अंतर्राष्ट्रीय हितधारकों को एकजुट करने वाले एक सहयोगी मंच के रूप में कार्य करता है। टीजीपीसीसी द्वारा विकसित क्राइम ओएस टूल जांच को सुव्यवस्थित करता है। सीआईएसओ परिषद अक्टूबर 2023 में शुरू की गई यह पहल उभरते साइबर खतरों के प्रति प्रतिक्रियाओं को मजबूत करने के लिए निजी क्षेत्र से साइबर सुरक्षा विशेषज्ञता को एक साथ लाती है। ये पहल साइबर अपराध की जांच और रोकथाम के लिए प्रौद्योगिकी और साझेदारी का लाभ उठाने के लिए साइबराबाद पुलिस की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

रैगिंग विरोधी उपायों को मजबूत करें कॉलेज

एनएमसी ने जारी किया निर्देश

हैदराबाद, 10 दिसम्बर (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग (एनएमसी) ने सभी सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों को कड़े शब्दों में लिखे पत्र में कॉलेज प्रबंधन को निर्देश दिया है कि वे युवा डॉक्टरों के रैगिंग का शिकार होने की घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए रैगिंग विरोधी उपायों को मजबूत करें। स्पष्ट नियमों के बावजूद, देश भर के मेडिकल कॉलेजों में अनुपालन में खामियां पाई गई हैं। एनएमसी ने सोमवार को कहा कि इन खामियों में अपर्याप्त निगरानी तंत्र, एंटी-रैगिंग दस्तों की अनुपस्थिति, वार्षिक एंटी-रैगिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करने में विफलता और रैगिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के लिए अपर्याप्त कदम शामिल हैं।

इस तरह का गैर-अनुपालन नियामक ढांचे को कमजोर करता है और युवा डॉक्टरों की सुरक्षा और संस्थागत अखंडता के लिए खतरा पैदा करता है। एनएमसी ने सोमवार को जारी अपने निर्देशों में कहा कि एनएमसी सभी मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों से आग्रह करता है कि वे विनियमन, 2021 में उल्लिखित मजबूत एंटी-रैगिंग तंत्र को लागू करें। रैगिंग गतिविधियों की निगरानी और पहचान करने के लिए एंटी-रैगिंग स्क्वॉड का गठन और सक्रिय करें। एंटी-रैगिंग नीतियों के बारे में शिक्षकों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच व्यापक जागरूकता सुनिश्चित करें। समय पर वार्षिक एंटी-रैगिंग रिपोर्ट प्रस्तुत करें। किसी भी तरह के उत्पीड़न से मुक्त एक सुरक्षित और अनुकूल शिक्षण वातावरण स्थापित करें।

एनएमसी के प्रभारी अध्यक्ष और पोस्ट ग्रेजुएट मेडिकल एजुकेशन बोर्ड (पीजीएमईबी) के अध्यक्ष डॉ. विजय ओझा ने स्पष्ट किया कि मेडिकल कॉलेजों द्वारा एंटी-रैगिंग नियमों का पालन न करने पर मेडिकल कॉलेजों और संस्थानों में रैगिंग की रोकथाम और निषेध विनियम, 2021 के प्रावधानों के अनुसार सख्ती से निपटा जाएगा।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.